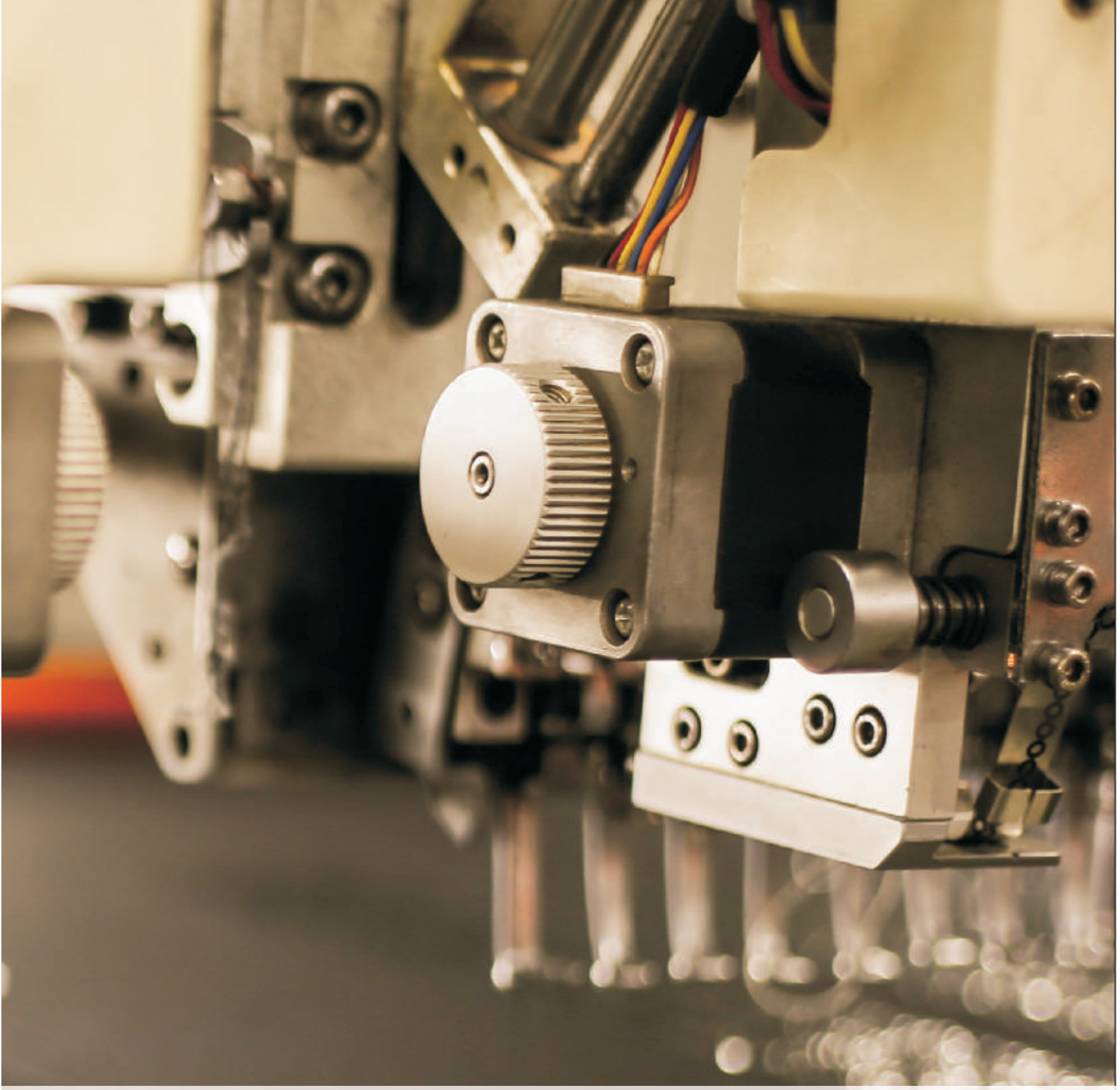

30वीं वार्षिक रिपोर्ट
2015 - 16

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान

एक सांविधिक संस्थान निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

निफ्ट कैम्पस, हौज खास, गुलमोहर पार्क के सामने, नई दिल्ली–110016

30वीं वार्षिक रिपोर्ट

2015–2016

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान

एक सांविधिक संस्थान निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

निफ्ट कैम्पस, हौज खास, गुलमोहर पार्क के सामने, नई दिल्ली–110016

A Modern take on
handcrafted products

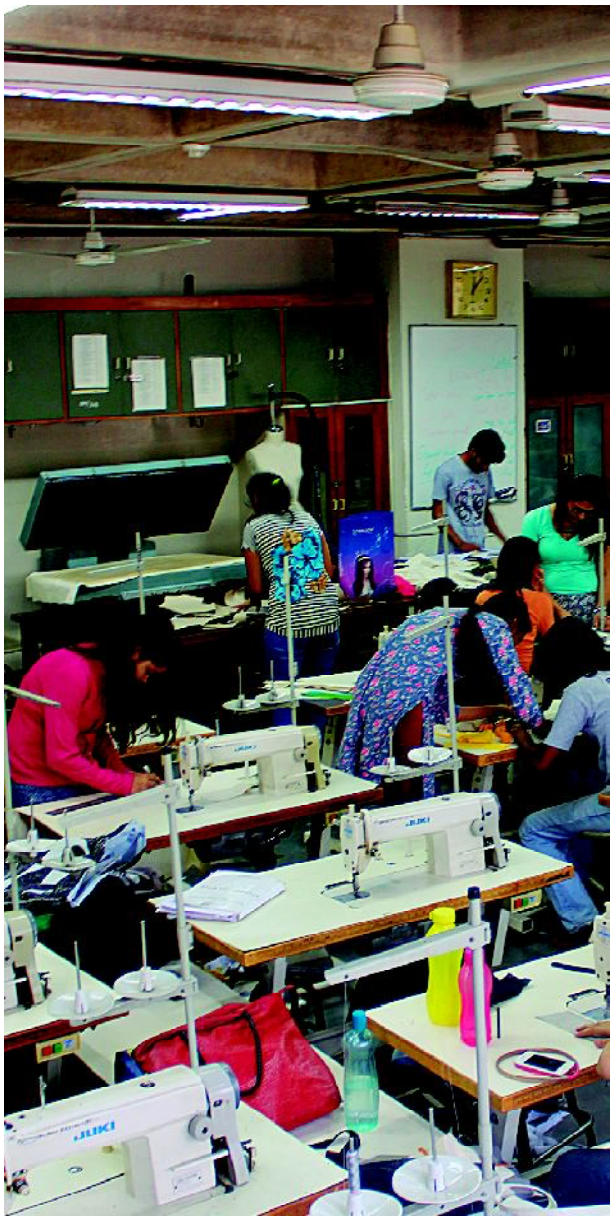

विषय सूची

01	बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (2015-16)
05	निफ्ट प्रस्तावना
07	उल्लेखनीय उपलब्धियां
08	छात्र विकासात्मक गतिविधियां
09	निफ्ट कैम्पसेज
	शैक्षणिक विभाग
11	फैशन डिजाइन
19	लेदर डिजाइन
31	टैक्सटाईल डिजाइन
41	निट्वियर डिजाइन
55	फैशन एंड लाईफस्टाईल एक्सेसरी
69	फैशन कम्यूनिकेशन
85	फैशन टेक्नोलॉजी
93	फैशन प्रबंधन अध्ययन
99	डिजाइन स्पेस
103	राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
106	राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
107	क्लस्टर विकास पहल
111	सूचना प्रौद्योगिकी पहल
113	सतत् शिक्षण कार्यक्रम
117	कैंपस प्लेसमेंट
119	पीएच.डी और अनुसंधान
126	संकाय उन्मुख प्रशिक्षण और विकास
127	प्रवेश 2015
128	दीक्षांत समारोह 2015
129	संक्षिप्त रूप
130	लेखा परीक्षक रिपोर्ट और लेखों का विवरण

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स

मार्च 2016 तक के सदस्य

श्रीमती किरण धींगरा, आईएएस (से.नि.) **अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, निफ्ट**	83 सी गांव गांसिम–भातिम पोस्ट ऑफिस गोआ वेल्हा तालुका तिसवाड़ी, गोआ – 403108
श्री नरेश गुजराल **माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा**	5, अमृता शेरगिल मार्ग नई दिल्ली 110003
श्री एस. सिल्वाकुमार चिन्नयन **माननीय संसद सदस्य, लोक सभा**	एस–3, एससीपी रेजिडेंसी, बीवीबी स्कूल मेन रोड, थिंडल, जिला, इरोड–638 012 तमिलनाडू
श्रीमती पूनम महाजन **माननीय संसद सदस्य, लोक सभा**	ब्लॉक नं. 2 भीमा वर्ली सागर कोऑपरेटिव सोसाइटी डॉ. पोचखनवाला रोड, वर्ली मुम्बई–400 030
श्री जे.के. दादू, ए एस एण्ड एफए एमओटी (03.08.2015 से 31.03.2016 तक)	रूम नं. 35, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
श्रीमती सुनयना तोमर **संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय**	रूम नं'. 271, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री सुखबीर सिंह संधु, आईएएस, **संयुक्त सचिव, (सीयू एवं एल)**	रूम नं. 107 सी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली–110 001
श्री सुनील सेठी	अध्यक्ष, भारतीय फैशन डिजाईन परिषद् 209, ओखला औद्योगिक एस्टेट, फेज–3, नई दिल्ली–110020

श्रीमती कविता भरतिया	मैसर्स ओगान आवासीय पता : 2, अमृता शेरगिल मार्ग, नई दिल्ली–3
श्रीमती वंदना कोहली (03.02.2016 से 31.03.2016 तक)	82ए, सोमरसेट हाऊस सोफिया कॉलिज लेन ब्रेच केंडी, मुम्बई – 400 026
डॉ. ए शक्तिवेल	अध्यक्ष, पोपीस निटवेयर प्रा. लि. 33 एम. पी. नगर, कंगू नगर विस्तार तिरपुर–641 607 (तमिलनाडू)
श्रीमती नमिता आर.एल. चौधरी	रोशन कॉर्नर दी लॉरेन्स विद्यालय, सनावार तहसील–कसौली, जिला–सोलन हिमाचल प्रदेश–173204
श्री सब्यसाची मुखर्जी	फैशन डिजाइनर, सब्यसाची कोचर 80/2, टॉपसिया मार्ग, दक्षिण मारुति बागान कोलकाता–700046
श्री प्रद्युम्न व्यास	निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद–380 007
श्री सुधीर त्रिपाठी **महानिदेशक** (01.10.2015 से आज तक)	राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान हौज खास, नई दिल्ली–16

निफ्ट के अधिकारीगण

मुख्यालय

मार्च 2016 तक

श्री सुधीर त्रिपाठी, आईएएस
महानिदेशक

श्रीमती प्रमिला शरण, आईआरएस
अतिक्ति महानिदेशक एवं
मुख्य सतर्कता अधिकारी

श्री बी.के. पाण्डे
सीएओ एवं
निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रभारी

प्रो. डॉ. वन्दना भंडारी
डीन (शैक्षणिक)

प्रो. सिबीचन के. मैथ्यू
प्रमुख (शैक्षणिक मामले)

डॉ. संजीव कुमार
निदेशक (एन आर सी) एवं सूचना प्रौद्योगिकी

श्रीमती नीनू टेकचंदानी
रजिस्ट्रार एवं बोर्ड सचिव

सुश्री सिंजु महाजन
प्रमुख (क्लस्टर)

प्रो. रूसैल तिमोथी
प्रमुख (सतत् शिक्षा एवं डिप्लोमा प्रोग्राम)

श्री विजय कुमार दुआ
प्रमुख (कार्पोरेट कम्यूनिकेशन सेल)

श्री सुशील रतूड़ी
प्रमुख (उद्योग)

प्रो. एम. के. गांधी
प्रमुख (सूचना प्रौद्योगिकी)

प्रो. डॉ. शालिनी सूद
प्रमुख (अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय लिंकेज)

प्रो. डॉ. सुहैल अनवर
प्रमुख (परियोजना)

प्रो. डॉ. प्रबीर जाना
प्रमुख (अनुसंधान)

श्री शिवशक्ति ई
प्रमुख (एफओटीडी, एफडीपी एवं ब्रिज)

शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष

मार्च 2016 तक

श्रीमती रूपा अग्रवाल
डिजाइन स्पेस विभाग

श्रीमती सुषमा एस. सेतवाल
फैशन कम्यूनिकेशन विभाग

प्रो. मोनिका गुप्ता
फैशन डिजाइन विभाग

श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी
फैशन एवं जीवन शैली एसेसरीज

डॉ. जी. एच. एस. प्रसाद
फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग

प्रोफेसर डॉ. नूपुर आनंद
फैशन टैक्नालॉजी विभाग

प्रोफेसर जोमीचन एस पट्टाथिल
फांउडेशन कार्यक्रम

श्री वी. पी. सिंह
निटवियर डिजाइन विभाग

श्री राहुल सेठी
लेदर डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. सुधा धींगरा
टैक्सटाईल डिजाइन विभाग

निफ्ट कैम्पसों में
अधिकारीगण
मार्च 2016 तक

बैंगलूरू
प्रो. वी. शिवालिंगम
कैम्पस निदेशक

श्री एम. मुथुकुमार
संयुक्त निदेशक

भोपाल
श्री यू. एस. टोलिया
कैम्पस निदेशक

श्री समीर सूद
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

भुवनेश्वर
डा. के. सी. एस. रे
कैम्पस निदेशक

ले. कर्नल एल.एम. स्वेन
संयुक्त निदेशक

चेन्नई
प्रोफेसर डा. अनिता माबल मनोहर
कैम्पस निदेशक

श्री बी नरसिम्हन
संयुक्त निदेशक

गांधीनगर
श्री अरिंदम दास
कैम्पस निदेशक

श्री एन बी वैष्णव
संयुक्त निदेशक

हैदराबाद
डा. एन जे राजाराम
कैम्पस निदेशक

श्री डी. गोपालकृष्णन
संयुक्त निदेशक

जोधपुर
प्रो. डॉ. रघुराम जयरमन
कैम्पस निदेशक (प्रभारी)

श्री एन.एस. बोरा
संयुक्त निदेशक

कांगडा
प्रोफेसर एस. के. बालासिद्धार्थ
कैम्पस निदेशक

श्री डी.के. रंगरा
संयुक्त निदेशक

कन्नूर
श्री राजीव पंत
कैम्पस निदेशक

श्री जी. रमेश बाबू
संयुक्त निदेशक

कोलकाता
प्रो. बिनवंत कौर
कैम्पस निदेशक (प्रभारी)

श्री कुशल जांगिड
संयुक्त निदेशक

मुम्बई
सुश्री नीलिमा आर. सिंह
कैम्पस निदेशक

श्री बृजेश देओरे
संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली
प्रो. डॉ. वन्दना नारंग
कैम्पस निदेशक (प्रभारी)

पटना
प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव
कैम्पस निदेशक

श्री शंकर कुमार झा
संयुक्त निदेशक

रायबरेली
डॉ. भारत शाह
कैम्पस निदेशक

श्री अखिल सहाय
संयुक्त निदेशक

शिलांग
श्रीमती आर.आर. मारक
कैम्पस निदेशक (प्रभारी)

जम्मू एवं कश्मीर
प्रो. एस.के. बाला सिद्धार्थ
कैम्पस निदेशक (प्रभारी)

प्रस्तावना

राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान (निफ्ट) की स्थापना फैशन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त वृत्तिकों की बढ़ती हुई आवश्यकता की पूर्ति करने के उद्देश्य से 1986 में हुई थी। अपनी स्थापना के बाद से यह वृत्तिक फैशन शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी नायक के रूप में उभरकर सामने आया है तथा इसने प्रबंध और प्रौद्योगिकी के साथ डिजाइन का बखूबी मिश्रण किया है।

निफ्ट के स्नातक परिवर्तन के अग्रणी संवाहक हैं तथा वे अपने संस्थान की अनेकानेक उपलब्धियों और सफलता गाथाओं को नए–नए आयाम प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के पूर्व छात्र भारत और विदेश, दोनों ही स्थानों में, विभिन्न कार्य परिदृश्यों में मूल्यवर्धन प्रदान कर रहे हैं। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले पदों पर आसीन रहते हुए उद्योग में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं तथा फैशन व्यावसाय के भविष्य का निर्माण करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आज निफ्ट बेंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली और शिलांग में स्थित और पेशेवर तरीके से प्रबंधित कैंपसों के नेटवर्क के माध्यम से विचारप्रद नेतृत्व का अग्रेता बन गया है।

निफ्ट अपने छात्रों के लिए बहुविषयक और व्यावसायिक परिवेश का सृजन करने पर ध्यान–केन्द्रित करता है। इसके स्टूडियो और प्रयोगशालाएं श्रेष्ठ औद्योगिक स्थापनाओं के समतुल्य ही अद्यतन मशीनों और साफ्टवेयरों से सुसज्जित हैं। प्रशिक्षित और अनुभवी प्राध्यापक द्वारा व्यावहारिक, पारस्परिक संपर्कपूर्ण शिक्षण संचालित किया जाता है। निफ्ट द्वारा अपनाई गई सहायता और सहयोगपूर्ण शिक्षण की नीति संकाय विनिमय कार्यक्रमों और शिक्षुतावृत्तियों को प्रोत्साहित करती है। संस्थान पेशेवर और शैक्षणिक संगठनों के साथ ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान–प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

निफ्ट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुका है और यह सहभागी संस्थानों के साथ छात्र–विनिमय कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है तथा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों और प्रतिस्पर्धाओं में छात्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित करता है।

निफ्ट सतत् शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन भी करता है जिसके अंतर्गत विशिष्ट कार्यक्रमों की एक व्यापक परिधि के भीतर महत्वाकांक्षी तथा कार्यरत वृत्तिकों को शामिल किया जाता है।

संस्थान के लिए उत्कृष्टता और अभिनवता का केन्द्र बनना ही पर्याप्त नहीं है। निफ्ट शिल्प क्षेत्र के साथ सहयोग स्थापित करने तथा समाज के वंचित वर्ग के मध्य कौशल–निर्माण के लिए अनेक पहलकदम उठाकर अपने सामाजिक उत्तरदायितत्व के मूल्यों को परिरक्षित और संपोषित कर रहा है। शिल्प क्लस्टर पहलकदम एक अत्यंत उल्लेखनीय प्रयास है जिसका उद्देश्य छात्रों को समूचे देश के शिल्पकारों और बुनकरों से जोड़ना है। निफ्ट ने देश के विभिन्न शिल्प क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, जीवन–शैली एक्सेसरीज़ और लैदर क्षेत्र को सहयोग प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान की शिल्प क्लस्टर पहल अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार की गई है जिसका आशय शिल्प क्षेत्र का विकास करने के लिए डिजाइन, प्रौद्योगिकी, विपणन और प्रबंधन के क्षेत्रों में निफ्ट की पेशेवर क्षमताओं को शामिल करना है। इस पहल के माध्यम से निफ्ट शिल्प को फैशन के साथ जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता और संवेदनशीलता का सृजन करने में सफल रहा है। क्लस्टरों में शिल्पकारों को सहायता देने और उनके कौशलों को संवर्धित करने के लिए संकाय–सदस्यों, छात्रों और पूर्व–छात्रों के रूप में व्यापक संसाधन विद्यमान हैं। इस पहल ने शिल्प केन्द्रों के मध्य उत्साह का संचार किया है तथा यह युवाओं, उद्योग और उपभोक्ताओं के बीच अर्थपूर्ण संवाद को संपोषित करने में भी समर्थ रही है।

निफ्ट विज़न

''व्यावसायिक शिक्षा जिसमें सामाजिक और मानवीय मूल्यों के लिए चिंता का समावेश हो, के माध्यम से फैशन व्यवसाय के विकास को अति–सक्रियता के साथ उत्प्रेरित करते हुए उत्कृष्टता और अभिनवता के केन्द्र के रूप में उभरना।''

कार्यनीति

- फैशन व्यवसाय उद्योग और शिल्प क्षेत्र के साथ उनकी आवश्यकताओं तथा चुनौतियों के संबंध में नियमित रूप से मूल्यांकन करने के लिए नियमित परिचर्चा करना और स्थायी रूप से संवाद स्थापित करना।
- अनुसंधान, परामर्श तथा पाठ्यक्रम को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करते हुए उद्योग की आवश्यकता पर त्वरित और प्रभावी ढंग से कार्रवाई करना।
- आईएफएफटीआई जैसी पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय फैशन संस्थानों और व्यवसाय के साथ

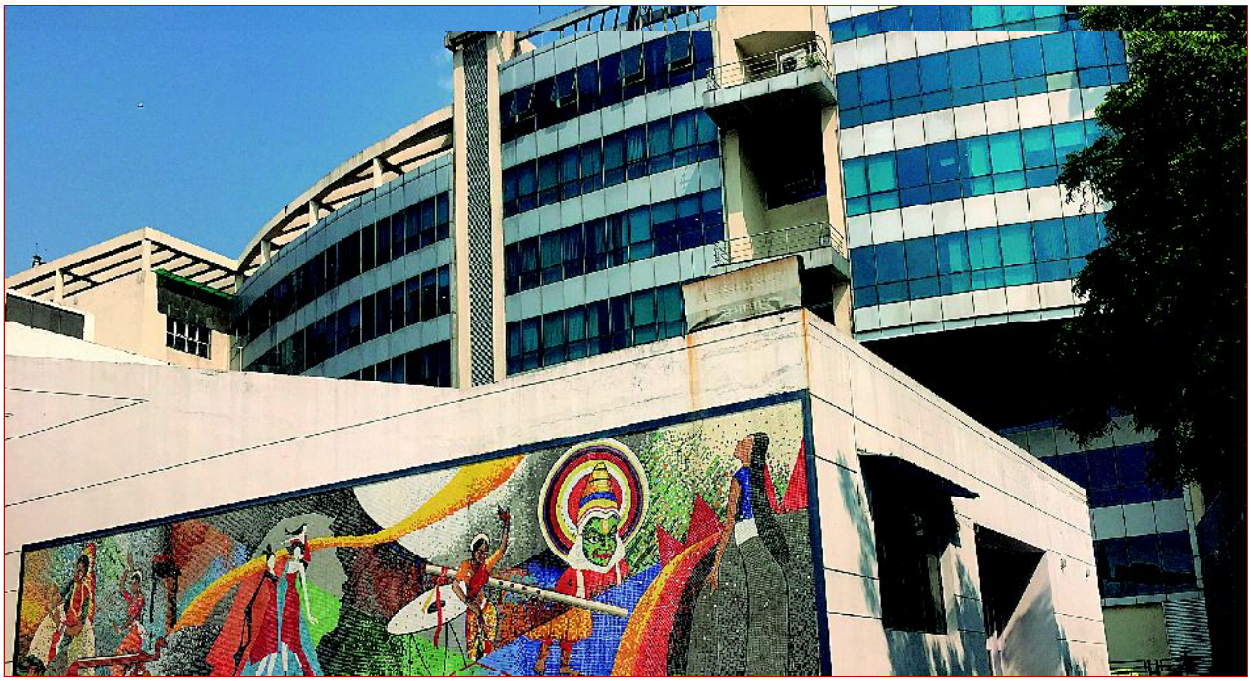

संबंधों द्वारा निफ्ट को वैश्विक फैशन समुदाय के साथ एकीकृत करना।

- भारत को वैश्विक पटल पर लाने के लिए भारतीय डिजाइन संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना।
- निफ्ट के कार्यकलापों में पूर्व–छात्रों को सक्रिय रूप से शामिल करना।

संगठनात्मक ढांचा

केन्द्र सरकार के समग्र मार्गदर्शन के अंतर्गत बोर्ड संस्थान के कार्यों के सामान्य अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है तथा यह उन समस्त शक्तियों को प्रयोग करता है जो इसे निफ्ट अधिनियम और इसकी संविधियों तथा अध्यादेशों द्वारा अन्यथा उपबंधित नहीं की गई हैं। बोर्ड के पास सिनेट के कार्यों की समीक्षा करने की शक्तियां हैं।

संस्थान के प्राधिकारी इस प्रकार हैं :

क. बोर्ड ऑफ गवर्नर्स

ख. सिनेट

ग. ऐसे अन्य प्राधिकारी जो संविधियों द्वारा संस्थान के प्राधिकारी बनाए जाने के लिए घोषित किए जाएं अर्थात् –

i. स्थापना समिति;

ii. वित्त और लेखापरीक्षा समिति; और

iii. शैक्षणिक मामलों संबंधी समिति।

महानिदेशक संस्थान के प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं तथा वे संस्थान के समुचित प्रशासन के लिए तथा शिक्षण प्रदान करने और उसमें अनुशासन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं।

निफ्ट के बोर्ड ऑफ गर्वनर्स द्वारा पेश किया गया समग्र मार्गदर्शन शिक्षा के उच्च स्तर को कायम रखते हुए नैतिक मूल्यों को बनाने और संगठनात्मक संस्कृति के निर्माण में सहायता करता है । संस्थान के प्रशासन संबंधी रोजमर्रा के कार्यों को सम्पन्न करने का उत्तरदायित्व निफ्ट के महानिदेशक को सौंपा गया है ।

निफ्ट निम्नलिखित डिग्री कार्यक्रम संचालित करता है:

स्नातक पूर्व डिग्रियां – स्नातक कार्यक्रम (4 वर्ष)

बी. डेस – डिजाइन स्नातक

विशेषज्ञता :

एक्सेसरी डिजाइन

फैशन संप्रेषण

फैशन डिजाइन

निटवीयर डिजाइन

लैदर डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन

बी.एफ. टेक : फैशन टेक्नॉलाजी स्नातक

- परिधान उत्पादन

स्नातकोत्तर डिग्रिया : निष्णात कार्यक्रम (2 वर्ष)

- डिजाइन निष्णात – एम.डेस
- फैशन प्रबध निष्णात – एम.एफ.एम.
- फैशन टेक्नॉलाजी निष्णात – एम.एफ. टेक

शैक्षणिक विस्तार

- वर्ष के दौरान, 4 नए पाठ्यक्रम जोड़े गए: 2 पटना कैम्पस में और 2 भुवनेश्वर कैम्पस में।
- 2015 की प्रवेश–प्रक्रिया में, 3197 सीटें भरी गई थीं, जिनमें से 2742 सीटें स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भरी गईं।
- 2016 की प्रवेश–प्रक्रिया में, निफ्ट स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 3267 सीटें भरने का लक्ष्य रखता है जिससे निफ्ट के छात्रों की कुल संख्या 9404 हो जाएगी।

उद्योग के साथ संबंध

निफ्ट ने वस्त्र, परिधान, जीवन–शैली एक्सेसरीज, लैदर, निटवीयर और संचार उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों को योगदान देने में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन करना जारी रखा है। यह भारत में एक उदयीमान व्यवसाय के रूप में फैशन के बारे में व्यापक जागरूकता का सृजन करने में सफल रहा है। निफ्ट के पूर्व छात्रों ने व्यावसायिक क्षेत्र में युवा स्नातकों को सहायता प्रदान करने के लिए अपने एक सुदृढ़ नेटवर्क के साथ–साथ फैशन उद्योग में शीर्षस्थ पदों पर आसीन होकर स्वयं के लिए उत्कृष्ट मुकाम हासिल किया है।

निफ्ट कैंपस प्लेसमेंट 2015 की प्रक्रिया 11 कैंपसों में संचालित की गई। कुल 421 कंपनियों ने इसके लिए स्वयं को पंजीकृत किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों/कैंपसों में 1985 रिक्त पदों की पेशकश की।

परामर्शी परियोजनाएं

निफ्ट विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों के साथ परामर्शी परियोजनाएं संचालित करता है जिसके फलस्वरूप संकाय–सदस्यों को व्यापक अनुभव तथा छात्रों को शिक्षण संबंधी अनुभव प्राप्त होता है। यह तकनीकी कौशलों का उन्नयन करते हुए विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करता है तथा डिजाइन वैल्यू में भी संवृद्धि करता है। निफ्ट द्वारा हाल ही में संचालित 50 लाख रु. से अधिक के मूल्य की कुछ प्रमुख परामर्शी परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

- खादी बोर्ड, बिहार सरकार के लिए बिहार खादी में व्यापक डिजाइन संबंधी हस्तक्षेप, अवस्थिति और उसकी ब्रैडिंग।
- कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, कर्नाटक सरकार के लिए एकीकृत उत्पाद मैपिंग, डिजाइन हस्तक्षेप, उत्पाद वैविध्यीकरण और विकास, प्रशिक्षण और विपणन क्रियाकलापों के माध्यम से के.एस.के. एवं वीआईबी ब्रैंड का सुदृढ़ीकरण।
- जोधपुर मेगा क्लस्टर ऑफ डीसी (हस्तशिल्प) के लिए व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर स्कीम के अंतर्गत उत्पादन डिजाइन विकास और अभिनवता केन्द्र की स्थापना।
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड के लिए जूट संबंधी एकीकृत कौशल उन्नयन, डिजाइन विकास और उत्पाद वैविध्यीकरण प्रशिक्षण।
- डीओएनईआर के लिए 4 प्रमाण–पत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- मध्य प्रदेश सरकार के लिए ग्वालियर में एक उष्मायन केन्द्र की स्थापना।
- वाणिज्यिक और उद्योग निदेशालय के लिए परिधान एक्सेसरी विकास और प्रबंधन कौशल।
- भागलपुर मेगा क्लस्टर परियोजना – वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

निफ्ट शैक्षणिक क्रियाकलापों में वैश्विक संदर्श को आत्मसात करता है। संस्थान के केन्द्रीय क्रियाकलापों ने इसकी अंतर्राष्ट्रीय पहचान और प्रतिष्ठा में संवृद्धि की है।

निफ्ट ने 31 अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय फैशन संस्थानों और संगठनों के साथ करार और भागीदारियां की हैं जो समान शैक्षणिक अनुदेशों का अनुपालन करते हैं।

जिन संस्थानों के साथ निफ्ट ने संबंध स्थापित किए हैं, उनमें से कुछ प्रमुख संस्थान हैं – क्वीन्सलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी (आस्ट्रेलिया), फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी (एफआईटी), न्यूयार्क (यूएसए) डी मोंटफोर्ड यूनीवर्सिटी (यूके), स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (स्विट्जरलैंड), मोडआर्ट इंटरनेशनल (फ्रांस), एनएबीए (इटली), स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, यूनीवर्सिटी ऑफ वोल्वर हैम्पटन (यूके), सैक्सियन यूनीवर्सिटी ऑफ आर्ट्स (नीदरलैंड्स), बीजीएमईए यूनीवर्सिटी ऑफ फैशन एंड टेक्नॉलाजी (बीयूएफटी), ढाका, रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स (नीदरलैंड्स) तथा अन्य।

छात्र विकास क्रियाकलाप

छात्र विकास कार्यक्रम

समस्त निफ्ट कैंपसों में छात्र विकास कार्यक्रम निफ्ट के छात्रों को शारीरिक, शैक्षणिक और कलात्मक क्षेत्रों में प्रतिभागिता करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु संचालित किए जाते हैं ताकि निफ्ट कैंपसों में उनकी शिक्षा को अधिक साकल्यवादी और पूर्ण बनाया जा सके। इन क्रियाकलापों में उनकी प्रतिभागिता उन्हें सामाजिक बनाने के साथ–साथ अध्ययन, आमोद–प्रमोद करने के मार्ग उपलब्ध कराने के साथ–साथ उनके शैक्षणिक अध्ययन को संपूरित करती है और सुगम बनाती है तथा साथ ही उन्हें दैनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तरोताजा भी बनाती है।

फैशन स्पेक्ट्रम 2016

'फैशन स्पेक्ट्रम' निफ्ट का बहु–प्रतीक्षित वार्षिक उत्सव है जो सभी कैंपसों में आयोजित किया जाता है। इस समारोह में व्यापक रूप से सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक क्लब क्रियाकलापों का समावेश हुआ। इस समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न क्रियाकलाप थे जिनमें शामिल थे – डिजाइन प्रतियोगिताएं, व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं, नुक्कड़ नाटक, वाद–विवाद, सांस्कृतिक प्रदर्शन, मैराथन और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताएं। उद्योग के सदस्य, संकाय सदस्य, निफ्ट के छात्र तथा अन्य प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्र विभिन्न क्रियाकलापों में प्रतिभागिता करने के लिए इनमें शामिल हुए।

कंवर्ज 2015

कंवर्ज प्रत्येक वर्ष दिसम्बर माह में आयोजित कराई जाने वाली अंतरकैंपस सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिता है जिसका उद्देश्य है – छात्रों का चहुंमुखी साकल्यवादी विकास तथा विभिन्न निफ्ट कैंपसों के छात्रों को पास्परिक संपर्क का अवसर प्रदान करना। प्रत्येक निफ्ट कैंपस में किए जाने वाले प्रारंभिक चयन में यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक कैंपस की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का मुकाबला इस प्रतिस्पर्धा में दूसरे कैंपसों के श्रेष्ठ छात्रों के साथ हो। कंवर्ज 15 का आयोजन निफ्ट, पटना में किया गया तथा समस्त निफ्ट कैंपसों के अनेक छात्रों ने अत्यंत जोश और उत्साह के साथ इसमें भाग लिया तथा इसे अत्यंत सफल बनाया। यह समारोह निफ्ट के विभिन्न कैंपसों के छात्रों के मध्य अपनी 'साझी संस्था' की भावना का सृजन करने की दिशा में एक प्रमुख कदम सिद्ध हुआ है। इस समारोह में 15 निफ्ट कैंपसों से 50–50 छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। निफ्ट पटना में सबसे अधिक पुरस्कार जीते जिसके उपरांत निफ्ट हैदराबाद का स्थान था।

अन्य क्रियाकलाप

समग्र साकल्यवादी विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी कैंपसों के छात्रों ने निम्नलिखित एसडीए क्लबों द्वारा आयोजित अनेक क्रियाकलापों में भाग लिया : i. सांस्कृतिक क्लब; ii. साहित्यिक क्लब; iii. खेल, रोमांच और फोटोग्राफी क्लब (एसएपी); पअ. नयाचार, समाज सेवा और पर्यावरण (ईएसएसई) क्लब। इन क्रियाकलापों में प्रतिभागिता करने से छात्रों के शैक्षणिक अध्ययन को संपोषण और सहायता तो प्राप्त हुई ही, साथ ही उन्हें समाज से जुड़ने, आराम करने तथा तरोताजा होने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इन क्रियाकलापों में छात्रों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया क्योंकि इससे उन्हें उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक समुचित माध्यम प्राप्त हुआ था।

छात्र और संकाय सदस्य सभी कैंपसों में आयोजित किए गए स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत संचालित किए गए स्वच्छता कार्यक्रम में भी शामिल हुए। चेन्नई कैंपस के छात्रों ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत रेलवे परिसर में चित्रकारी करते हुए चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण किया। छात्रों ने हिंदी दिवस तथा सतर्कता सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों के दौरान वाद–विवाद, पोस्टर निर्माण, लघु चित्रकला निर्माण, नारा लेखन प्रतियोगिताओं में अत्यंत जोश के साथ सहभागिता की। भुवनेश्वर कैंपस ने विभिन्न विषयों पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जैसे राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय एकता सप्ताह और सड़क सुरक्षा सप्ताह।

प्रत्येक कैंपस में बहु–सांस्कृतिक त्योहारों का आयोजन किया गया जैसे लोहड़ी, होली बैशाखी, दिवाली आदि। छात्रों ने समस्त कैंपसों में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के समारोह आयोजित किए। समाज के प्रति योगदान करने तथा जीवन रक्षा के कार्य में भागीदारी करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए गांधीनगर और हैदराबाद कैंपसों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।

कैम्पस

बैंगलूरू

निफ्ट कैम्पस, नं. 21, 16वां क्रास स्ट्रीट,
27वां मेन रोड, सेक्टर–1,
एचएसआर (होसर सरजापुरा रोड) ले आउट,
बैंगलूरू –560102 (कर्नाटक)
फोन नं. (080) 22552550–55
फैक्स : (080) 25632566

भोपाल

निफ्ट कैम्पस, एम पी भोज (ओपन)
विश्वविद्यालय कैम्पस, कोलार रोड,
भोपाल–462016, मध्यप्रदेश
फोन नं. (0755) 2493636 / 736
फैक्स नं. (0755) 2493635

भुवनेश्वर

निफ्ट कैम्पस, आईडीसीओ प्लाट सं. 24,
केआईआईटी प्रबंधन स्कूल के सामने
चाँदका औद्योगिक एस्टेट
भुवनेश्वर–751014 उड़िसा
फोन नं. (0674) 2305700, 2305701
फैक्स : (0674) 2305710

चेन्नई

निफ्ट कैम्पस, राजीव गांधी सलाई तारामणी,
चेन्नई–600113 तमिलनाडू
फोन नं. (044) 22542759
फैक्स : (044) 22542769

गांधीनगर

निफ्ट कैम्पस, जी एच–ओ रोड
इंफो सिटी के पीछे, समीप डीएआईआईसीटी,
गांधीनगर–382007 गुजरात
फोन नं. (079) 23265000, 23240832, 23240834
फैक्स : (079) 23240772

हैदराबाद

निफ्ट कैम्पस, हाइटेक सिटी के सामने,
पोस्ट साइबराबाद, माधापुर, हैदराबाद–500081,
तेलंगाना
फोन नं. (040) 23110841 / 42 / 43, 23110630
फैक्स : (040) 23114536

जोधपुर

निफ्ट कैम्पस,
करवार
जोधपुर–342 037
राजस्थान, भारत

कांगड़ा

निफ्ट कैम्पस,
छिब, कांगड़ा–176001,
हिमाचल प्रदेश
फोन नं. (01892) 263872
फैक्स : (01892) 260872

कन्नूर

निफ्ट कैम्पस धर्मशाला,
मनगट्टपरम्बा कन्नूर–670562 (केरल)
फोन नं. (0497) 2784780–83
फैक्स : (0497) 2784785

कोलकाता

निफ्ट कैम्पस, प्लाट–3बी,
ब्लाक–एलए,
सैक्टर–3, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता–700098
पश्चिम बंगाल
फोन नं. (033) 23357332
फैक्स : (033) 23355734

मुम्बई

निफ्ट कैम्पस,
प्लाट नं. 15, सेक्टर–4, खारघर,
नवीं मुम्बई–410210, महाराष्ट्र
फोन नं. (022) 27745549, 27747000, 27747100
फैक्स : (022) 27745386

नई दिल्ली

निफ्ट कैम्पस, हौज खास गुलमोहर पार्क के पास
नई दिल्ली 110016
फोन नं. (011) 26867704, 26542148 / 49 / 59
फैक्स : (011) 26542151

पटना

निफ्ट कैम्पस,
मीठापुर फार्मस
पटना–800001,बिहार
फोन नं (0612) 2340032

रायबरेली

निफ्ट कैम्पस, दूरभाष नगर, सैक्टर–2
रायबरेली–229010, उत्तर प्रदेश
फोन नं. (0535) 2702422 / 31
फैक्स : (0535) 2702423 / 24 / 29

शिलांग

निफ्ट कैम्पस,
ओल्ड नेइगृम्स कैम्पस
सी–ब्लाक, पाश्चर हिल्स, लावमली
शिलांग–793001 मेघालय
फोन नं. (364) 2590240 / 253
फैक्स : (364) 2590676

श्रीनगर

निफ्ट कैम्पस,
सिडको इलैक्ट्रानिक कॉम्प्लैक्स
रंगरेथ, श्रीनगर–191132

फैशन डिजाइन

वर्ष 1987 में अपने प्रारंभ के बाद से ही फैशन डिजाइन निफ्ट का सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम रहा है। बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ इसकी पाठ्यचर्या निरंतर मजबूत हुई है, और इसने फैशन उद्योग में शिक्षण को प्रासंगिकता प्रदान की है तथा भारतीय और वैश्विक, दोनों ही परिदृश्यों पर डिजाइन में अपनी पहचान साबित की है। इसका चार वर्षीय पाठ्यक्रम सिद्धांत पक्ष के साथ अनेक घंटों का प्रक्रिया आधारित प्रयोगशाला अभ्यास; शिल्प क्लस्टरों के लिए पहलकदमों तथा उद्योग के अनुभव के लिए अनिवार्य आठ सप्ताह की इंटर्नशिप का सामंजस्य स्थापित करता है। विभाग क्रियाकलापों की एक वृहद श्रृंखला में सक्रिय रूप से शामिल रहता है जिनके माध्यम से अनुसंधान, सृजनात्मकता और वैयक्तिकता की एक गहन संस्कृति को संवर्धित किया जाता है। इसमें छात्रों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय फैशन रूझानों की जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ फैशन उद्योग के सभी पहलुओं में छात्रों को व्यापक अनुभव प्रदान कराना शामिल है। फैशन डिजाइन कार्यक्रम तेरह निफ्ट केन्द्रों में संचालित किया जाता है अर्थात बेंगलूर, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधी नगर, हैदराबाद, कांगड़ा, कोलकाता, कन्नूर, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली, और शिलांग। विभाग निरंतर विकसित होते फैशन उद्योग में होने वाले परिवर्तनों के प्रति अत्यंत जागरूक रहता है तथा यह अपनी पाठ्यचर्या और शिक्षण प्रक्रिया को अद्यतन और अग्रदर्शी बनाए रखता है। ऐसा संकाय सदस्यों और छात्रों, दोनों ही के लिए विशेष व्याख्यानों, डिजाइन संगोष्ठियों, कारखाने के दौरों, विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से किया जाता है। निरंतर विकसित होते फैशन उद्योग के साथ अपने संपर्कों के माध्यम से परिधान व्यवसाय को डिजाइन संबंधी हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से उन्नत इनपुट प्रदान करने के निरंतर प्रयास किए जाते हैं और इसके साथ ही पारस्परिक लाभप्रद व्यावसायिक संबंधों को अनुरक्षित करने और मजबूत बनाने के प्रयास भी किए जाते हैं। फैशन डिजाइन के स्नातक डिजाइनरों, उद्यमियों, डिजाइन प्रबंधकों, वाणिज्यिकों, फैशन समन्वयकों, डिजाइन परामर्शकों, शैलीकारों, फैशन और जीवन–शैली संवाददाताओं, दृश्य–प्रदर्शन विशेषज्ञों, परिधान डिजाइनरों तथा इलेस्ट्रेटरों के रूप में अपना कैरियर बनाते हैं। वे भारत के घरेलू और निर्यात क्षेत्रों में तथा वैश्विक बाजारों में भी अवसर प्राप्त करते हैं। फैशन डिजाइन के पूर्व छात्र आज उद्योग के अग्रेता हैं तथा वे पेशेवर तरीके से संचालित फैशन व्यापार का मार्गदर्शन कर रहे हैं और नियोजन एवं उद्यमवृत्ति के लिए नए अवसरों का सृजन कर रहे हैं।

कुल 13 फैशन डिजाइन विभागों में 72 प्राध्यापक सदस्य और 1352 छात्र हैं जिनका विवरण इस प्रकार है – द्वितीय वर्ष में 489 छात्र, तृतीय वर्ष में 460 छात्र और चतुर्थ वर्ष में 403 छात्र।

पत्र और लेख

राष्ट्रीय फोरम

पत्र

- सुश्री जी. साई संगुराई, चेन्नई ने एसएसएम कॉलेज, कोयमबत्तूर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''निटेड फैब्रिक्स की वर्तिका–क्षमता पर पॉलीस्टर क्रॉस सेक्शन का प्रभाव'' शीर्षक पर पत्र प्रस्तुत किया।

- वरिष्ठ प्रो. डा. बान्ही झा, दिल्ली ने भुवनेश्वर में दिसम्बर, 2015 में इंडियन सोशियोलॉजी सोसाइटी के सम्मेलन में ''संस्थागत संसाधन केन्द्र तथा डिजाइन शिक्षा''

पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- डा. पूर्वा खुराना, दिल्ली ने राष्ट्रीय संगोष्ठी वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए भविष्य की परिकल्पना में तेलिया रूमाल से पोचमपल्ली इकात – आंध्र प्रदेश के प्राचीन ज्यामितीय दोहरे इकात का पुररुत्थान पर प्रोस्टर प्रस्तुत किया, फाइबर 2 फैशन में तेलिया रूमाल : प्राचीन स्मृतिचिह्न से समसामायिक इकात, एनआईएससीएआईआर के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडीशनल नॉलेज में आंध्र प्रदेश का तेलिया रूमाल, दोहरा इकात वस्त्र पर पत्र प्रस्तुत किया।

निफ्ट भुवनेश्वर में नवम्बर 2015 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, खुदरा और प्रबंध केस विचार–गोष्ठी में निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किए गए:

- डा. कृति ढोलकिया, गांधीनगर ने 'कच्छ कशीदाकारी के परिरक्षण, पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए सांस्थानिक पहलकदम' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री श्रेशा, रायबरेली ने 'समुदाय निर्माण–अपनी शिल्पकला को जानें' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री टोनी शर्मा और सुश्री श्वेता राजन शर्मा, पटना ने 'इंडियन रूट्स.कॉम – भारतीय फैशन का संचयन और नेतृत्व' विषय पर मामला अध्ययन प्रस्तुत किया।

- सुश्री स्नेहा और श्री सतेन्द्र, पटना ने वर्ष 2013–14 के दौरान आयोजित समारोह में रामपुर, जिला–मुजफ्फरपुर, बिहार के लाख–चूड़ी शिप्लकारों पर डिजाइन क्लीनिक कार्यशाला के प्रभाव पर एक मामला अध्ययन प्रस्तुत किया।

पत्र, लेख और प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

- वरिष्ठ प्रो. डा. बान्ही झा, दिल्ली ने ऑक्सफोर्ड, यू. के. में 'खादी डेनिम : फैशनिंग इंडियन आइडेंटिटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया तथा कोलंबों श्रीलंका में 'क्राफ्ट डिजाइन एजुकेशन के माध्यम से संघारणीय पहलकदमों का वर्णन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. पूर्वा खुराना, दिल्ली ने मिलान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – फैशन कोलोक्वीया में 'इकात : एक पारंपरिक वस्त्र उत्पादन से संघारणीय विकल्प की ओर रूपांतरण – नए आयाम' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संचालित की गई परियोजनाएं

सरकार तथा उद्योग के लिए

फैशन डिजाइन विभाग द्वारा अनेक परियोजनाएं हाथ में ली गईं तथा उन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

बैंगलूरू

- खादी परियोजना – 2015–16 प्रो. कविता सलूजा, श्री सी.ए. रायन, श्री सुरेश बाबू, सुश्री राजलक्ष्मी राव, डा. मुरुगा जोथी।

- एनएमई – आईसीटी 2016 श्री सी.ए. रायन, पैटर्न ग्रेडिंग के लिए विषय विशेषज्ञ

- फ्लिपकार्ट 2016 श्री सी.ए. रायन

- 'विद्या – युवाओं और वयस्कों का एकीकृत विकास' – श्री सुरेश बाबू

भुवनेश्वर

- बोयनिका – निफ्ट फैशन शो 2015 – प्रो. मोनिका अग्रवाल

- ओडिशा पेवेलियन डिजाइन आईआईटीएफ – 2015, प्रगति मैदान, नई दिल्ली – प्रो. मोनिका अग्रवाल

- डीसी हस्तशिल्प परियोजनएं डीएमएपी ओई आईडीडीपी – प्रो. मोनिका अग्रवाल

चेन्नई

- पोर्गई एनजीओ द्वारा पोर्गई शिल्पकारों को प्रशिक्षण – सुश्री गीतिका रामास्वामी

- टीएएफई, ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया के छात्रों के लिए 'शिल्प क्षेत्र अध्ययन' – श्री विशाल गुप्ता और श्री भारत जैन

- 'गुजरात ऊर्जा विकास लिमिटेड की महिला कार्मिकों के लिए वर्दी डिजाइन' तथा हिन्दुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड के 'गैर–प्रबंधन कर्मकारों के लिए वर्दी डिजाइन – श्री विशाल गुप्ता।

- गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प निगम लिमिटेड, गुजरात सरकार के लिए परियोजना 'गुजरात के निरंतर कमजोर स्थिति में होते वस्त्र शिल्प पर पुस्तक लेखन – श्री विशाल गुप्ता

- इंडेक्स – सी, गुजरात सरकार के लिए बड़ौदा में शिल्प अभिनव पेवेलियन – श्री विकास गुप्ता और सुश्री पंचमी मिस्त्री।

- राष्ट्रीय शिल्प मेला और शिखर–सम्मेलन 2016 के लिए समन्वयक के रूप में कार्य किया – सुश्री जेपी कौर कोहली।

- गोंडिया जिला, महाराष्ट्र के बांस शिल्प के लिए डिजाइन विकास, गुणवत्ता संवर्धन और बाजार संपर्कों को स्थापित करना – श्री भारत जैन

कन्नूर

- एचआरडीए के लिए एनएमई–आईसीटी परियोजना – श्री मनुप्रसाद मैथ्यू

- केरल सामाजिक वानिकी प्रभाग के साथ केरल सरकार के वन विभाग के लिए वर्दी डिजाइन परियोजना – श्री मनुप्रसाद मैथ्यू

मुंबई

- इम्पैक्ट लिमिटेड के लिए तकनीकी और सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा एमएसएसआईडीसी के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न शिल्पों डिजाइन हस्तक्षेप – सुश्री पैट्रीशिया सुमोद, सुश्री कुंडलता मिश्रा, सुश्री श्वेता जोशी और श्री श्रीपति भट्ट
- एमएसएसआईडीसी के लिए शिल्प जागरूकता सृजन हेतु परियोजना – श्री श्रीपति भट्ट
- महाराष्ट्र के शिल्पों के लिए कॉफी टेबल बुक के निर्माण तथा शिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट व्यक्तियों के लिए परिधानों का संग्रह विकसित करने के प्रयोजनार्थ एससीजैडसीसी के साथ परियोजना सुश्री पैट्रीशिया सुमोद

नई दिल्ली

- राष्ट्रीय हथकरघा एक्सपो 2016, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास और विपणन सहकारी परिसंघ लिमिटेड के लिए फैशन शो आयोजित करने की परियोजना – डा. पूर्वा खुराना और सुश्री अनु जैन।
- जम्मू–कश्मीर हथकरघा द्वारा फिरन डिजाइन तथा दिल्ली सरकार की महिला रक्षक के लिए वर्दी डिजाइन की परियोजना – प्रो. डा. बान्ही झा और सुश्री अनुत्मा चक्रवर्ती

पटना

- लाख की चूड़ियों पर परियोजना, मुजफ्फरपुर

रायबरेली

- खादी और ग्रामोद्योग मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार के लिए अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन संग्रहण तथा एक खाड़ी फैशन शो का आयोजन – डा. स्मृति यादव, श्री अयान तिवारी, श्री उज्ज्वल बनर्जी और सुश्री विद्या राकेश।
- लखनऊ मेट्रो रेल निगम के लिए कनिष्ठ अभियंता से एमडी स्तर के अधिकारियों के लिए वर्दियों का डिजाइन तथा सैंपल विकास – श्री अयान तिवारी और श्री एस.ए. वेंकटसुब्रामणियन।

शिलांग

- परिधान निर्माण, एक्सेसरी डिजाइन और प्रबंध कौशल – श्री एफ.डी. शंप्रू
- लेप्चा बुनाई परियोजना – माली, सिक्किम, मिजोरम परियोजना (जनजातीय मामले) तथा त्रिपुरा – बेंत और बांस परियोजना डिजाइन विकास और उत्पाद वैविध्यीकरण – सुश्री ए. दास
- राई–मोई (जनजातीय वस्त्र) तथा ब्लैक पोट्री में मेघालय वस्त्र शिल्प परियोजना – डिजाइन विकास और उत्पाद वैविध्यीकरण – सुश्री एम. ब्लाह
- दीमापुर और असम – डिजाइन विकास और उत्पाद वैविध्यीकरण – श्री आर. दास
- मेघालय चर्म बूट्स – डिजाइन विकास और उत्पाद वैविध्यीकरण – श्री ए. रभा।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतिस्पर्धाएं और पुरस्कार

- समस्त कैंपसों के छात्रों ने देश और विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया तथा संस्थान के लिए ख्याति अर्जित की।

बैंगलूरू

- एफडी VI सेमेस्टर के छात्र श्री अखिल जोसफ ने थोनी गौरी लक्ष्मी के म्यूजिक एल्बम के लिए परिधान डिजाइन किए। उन्होंने इसके लिए फोटो शूट तथा स्टाइलिंग भी की।
- एफडी VI की छात्रा सुश्री श्वेता शर्म ने हिन्दी कविता पाठ, आईआईएमबी में द्वितीय पुरस्कार जीता।

भुवनेश्वर

- छात्रों ने निफ्ट – नन्डोज़ छात्रवृत्ति, घर और कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति हिंसा को रोकने के विषय पर पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता, कौमी एकता सप्ताह (राष्ट्रीय एकता सप्ताह), टेक्सटाइल वॉल आर्ट डिजाइन प्रतियोगिता, डेनिम गैराज और लाइव प्रोटीगे प्रतियोगिता चुनौती, डीएलएफ इंपोरिया डिजाइन अवार्ड प्रतिस्पर्धा, वोग डिजाइन प्रतिस्पर्धा 2015 में भाग लिया।
- सुश्री साक्षी जैन ने आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन, बेंगलूर में राष्ट्रीय स्तर की फैशन डिजाइन प्रतियोगिता (शरीसैलिस, 2015) में भाग लिया तथा द्वित्तीय पुरस्कार जीता।
- सुश्री अलंकृता श्रीवास्तव और सुश्री साक्षी जैन ने अधिकांश प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

चेन्नई

- सुश्री ओयिंड्रिला घोष, एफडी VIII ने दि एनामोर प्रेजेंट्स : लिंगरी डिजाइन कांटेस्ट में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- सुश्री अमृता, सुश्री सिंथिया और सुश्री किर्तना आर., एफडी VII ने डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सुश्री अपर्णा जयकुमार, एफडी VII ने राष्ट्रीय स्तर की छात्र फैशन डिजाइन प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

- सुश्री प्रेरणा नेगी, एफडी III को डिजाइन–सह–मॉडलिंग प्रतियोगिता में मिस ब्रीजी का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- श्री राहुल टोप्पो, एफडी VI ने सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लिया।

कांगड़ा

- सुश्री गुंजन राय, एफडी VI, जो यू–डिजाइन त्रिवेणी प्रतियोगिता की फाइनलिस्ट थी, ने ए–डिजाइन अवार्ड में रजत पदक जीता तथा डीएलएफ इम्पोरियो प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री हर्षिता श्रीवास्तव, एफडी VI विजेता – अंडर 25 डायरीज़ – श्रेणी दृश्य कला और डिजाइन।

मुंबई

- सुश्री लक्ष्यिता मालवीय, छात्रा सेमेस्टर V, एफडी–मुंबई क्राफ्टसविला–फेमिना एथनिक वीयर प्रतियोगिता के दूसरे दौर के लिए चुनी गई।

- श्री तुषार कुमार झा दक्षिण एशियाई खोलों की लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के दूसरे चक्र के लिए चुने गए तथा उन्होंने अपने योगदान के लिए सराहना प्राप्त की।

- सुश्री अंशिका ने स्टुडेंट डिजाइनर ऑफ दि ईयर के लिए सीएमएआई एपेक्स पुरस्कार जीता तथा श्री रजनीश रंजन को भी शीर्ष 3 प्रविष्टियों के लिए चुना गया।

- श्री एन. थॉमस, श्री अमित कुमार टेटे और श्री तुषार झा ने मैक्स प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते तथा उनके डिजाइन ऐले पत्रिका के फोटोशूट के लिए चुने गए।

- V सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री, इला, सुश्री स्वर्णा और सुश्री आकृति का चयन मूड–इंडिगो प्रतियोगिता के लिए किया गया।

- छात्रों ने आदित्य बिरला ग्रुप द्वारा आयोजित लीवा प्रोटेगी प्रतियोगिता, मैक्स प्रतियोगिता, वोग ऑनर्स प्रतियोगिता, टेक्सटाइल वॉलआर्ट प्रतियोगिता, लेनोवो गेमिंग वीक कॉस्प्ले 2015, एअर फ्रांस प्रतियोगिता, एसडीसी प्रतियोगिता, आर्ट्स ऑफ फैशन प्रतियोगिता तथा सोसाइटी ऑफ डायर्स एंड कलरिस्ट्स द्वारा आयोजित 'डू दि डेनिम' प्रतियोगिता में भाग लिया।

पटना

- श्री रॉबिन रॉय, एफडी IV ने राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन प्रतियोगिता 'डू दि डेनिम प्रतियोगिता 2016' जीती।

- श्री सलमान अहमद, श्री प्रवीन कुमार, सुश्री ऐश्वर्या सिन्हा, श्री एनयातुल्ला अनवर और सुश्री प्रेरणा पटेल, एफडी VIII का चयन एफडीसीआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता के लिए किया, उनकी प्रविष्टियों को लेक्मे फैशन वीक 2016 के दौरान एक प्रदर्शनी में दर्शाया गया।

- श्री शौर्य कपूर, सुश्री अंजलि श्री तथा सुश्री संस्कृति जैन, एफडी ट का चयन नंदन डेनिम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन प्रतियोगिता के लिए किया गया।

- छात्रों ने फेमिना क्राफ्ट्स विला प्रतियोगिता, वोग ऑनर्स 2015, निबंध प्रतियोगिता, एअर फ्रांस मनीष अरोड़ा प्रतियोगिता, त्रिवेणी यू–डिजाइन प्रतियोगिता, लिवा प्रोटीगे, रामनारायण बद्रीदास, पेपर मिल कंपनी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता, वर्ल्ड ऑफ वीयरेबल आर्ट 2016 में भाग लिया।

रायबरेली

- सुश्री शेरी खन्ना, एफडी VI डीएलएफ एंपोरियो डिजाइन अवार्ड्स में पीपल्स चॉयस अवार्ड की विजेता रहीं।

शिलांग

- सुश्री मणिका प्रताप पाठक, एफडी VI निफ्ट–नंदोज़ छात्रवृत्ति 2015 के लिए चुनी गईं।

- सुश्री दीप्ताश्री मंडल, एफडी VII तथा श्री अन्वेथ

थोगरू, एफडी V का चयन त्रिवेणी : यू–डिजाइन प्रतियोगिता के लिए किया गया। सुश्री दीप्ताश्री मंडल ने 'सर्वाधिक अभिनव संग्रहण' श्रेणी में पुरस्कार जीता।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

जुलाई–दिसम्बर, 2015

- सुश्री वैष्णवी भट्ट, मंबई, श्री उत्कर्ष, नई दिल्ली एक वर्ष के विनिमय कार्यक्रम के लिए एफआईटी विश्वविद्यालय, न्यूयार्क गए।
- सुश्री सकीना नौरीन अशरफ, कन्नूर सेमेस्टर विनिमय कार्यक्रम के लिए पोलीटेक्नीको डि मिलानो, इटली गईं।

जनवरी–जून, 2016

- सुश्री चंतल, बैंगलूरू और सुश्री श्रृष्टि वर्मा, दिल्ली एएमएफआई, नीदरलैंड्स में सेमेस्टर विनिमय कार्यक्रम में भाग ले रही हैं।
- सुश्री सुरभि राजीवन, कन्नूर, सुश्री मेतिलदा थॉमस, कन्नूर सुश्री स्मृति स्वामीनार्थन, मुंबई, सुश्री दीपिका बैंगलूरू सेमेस्टर VI के लिए सेमेस्टर विनिमय के लिए क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी गईं।
- सुश्री निहारिका कुमार, मुंबई सेमेस्टर विनियम के लिए एनएबीए यूनीवर्सिटी गईं।
- सुश्री स्पन्दिता मलिक, दिल्ली ईएनएसएआईटी, फ्रांस में सेमेस्टर विनिमय कार्यक्रम में भाग ले रही हैं।
- सुश्री लूसी, सुश्री लूइस, सुश्री ग्वालडिस और श्री लियो क्रोस्टे ईएसएआईटी, फ्रांस से सेमेस्टर विनिमय के लिए नई दिल्ली आए।
- सुश्री फातिमातुजोहरा और श्री मोहम्मद अली, बीयूएफटी बांग्लादेश सेमेस्टर विनियम के लिए नई दिल्ली आए।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय यात्राएं और बातचीत

नवीनतम भ्रान्तियों से स्वयं को अवगत बनाए रखने के लिए, प्राध्यापक सदस्य राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों और मेलों का दौरा करते हैं। इन आयोजनों में से कुछ इस प्रकार हैं जिनका दौरा प्राध्यापक सदस्यों द्वरा किया गया, वस्त्र प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी, अमेजन फैशन वीक, अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प उपहार मेला, 2016, गेलेरिया इंटिमा 2015, सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला, भारत कला मेला और भारत डिजाइन मेला, नई दिल्ली। लेक्मे फैशन वीक (एलएफडब्ल्यू) इंडिया फैशन फोरम, 2016, सीएमएआई एपेक्स अवार्ड समारोह, पारंपरिक कारीगर प्रदर्शनी, साड़ियों की प्रदर्शनी के लिए शिल्पकार गैलरी, ''ऑफ दि कश्मीर लूम'', मेक इन इंडिया प्रदर्शनी, फिनाले ऑफ मैक्स डिजाइन अवार्ड, हैंडलूम डिजाइन कलेक्शन, 2016 मुंबई में आयोजित। गोवा में इंडिया बीच फैशन वीक (आईबीडब्ल्यूएफ)। कालाघोडा आर्ट्स फेस्टिवल। कर्नाटक व्यापार संवर्धन संगठन (केटीपीओ), खादी उत्सव, बैंगलूरू। मेफेयर में परिधान मेला, राष्ट्रीय स्तर का कला शिविर ललितकता अकादमी क्षेत्रीय केन्द्र, राष्ट्रीय जनजातीय शिल्प मेला, राष्ट्रीय फिल्म समारोह कला एवं कलाकार, जेडी सेंटर ऑफ आर्ट्स, आदिवासी मेला, भुवनेश्वर। थांगका पेंटिंग धर्मशाला के लिए नोरबुलिंग्का संस्थान, बरगाह और पुरी में इक्कत बुनाई और कॅयर तथा जूट क्राफ्ट उत्पाद विकास पर कार्यशाला। जीआरटी महालक्ष्मी विद्यालय में कैरियर मेला, तमिलनाडु सरकार द्वारा ग्लोबल इंवेस्टर मीट में फैशन शो, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह, हस्त कारीगर प्रदर्शनी, चेन्नई में टोनी एंड गाई द्वारा एशेंसिअल्स के उद्घाटन के लिए फैशन शो, को–ऑप्टेक्स, एगमोर में पूर्वोत्तर शिल्प प्रदर्शनी। वार्षिक आईपी समिट 2016, जुकी सिलाई मशीन के उत्पादों की अहमदाबाद में प्रदर्शनी। सोलो पेंटिंग प्रदर्शनी 'दि वॉल' कोच्चि। शिलांग में पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकेन्द्रीकृत विद्युत–करघा क्षेत्र के विकास के लिए स्कीमों और पहलों पर संगोष्ठी, लुक ईस्ट, स्वदेशी टेरा मैड्रे कार्यक्रम।

वाईडीएफ (युवा विकास प्रतिष्ठान), भूटान के माध्यम से प्रस्तावित, भूटान में एक सृजनात्मक कला और डिजाइन विद्यालय खोलने के लिए प्रस्ताव का अध्ययन करने के लिए स्थिति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ वरिष्ठ प्रो. डॉ. बान्ही झा तथा सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता द्वारा भूटान की यात्रा की गई।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और टीओटी

पैटर्न मेकिंग, एक्सेल के माध्यम से भारतीय शिल्प डिजाइन विकास के संदर्भ में प्रिंट विकास, अनुसंधान पेपर लेखन और मुद्रण, सृजनात्मक पैटर्न निर्माण, अनुसंधान क्रियाविधिः औद्योगिक और अनुसंधान कार्य, एडोब इलस्ट्रेटर, डिजाइन अवयव, शिल्प प्रक्रियाओं और परंपराओं के लिए उपकरण पर टीओटी में विभाग के 24 प्राध्यापक सदस्यों ने भाग लिया।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों तथा उद्योग द्वारा

- बैंगलूरू ने कोरल ड्रा तथा डिजाइन कलेक्शन पर संपर्क सत्र का प्रयोग करते हुए संगोष्ठी आयोजित की।
- भुवनेश्वर ने श्री दीनानाथ पाथी और श्री जितेन्द्र

कुमार नायक द्वारा क्राफ्ट क्लस्टर प्रलेखन, श्री क्रिश्चियन रेंमड द्वारा शिल्प उत्पादों, श्री इंद्रजीत वैकॉम द्वारा डिजिटल टैब्लेट तथा श्री जुगाल देबारा द्वारा मेकअप एंड स्टाइलिंग और फोटोग्राफी पर कार्यशालाएं आयोजित की।

- भुवनेश्वर के मिल्क डिजाइन, संबलपुर, की मालिक सुश्री स्मृति अग्रवाल, रूरी 4 ब्रैंड की मालिक सुश्री ऋतिका हालन, डीजीएम डिजाइन, आदित्य बिरला ग्रुप की सुश्री नेहा (निफ्ट की पूर्व–छात्राएं) द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया।

- गांधीनगर ने श्री जल्प लखिया, श्री तिमोथी क्रोफ्टमैन, मासे यूनीवर्सिटी द्वारा क्राफ्ट डॉकुमेंटेशन पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

- कांगड़ा ने श्री अनुज शर्मा, संस्थापक बटन मसाला, सुश्री क्रेमिना फर्नांडीज द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

- कांगड़ा ने बटन मसाला पर एक कार्यशाला का आयोजन किया यह केवल बटनों और रबड़ बैंड का प्रयोग करते हुए वस्त्र तैयार करने की एक विशिष्ट संयोजन तकनीक है।

- मुंबई ने श्री रजनीकांत और श्री तनवीर खान द्वारा जरी और आरी कशीदाकारी पर, पारंपरिक कारीगरों द्वारा बनारसी बुनाई, फुलकारी, सूफ कशीदाकारी और चिकनकारी पर कार्यशाला संचालित की गई, सुश्री रुग्मणि द्वारा अपशिष्ट सामग्री का प्रयोग करते हुए संधारणीय उत्पाद विकास पर श्री समीर द्वारा टाई एंड डाई पर तथा डा. एला दहिया द्वारा क्रॉफ्ट डॉक्युमेंटेशन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- रायबरेली ने श्री धर्मेन्द्र कुमार, सुश्री जया श्री, सुश्री सौम्या विष्ट और श्री जेम्स फरेरा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया।

- शिलांग ने सुश्री अन्ना लोउ मेनेल तथा श्री प्रशांत घोष द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

- नई दिल्ली ने सुश्री आकांक्षा नंदा द्वारा स्टिचिंग ऑफ बेसिक लिंगरी एंड स्टाइलिंग पर कार्यशाला का और श्री दीपक चक्रवर्ती द्वारा वीजुअल मर्कें डाइजिंग पर तथा श्री विजय सिंह बांसला द्वारा ईडीपी पर व्याख्यन का आयोजन किया।

पहलकदम

और समझौता ज्ञापन

- मैसर्स अरविंद लिमिटेड तथा निफ्ट बैंगलूरू ने शिक्षण के क्षेत्र में सहयोग का करार किया।

- टीएएफई क्वींसलैड यूनीवर्सिटी, आस्ट्रेलिया तथा निफ्ट ने श्री विशाल गुप्ता और श्री भारत जैन, गांधीनगर द्वारा समझौता–ज्ञापन की कार्रवाई प्रारंभ की।

- इंपैक्ट लिमिटेड तथा निफ्ट मुंबई ने कशीदाकारी में त्रुटियों के लिए प्रस्तुतीकरण और पाठ्यचर्या विकसित करने, कशीदाकारी, छपाई और सुइयों के कौशल को कशीदाकारी निर्यात गृहों में विभिन्न शिल्पियों को सौंपने के लिए एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- एससीजैडसीसी और निफ्ट मुंबई ने महाराष्ट्र के शिल्प के लिए एक कॉफी टेबल बुक तैयार करने तथा शिल्प के संवर्धन के लिए विशिष्ट व्यक्तियों के लिए परिधानों का संग्रह विकसित करने के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आरंभ और पूर्ण की गई

पीएच.डी.

पीएच.डी. पूर्ण की गई

- डा. पूर्वा खुराना, दिल्ली ने अपनी पीएच.डी. पूर्ण की

पीएच.डी. आरंभ की गई

निफ्ट से

- प्रो. मोनिका गुप्ता, दिल्ली, प्रो. वंदिता सेठ गांधीनगर, प्रो. मालिनी डी., हैदराबाद, सुश्री राकेश विद्या, रायबरेली और सुश्री प्रमिता सरकार, कांगड़ा निफ्ट से अपनी पीएच. डी पूर्ण कर रहे हैं।

अन्य संस्थानों से

प्रो. मोनिका अग्रवाल और सुश्री दर्निया रॉय, भुवनेश्वर, सुश्री जी.साई संगुरई, सुश्री सी. सीता और सुश्री सीमा कुमार, चेन्नई, सुश्री कुंडलता मिश्रा और सुश्री पैट्राशिया सुमोद, मुंबई, सुश्री जेपजी कौर कोहली और श्री भारत जैन, गांधीनगर श्री ओम सूर्या, कन्नूर और प्रो. रीनित सिंह, निफ्ट, कोलकाता, श्री सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, पटना अन्य विश्वविद्यालयों से अपना पीएच.डी. अध्ययन कर रहे हैं।

छात्र प्रतिभागिता

शिक्षणोत्तर क्रियाकलाप

फैशन स्पेक्ट्रम, कंवर्ज और निफ्ट फैशन ओलम्पियाड निफ्ट के वार्षिक समारोह हैं जिनमें समस्त कैंपसों से छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तथा पुरस्कार जीतते है। सभी निफ्ट कैंपसों में आयोजित किए जाने वाले अन्य समारोह हैं – फ्रेशर्स पार्टी, हिंदी दिवस, शिल्प मेला, स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण और सरस्वती पूजा।

कुछ ऐसे समारोह जहां केन्द्रों के छात्र निफ्ट के बाहर प्रतिभागिता करते हैं – आईआईटी (अन्वेष 16) फैशन शो, पटना; अपशिष्ट प्रबंधन तथा शहरी जीवन के साथ इसके एकीकरण पर कार्यशाला, चेन्नई; आईआईटी मंडी वार्षिक फेस्ट, कांगड़ा; लैक्मे फैशन वीक–2015, मुंबई।

सीईपी और

अल्पकालिक कार्यक्रम

पिछले वर्ष के दौरान निम्नलिखित सतत् शिक्षा कार्यक्रम संचालित किए गए –

दो वर्षीय कार्यक्रम

निफ्ट मुंबई में फैशन फिट एंड स्टाइल

एक वर्षीय कार्यक्रम

एक प्राचीनतम कार्यक्रम फैशन क्लोडिंग टेक्नॉलाजी (एफसीटी) निफ्ट के विभिन्न केन्द्रों में संचालित किया गया जैसे बैंगलूरू, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली और पटना। निफ्ट गांधीनगर और नई दिल्ली में फैशन इंटीग्रेशन फॉर एपेरल (एफआईएटी)। हैदराबाद में इंडियन फैशन एपेरल एंड बूटीक मैनेजमेंट (आईएफएबीएम)।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित किए गए जैसे रायबरेली में फैशन बूटीक एंड ड्रेस डिजाइनिंग, भुवनेश्वर में वेस्टर्न स्टाइल इंब्रॉयडरी एंड ओरिएंटेशन टु डिजाइन एंड इलस्ट्रेशन तथा नई दिल्ली में ड्रेपिंग फॉर ड्रेसेज़।

क्राफ्ट क्लस्टर

पहलकदम

फैशन डिजाइन विभाग के IV सेमेस्टर के प्रत्येक छात्र ने पाठ्यचर्या के भाग के रूप में मई–जुलाई, 2015 के दौरान देश के विभिन्न राज्यों में क्राफ्ट क्लस्टर नैदानिक अध्ययन संचालित किया। निम्नलिखित क्षेत्रों के शिल्प का अध्ययन किया गया। बैंगलूरू ने कर्नाटक के कोल्लार जिले में 'चिंतामणि' का अध्ययन किया।

- बैंगलूरू ने कोल्लार जिला कर्नाटक में 'चिंतामणि' का अध्ययन किया।
- भुवनेश्वर ने सोनपुर और बौध में 'हथकरघा संबलपुर' साखीगोपाल और सतसंख में 'कॅयर और जूट' ढेंकनाल सदेबेरेनी में 'घोकरा और जनजातीय आभूषण,' गोपालपुर और फकीरपुर में 'तुसार' तथा केन्द्रपाडा और जगतसिंहपुर में 'गोल्डन ग्रास' का अध्ययन किया।
- चेन्नई ने 'राबरी कशीदाकारी, कच्छ, कमलकारी माता नी पचेदी, अहीर कशीदाकारी, कच्छ, आरी कशीदाकारी राघनपुर, पाटन और अहमदाबाद, पक्को टाको – कच्छ, एप्लीक कशीदाकारी – जामनगर, एप्लीक और पैचवर्क – कच्छ तथा रोगन – कच्छ का अध्ययन किया।
- कांगड़ा ने राजस्थान (जोधपुर) के शिल्प, दाबू पेंटिंग, हिमाचल प्रदेश (लाहौल), वधू, वेशभूषा, पंजाब (लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, भटिंडा), कुलकारी, दरी, जूती, गुडिया, बर्तन आदि का अध्ययन किया।
- कोलकाता ने कूच बिहार में 'सीतल पती', ननूर में 'कांथा' कुशमंडी में 'वुडन डॉल/मास्क', पूरूलिया में 'मुखोस चरीदा' तथा पांचमूरा में 'टेरा कोटा' का अध्ययन किया।
- नई दिल्ली ने बनारस में 'बनारस बुनाई' का अध्ययन किया।
- पटना ने मुजफ्फरपुर, बिहार में 'लाख की चूड़ियों' का अध्ययन किया।
- रायबरेली ने लखनऊ में 'चिकनकारी', बरेली (उ.प्र) में 'जरदोजी' और गुजरात में 'कच्छ कशीदाकारी' का अध्ययन किया।
- मुंबई ने भंडारा के कोसा सिल्क, सिंधुदुर्ग के कॅयर, कोल्हापुर की कोल्हापुरी चप्पलों तथा दहानू/पाल्धार की वार्ली का अध्ययन किया।
- शिलांग ने अरूणाचल प्रदेश में तारे, गले वीविंग, बाका वीविंग, असम में 'मेखला वीविंग', मिजोरम में 'पुआन वीविंग'

तथा त्रिपुरा में 'वीविंग रिसा रिनई' का अध्ययन किया।

उद्योग के साथ संपर्क

दौरे और छात्र इंटर्नशिप

इंटर्नशिप

प्रत्येक वर्ष मई–जुलाई के माहों के दौरान 8 सप्ताह की अवधि की इंटर्नशिप की जाती है।

ये इंटर्नशिप अनेक कंपनियों के साथ आयोजित की गई, जैसे जिनी एंड जॉनी, सहारा गार्मेंट्स प्रा.लि., लीमेक्स, ओरिएंट क्लोडिंग, रिलायंस ट्रेंड्स लिमिटेड, भारतीय फैशनस गौरव इंटरनेशनल्स, नोरवेस्ट इंडस्ट्री लिमिटेड, आईटीसी लिमिटेड, सार्तो बीस्पोक टेलरिंग प्राइवेट लिमिटेड, टीएमजी फैशन लि. बुडलैंड, स्वारोवस्की, वाइल्ड क्राफ्ट, क्यूरीसिटी, यूएनआई स्टाइल, मार्क इम्पेक्स, टेजेरीन, शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड, आडिगेयर इंटरनेशनल, ट्रांसेक्ट इंडिया एक्सपोर्ट्स, डीएसजीएन फैशन प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य दुगर, कैमिस्ट्री, क्रिएटिव इम्पेक्स, फ्रैक्टल, स्पाइकर लाइफस्टाइल्स प्रा.लि, क्रिएटिव गार्मेंट्स, मोडेलामा एक्सपोर्ट्स, वीके फैशनस, सिल्वर स्पार्क एपेरल लि., आईटीसी लि.,शांतनु निखिल, देवनिल, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रैड्स लिमिटेड, ऑथेंटिसिटी, बोडाइस, गौरव इंटरनेशनल हम्न डिजाइनर्स, इंडस लीग्स, पैसेफिक ब्रैंड्स, शाही एक्सपोर्ट्स, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, महिन्द्रा रिटेल प्रा.लि., बिरला सेलुलोज़ प्रा.लि., गोल्डनसीम टेक्सटाइल्स प्रा. लि., आईएमए (इंडियन बाई मनीष अरोड़ा) क्लोडिंग प्रा.लि., बीबा एपेरल्स प्रा.लि., बंधेज, अपर्णा पटेल, फैब इंडिछया, एएम साइनेर्जी, किड्स स्टेडियो, बांसवाड़ा सिंटेक्स, गोकुलदास इमेज़ेज, रेमंड्स, मदुरा, एफएंडएलए, रॉयल इन फील्ड, शांतनु एंड निखिल, राज्का डिजाइनर्स – कैरी, अरविंद मिल्स, मैम आर्ट्स, आवादत एपेरल्स, ओरिएंट फैशंस, शाही एक्सपोर्ट्स, माल्गो एक्सपोर्ट्स, बेवक्रफ ब्रैंड्स, मनोवीराज खोसला, लैंडमार्ग ग्रुप, मैक्स फैशन ओरिएंट फैशनस एंड राजदीप राणावत – डिजाइनर्स ओरिएंट क्राफ्ट लि., बिरला सेल्युलोज, आईआई इंस्पेक्शन एंड एक्सपोर्ट प्रा.लि., स्टेटस क्वो, वेस्टलैस, बिरला एक्सपोर्ट्स प्रा.लि., एंट्रोफी डिजाइन, नीते क्लोडिंग प्रा.लि., इन स्टाइल एक्सपोर्ट हाउस, नार्थ वेस्ट इंडस्ट्रीज लि. सैम स्टिच और कई अन्य।

स्नातक परियोजना

डिजाइन संग्रहण

डिजाइन संग्रहण विभिन्न इनपुटों की पराकाष्ठा है जिसमें 7 से अधिक सेमेस्टर अंतर्निहित हैं तथा इसकी विषय–वस्तु सृजनात्मक अनुभव और जागरूकता से लेकर तकनीकी विशेषज्ञता तक विस्तृत है। फैशन डिजाइन सेमेस्टर VIII के छात्र पांच से लेकर सात संग्रहणों को डिजाइन करते हैं जो उपयुक्त रूप से एक्सेसरीकृत होते हैं। 403 छात्रों ने इस वर्ष 11 निफ्ट केन्द्रों से अपने डिजाइन कलेक्शन को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

स्नातक समारोह

प्रदर्शनी

स्नातक शो 'फैशनोवा 2015' फैशन डिजाइन 2011–2015 के अंतिम संग्रहण की प्रदर्शनी है। आयोजित किए गए विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों में फैशनल जगत, उद्योग से गण्यमान्य व्यक्ति तथा निफ्ट छात्रों के अभिभावक शामिल हुए जिन्होंने छात्रों द्वारा प्रदर्शित किए गए संग्रहणों की प्रशंसा की।

स्नातक समारोह

दीक्षांत–समारोह

''11 निफ्ट केन्द्रों में दीक्षांत समारोह विभिन्न शहरों में मई और जून, 2015 माह में आयोजित किए गए। छात्रों को डिग्रियां वितरित की गईं। छात्रों को डिग्रियां प्रदान करने के लिए देश के विभिन्न भागों से अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों को आमंत्रित किया गया था।

लैदर डिजाइन

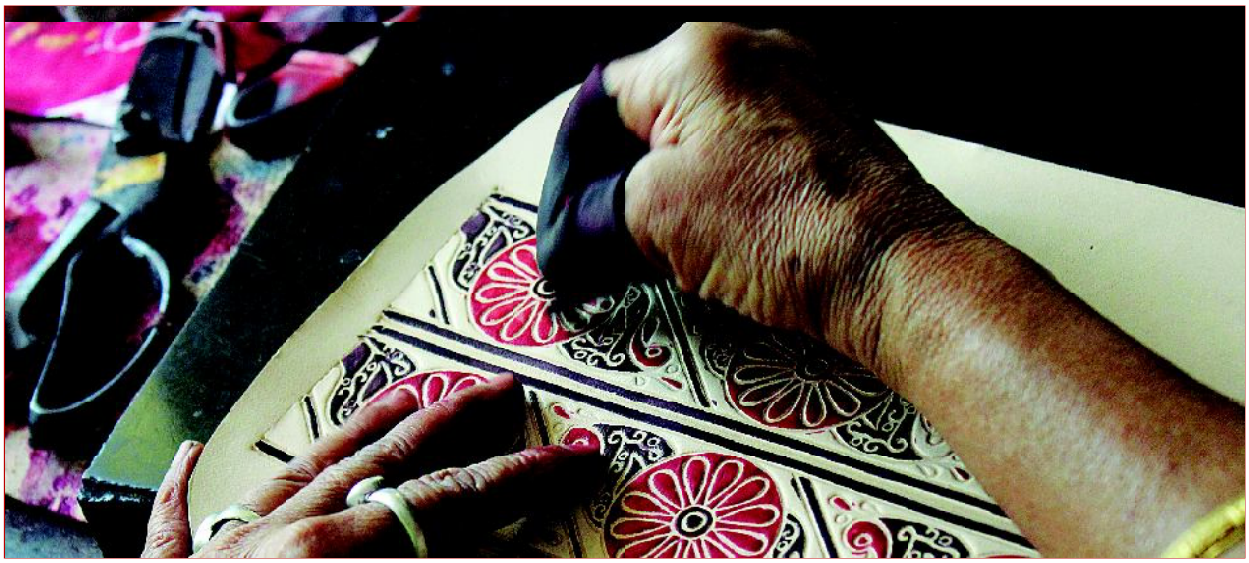

निफ्ट में लैदर डिजाइन कार्यक्रम फैशन, फुटवीयर और एक्सेसरीज़ उद्योग के संदर्भ में अपनी संरचना और अनुप्रयोग में विशिष्ट है। यह उद्योग की आवश्यकताओं के भीतर डिजाइन संदर्श के एकीकरण पर ध्यान केन्द्रित करता है।

इस विभाग की स्थापना 1993 में नई दिल्ली में की गई थी तथा इसमें प्रारंभ में लैदर गार्मेंट्स पर ही ध्यान केन्द्रित किया गया था। उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तथा बदलते हुए समय के साथ विभाग की प्रकृति का भी तद्नुसार विकास करने के लिए हमने अपने चार केन्द्रों चेन्नई, कोलकाता, नई दिल्ली और रायबरेली में फैशन गुड्स, व्यक्तिगत जीवन–शैली एक्सेसरीज़ और फुटवीयर के क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया है।

यह पाठयक्रम लक्षित बाज़ार की विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करने की दृष्टि से भौतिक जानकारी के साथ डिजाइन अवधारणाओं के एकीकरण पर बल प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम की संरचना उच्च मानकों तथा भारतीय लैदर उद्योग की मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं की ओर केन्द्रित है जिसका लक्ष्य व्यावहारिक व्यवसायियों का विकास करना है।

इस विशेषज्ञता का उद्देश्य छात्रों की प्रतिस्पर्धी और उद्यमिता की भावना का निर्माण करते हुए उनमें सामाजिक मूल्यों को संपोषित करना है। क्षेत्रीय दौरों, टेनरी प्रशिक्षण, उद्योग इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं के माध्यम से उद्योग का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना इस कार्यक्रम की पाठ्यचर्या का अभिन्न अंग है। बहुविषयक दृष्टिकोण वृत्तिकों के विकास को और अधिक मज़बूती प्रदान करता है।

लैदर डिजारन के स्नातकों के पास डिजाइनरों, उत्पाद निर्माताओं, उत्पादन प्रबंधकों, वाणिज्यिकों, उद्यमियों आदि के रूप में फैशन के क्षेत्रों में अनेक अवसर उपलब्ध हैं। हमारे स्नातकों के लिए लक्षित उद्योग में निर्यात और घरेलू विनिर्माण, रिटेल, खरीद और सोर्सिंग शामिल है।

विभाग के पूर्व–छात्रों ने अपने–अपने संबंधित क्षेत्रों में स्वयं के प्रतिमान स्थापित किए हैं तथा उन्होंने उद्योग के आधुनिक मानक विकसित किए हैं जिससे वह वैश्विक फैशन और जीवन–शैली क्षेत्र का एक अभिन्न भाग बन गया है।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

आचार्य / प्राध्यापक

पत्र और लेख

- सुश्री तूलिका महंती (सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा 'बॉलीवुड इम्पैक्ट ऑन फैशन ट्रेंड्स एंड कंज्यूमर्स' शीर्षक पर लिखा गया पत्र ऑनलाइन इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च जर्नल (आईएसएसएन 2249–9598, इंपैक्ट फैक्टर 2.217) के मई–जून, 2015 के अंक में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री तूलिका महंती (सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा 5–6 नवबर, 2015 तक सीएसआईआर–नेशनल मेटालर्जिकल लैबोरेट्री, जमशेदपुर में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरणीय चुनौतियां और समाधान (एनसी–ईसीएस 2015) में 'संधारणीय विकास और पर्यावरण' नामक पत्र प्रस्तुत किया गया।

- सुश्री तूलिका महंती (सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा गांधी समग्र, वार्षिक संस्करण, 2015, आईएसएसएन : 2277–9795 में 'गांधीवादी विकास योजना में चरखे का महत्व' विषय पर लिखा लेख प्रकाशित हुआ।

- सुश्री तूलिका महंती (सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा 'मानवाधिकारों के आयामों में परिवर्तन' विषय पर लिखा गया पत्र भावना प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'मानवाधिकार का बदलता परिदृश्य में आईएसबीएन सं. 978–81–7667–278 के साथ प्रकाशित हुआ।

- डा. कुलविंदर कौर द्वारा संपादित पुस्तक 'दि कमिंग ऑफ कंज्यूमर सोसाइटी' में सुश्री ऊषा नरसिंहन (एसोसिएट प्रोफेसर–एलडी) का एक अध्याय प्रकाशित हुआ। अध्याय का शीर्षक है 'फैशन उपभोग और सामाजिक जीवन'। यह पुस्तक मनोहर प्रकाशत द्वारा प्रकाशित की गई है तथा यह फरवरी, 2016 में विमोचित हुई।

- सुश्री डॉली कुमार (सीसी–एलडी एवं सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा 'फुटवियर का इतिहास', विषय पर लिखा गया अध्याय 'शूज एंड एक्सेसरीज़, नामक पुस्तक के वार्षिक संस्करण, मार्च, 2016 में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री डॉली कुमार (सीसी–एलडी एवं सहायक प्रोफेसर–एलडी) द्वारा 'अंडरस्टैंडिंग दि फुटवीयर आइडेंटिटी थ्रू एजेज़' विषय पर लिखा गया अध्याय 'शूज एंड एक्सेसरीज़, नामक पुस्तक के वार्षिक संस्करण, मार्च, 2016 में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (एसोसिएट प्रोफेसर – एलडी) ने 7वीं ग्लोबल कांफ्रेंस ऑन फैशन (इंटर–डिसिप्लीनरी नेट), मैंसफील्ड कॉलेज, लंदन, यूके में 24–26 सितम्बर, 2015 तक 'फैशन पहचान' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री ओलोकेश रे, जर्नल–लैदर एज, शीर्षक–लैदर डाइंग विद यूकेलिप्टस, प्रकाशन – मार्च, 2016

- श्री संजीव कुमार दास ने ईआईटीईएक्स, बहीरदर, इथियोपिया में 1–2 मई, 2015 तक आयोजित 'अफ्रीका में कपास, वस्त्र और परिधान मूल्य श्रृंखला पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इथियोपिया की कपास–वस्त्र–परिधान की मूल्य श्रृंखला के एकीकरण के लिए निर्णायक नियंत्रण क्षेत्रों का विश्लेषण' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 19 और 20 नवम्बर, 2015 को आयोजित फैशन रिटेल एवं प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी (आईसीएसएफ–आरएम) में 'राजदूत वस्त्र : घरेलू विस्तार बनाम विदेशी प्रवेश'' पर एक मामला प्रस्तुत किया।

- श्री एम. अरवेंदन, सह. प्रोफेसर – एलडी ने अपनी पीएच.डी का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय शोध–पत्र प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था 'क्लोज्ड लूप आपूर्ति श्रृंखला में नेटवर्क डिजाइन समस्या के लिए हाइब्रिड जेनेटिक एल्गोरिद्म का विकास और तुलना' तथा यह वैनिक अनुसंधान पब्लिशिंग इंक. द्वारा 24.11.2015 को सहयोगी पुनरीक्षित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल – इंटेलीजेंट इंफार्मेशन मैनेजमेंट (आईआईएम) में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री अंकेता कुमार, सहायक प्रोफेसर – निफ्ट रायबरेली ने 'राष्ट्रीय फोरम में जनजातीय कलाओं में सामाजिक–सांस्कृतिक डिजाइनों का चित्रण तथा कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल के लिए स्थान' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री लालसिंह, सहायक प्रोफेसर – निफ्ट रायबरेली ने 4 मार्च, 2016 को 'नवारा विश्वविद्यालय (पंपलोना, स्पेन) के अंतर्राष्ट्रीय फोरम में जीवन निर्माण' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री अंकेता कुमार, सहायक प्रोफेसर – निफ्ट रायबरेली ने 16–18 नवम्बर, 2016 को निफ्ट भुवनेश्वर में 'ब्रा–आकार से जुड़ी समस्याएं और उसका समाधान' विषय पर मामला अध्ययन पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री शंकर नारायण टी.आर. सह. प्रोफेसर रायबरेली ने 16–18 नवम्बर, 2016 को निफ्ट भुवनेश्वर में बाजार प्रवेश कार्यनीतियों पर मामला अध्ययन पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संचालित की गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

दिल्ली कैंपसः

- दिल्ली में ईटीआईडीआई परियोजना के अंतर्गत इथियोपिया से आए निदेशकों के लिए एमडीपी कार्यशाला का आयोजन डा. शिंजू महाजन (एसोसिएट प्रोफेसर – एलडी एवं हैड क्लस्टर) द्वारा किया गया। एक नौ–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी प्रतिनिधियों के लिए किया गया जिसमें विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा कारखानों के दौरे शामिल थे। इस कार्यशाला का आयोजन 13–21 मार्च, 2016 तक किया गया था।

चेन्नई कैंपसः

श्री पी. सेंथिलनाथन, सह. प्रोफेसर – एलडी तथा श्री कॉस्तव सेन गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीसी – एडी वर्तमान में 'एलएएमपीएस' के जनजातीय सदस्यों द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के लिए 'लोगो– तथा उनकी पैंकिंग का डिजाइन तैयार करने की परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

रायबरेली परिसर

श्री शंकर नारायण टी.आर., सह. प्रोफेसर – निफ्ट रायबरेली को 'वाराणसी हथकरघा क्लस्टर – अतः स्थिति'' पर वस्त्र मंत्रालय को एक परियोजना प्रस्तुत की। यह परियोजना जनवरी, 2013 को आरंभ हुई थी और मार्च, 2016 में पूर्ण हुई।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

दिल्ली कैंपस

- एलडी VI के छात्र सवलीन विंद्रा ने कोस्मोपोलिटन पत्रिका की संपादक नंदिनी भल्ला से श्रेष्ठ स्टाइल्ड कवर पुरस्कार प्राप्त किया। यह उनकी कूल्स इंटर्नशिप का एक भाग था।

- उत्तम कुमार और कीर्ति धिमान, एलडी सेमेस्टर VIII, नई दिल्ली को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया तथा उन्हें न्यूजीलैंड में अगस्त, 2015 में आयोजित की जाने वाली 'वर्ल्ड ऑफ वीयरेबल आर्ट प्रतियोगिता' के लिए आमंत्रित किया गया।

- अविनाश, चेश्ता, कीर्ति राय सक्सेना (एलडी 7) ने सितम्बर, 2015 में एशियन पेंट प्रतियोगिता का प्रथम चक्र जीता तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में ऑटोमोबाइल डिजाइन प्रतियोगिता के लिए दूसरा परुस्कार प्राप्त किया। अविनाश ने सीएलई बैग तथा फुटवियर डिजाइन प्रतियोगिता भी जीती।

कोलकाता कैंपस

- श्री राजेश खानी, एलडी सेमेस्टर–VI निफ्ट कोलकाता में जनवरी, 2016 में आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट में तथा स्पेक्ट्रम–फरवरी, 2016 में प्रथम रहे। वे नवम्बर, 2015 में मैरीन यूनीवर्सिटी कोलकाता में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में द्वितीय रहे।

- श्री अनूप कुमार रजक, एलडी सेमेस्टर–VI ने फरवरी, 2015 में आईआईएम, कोलकाता में आयोजित फैशन शो और फोटोग्राफी प्रतियोगिता जीती वे अप्रैल, 2015 में एसएमआईटी, सिक्किम में द्वितीय रहे तथा फरवरी, 2015 में एनयूजेएस, कोलकाता के फैशन शो के विजेता रहे।

- श्री नूतेन्द्र कुमार सिंह, एलडी सेमेस्टर–VI स्पेक्ट्रम, 2016 में तथा नवम्बर, 2015 में मैरीन विश्वविद्यालय, कोलकाता में बॉलीबॉल में द्वितीय रनर–अप रहे।

- श्री स्वर्णिल साहा, एलडी सेमेस्टर–VI 2015 में आईआईएम कोलकाता फैशन शो (राजमाताज़), निफ्ट कंवर्ज 2015 में नुक्कड के और 2015 में कोलकाता मेडिकल कॉलेज में नुक्कड़ के विजेता रहे तथा अप्रैल, 2015 में एसएमआईटी, सिक्किम के दौरान फैशन शो के रनर–अप रहे। उन्होंने 2015 में एनयूजेएस, कोलकाता के फैशन शो (फैशन निस्ता) में प्रथम पुरस्कार भी जीता। स्वर्णिल ने 2015 में टेलीग्राफ टी2 स्पॉट लाइट प्रतियोगिता जीती तथा वे 2015 में मिर्ची फ्रेशर्स के लिए अधिकारिक स्टाइलिश के रूप में चुने गए और उन्होंने सितम्बर, 2015 में डिजाइनर असिस्टों फॉर इंडिया स्टोरी में भी प्रतिभागिता की। उन्होंने कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज, एसबीआईएम बिजनेस स्कूल, कोलकाता तथा सीआईएमएआई गैलरी में 2015 में हुई फैशन शो प्रतियोगिताए भी जीती। 2016 के दौरान, स्वर्णिल ने प्रासिक्स स्कूल ऑफ बिजनेस, आईआईएम, कोलकाता, एनयूजेएस, कोलकाता की फैशन शो प्रतियोगिताएं भी जीती (श्रेष्ठ डिजाइनर और श्रेष्ठ दल) तथा निफ्ट, कोलकाता में आयोजित निफ्ट डोनेर कार्यक्रम के लिए नृत्य, मेकअप और समस्त फैशन शो को संचालित किया।

- सुश्री नायब अकील एलडी सेमेस्टर–VI ने फरवरी, 2015 निफ्ट फैशन शो स्पेक्ट्रम में भाग लिया तथा वे प्रथम स्थान पर रहीं। उन्हें सितम्बर, 2015 में माडर्न बालिका उच्च विद्यालय द्वारा अंतरविद्यालयी समारोह 'मिताली' के लिए निर्णायक के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। नायब का आर्ट वर्क वस्त्र मंत्रालय द्वारा सितम्बर, 2015 में आयोजित टेक्सटाइल वॉल आर्ट डिजाइन प्रतियोगिता के लिए भी चुना गया तथा उन्होंने अक्तूबर, 2015 में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

- सुश्री दिव्यांका, एलडी सेमेस्टर–VI ने फरवरी, 2015 निफ्ट फैशन शो स्पेक्ट्रम में भाग लिया तथा उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया गया। उनका आर्ट वर्क वस्त्र मंत्रालय द्वारा सितम्बर 2015 में संचालित टेक्सटाइल वॉल आर्ड डिजाइन प्रतियोगिता के लिए चुना गया। आईआईटी बंबई में उन्होंने सीएलई डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम चक्र (मूड इंडिगो) में भाग लिया तथा 2015 में आर्ट्स ऑफ फैशन फांउडेशन में प्रतिभागिता की।

- सुश्री संयुक्ता सिन्हा, एलडी सेमेस्टर–IV ने डिजाइन सूत्रा 2016 में भाग लिया तथा वे द्वितीय चरण के लिए चुनी गईं। उन्होंने आईआईटी, कानपुर और आईआईटी, खड़गपुर के लिए स्प्रिंग फेस्ट कॉलेज फेस्टिवल 2015–16 में निफ्ट कोलकाता की ओर से समन्वय का उत्तरदायित्व संभाला तथा वे स्पेक्ट्रम, 2016 में ट्रैजर हंट की विजेता थीं। संयुक्ता ने डिजाइन सूत्र 2016 में भाग लिया और वे प्रथम चरण में चयनित हुईं तथा वे आईआईएम और एनयूजेएस फैशन शो के विजेता दल की हिस्सा थीं तथा प्रासिस्क फैशन शो में प्रथम रनर–अप रहीं।

चेन्नई कैंपस

- नंदमबक्कम, चेन्नई के ट्रेड सेंटर में 1–3 फरवरी, 2016 के बीच भारत अंतर्राष्ट्रीय लैदर मेले (आईआईएलएफ–2016) का आयोजन किया गया। समस्त एलडी संकाय सदस्यों ने एलडी विभाग के छात्रों के साथ उनकी पाठ्यक्रम

पाठ्यचर्या के भाग के रूप में उन्हें अनुभव प्रदान करने के लिए मेले का दौरा किया।

- चर्म निर्यात परिषद (सीएई) द्वारा मेक इन इंडिया कार्यक्रम की पहल के भाग के रूप में डिजाइनर मेले का 1–3 फरवरी, को आयोजन किया गया। समस्त संकाय सदस्यों, सहायक कर्मचारिवृंद तथा एलडी विभाग के छात्रों ने मेले का दौरा किया। एलडी विभाग के संकाय सदस्यों ने मेले में निफ्ट स्टॉल स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की जिसमें एलडी छात्रों के डिजाइन कार्यों का प्रदर्शन किया गया था जिनकी आयोजकों द्वारा सराहना की गई और चर्म बैग एवं परिधान श्रेणी में एलडी छात्रों को उनके डिजाइन वर्क के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

- सुश्री मोनिका यादव, एलडी पूर्व–छात्र : श्रेष्ठ चर्म परिधान

- सुश्री वी.बी. फ्लोरीना, एलडी–VI ; श्रेष्ठ चर्म हैंड बैग

- चर्म निर्यात परिषद (सीएलई) द्वारा 4–5 फरवरी, 2016 को होटल आईटीसी ग्रैंड चोला में 19वीं यूआईटीआईसी इंटरनेशनल फुटवियर कांग्रेस का आयोजन किया गया था जिसमें:

एलडी विभाग ने एलडी छात्रों के डिजाइन वर्क को प्रदर्शित करने के लिए निफ्ट स्टाल लगाया जिसका समुचित रूप से समन्वय सुश्री श्वेता जगदीश, एलडी प्राध्यापक सदस्य द्वारा किया गया।

- श्री डी. राजशेखर, सह प्रोफेसर एंड सीसी–एलडी ने श्री एम. अरवेंदन, सह प्रोफेसर के साथ मिलकर एलडी छात्रों के सहयोग और कड़ी मेहनत से मेले में पोस्टर प्रस्तुतीकरण पेश किया।

– निम्न एलडी छात्रों ने फुटवीयर कांग्रेस में पोस्टर प्रस्तुतीकरण में सहयोग दिया :

- भारत में लक्जरी फुटवीयर ब्रैंड्स की स्थापना के मुद्दे और चिंताएं – सुश्री समृद्धि कौर, एलडी–VIII

- गर्भवती महिलाओं के लिए उपयुक्त फुटवीयर विकसित करने के लिए एर्गानॉमिक्स डिजाइन विचारण – सुश्री पल्लवी झा, एलडी–VIII

- 'दि एक्सप्रेसिव ब्लूम' – फुटवीयर डिजाइन अनुसंधान परियोजना – सुश्री पल्लवी झा, एलडी–VIII

- 'दि ब्रीदिंग शूज' – फुटवीयर डिजाइन अनुसंधान परियोजना – श्री आशुतोष कुमार, एलडी–VIII

- 'स्विच इन फ्रैक्शन' – फुटवीयर डिजाइन अनुसंधान परियोजना – श्री नवीन राज एस, एलडी–VIII

- भविष्य का संधारणीय विनिर्माण : अप–साइकिल्ड 3डी प्रिंटेड लैदर फुटवीयर – सुश्री केजिया।

- श्री ऋषु कुमार एलडी–VI ने 28 से 30 मार्च, 2016 के दौरान एसोसिएशन ऑफ लैदर टेक्नॉलाजीज़, अन्ना विश्वविद्यालय–सीएलआरआई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टेक्नो–मैनेजमेंट सिंपोजियम 'क्रॉसलिंक्स '16' के दौरान आयोजित उत्पाद डिजाइनिंग में भाग लिया तथा प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री अंजलि वाधवा, सुश्री नीलम सिंह, श्री शिव चरण ने 28 से 30 मार्च, 2016 के दौरान एसोसिएशन ऑफ लैदर टेक्नॉलीजीज़, अन्ना विश्वविद्यालय–सीएलआरआई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टेक्नो–मैनेजमेंट सिंपोजियम 'क्रॉसलिंक्स '16' के दौरान आयोजित उत्पाद डिजाइनिंग में भाग लिया तथा तीसरा पुरस्कार जीता।

- श्री ऋषु कुमार एलडी–VI और सुश्री शगुन पाण्डेय, एलडी–IV ने मुंबई में राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वे इसके लिए चयनित हुए।

- सुश्री सौम्याश्री नायक, एलडी–VI और सुश्री शशि कुमारी एलडी–VI को एबिलिटी फाउडेशन कार्यशाला में भाग लेने के लिए नामांकित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनियम और ट्विनिंग

दिल्ली कैंपस

- एलडी की सुश्री श्रीडा चक्रवर्ती, सेमेस्टर–VI नई दिल्ली एंसेट (फ्रांस) में एक सेमेस्टर (जनवरी–जून, 2016) के लिए छात्र विनिमय कार्यक्रम में गईं।

- एलडी की सुश्री कृतिका अग्रवाल, सेमेस्टर–VI नई दिल्ली फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एफआईटी) (न्यूयार्क) में एक वर्ष के लिए छात्र विनिमय कार्यक्रम में गई।

चेन्नई कैंपस

- सुश्री कीर्ति बिंदल, एलडी बैच 2012–16 ट्विनिंग/विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत अपने अध्ययन का छठा सेमेस्टर फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एफआईटी) न्यूयार्क से कर रही हैं।

रायबरेली कैंपस

- सुश्री तनुप्रिया श्रीवास्तव नोवा अकैडमिया दि बेले आर्टी (एनएबीए), मिलान, इटली गई हैं।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दौरे तथा संपर्क

दिल्ली कैंपस

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (एसोसिएट प्रोफेसर – एलडी) ने 7वें ग्लोबल फैशन सम्मेलन (इंटर–डिसिप्लीनरी नेट), मैंसफील्ड कॉलेज, लंदन, यूके में 24–26 सितम्बर, 2015 तक आयोजित समारोह में 'फैशनिंग आइडेंटिटीज़'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री डॉली कुमार (सहायक प्रोफेसर – एलडी) एंड सुश्री तूलिका महंती (सहायक प्रोफेसर – एलडी) ने फुटवीयर और एकसेसरीज़ मार्केट अपडेट और एक्सपोजर के लिए 6–10 अक्टूबर, 2015 तक हांगकांग फैशन एक्सेस फेयर, हांगकांग का दौरा किया।

कोलकाता कैंपस

- श्री राहुल सेठी, सह प्रोफेसर एवं सीपी – एलडी ने 24–25 जनवरी, 2015 तक कोलकाता में लेक्सपो तथा 2–4 फरवरी, 2015 तक चेन्नई आईआईएलएफ का दौरा किया।

- श्री सव्यसाची सेनगुप्ता, सह प्रोफेसर – एलडी ने 24–26 जनवरी, 2015 तक कोलकाता में लेक्सपो तथा 2–4 फरवरी, 2015 तक चेन्नई आईआईएलएफ का दौरा किया।

- श्री आलोकेश राय, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–एलडी ने 24–26 जनवरी, 2015 तक कोलकाता में लेक्सपो तथा 2–5 फरवरी, 2016 तक चेन्नई आईआईएलएफ का दौरा किया।

- श्री आलोकेश राय, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी – एलडी ने 03.11.2015 को 'प्राइम टेनेरी' एलडी सेमेस्टर–III तथा 07.04.2015 को 'वेब लैक इंडिया लिमिटेड' एलडी सेमेस्टर–IV के उद्योग दौरे संचालित किए।

- श्री संजीव कुमार दास, सोसिएट प्रोफेसर – एलडी ने 13–14 जुलाई, 2015 तक अफ्रीका आर्थिक आयोग में विकास के लिए वित्त संबंधी तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में; 21–23 अक्टूबर, 2015 तक ओरिजिन अफ्रीका एक्सपो, आदिस अबाबा इथियोपिया में तथा 6–9 फरवरी, 2016 तक दूसरे इथियोपिया इंटरनेशनल टेक्सटाइल एंड एपेरल एक्सपो, आदिस आबाबा, इथियोपिया में भाग लिया।

चेन्नई कैंपस

- नंदमबक्कम, चेन्नई स्थित ट्रेड सेंटर में 1–3 फरवरी, 2016 तक इंडिया इंटरनेशन लैदर मेला (आईआईएलएफ), 2016 आयोजित किया गया। लैदर डिजाइन के सभी प्राध्यापक सदस्यों ने लैदर डिजाइन के छात्रों के साथ इस मेले का दौरा किया जो उनके पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या के भाग के रूप में उन्हें अनुभव प्रदान करने के लिए संचालित किया गया था।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

- डा. शिंजू महाजन (सह प्रोफेसर – एलडी) ने 15–19 जून, 2015 तक जयपुर में ''शिल्प अनुसंधान'' के क्षेत्र में समस्त सीआईसी तथा निफ्ट केन्द्रों के संकाय सदस्यों के लिए टीओटी कार्यशाला आयोजित की।

- सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर–एलडी) ने दिल्ली में 29 जून से 1 जुलाई, 2015 तक फैशन अभिमुखीकरण टीओटी में भाग लिया।

- सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने 6–10 जुलाई, 2015 तक निफ्ट बेंगलूर में डिजाइन रिसर्च पर टीओटी में भाग लिया।

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (सह प्रोफेसर एलडी) ने 13–17 जुलाई, 2015 तक नई दिल्ली में निफ्ट के संकाय सदस्यों के लिए 'शैक्षणिक अनुसंधान का दृष्टिकोण' विषय पर टीओटी कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने निफ्ट, मुंबई में 16–17 जुलाई, 2015 तक एसडीएसी वार्षिक बैठक और कार्यशाला में भाग लिया।

- सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने उच्चतर शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार द्वारा 4 नवम्बर, 2015 को एससीईआरटी भवन, नई दिल्ली में 'नई शिक्षा नीति का विकास' विषय पर आयोजित एक–दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री ई. शिवशक्ति (सह प्रोफेसर एलडी) ने एआईयूएंड आई–एटीपी, नई दिल्ली द्वारा 20 नवम्बर, 2015 को ''भारत में शैक्षणिक आकलन का भविष्य : चुनौतियां और अवसर'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (सह प्रोफेसर एलडी) ने सामाजिक विकास परिषद, लोधी रोड, नई दिल्ली द्वारा 8 – 18 दिसम्बर, 2015 तक 'सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए अनुसंधान क्रियाविधि' विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री ई. शिवशक्ति (सह प्रोफेसर एलडी) ने नेशनल लॉ यूनीवर्सिटी, नई दिल्ली में 19 दिसम्बर को आयोजित उत्तर अंचल कुलपतियों की बैठक 2015–16 में भाग लिया। इस सम्मेलन का विषय था ''भारत में उच्चतर शिक्षा : भावी चुनौतियां।''

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (सह प्रोफेसर एलडी) तथा सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने पीएचडी हाउस, नई दिल्ली द्वारा 26 फरवरी, 2016 को प्रभाव आकलन–अनुसंधान का प्रभाव' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री ई. शिवशक्ति (सह प्रोफेसर एलडी) ने आईआईटी, नई दिल्ली में 19–22 मार्च, 2016 तक 'व्यवसाय विश्लेषण में अभिनवता' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री आलोकेश राय (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने 24–29 अगस्त, 2015 तक तथा 5–10 अक्टूबर, 2015 तक आईसीटी के लिए निफ्ट भुवनेश्वर का दौरा किया।

- श्री पी. सेंथिलनाथन (सहायक प्रोफेसर एलडी) ने 2 से 21 जुलाई, 2015 तक एक्टिनिक लाइट फोटोग्राफी नं. 305, प्रिंस सेंटर, तीसरा तल (राज वीडियो विजन – माउंट रोड के पीछे) 709–710, पथरी रोड, अन्ना सलई, चेन्नई पिन कोड – 600006 में संकाय उद्योग संपर्क में भाग लिया।

- श्री शिवेन्द्र प्रकाश कुलदीप (सहायक प्रोफेसर एलडी) तथा श्री लाल सिंह (सहायक प्रोफेसर एलडी) निफ्ट रायबरेली ने 6–10 जुलाई, 2015 तक बेंगलूर में 'डिजाइन अनुसंधान, अनुसंधान क्रियाविधि तथा पत्र प्रस्तुतीकरण' पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

- सुश्री अंकेता कुमार सहायक प्रोफेसर – निफ्ट रायबरेली ने 6–10 जुलाई, 2015 तक निफ्ट नई दिल्ली में ''पैटर्न मेकिंग के माध्मय से डिजाइन'' पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया, प्रशिक्षक का नाम : प्रो. वंदना नांरग, निफ्ट नई दिल्ली।

- श्री शंकर नारायण टी.आर., सहायक प्रोफेसर रायबरेली ने 13–15 जुलाई, 2015 तक हैदराबाद में शिक्षा के क्षेत्र में 'प्रभावी पाठ्यचर्या क्रियान्वयन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

दिल्ली कैम्पस

- सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर एलडी एंड एसडीएसी) द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका संचालन 8 अप्रैल, 2015 को थ्रैंड्स इंडिया द्वारा पुपुल जयकर हॉल में किया गया।

- सुश्री शैली चौधरी द्वारा 5 अगस्त, 2015 को लैदर एक्सेसरीज़ पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।

- अपोलो इंटरनेशनल से श्री आशु अभिराम द्वारा 7 अक्टूबर, 2015 को एलडी सेमेस्टर V के छात्रों के साथ एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।

- सैवी लैदर्स से श्री सुऐब अंसारी द्वारा मार्च, 2016 में एलडी IV के छात्रों के साथ सतह विकास तकनीकों पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।

चेन्नई कैंपस

- श्री के. रविशंकर, बी. टेक (रसायन इंजी.), मैसर्स अश्लेहा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने 'प्रगत व्यावसायिक प्रक्रियाएं (एपीपी)' विषय की पाठ्यचर्या के भाग के रूप में 21.09. 2015 को निफ्ट, चेन्नई में 10.30 बजे से 12.00 बजे तक 'कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' पर एलडी VII के छात्रों के लिए एक अतिथि व्याख्यान दिया।

पहलकदम

और समझौता ज्ञापन

- डा. शिंजू महाजन (सह प्रोफेसर – एलडी) ने हैड क्लस्टर के रूप में निफ्ट के लिए नए क्लस्टर पहलकदम आरंभ किए। वस्त्र मंत्रालय में अनेक प्रस्तुतीकरण दिए गए तथा उन्हें अनुमोदित किया गया और वित्त मंत्रालय 49.85 करोड़ रुपए के अनुदान के साथ आगामी 5 वर्षों के लिए (जुलाई, 2016 से आरंभ करते हुए) नवीन निफ्ट क्लस्टर पहलकदमों को वित्त–पोषित करने के लिए सहमत हुआ।

- डा. शिंजू महाजन (सह प्रोफेसर – एलडी हैड

क्लस्टर) 12 करोड़ रुपये की उस्ताद स्कीम के अंतर्गत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय से एक परियोजना प्राप्त करने में सफल रहीं।

पीएच.डी.

आरंभ और पूर्ण की गई

- डा. शिंजू महाजन (सह प्रोफेसर – एलडी) ने निफ्ट से अपनी डॉक्टोरेट ऑफ फिलॉस्फी (पीएच.डी.) पूर्ण की। उनके शोध का क्षेत्र था – शिशु फुटवीयर का डिजाइन और विकास – प्रयोक्ता केन्द्रित दृष्टिकोण।

- श्री एम. अरवेंदन (सह प्रोफेसर – एलडी) केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पांडिचेरी में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के क्षेत्र में पीएच.डी कर रहे हैं।

- श्री ई. शिवशक्ति (सह प्रोफेसर एलडी) मेवाड़ विश्वविद्यालय से भारतीय अर्ध–सैनिक बलों के लिए फुटवीयर साइनिंग सिस्टम का मॉडल विकसित करने के क्षेत्र में पीएच.डी. कर रहे हैं।

- सुश्री ऊषा नरसिंहन (सह प्रोफेसर) जामिया विश्वविद्यालय से फैशन और दैनिक जीवन : शहरी भारत के मध्यम वर्ग के बीच पहचान और लोकप्रिय संस्कृति के क्षेत्र में पीएच.डी. कर रही हैं।

- सुश्री तूलिका महंती (सह प्रोफेसर – एलडी) झारखण्ड राय विश्वविद्यालय, रांची से ''युवतियों के मध्य भारतीय प्रादेशिक कशीदाकारी की जागरूकता पर आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी प्रगति का प्रभाव'' के क्षेत्र में पीएच.डी. कर रही हैं।

छात्र प्रतिभागिता

शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप

दिल्ली कैंपस

- सुश्री सवलीन कौर बिद्रा, एलडी VI, नई दिल्ली ने अक्तूबर, 2015 में वोग फैशन फंड के लिए प्रविष्टि भेजी तथा प्रथम चरण में सफल रहीं। उन्होंने कूल्स स्टाइल कैंप कोस्मोपोलिटन मैग्जीन चैलेंज भी जीता तथा उन्हें नवम्बर, 2015 में कास्मोपोलिटन कॉलेज के साथ इंटर्नशिप भी प्रदान की गई। सवलीन ने हफिंगटन पोस्ट और मिसमालिनी कॉम के लिए ब्लॉग किया तथा दिसम्बर, 2015 में टीडीजी पत्रिका (फैशन संपादकीय) और वोग फैशन फंड के लिए लिखा।

- सुश्री सवलीन कौर बिद्रा, सुश्री काजोल पवानी और श्री स्यान सूद, एलडी VI, नई दिल्ली ने स्पेक्ट्रम, निफ्ट, नई दिल्ली मं आयोजित फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता।

कोलकाता कैंपस

- श्री स्वलीन साहा, एलडी सेमेस्टर VI, ने निफ्ट ओडिटोरियम, 2016 में आयोजित निफ्ट डोनेर कार्यक्रम के फैशन शो की कोरियोग्राफी, मेकअप और समन्वय का कार्य संचालित किया, 2016 में परिधानों के लैदर संग्रह का प्रदर्शन करने के लिए निफ्ट, कोलकाता स्पेक्ट्रम फैशन शो में भाग लिया।

- श्री नुतेन्द्र कुमार सिंह, एलडी सेमेस्टर VI, ने कंवर्ज 2015 में कबड्डी और बॉलीबॉल में भाग लिया तथा वे स्पेक्ट्रम 2016 में बॉलीबॉल में द्वितीय रनर अप रहे।

- सुश्री काशिश बजाज ने ट्रैजर हंट, फ्लैश मॉब, स्पेक्ट्रम–2016 में प्रतिभागिता की। उनका कार्य मार्च, 2016 में हस्तशिल्प श्रेणी में डिजाइन सूत्रा, निफ्ट कोलकाता के प्रथम चक्र के लिए चुना गया।

चेन्नई कैंपस

- एलडी सेमेस्टर III, और V, के छात्र 14.10.2015 को संथोम, चेन्नई में 'काकुम कारांगल' में 'धान' क्रियाकलाप के लिए तथा 17.10.2015 को थुरियापक्कम, चेन्नई में 'होप फाउडेशन' भी गए। इस 'धान' क्रियाकलाप में लैदर डिजाइन विभाग के छात्रों ने सक्रिय रूप से विभिन्न क्रियाकलापों में भाग लिया तथा समस्त क्रियाकलापों में विभिन्न प्रकार के प्रलेखन और फोटोग्राफ शामिल थे।

- श्री ऋशु कूमार, एलडी VI, ने एसोसिएशन ऑफ लैदर टेक्नॉलाजिस्टस, अन्ना विश्वविद्यालय – सीएलआरआई द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की टेक्नो–मैनेजमेंट विचार–गोष्ठी ''क्रॉसलिंक्स 16'' 29 से 30 मार्च तक में आयोजित प्रोडक्ट डिजाइनिंग में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री अंजलि वाधवा, सुश्री नीलम सिंह, श्री शिवचरण ने एसोसिएशन ऑफ लैदर टेक्नॉलाजिस्टस, अन्ना विश्वविद्यालय – सीएलआरआई द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की टेक्नो–मैनेजमेंट विचार–गोष्ठी ''क्रॉसलिंक्स 16'' में आयोजित डिजाइनिंग कार्यशाला में भाग लिया तथा तीसरा पुरस्कार जीता।

- श्री ऋशु कूमार, एलडी VI तथा सुश्री शगुन पाण्डेयर, एलडी IV ने मुंबई में राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया तथा उनका उसके लिए चयन किया गया।

- सुश्री सौम्याश्री नायक, एलडी VI और सुश्री शशि कुमारी एलडी VI एबिलिटी फाउंडेशन कार्यशाला में भाग लेने के लिए नामित की गईं।

रायबरेली कैंपस

- श्री सदाकत हुसैन, एलडी सेमेस्टर VI अवंत गार्द समारोह में विजेता रहे जबकि सुश्री प्रतिभा यादव और श्री प्रकाश कुमार एलडी सेमेस्टर VI उप विजेता रहे।
- श्री सदाकत हुसैन, श्री राहुल कुमार और श्री सावलीय निकुंज, एलडी सेमेस्टर VI स्पेक्ट्रम के दौरान बॉलीबॉल में उप–विजेता रहे।
- श्री आशु सिंह तथा सुश्री मोनिका दयाल, एलडी सेमेस्टर VI थ्रोबॉल में विजेता रहे।
- सुश्री सुप्रिया राव, एलडी सेमेस्टर VI – अंत्याक्षरी –विजेता
- सुश्री चैताली सिंह, एलडी सेमेस्टर VI – फ्लाई सोलो नृत्य भारतीय शैली–विजेता
- सुश्री श्रुति सूरज और सुश्री मोनिका दयाल, एलडी सेमेस्टर VI समूह नृत्य प्रतियोगिता के विजेता रहे।
- सुश्री अंजलि कुमारी, एलडी सेमेस्टर VI – नुक्कड़ नाटक, विजेता।

सीईपी और

अंशकालिक कार्यक्रम

दिल्ली कैंपस

सुश्री डॉली कुमार और सुश्री तूलिका मंहती ने एक–एक वर्ष की अवधि के लिए 2 सीईपी कार्यक्रम आरंभ किए हैं:

- सृजनात्मक चिंतन और डिजाइन विकास
- बूटीक परिधान और एक्सेसरीज़ में डिजाइन
- इन कार्यक्रमों की अवधि सितम्बर, 2015 से अगस्त, 2016 है।

चेन्नई कैंपस

बेसिक डिजिटल फोटोग्राफी इन 5 डेज़ (वीक एंड जून, 2015), कार्यक्रम समन्वयक श्री पी. सेंथिलनाथन।

फैशन बैग्स (लेडीज़) इन 30 डेज़ (जून, 2015), कार्यक्रम समन्वयक सुश्री श्वेता जगदीश (सहायक प्रोफेसर)

फुटवीयर डिजाइन और प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कार्यक्रम समन्वयक श्री एम. अरवेंदम (सह प्रोफेसर)

लैदर गुड्स डिजाइन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम समन्वयक श्री पी. सेंथिलनाथन (सहायक प्रोफेसर) और सुश्री श्वेता जगदीश (सहायक प्रोफेसर)

कोलकाता कैंपस

एलडी और एफडी विभाग की राहुल सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीपी–एलडी तथा प्रो. रीनीति सिंह – एफडी के समन्वय के अंतर्गत सीई कार्यक्रम (एफसीटी) नियमित आधार पर संचालित कर रहे हैं तथा वर्ष 2014–15 का कार्यक्रम सफलतापूर्वक समाप्त हो चुका है। वर्तमान में, अगस्त, 2015 से अगस्त, 2016 तथा फरवरी, 2016 से फरवरी, 2017 के एफसीटी बैच चल रहे हैं।

शिल्प क्लस्टर

पहल कदम

दिल्ली कैंपस

डा. शिंजू महाजन (सह प्रोफेसर – एलडी एवं हैड क्लस्टर) के नेतृत्व में सेमेस्टर IV के 37 छात्रों ने अपने शिल्प क्लस्टर पहलकदम के भाग के रूप में 1 जून से 15 जून, 2015 तक जोधपुर और पाली, भारत के चर्म शिल्प का सर्वेक्षण और प्रलेखन किया। अनुसंधान के क्षेत्र में शामिल था – कार्य में नीरसता में कमी लाने के लिए हस्तक्षेपों का सुझाव देने के उद्देश्य से कारीगरों/शिल्कारों की रहन–सहन और कार्य परिस्थितियों का अध्ययन करना।

कोलकाता कैंपस

क्लस्टर दौरे (सेमेस्टर प्ट के छात्रों के साथ) – श्री आलोकेश राय, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–एलडी तथा श्री सव्यसाची सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट, कोलकाता 1 से 10 जून, 2015 तक क्राफ्ट क्लस्टर के लिए बोलपुर गए।

रायबरेली कैंपस

शिल्प दौरे और अध्ययन : अजमेर, राजस्थान में वीटी लैदर एक्सेसरीज़ की इंटरलेसिंग और हैंड स्टिचिंग, तथा बोलपुर, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल मं एंबॉसिंग और हैंड पेंटिंग।

सेमेस्टर IV (बैचः 2013–17) के छात्र अपने संकाय–सदस्यों श्री लाल सिंह और श्री शिवेन्द्र प्रकाश कुलदीप के साथ।

चेन्नई कैंपस

सेमेस्टर IV (बैच 2013–17) के छात्रों द्वारा क्राफ्ट क्लस्टर दौरा तथा अध्ययन समूहवार 26.05.2015 से 12.06. 2015 तक किया गया तथा छात्रों ने ग्लेज्ड सेरेमिक खिलौनों के लिए वृंदाचलम, गुडिया निर्माण नसरापेट (नाडास्वर्मा) के लिए तंजौर/नागापट्टिमन, नाड़ के पत्तों के कार्य के लिए तिरुनेलवेली और तालीपोड फाइबर के लिए नागरकोइल/कन्याकुमारी का दौरा किया।

इन समस्त दौरों का संचालन किया गया तथा छात्रों के साथ विभाग के प्राध्यापक सदस्य श्री डी. राजशेखर और प्राध्यापक श्री पी. सेंथिलनाथन भी गए थे।

उद्योग के साथ संबंध

दौरे तथा छात्र इंटर्नशिप

विभाग स्नातक परियोजनाओं, चर्मशाला प्रशिक्षण, उद्योग इंटर्नशिप और शिल्प प्रलेखीकरण की व्यवस्था करने के लिए उद्योगों तथा सरकारी निकायों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करता है। कुछ ऐसे संगठनों के नाम नीचे दिए गए हैं जहां विभाग दौरे तथा इंटर्नशिप के लिए अपने छात्रों को लेकर जाता हैः

दिल्ली कैंपस

- चर्म कारखाने की विनिर्माण प्रक्रिया के बारे में समझने के लिए सुश्री नीति बांगा (सहायक प्रोफेसर – एलडी एवं एसडीएसी) द्वारा एलडी V, नई दिल्ली के छात्रों के लिए 8 सितम्बर, 2015 को सावी लैदर्स और बीएमएस क्रिएशन, नोएडा का उद्योग दौरान आयोजित किया गया।
- श्री ई. शिवशक्ति (एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी एंड प्रमुख एफओटीडी) द्वारा एलडी VII, नई दिल्ली के छात्रों के लिए 03 नवम्बर, 2015 को आदर्श थर्मोपैक इंडस्ट्रीज़ (प्रा.) लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा का उद्योग दौरान आयोजित किया गया।
- श्री ई. शिवशक्ति (एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी एंड प्रमुख एफओटीडी) द्वारा एलडी VI, नई दिल्ली के छात्रों के लिए 19 जनवरी, 2016 को आदर्श थर्मोपैक इंडस्ट्रीज़ (प्रा.) लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा का उद्योग दौरान आयोजित किया गया।
- श्री ई. शिवशक्ति (एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी एंड प्रमुख एफओटीडी) द्वारा एलडी VI, नई दिल्ली के छात्रों के लिए 16 मार्च, 2016 को एल्पेन फैशन, नोएडा का उद्योग दौरान आयोजित किया गया।
- एलडी VI, नई दिल्ली के छात्रों ने जून–जुलाई, 2015 के दौरान 8 सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप की। चर्म वस्तुओं, परिधानों, एक्सेसरीज़ तथा फुटवीयर कंपनियों ने 8 सप्ताह की इंटर्नशिप की पेशकश की। इनमें से कुछ कंपनियां हैं : अपोलो इंटरनेशनल (नोएडा), सुपरहाउस (नोएडा), टेक्स स्टाइल्स (नोएडा), सुप्रीम ओवरसीज (बेंगलूर), भारतीय इंटरनेशनल (बेंगलूर), टाटा इंटरनेशनल (देवास), सावी लैदर्स (नोएडा), एवीटी (चेन्नई), ओरिऑन कोन्मेर्क्स लि. (गुड़गांव), पीएंडजी लैदर्स (मानेसर), कबीर लैदर (मानेसर), दृष्टि एपेरल्स (मानेसर) यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेलेटन (गुड़गांव) और बुडलैड्स (करोलबाग)।

कोलकाता कैंपस

उद्योग दौरे और चर्मशाला प्रशिक्षण

- श्री आलोकेश राय, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–एलडी ने सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ 11–19 जून, 2015 तथा 20–22 जुलाई, 2015 तक वेबलैक इंडिया लिमिटेड, बाटला लैदर कॉम्प्लेक्स, साउथ 24 परगना, कोलकाता का चर्मशाला प्रशिक्षण दौरा किया।

इन कंपनियों में इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाएं –

- मलगा, मुंबई एपैरल, नोएडा, एलीमेंट्स एक्सपोर्ट्स, गुड़गांव, ए.वी. थॉमस, चेन्नई, यूआर ट्रेडिंग, कोलकाता, टैंगेरीन डिजाइन प्रा. लि., गुड़गांव, मेट्रोपोलिस फैशन, कोलकाता, पी एंड जी इंटरप्राइज आईएमटी, मानेसर, इम्पल्स, टाटा इंटरनेशनल, देवास, पी एंड जी इंटरप्राइज आईएमटी, मानेसर, इम्पल्स इंटरनेशनल लि., गुड़गांव, सेंचुरी ओवरसीज प्रा.लि., नई दिल्ली टाटा इंटरनेशनल, देवास, भारतीय इंटरनेशनल बेंगलूर, अपोलो इंटरनेशनल, नोएडा, टेंगरीन,

गुड़गांव, सेंयूरी ओवरसीज़ प्रा. लि., नई दिल्ली, थियो एंड एश, भारत इंटरप्राइजेज़, गुड़गांव, राजदा एक्सपोर्ट्स, कोलकाता, कबीर लैदर प्रा.लि., शैमरॉक, कोलकाता, इन्मा इंटरप्राइजेज, मुंबई, एमएपी 2 फैशन, दिल्ली, जैक लैदर्स, गुड़गांव, कबीर लैदर्स, गुड़गांव, आईएस एक्सपोर्ट्स, कोलकाता।

चेन्नई कैंपस

- एलडी विभाग ने एलडी VI के छात्रों के लिए 15.4.2015 को रानीपेट, वेल्लोर स्थित मैसर्स केएच शूज़ टैनेरी डिवीजन में उद्योग दौरा आयोजित किया। एलडी VI के छात्रों के लिए 27.4.2015 को श्रीपेरूम्बदूर और पूनामल्ले, चेन्नई में स्थित मैसर्स गुड लैदर शूज़ एंड सागर शूज़ सक्सेसरीज़ में उद्योग दौरा आयोजित किया।

- एलडी VI के छात्रों के लिए 24.4.2015 को चर्म वस्त्र निर्माण प्रणाली को समझने के लिए मैसर्स टाटा इंटरनेशनल, चेन्नई में उद्योग दौरा आयोजित किया।

- एलडी VI के छात्रों को स्क्रीन प्रिंटिंग के विषय में समझने के लिए 20.4.2015 को सीएलआरआई, चेन्नई और पेरियामेट स्थित उद्योगों का उद्योग दौरा आयोजित किया।

- पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एलडी III के छात्रों के लिए 26.8.2015 को मैसर्स टाटा इंटरनेशनल, चेन्नई में उद्योग दौरा आयोजित किया।

- पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एलडी V के छात्रों के लिए 03.09.2015 को मैसर्स राबिया लैदर्स, चेन्नई में उद्योग दौरा आयोजित किया।

- हार्डवेयर ट्रिक्स के विनिर्माण तथा चर्म वस्तु उत्पादन के विषय में समझाने के लिए एलडी V के छात्रों के लिए पाठ्यचर्या के भाग के रूप में 11.09.2015 को मैसर्स एचआई – डिजाइन, पांडिचेरी का उद्योग दौरा आयोजित किया।

- पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एलडी III के छात्रों के लिए 16.09.2015 को मैसर्स इजाज टैनिंग, तिरुबोट्टियूर, चेन्नई में उद्योग दौरा आयोजित किया गया।

- पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एलडी V के छात्रों के लिए 18.09.2015 को मैसर्स गुड लैदर शूज़, चेन्नई का उद्योग दौरा आयोजित किया गया।

- पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एलडी III के छात्रों के लिए 26.08.2015 को मैसर्स टाटा इंटरनेशनल का उद्योग दौरा आयोजित किया गया।

- फोटोग्राफी विषय के भाग के रूप में, एलडी VI के छात्रों को 20.02.2016 को महाबलीपुरम् कालपक्कम और अलम्बारा फोर्ट ले जाया गया।

- पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के भाग के रूप में, एलडी VI के छात्रों को 27.02.2016 को एचआई–डिजाइन, पांडिचेरी ले जाया गया।

रायबरेली परिसर

एलडी V के छात्रों को 30 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2015 तक आगरा में लैदर फुटवीयर अवयव और प्रौद्योगिकी के दौरे पर ले जाया गया। इस दौरे का उद्देश्य चर्म उद्योग, कच्चे माल से तैयार उत्पाद तक की प्रक्रिया और आनुषंगिक उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त करना था।

छात्रों को 1.6.2015 से 19.6.2015 तक रेड चीफ शूज़, फैजलगंज, कानपुर के दौरे के लिए भी ले जाया गया।

एलडी IV के छात्रों को चर्मशाला प्रशिक्षण के लिए 10.03.2016 को ईस्ट वेस्ट टैनर्स तथा सीमा टैनिंग इंडस्ट्रीज प्रा.लि., जाजमऊ, कानपुर भी ले जाया गया।

इंटर्नशिप कंपनियां:

सुपर हाउस लिमिटेड, उन्नाव, लीमेन ग्लोबल, कानपुर, टाटा इंटरनेशनल लि. चेन्नई, दृष्टि एपैरल्स, हरियाणा,

पॉइनीयर इंक, चेन्नई, इन्मा इंटरप्राइजेज़, मुंबई, एलीमेंट्स एक्सपोर्ट्स प्रा.लि. गुड़गांव।

उद्योग के साथ संबंध

स्नातक परियोजनाएं

दिल्ली कैंपस – स्नातक परियोजना

सुश्री ऊषा नरसिंहन (एसोसिएट प्रोफेसर – एलडी) ने पीजीडीएस विभाग के 2 छात्रों तथा यूजी–ब्रिज कार्यक्रम के एक छात्र का उनके शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन किया।

डा. शिंजु महाजन (एसोसिएट प्रोफेसर – एलडी) ने पीजीडीएस विभाग के 2 छात्रों तथा यूजी–ब्रिज कार्यक्रम के एक छात्र का उनके शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन किया।

लैदर डिजाइन के अंतिम वर्ष के समस्त छात्रों का मार्गदर्शन एलडी, नई दिल्ली के समस्त संकाय सदस्यों द्वारा उनकी स्नातक परियोजनाओं तथा जनवरी से जून, 2016 तक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए किया गया जिन्हें उद्योग द्वारा प्रायोजित किया गया था।

कोलकाता कैंपस – स्नातक परियोजना

प्रायोजक कंपनियां

टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, देवास, जेएके लैदर्स प्रा. लि., गुड़गांव, ओरिऑन कॉन्मेर्क्स प्रा.लि., गुड़गांव, टाटा इंटरनेशनल लि. देवास, टर्टल प्रा.लि. हावड़ा, इन्मा इंटरप्राइजेज़ हाइडकार्ट, कोलकाता, नदीम इम्पेक्स, कोलकाता, आरिऑन कॉन्मेर्क्स प्रा. लि., गुड़गांव, हाइडकार्ट, कोलकाता, सैवी लैदर्स, नोएडा, एरो ग्लोबल प्रा. लि., कोलकाता, सुपर हाउस प्रा.लि., कोलकाता, हाइड टेलर्ड, नोएडा, यूआर ट्रेडिंग, कोलकाता, सुपर हाउस प्रा.लि., कोलकाता, डीआरवीवी प्रा.लि., दिल्ली इमामी फैंक रॉस लि. कोलकाता, जीवनराम शियोदुत्तीराय इंडस्ट्रीज प्रा.लि., कोलकाता।

चेन्नई कैंपस – स्नातक परियोजना

प्रायोजक कंपनियां

एमएंडबी फुटवीयर टैंगीरीन डिजाइन्स प्रा. लि., ओरिऑन कॉनमेर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, टैंगेरीन डिजाइंस प्रा. लि. के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रा. लि., लाइफ स्टाइल लैंड मार्क ग्रुप, इंडियानो पेलेटेरिया, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, इंडियानो पेलेटेरिया, एम एंड बी फुटवीयर, रोज लैदर्स, के. एच. एक्सपोर्ट्स, रानीपेट, पॉयनीयर इंक प्रा. लि., पोसप ब्रैंड्स, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रा. लि., अपोलो इंटरनेशनल लि., बटलर लैदर गुड्स फैक्ट्री, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड।

रायबरेली कैंपस – स्नातक परियोजना

प्रायोजक कंपनियां :

पारस एक्सपोर्ट्स, हरियाणा, इन्मा इंटरप्राइजेज़, मुंबई, दृष्टि लाइफस्टाइल, हरियाणा, मेलंगे एशिया ग्लोबल प्रा. लि. नई दिल्ली

स्नातक समरोह

प्रदर्शनियां

दिल्ली कैंपस : लैदर डिजाइन के अंतिम वर्ष के छात्रों की स्नातक प्रदर्शनी 29 मई, 2015 को निफ्ट परिसर, नई दिल्ली में निर्धारित की गई।

उद्योग द्वारा प्रायोजित स्नातक प्रदर्शों का मूल्यांक चर्म उद्योग से जूरी सदस्यों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया।

जूरी पैनल में शामिल थे : श्री एस.एम. कुलकर्णी (निदेशक–डिजाइन क्वेस्ट), श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह (निदेशक, फैशन फोलियो ट्रेनिंग), श्री शिवान भाटिया (डिजाइनर – शिवान एन नरेश ब्रांड), श्री दीपक चक्रवर्ती (वीएम प्रमुख – एडीडास), श्री अरुण गुप्ता (इंटरनेशनल मार्केटिंग मैनेजर एवं हैड, डिजाइन विभाग – शेवियर इंटरनेशनल लिमिटेड)।

कोलकाता कैंपस – स्नातक परियोजना ललित ग्रेट ईस्टर्न, कोलकाता में 26.5.2015 को आयोजित फैशन शो के माध्यम से प्रदर्शित की गई।

सम्मानित अतिथि : सुश्री आलेक नंदा रे।

चेन्नई कैंपस – स्नातक प्रदर्शनी 25 मई, 2015 को आयोजित की गई तथा इसमें मुख्य अतिथि थे – श्री हरमिंदर सिंह, आईएएस, तमिलनाडु, सरकार के प्रधान सचिव, एचएचटी एवं ए सुश्री कैरोला लितेन, निदेशक, टॉमी एंड हिलफिगर तथा श्री हनीफ सत्तार, निदेशक जीनेसिस बेसिक्स।

अपराह्न सत्र में निम्नलिखित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे : श्री एस. सेल्वाकुमार, चिन्नयन, माननीय सांसद, पद्मश्री डा. ए. शक्तिवेल, बार्ड ऑफ गर्वनर्स, निफ्ट तथा सुश्री नमिता आरएल चौधरी, बार्ड ऑफ गर्वनर्स, निफ्ट रहीं।

रायबरेली कैंपस

स्नातक समारोह की तारीख : 31 मई, 2015

गणमान्य अतिथि : श्री मुकुल सिंघल, आईएएस तथा श्री अनूप सिंह राणा, प्रमुख (आरएंडडी), डीजल इंडिया।

स्थान और तारीख : इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 31 मई, 2015 को।

स्नातक आयोजन

दीक्षांत समारोह

दिल्ली कैंपस : निफ्ट नई दिल्ली का दीक्षांत समारोह इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली में 3 जून, 2015 को आयोजित किया गया। वर्ष 2015 के दौरान निफ्ट, नई दिल्ली से 33 छात्रों के बैच ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

कोलकाता कैंपस : 27 मई, 2015 को दीक्षांत समारोह निफ्ट सभागार में आयोजित किया गया जिसमें श्री अलतमश कबीर, भारत के मुख्य न्यायमूर्ति विशिष्ट अतिथि थे।

चेन्नई कैंपस : दीक्षांत समारोह 06.06.2015 को निफ्ट चेन्नई सभागार में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि थे श्री शक्तिवेल बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य और श्री भास्कर राममूर्ति, निदेशक चेन्नई।

रायबरेली कैंपस : दीक्षांत समारोह 28 मई, 2015 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित अतिथिगण : श्री (प्रो.) डा. एस.बी. निम्से, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, डा. के.एस. प्रताप, महानिदेशक, आसूचना तथा डा. आनंद मोहन, आईएएस।

टेक्सटाइल *डिजाइन*

टेक्सटाइल डिजाइन पाठ्यक्रम को टैक्सटाइल डिजाइन के क्षेत्र में सृजनात्मक और उत्तरदायी समाधानों की तलाश करने के लिए गतिशील डिजाइन वृत्तिकों का निर्माण करने के लिए तैयार किया गया है। यह चार वर्षीय स्नातकपूर्व कार्यक्रम छात्रों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिधान और गृह फैशल उद्योग के लिए तैयार करता है। विभाग में लगभग 70 प्राध्यापकगण हैं जो 13 कैंपसों में कार्य कर रहे हैं। ये कैंपस हैं – बैंगलूरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुबंई, पटना और नई दिल्ली।

टेक्सटाइल डिजाइन के वृत्तिक निरंतर बदलते हुए फैशन व्यवसाय के लिए डिजाइन स्टूडियो, वस्त्र मिलों, निर्यात गृहों, फैशन डिजाइन स्टूडियो, क्रय गृहों और शिल्प क्षेत्रों में वस्त्र डिजाइनरों, कलरिस्टों, ट्रेंड विश्लेषकों और स्टाइलिस्टों के रूप में कार्य करते हुए विविध क्षेत्रों को समुचित महत्व प्रदान कर सकते हैं।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

राष्ट्रीय फोरमों में पत्र और लेख

निफ्ट के टेक्सटाइल डिजाइन के प्राध्यापकगणों ने राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

निफ्ट भुवनेश्वर में 19 नवम्बर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी आईसीएसएफआरएम में टेक्सटाइल डिजाइन के प्राध्यापकगणों ने निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किए:

- सुश्री सुप्रिया बासु चौधरी, सह प्रोफेसर, कोलकाता ने 'परिधान विनिर्माण प्रौद्योगिकी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री प्रसन्नजीत भद्रा, सहायक प्रोफेसर, कोलकाता ने 'हथकरघा वस्त्रों की बेहतर बाजार क्षमता की ओर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री संदीप किंडिले, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर ने 'पर्यावरणीय अर्थव्यवस्था संदर्श के माध्यम से संपोषणीय आजीविका : खुशहाल परिवार का मामला अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री गौतम बार, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर ने 'करघे की निम्न दक्षता के कारण तथा 60 एल ग 60एल, 100 प्रतिशत की प्रचालन दक्षता प्राप्त करने के लिए किए जाने वाले उपाय' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

इनके अतिरिक्त, निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने अन्य राष्ट्रीय आयोजनों में पत्र प्रस्तुत किए:

- सुश्री विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में, 'वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए भविष्य की परिकल्पना' पर 4–5 अप्रैल, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में फैशन उद्योग में आईपीआर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने ऑनलाइन वेबसाइट 'फाइबर 2 फाइबर में 'वस्त्र उद्योग से आने वाली कॉटन डस्ट का पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव' विषय पर एक लेख प्रकाशित किया।
- सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, द्वारा 'मध्य प्रदेश के वस्त्र शिल्प क्लस्टरों का वर्गीकरण' विषय पर लिखा गया लेख ऑनलाइन वेबसाइट 'फाइबर 2 फैशन' पर

प्रकाशित हुआ।

- श्री महेश शॉ, सहायक प्रोफेसर, गांधीनगर द्वारा 13डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी : फैशन उद्योग में इसका अनुप्रयोग और गुजाइंश' विषय पर लिखा गया पत्र मैन मेड टेक्सटाइल इन इंडिया, जनवरी, 2016 खण्ड XLIV सं. 1 में प्रकाशित हुआ तथा उनका 'न्यू मीडिया : फैशन के लिए नया प्लेटफार्म' विषय पर एक अन्य लेख ऑनलाइन वेबसाइट 'फैशन 2 फैशन' में प्रकाशित हुआ। उन्होंने ''परिधान सोर्सिंग : बेहतर आपूर्तिकर्ता के लिए कारक''शीर्षक पर एक अन्य पत्र भी लिखा जो इंडियन टेक्सटाइल जर्नल, खण्ड 126, सं. 5, फरवरी, 2016 में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री शुभांगी यादव, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, गांधीनगर द्वारा 'खादी हमारी जड़ों से जुड़ी हुई' विषय पर संयुक्त रूप से लिखा गया पत्र सिल्क मार्क बोग, खंड 8, अंक 30 अक्टूबर, 2015 में प्रकाशित हुआ तथा 'खादी सही फैब्रिक' नामक एक अन्य लेख 7 अगस्त, 2015 को ऑनलाइन वेबसाइट 'फाइबर 2 फाइबर' में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री ज्यतिर्मयी एस, सहायक प्रोफेसर, हैदराबाद ने 'ईको फैशन – उपभोक्ता जागरूकता' और क्रय व्यवहार' विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया जो वस्त्र इंजीनियरों के 28वें राष्ट्रीय कन्वेशन की पूर्व–संध्या को प्रकाशित स्मारिका में तथा अगरतला में इंजीनियर्स संस्थान द्वारा 7–8 मार्च, 2015 को ''हथकरघा और वस्त्र उद्योग में प्रौद्योगिकीय अभिनवताएं, डिजाइन और संघारणीय उत्पाद विकास'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

- श्री सौरभ गर्ग, सहायक प्रोफेसर, कांगड़ा ने एसएसयू पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में 19 जून, 2015 को 'वस्त्रों में ए–साइक्लोडेक्सट्रिन का प्रयोग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, कांगड़ा ने जनवरी, 2016 में इंडियन टेक्सटाइल जर्नल में 'जयपुर की ब्लॉक एवं स्क्रीन प्रिंटिंग' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- डा. रीना अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, मुंबई ने गैर–सरकारी संगठन वीमेंस इंडिया ट्रस्ट तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा साइडेनहैम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई में 10 सितम्बर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उत्पाद विकास के लिए संघारणीयता और कौशल' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- सुश्री रूबी कश्यप सूद और डा. सुरुचि मित्तर, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली द्वारा 'बैक टू नेचर : फैशनेब्ली हर्बल' विषय पर लेख इमेजेज़ बिजनेस ऑफ फैशन, अगस्त, 2015 खंड XVI सं. 8 में प्रकाशित हुआ।

- श्री आशुतोष कुमार साही, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में 30 नवम्बर, 2015 को हेम्प एसोसिएशन द्वारा आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'औद्योगिक हेम्प प्रोसेसिंग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. नेहा सिंह, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने 4–5 अप्रैल, 2015 को एमएसयू, बड़ौदा में 'वस्त्र और परिधान के लिए भविष्य की संकल्पना' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कॉटन फैब्रिक्स की यूवी प्रोटेक्टिव प्रोपर्टीज पर धुलाई एजेंटों का प्रभाव' विषय पर कए पत्र प्रस्तुत किया। उनका पत्र ''कॉटन फैब्रिक की यूवी प्रोटेक्टिव प्रोपर्टीज़ पर वैट डाइज के साथ फैब्रिक के कंस्ट्रक्शनल पैरामीटर के प्रभाव की मॉडलिंग भी एशियन डायर, जून–जुलाई, 2015 (खंड 12, सं. 3) में प्रकाशित हुआ।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

अंतर्राष्ट्रीय फोरमों में

पत्र और लेख

- सुश्री विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने डोमस एकेडेमी मिलान इटली में 21–22 सितम्बर, 2015 तक 'फीडिंग फैशन इनर्जी – न्यू पाथवेज़ फॉर फैशन एजुकेशन' – विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'फैशन कोलोक्विया' में 'फैशन में बदलते हुए विश्व परिदृश्य की विष्य–वस्तु में भावी शिक्षण शिक्षाशास्त्र' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने आईडीसी, आईआईटी मुंबई में 3–5 दिसम्बर, 2015 को 'क्यूमुलस 2015 – जल पर ध्यान केन्द्रित करते हुए हमारे अपने ग्रह पर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जल का पुनः चक्रण – भोपाल में संपोषणीय सोसाइटी का मामला अध्ययन' पर एक पत्र भी प्रस्तुत किया।

- सुश्री विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने पोर्टलैंड स्टेट यूनीवर्सिटी, पोर्टलैंड ओरेगोन, यूएसए में 21–23 जनवरी, 2016 को 'आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संधारणीयता' पर आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जीरो वेस्ट : शहरी समाज में रहने का एक मार्ग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएस), बेंगलूर द्वारा 'संधारणीय कुशलता और अधिकारिता के लिए डिजाइन' विषय पर आयोजित इंडो–डच अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्रामीण भारत के लिए आर्गेनिक कॉटन फार्मिंग और संधारणीय विकास' पर एक पत्र भी प्रस्तुत किया तथा उसे कार्यवाहियों के रूप में प्रकाशित किया गया : चयनित पत्र

- सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर तथा देवज्योति गांगुली, सहायक प्रोफेसर, भोपाल द्वारा 'मध्य प्रदेश के पारंपरिक से वुड लेकर के रूप में परिवर्तित बुधनी शिल्प का

पूर्वावलोकन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च (आईएसएसएन नं. 0975 833 एक्स प्रभाव कारक – एसजेआईएफ सांइटिफिक जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर 2015 : 6. 226) खंड 7, अंक 09, पृष्ठ 20866–20872, सितम्बर, 2015.

- देवज्योति गांगुली, सहायक प्रोफेसर, भोपाल, डा. चंचल मंडल, प्रोफेसर, डा. असीम राय, चौधरी द्वारा 'आप्टिमाइजेशन ऑफ वन बाथ यूनियन डाइंग ऑफ वूल सिल्क ब्लेंड विड 1 : 2 मेटल कॉम्प्लेक्स डाइज', कलरेज (आईएसएसएन नं. 0010 – 1826), जनवरी, 2016 खंड 63 अंक 1, पृष्ठ 33 – 43 . 200.

- सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने राष्ट्रीय फैशन टेक्नॉलाजी संस्थान द्वारा 19–20 नवम्बर, 2015 में भुवनेश्वर, भारत में फैशन, खुदरा और प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय' मामला विचार–गोष्ठी में 'संगनेर हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग – भावी मार्ग' विषय पर मामला अध्ययन संयुक्त रूप से लिखा और प्रस्तुत किया।

- सुश्री आकांक्षा प्रतीक, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर का ''पट्टचित्र – उड़ीसा का पारंपरिक हस्त–मुद्रित वस्त्र' विषय पर शोध–पत्र ''आईजेआरआरए खण्ड 2 अंक 4'' जर्नल में प्रकाशित हुआ।

- प्रो. एम.के. गांधी, प्रोफेसर, चेन्नई ने अप्रैल, 2015 में इंटरनेशनल जर्नल फॉर साइंटिफिक रिसर्च में 'परिधान उद्योग में ईआरपी क्रियान्वयन की चुनौतियां' विषय पर शोध पत्र प्रकाशित किया। उन्होंने 'परिधान उद्योग में ईआरपी क्रियान्वयन में अनुकूलता प्रतिरोध' विषय पर एक अनुभवजन्य अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलाजी में भी प्रकाशित किया, 'परिधान उद्योग में ईआरपी क्रियान्वयन में परिवर्तन प्रबंध चुनौतियां' विषय पर एक शोध–पत्र प्रकाशित किया खण्ड 8(10) 897–905, मई, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 0974–5645 [अनुबंध II]।

- प्रोफेसर एम.के. गांधी, प्रोफेसर चेन्नई ने 'परिधान उद्योग में ईआरपी क्रियान्वयन में अनुकूलता प्रतिरोध' विषय पर एक अनुभवजन्य अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलाजी में भी प्रकाशित किया, 'परिधान उद्योग में ईआरपी क्रियान्वयन में परिवर्तन प्रबंध चुनौतियां' विषय पर एक शोध–पत्र प्रकाशित किया खण्ड 8(10) 897–905, मई, 2015 आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 0974–5645 [अनुबंध II]। उन्होंने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च में 'परिधान उद्योग के लिए किफायती विश्लेषण मॉडल' विषय पर एक पत्र भी प्रकाशित किया। [आईएसएसएन 0973 – 4562 खंड 10, संख्या 8 (2015) पृष्ठ 20263 – 20276 रिव्यूड इंडेक्स्ड जर्नल]।

- डा. एम. बसंत, सह प्रोफेसर चेन्नई ने बीआईएफटी में 21 – 25 मार्च, 2016 को आयोजित आईएफएफटीआई वार्षिक सम्मेलन में 'डिजाइन हस्तक्षेप के माध्यम से शिल्प का पुनरूद्धार' विषय पर एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया, जिसे डा. एम. बसंत ने सुश्री हेमलता जैन के साथ संयुक्त रूप से लिखा था।

- सुश्री विशु अरोड़ा, सह प्रोफेसर गांधीनगर ने लैप लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी द्वारा सितम्बर 2015 में प्रकाशित पुस्तक 'पारंपरिक भारतीय वस्त्र' के लिए 'आदिवासी जरी' नामक अध्याय लिखा।

- सुश्री राखी वाही प्रताप, सह प्रोफेसर, हैदराबाद ने पोलिमोडा, इटली में इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी, इंस्टिट्यूट कांफ्रेंस–2015 (आईएफएफटीआई) में 12–16 मई, 2015 को 'मेटामोर्फोसिस ऑफ रीचुअल एंड स्पिरीचुअल टेक्सटाइल्स ऑफ इंडिया इंटु न्यू फैशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. रीना अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, मुंबई ने यूनीवर्सिटी ऑफ ससेक्स, ब्रिग्टन, यूके में 9–12 जुलाई, 2015 तक आयोजित यूरोपियन कांफ्रेस ऑफ सोशल साइंसेज 2015 में ''क्या हमें शिल्प की संधारणीयता के लिए समसामयिकता अपेक्षित है? टोडा कशीदाकारी पर मामला अध्ययन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- प्रो. (डा.) सुधा ढींगरा, अध्यक्ष टेक्सटाइल डिजाइन, नई दिल्ली ने वीजिंग इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी, बीआईएफटी में 23–25 मार्च, 2016 तक आयोजित आईएफएफटीआई सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन का विषय था ''संस्कृति का पुनरूद्धार करना''। उन्होंने 'ऑल (मोरिंडा सिट्रिफोलिया) के साथ संधारणीय डाइंग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया तथा 'फैशन में संधारणीयता' पर सत्र की अध्यक्षता की।

आरंभ की गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

- श्री रवि कुमार, सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 'एकीकृत उत्पाद मैपिंग, डिजाइन हस्तक्षेप, उत्पाद विविधीकरण और विकास, प्रशिक्षण और विपणन क्रियाकलापों के माध्यम से केएसके और वीआईबी ब्रांडों को सुदृढ़ बनाना' विषय पर परियोजना के दल के सदस्य थे। (चालू परियोजना)।

- मध्य प्रदेश राज्य बांस मिशन तथा भारतीय हरित ऊर्जा परिसंघ द्वारा आयोजित 'वैश्विक बांस समिट 2016' परियोजना के लिए एक फैशन शो का आयोजन किया गया

था जिसमें विकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–टीडी ने बांस फैब्रिक्स से ग्रीष्मकाल में पहनने योग्य 15 पोशाकों की श्रृंखला डिजाइन करने में छात्रों का मार्गदर्शन किया। डा. अनुपम सक्सेना, सहायक प्रोफेसर तथा सुश्री स्वाती व्यास, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने बांस फैब्रिक से वस्त्र डिजाइन करने में छात्रों का मार्गदर्शन किया। यह शो इंदौर में 8 अप्रैल, 2016 को आयोजित किया गया था।

- प्रोफेसर किस्लय चौधरी, निफ्ट भोपाल ने एक सहयोगी परियोजना का समन्वय किया जिसके माध्यम से ट्रेंड, डिजाइन और उत्पाद विकास विशेषज्ञों की कार्यशालाएं संचालित की गईं और क्लस्टर को डिजाइन मार्गदर्शन प्रदान किया गया (क्लाइंट : एचएमसीएम, हस्तशिल्प मेगा क्लस्टर मिशन, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)।

- श्री गौतम बार, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर ने 22 फरवरी से 15 मार्च, 2016 तक उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय के वस्त्र डिजाइन निष्णात छात्रों को सीएडी साफ्टवेयर में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।

- निफ्ट चेन्नई ने चेन्नई ट्रेड सेंटर में 09.03.2016 को इंडिया इंटरनेशनल हैंड वोवन मेले के भाग के रूप में केडब्ल्यूडी विभाग के साथ एचईपीसी के लिए थीम पेवेलियन स्थापित किया तथा एक फैशन शो भी आयोजित किया।

- सुश्री शुभांगी यादव, सह प्रोफेसर, सुश्री रूपाली पंडित, सह प्रोफेसर और सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, गांधी नगर ने गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा प्रयोजित 'बुक ऑन लैग्विशिंग क्राफ्ट्स' परियोजना के लिए दल के सदस्यों के रूप में प्रतिभागिता की।

- सुश्री रूपाली पंडित, सह प्रोफेसर, सुश्री शुभांगी यादव, एसोसिएट प्रोफेसर और सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, गांधीनगर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत एनएमईआईसीटी परियोजना में एक विषय–विशेषज्ञ (एसएमई) के रूप में भाग लिया।

- श्री संदीप के. सामंत, सह प्रोफेसर और श्री प्रसन्नजीत भद्रा, सहायक प्रोफेसर, कोलकाता ने उद्योग और वाणिज्य आयुक्त का कार्यालय, असम सरकार के अंतर्गत 'फैशन प्रौद्योगिकी पर प्रगत प्रशिक्षण कार्यक्रम' (एटीपीएफटी) विषयक परियोजना का समन्वय किया।

- मोहम्मद जावेद, सह प्रोफेसर, मुंबई वेस्टसाइड के लिए एमडीपी परियोजना के परियोजना सदस्य थे तथा उन्होंने निफ्ट, मुंबई द्वारा 17–18 नवम्बर 2015 में 'फैब्रिक नॉलेज फॉर विजुअल मर्कैंडाइजिंग' विषय पर कर्मचारियों के साथ संपर्क स्थापित किया।

- डा. रीना अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर मुंबई ने 'घर के लिए हिमरू वस्त्रों का डिजाइन और प्रोटोटाइप विकास' विषय पर परियोजना संचालित की तथा एमएसएसआईडीसी, महाराष्ट्र के लिए दस उत्पाद विकसित किए।

- डा. चेतराम मीणा, सहायक प्रोफेसर, मुंबई ने निफ्ट मुंबई में 22 मार्च, 2016 को रंगोली टेरी टेक्स क्लस्टर सॉफ्ट इंटरवेंशन प्रोग्राम के लिए 'भौतिक और रासायनिक प्रयोगशाला प्रशिक्षण' पर प्रशिक्षण संचालित किया।

- श्री नितिन रंगदल, सहायक प्रोफेसर मुंबई ने एमएसएसआईडीसी के अंतर्गत वार्ली शिल्प जागरूकता तथा महाराष्ट्र के शिल्प के लिए उत्पाद विकास कार्यशाला के दल के सदस्य रूप में प्रतिभागिता की।

- प्रोफेसर कृपाल माथुर और श्री आशुतोष कुमार साही, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली भारतीय रेल की परियोजना 'एसी कोचों के बेड रोल्स और पर्दों की डिजाइनिंग' पर कार्य कर रहे हैं।

- प्रोफेसर (डा.) सुधा ढींगरा, सुश्री अश्मिता तिवारी, सहायक प्रोफेसर तथा सुश्री अनुप्रीत दुगल, सहायक प्रोफेसर,

नई दिल्ली ने 'हथकरघा के संवर्धन के लिए उपहार आइटमों की डिजाइनिंग' पर डीसी (हथकरघा) द्वारा प्रायोजित परियोजना पूर्ण की।

- प्रोफेसर (डा.) सुघा ढींगरा, अध्यक्ष वस्त्र डिजाइन, नई दिल्ली, प्रगति मैदान में 13 फरवरी, 2016 को पूर्वोत्तर के वस्त्रों का प्रदर्शन करने के लिए उत्तर–पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय की ओर से एक फैशन शो की पहचान करने और उसका समन्वय करने के दल का भाग थीं।

- श्री जयंत कुमार, सहायक प्रोफेसर और श्री पवित्र पुनीत सिंह मदान, सहायक प्रोफेसर, पटना ने डीसी हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना 'गया के स्टोन क्राफ्ट का सर्वेक्षण और अध्ययन' पर कार्य किया।

- सुश्री रजनी श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, पटना बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की 'खाड़ी परियोजना' के लिए समन्वयकों में से एक थे।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

समस्त निफ्ट कैंपसों के टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों ने वर्ष 2015–16 में कन्वर्ज, डिजाइन सूत्रा और अनेक अन्य डिजाइन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतिस्पर्धाओं के अलावा, उनमें से अनेक अन्य प्रतियोगिताओं और समारोहों में भी सराहना अर्जित की।

- श्री राहुल कुमार, टीडी सेमेस्टर V, निफ्ट बैंगलूरू ने आईआईएम बैंगलूरू द्वारा 2015 में आयोजित 'मेक यूअर मार्क' प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री सुचिता जैन, टीडी सेमेस्टर VII, निफ्ट गांधीनगर ने नंदर डेनिक्स द्वारा आयोजित डेनिम गार्बेज चैलेंज में 'एक्सेसरी श्रेणी' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री शुचिता जैन, सुश्री अनशिखा अग्रवाल और सुश्री शिल्पी सिंह, डीटी सेमेस्टर VIII, गांधीनगर ने दक्षिण एशियाई खेल, 2015 के लिए लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता।

- श्री अमित चौहान (डिजाइनर) सुश्री सृष्टि सोनी, सुश्री प्रिया, सुश्री संजना, श्री कृष्ण अरोड़ा, टीडी सेमेस्टर टप्, कांगड़ा ने 13 अप्रैल, 2016 को एचआई–ईटी शाहपुर में फैशन शो में भाग लिया तथा इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- श्री रिशिका, सरिगा, नंदाना –टीडी सेमेस्टर IV; अंजलि, शिल्पा – टीडी VI, कन्नूर ने मेस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में आयोजित फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री कीर्ति शर्मा, टीडी टप्, नई दिल्ली ने शहरी डिजाइन और विकास केन्द्र (सीयूडीडी) के तत्वावधान में आईआईटी, रुड़की में 16–18 अगस्त, 2015 आयोजित 'धरोहर शिल्प और संधारणीय डिजाइन के लिए कौशल विकास' कार्यशाला में प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया।

- सुश्री कृति शर्मा, श्री विजेन्द्र कुमार पाण्डेय और श्री प्रिंस कुमार गौरव, टीडी VII, नई दिल्ली डब्ल्यूओडब्ल्यू प्रतिस्पर्धा के द्वितीय चक्र तक पहुंचू तथा उन्होंने न्यूजीलैंड में एक प्रदर्शनी में अपने वस्त्रों को प्रदर्शित किया।

- श्री रोहित कुमार, टीडी IV, पटना ने आईआईटी, पटना द्वारा आयोजित अन्वेष 2016 में दर्पण (समूह) प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री निकिता सिंह और सुश्री सान्वी, टीडी VI, पटना ने आईआईटी, पटना द्वारा आयोजित अन्वेष 2016 में फैशन शो (समूह) में प्रथम पुरस्कार जीता।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

- सुश्री प्राची शाह, टीडी V, गांधीनगर कैंपस को सैक्सियन विश्वविद्यलय, नीदरलैंड्स में 6 माह के अंतर्राष्ट्रीय विनियम कार्यक्रम के लिए चुना गया।

- सुश्री प्रतिभा मरोथी, टीडी V, गांधीनगर को स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, ज्यूरिख में 15 दिन के ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

- सुश्री करीना समीर देसाई, सुश्री संभवी चौधरी और सुश्री आकांक्षा भाटिया, टीडी VI, मुंबई सेमेस्टर V और VI ग्रीष्म कार्यक्रम के लिए सेमेस्टर विनियम के अंतर्गत एफआईटी विश्वविद्यालय गए।

- सुश्री नेहा मैथ्यू, टीडी IV, कन्नूर को, सेमेस्टर V के लिए ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट्स, स्कॉटलैंड के लिए चुना गया।

- श्री सिद्धांत एस. शर्मा और सुश्री प्राज्ञ, टीडी V, नई दिल्ली जुलाई–दिसम्बर, 2015 के दौरान सेमेस्टर विनियम के लिए वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय गए।

- सुश्री पूनम होता, टीडी VII, नई दिल्ली सेमेस्टर विनियम के लिए जुलाई–दिसम्बर, 2015 तक ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट गईं।

- सुश्री प्राची पायल, टीडी IV, पटना जनवरी–जून, 2016 सेमेस्टर के लिए सेमेस्टर विनियम के के अंततर्गत सैक्सियन यूनीवर्सिटी, नीदरलैंड गईं।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

मेले और संगोष्ठियां

- प्रो. किस्लया चौधरी, भोपाल को 23 सितम्बर – 9 अक्टूबर, 2015 तक आईएफएफटीआई संकाय विनियम कार्यक्रम के लिए नॉर्थ कैरोलीना, यूएसए आमंत्रित किया गया।

- श्री बी. कार्तिकेयन और डा. एम. वसंत, एसोसिएट प्रोफेसर, चेन्नई ने एचईपीसी द्वारा 12.10.2015 को करूर में आयोजित हेमटेक्सटिल के लिए क्रमशः ट्रेंड पूर्वानुमान और विजुअल मर्केंडाइजिंग पर प्रस्तुतीकरण दिए।

- सुश्री विशु अरोड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, गांधीनगर ने मार्च, 2016 में बीजिंग में आयोजित सम्मेलन के लिए आईएफएफटीआई दल से प्राप्त 6 उद्धरणों की समीक्षा की। उन्होंने सेंट्रिया यूनीवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज़, फिनलैंड के प्रो. बिसेल और सुश्री पिया द्वारा 2–3 फरवरी, 2016 को 'फर पॉप–अप' शीर्षक पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय भी किया।

- प्रो. कृपाल माथुर और सुश्री सविता एस. राणा, सह प्रोफेसर, नई दिल्ली को भारत में हथकरघा उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए वाराणसी में 28 मार्च, 2016 को आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला में ''कलर ट्रेंड्स एंड विजुअल मर्केडाइजिंग'' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण देने के लिए एचईपीसी द्वारा आमंत्रित किया गया था।

- प्रो. (डा.) सुधा ढींगरा ने 1 अक्टूबर, 2015 को 'युवाओं के मध्य खादी की जानकारी' विषय पर आयोजित दूरदर्शन के एक विशेष कार्यक्रम 'जेनेक्स्ट' पर अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- प्रो. (डा.) सुधा ढींगरा ने इंडियल इंटरनेशनल सेंटर में 10 अक्टूबर, 2015 को एलआईएसीए तथा शिल्प पुनरुद्धार न्यास द्वारा आयोजित समारोह में 'हथकरघा और क्षेत्रीय पहचान में डिजाइन का महत्व' वार्ता प्रस्तुत की।

- प्रो. (डा.) सुधा ढींगरा ने बीजिंग में 23–25 मार्च, 2016 तक लिंगरी उत्पादन फैक्ट्री 'एआईएमईआर इंटरनेशनल' का दौरा किया तथा फैशन डिजाइनर मिस यू यान के स्टूडियो में भी गई।

- श्री सविता एस. राणा, अध्यक्ष, फाउडेंशन कार्यक्रम गणतंत्र दिवस की परेड के अंतर्गत नृत्य समूह के चयन के लिए विशेषज्ञ पैनल के साथ तीन दिन के लिए नागपुर गईं।

- श्री जयंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, टीडी–निफ्ट पटना ने 25–27 जून, 2015 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में वस्त्र मेले 'हेमटेक्सटिल 2015' का दौरा किया तथा 'गृह वस्त्रों में संधारणीयता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं तथा प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

प्राध्यापक सदस्यों को वस्त्र और परिधान व्यवसाय में बदती हुई अभिवृत्तियों के बारे में अवगत कराने तथा उन्हें उद्योग की तेजी से बदलती गति के साथ तालमेल बैठाए रखने के उद्देश्य से संकाय–सदस्यों को प्रमुख क्षेत्रों में समर्थ बनाने में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि उनके ज्ञान भण्डार को तरोताजा बनाया जा सके। समस्त कैंपसों के टीडी संकाय ने अनुसंधान क्रियाविधि, डिजाइन अनुसंधान, पत्र प्रस्तुतीकरण और प्रकाश, नेट ग्राफिक्स एप्लीकेशंस, शोध–पत्र लिखने और प्रकाशित करने, फैशन अभिमुखीकरण, डिजाइन के अवयवों टर्निटिन साफ्टवेयर के प्रशिक्षण के क्षेत्रों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) के अतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अनुभव से निफ्ट के लगभग 25 टेक्सटाइल डिजाइन प्राध्यापक सदस्य लाभान्वित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय प्राध्यापक द्वारा टीओटी – प्रो. जूलिया राथ, आरएमआईटी, आस्ट्रेलिया

- टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने 13–17 अक्तूबर, 2015 तक आरएमआईटी की अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रो. जूलिया राथ के मार्गदर्शन में एक टीओटी आयोजित की। समस्त निफ्ट परिसरों से टेक्सटाइल, फैशन और निटवीयर डिजाइन से लगभग 20 प्राध्यापक सदस्यों 'प्रिंट डिजाइन' कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य था – शैक्षणिक कार्यकलापों के अंतर्राष्ट्रीय मानकों, मूल्यांकन पद्धतियों तथा शिक्षण डिजाइन के लिए पिनटरेस्ट और सामाजिक मीडिया के प्रयोग में प्रतिभागियों को अनुभव प्रदान करना।

ग्रीष्मकालीन प्राध्यापक अनुसंधान फेलोशिप

- श्री मनीष मार्गव, एसोसिएट प्रोफेसर, टीडी–गांधीनगर, श्री आशुतोष कुमार साही, सहायक प्रोफेसर एवं यूआई (एफओटीडी) तथा सुश्री अनन्या मित्रा प्रामाणिक, सहायक प्रोफेसर ने आईआईटी, दिल्ली में जून–जुलाई, 2015 को अपनी ग्रीष्मकालीन संकाय अनुसंधान फेलोशिप पूर्ण की।

प्राध्यापक–उद्योग सहबद्धता

- समस्त निफ्ट परिसरों के टीडी प्राध्यापक सदस्यों ने उद्योग के बारे में अपने कार्यसाधक ज्ञान को अद्यतन बनाने के लिए वस्त्र उद्योग में संकाय सहबद्धता संचालित की।

- सुश्री काकोली दास, सहायक प्रोफेसर – टीडी निफ्ट, बैंगलूरू ने 'केआरएस फैशन वर्क्स प्रा. लि.' में अपनी उद्योग इंटर्नशिप पूर्ण की।

- श्री आर. रवि कुमार, सहायक प्रोफेसर निफ्ट बैंगलूरू ने 'यूनीवर्सल टेक्सटाइल मिल्स' में अपनी उद्योग इंटर्नशिप पूर्ण की।

- डा. एम. बसंता, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई ने 'हैंड–इन–हैंड–इंडिया' कांचीपुरम में संकाय–उद्योग सहबद्धता में भाग लिया।

संगोष्ठियां कार्यशालाएं और विशेषज्ञ व्याख्यान

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

- श्री शिव रामाकृष्णन, प्रबंध निदेशक, जूट ट्री ने निफ्ट, बैंगलूरू में जूट फाइबर और इसकी विशेषताओं पर व्याख्यान दिया।

- सुश्री प्रगति माथुर, डीएचएजीई की टेक्सटाइल डिजाइनर ने निफ्ट बैंगलूरू में 'वस्त्र डिजाइनरों के मध्य हथकरघा की जानकारी' पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री कौरूलुभ कोर्डे, क्षेत्रीय प्रबंधक, एसएएस ने समूचे देश में विभिन्न फैब्रिक्स की उपलब्धता तथा ''मूल्य और मांग के संदर्भ में फैशन उद्योग में बेहतर विक्रय होने वोल फैब्रिक्स'' पर एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री कल्याणी प्रमोद, क्रिएटिव डायरेक्टर और मनस्थल के प्रोपराइटर, चेन्नई ने निफ्ट चेन्नई में ''वस्त्र कला और विश्व टेक्सस्टाइल पर आधारित संग्रहणों का विकास'' पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रो. जूलिया राथ, आरएमआईटी विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया ने निफ्ट चेन्नई में ''भारतीय हथकरघा वस्त्रों के लिए आस्ट्रेलिया में रूझान–रोमांच के साथ'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री नलिनी खान, श्री अमर नाथ दत्ता, श्री लोकेश घई –डिजाइन परामर्शदाता, सुश्री संध्या मनंतानी – इमेज कंसलटेट तथा श्री इब्राहिम मेमन, पैटर्न मेकर ने निफ्ट गांधीनगर में विभिन्न विषयों पर अपनी विशेषज्ञ राय प्रस्तुत की।

- श्री वी. श्रीनाथ प्रोफेसर ऊले–डेस ब्यूएक्स–आर्ट, ली पोर्ट फ्रांस ने निफ्ट हैदराबाद में 'यू मीडिया' स्थापना कला पर एक व्याख्यान दिया।

- थिएटर जगत की हस्ती श्री मोह. अली बेग ने निफ्ट हैदराबाद में 'थिएटर कॉस्ट्यूम्स' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री पी. चन्द्रशेखर, निदेशक, टेकनीक डिजाइन ग्रुप हैदराबाद ने 'विजुअल मर्कैडाइजिंग' पर एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री अंजलि सूद, सहायक प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने निफ्ट कांगड़ा में प्राकृतिक डाई पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री समिता चौधरी, डिजाइन विशेषज्ञ, एनआईडी ने निफ्ट कन्नूर में सृजनात्मक वस्त्रों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री चन्द्रा जैन, अध्यक्ष, कादम्बरी, बेंगलूर ने निफ्ट कन्नूर में हथकरघा दिवस पर स्वदेशी वस्त्र और पुनरुद्धार पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री अमित साहा, बाटिक विशेषज्ञ तथा श्री निंदु के. मंडल, एसोसिएटी प्रोफेसर, कोलकाता ने निफ्ट कोलकाता में टेक्सटाइल आर्ट के लिए बाटिक पर एक कार्यशाला का आयोजन किय।

- श्री अनुज शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनर, संस्थापक, बटन मसाला ने 'बटन मसाला तकनीक का प्रयोग करते हुए उत्पादों का संधारणीय उत्पादन' पर निफ्ट, मुंबई में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री रूग्मणि वी., स्वतंत्र डिजाइनर ने निफ्ट मुंबई में टेक्सटाइल ओरिगमी तथा इसके अभिनव प्रयोग पर कए व्याख्यान दिया।

- सुश्री पारूल मिश्रा, प्रमुख डिजाइनर, आलोक इंडस्ट्रीज ने निफ्ट मुंबई में 'गृह वस्त्रों में वर्तमान रूझान' पर एक सत्र संचालित किया।

- सुश्री फरीदा माटीवाला, इंटीरियर डिजाइनर ने निफ्ट मुंबई में 'स्टाइलिंग के माध्यम से गृह साज–सज्जा में संवृद्धि' पर एक सत्र संचालित किया।

- प्रो. जूलिया राथ, आरएमआईटी आस्ट्रेलिया द्वारा 'प्रिंट डिजाइन' पर एक सामूहिक कार्यशाला आयोजित की गई थी। 14 आरएमआईटी छात्रों और टेक्सटाइल डिजाइन के VII–सेमेस्टर के छात्रों ने प्रिंट और सरफेस डिजाइन सत्र में भाग लिया।

- श्री सम्राट सोम, क्रिएटिव हैड – एक्सेसरीज़ एवं एपैरल, रॉयल इनफील्ड को निफ्ट, नई दिली में छात्रों के साथ पारस्परिक चर्चा सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था।

- टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने नई दिल्ली में टेक्सटाइल आर्ट के लिए सुश्री शैली ज्योति को, विजुअल कर्मैडाइजिंग के लिए, सुश्री विनीता कोछर और श्री दीपक चक्रवर्ती को तथा क्रिएटिव टेक्सटाइल (कॉमन इलेक्टिव) के लिए और श्री चन्द्रशेखर भेडा को विशेषज्ञ व्याख्याताओं के रूप में आंमत्रित किया।

- प्रो. एरोल नेल्सन पाइरेस ने नई दिल्ली में प्लाई स्प्लिट ब्रेडिंग तकनीक पर विशेष व्याख्यान दिया।

- श्री मुश्ताक खान, सेवानिवृत्त उप निदेशक, क्राफ्ट्स म्युजियम तथा श्री अशोक शाह, सेवानिवृत्त निदेशक, डीसी (एचसी) को छत्तीसगढ़ के शिल्प सर्वेक्षण और प्रलेखीकरण की तैयारी के लिए छात्रों के साथ पारस्परिक चर्चा सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था।

- निफ्ट, नई दिल्ली के छात्रों और संकाय सदस्यों ने मास्टर अमाने तत्सुमारा द्वारा 'निशीकी' – जापानी पारंपरिक रेशम बुनाई के सौंदर्य पर दिए गए व्याख्यान में भाग लिया।

- श्री अमिताभ पाण्डेय, वरिष्ठ संप्रेषण परामर्शक, यूनीसेफ बिहार ने निफ्ट, पटना में 'शिल्पकारों' के साथ नज़दीकी कैसे विकसित करें' विषय पर एक कार्यशाला संचालित की।

- सुश्री स्नेहा झा, वस्त्र डिजाइनर (निफ्ट पूर्व–छात्रा) ने निफ्ट, पटना में 'शिल्प अनुसंधान और प्रलेखीकरण' पर एक व्याख्यान दिया।

पहल कदम

और समझौता–ज्ञापन

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलूरू ने केएसके और वीआईबी पर परियोजना के लिए 31 दिसम्बर, 2014 को केएसके एंड वीआईबी के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वस्त्र डिजाइन विभाग गृह फैशन श्रेणी में डिजाइन विकास, उत्पाद विविधीकरण तथा प्रशिक्षण के कार्य में सक्रियता के साथ लगा हुआ है।

पीएच.डी.

आरंभ और पूर्ण की गई

- प्रो. एम.के. गांधी ने 14 नवम्बर, 2015 हिन्दुस्तान विश्वविद्यालय, चेन्नई से 'परिधान उद्योग में संधारणीय ईआरपी क्रियान्वयन के लिए कार्यनीति ढांचा' विषय पर अपना शोध–कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया।

- समूचे निफ्ट कैंपसों में 13 टेक्सटाइल डिजाइन संकाय सदस्य भारत भर में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से अपना डॉक्टोरल अध्ययन कर रहे हैं।

सीईसी और

अल्पकालिक कार्यक्रम

- टेक्सटाइल डिजाइन बैंगलूरू ने एकवर्षीय सीईपी ''टेक्स्टाइल के लिए फैशन एकीकरण और विपणन अनुप्रयोग (एफआईएमएटी) बैच 2014–15 आरंभ किया तथा उसे पूर्ण किया। इसके अलावा, जनवरी, 2015 से एकवर्षीय सीईपी'' टेक्सटाइल के लिए फैशन एकीकरण (एफआईटी) भी प्रारंभ किया (बैच 2015–16)।

- सुश्री विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर और डा. अनुपम सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, भोपाल ने जनवरी–मार्च, 2016 तक 'टेक्सटाइल डिजाइन और प्रिंट विकास' (3 माह) कार्यक्रम का समन्वय किया।

- प्रो. किस्लया चौधरी, भोपाल ने जनवरी–मार्च, 2016 तक 'फैशन डिजाइनिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय तकनीकें' (3 माह) कार्यक्रम का समन्वय किया।

- फैशन डिजाइनिंग और सृजनात्मक परिधान निर्माण (3 माह) कार्यक्रम का समन्वय जुलाई–दिसम्बर 2016 तक डा0 वंदना सिंह द्वारा किया गया।

- टेक्सटाइल डिजाइन, गांधीनगर ने अगस्त, 2015 से अक्तूबर, 2015 तक फैशन फैब्रिक्स – डिजाइन और विकास – सीईपी आरंभ किया और उसे पूर्ण किया।

- प्रो. (डा.) सुधा ढींगरा और सुश्री रूबी कश्यप सूद, एसोसिएट प्रोफेसर, नई दिल्ली द्वारा सितम्बर, 2015 से अगस्त, 2016 तक 'उद्योग और फैशन के लिए वस्त्र' – सीईपी संचालित किया जा रहा है।

शिल्प क्लस्टर

पहलकदम

टेक्सटाइल डिजाइन सेमेस्टर IV के सभी छात्रों ने समूचे भारत में शिल्प और वस्त्र क्लस्टरों का सर्वेक्षण और प्रलेखीकरण किया। शामिल किए गए कुछ क्लस्टरों का वर्णन नीचे किया जा रहा है:

- बैंगलूरू : चिंतामणि, कर्नाटक में शिल्प क्लस्टर।
- भोपाल : भैरागढ़ और महेश्वर।
- भुवनेश्वर : टीआरबी (बांकी) में शिल्प क्लस्टर। हथकरघा : मनियाबंध, सोनेपुर, केन्द्रपाडा, बारीपाडा (सबईग्रास) और बरीबाडा (टेराकोटा)।
- चेन्नई : श्रीविल्लीपुदुर और थिरुचेंकोडे में शिल्प।
- गांधीनगर : ब्लॉक निर्माण (पेथापुर), ब्लॉक प्रिटिंग (अहमदाबाद) और बाटिक (कच्छ)।

निफ्ट गांधीनगर ने भी ब्लॉक मेकिंग की प्रक्रिया पर एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उन्होंने पेथापुर से कारीगरों को आमंत्रित किया। कार्यशाला का प्रायोजन गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया गया था।

- हैदराबाद : वेंकटगिरिल, श्री कलाहस्ती, मछलीपत्तनम का टेक्सटाइल शिल्प, मनगालगिरी कॉटन साड़ियां तथा कलमकारी, ब्लॉक प्रिंटिंग।
- कांगड़ा : पोचमपल्ली, हैदराबाद और आंध्र प्रदेश का शिल्प; कोटा दोरिया, मोती भारत – कच्छ (गुजरात); जमदानी साड़ी – पश्चिम बंगाल' एप्लीक कटवर्क, अजरक और ब्लॉक प्रिंटिंग – राजस्थान।
- कन्नूर : बनाना फाइबर त्रिवेन्द्रम, काठी क्लस्टर थालासेरी बलरामपुरम साड़िया, हस्त कशीदाकारी, स्कूपाइन शिल्प कोल्लम तथा हैंड पेंटेड वस्त्र।
- कोलकाता : कांता कशीदाकारी के लिए बेगमपुर और बोलपुर शांतिनिकेतन में क्लस्टर
- मुंबई : अचलपुर, अमरावती की लाख की चूड़ियां, कोसा सिल्क, भण्डारा, धूले का मैटल क्राफ्ट तथा कुडाल का बांस शिल्प।
- नई दिल्ली : छत्तीसगढ़ का वस्त्र, पोशाक और आभूषण।
- पटना : गया का स्टोन क्राफ्ट, भागलपुर की मंजूषा पेंटिंग, भागलपुर की टेक्सटाइल और सिल्क वीविंग परंपरा।

उद्योग के साथ संबंध

दौरे और छात्र इंटर्नशिप

टेक्सटाइल डिजाइन के 300 से भी अधिक छात्रों ने वस्त्र क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ अपनी स्नातक परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की। इनमें से कुछ प्रतिष्ठित कंपनियां हैं:

अरविंद मिल्स लिमिटेड, अहमदाबाद; शिंगोरा टेक्सटाइल्स, लुधियाना; वेलस्पन इंडिया लिमिटेड, अंजार; रतन टेक्सटाइल्स, जयपुर; टॉकिंग टेक्सटाइल्स, सिंगापुर; एवीएच इंटरनेशनल, दिल्ल; बॉम्बे डाइंग, मुंबई; पोर्टिको, मुंबई; पार्क एवेन्यू, रेमंड्स, ठाणे, मुंबई; 360 क्लोदिंग, नोएडा; त्रिवेणी होम फर्निशिंग, चेन्नई; डी'डिकोर, मुंबई; तारा स्ट, गोवा; नाहर फैब्रिक्स, लुधियाना; शाही एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, फरीदाबाद; सरला फैब्रिक्स प्रा. लि., गाजियाबाद; बेनेटन इंडिया प्रा. लि., हरियाणा; फैबइंडिया प्रा. लि., नई दिल्ली।

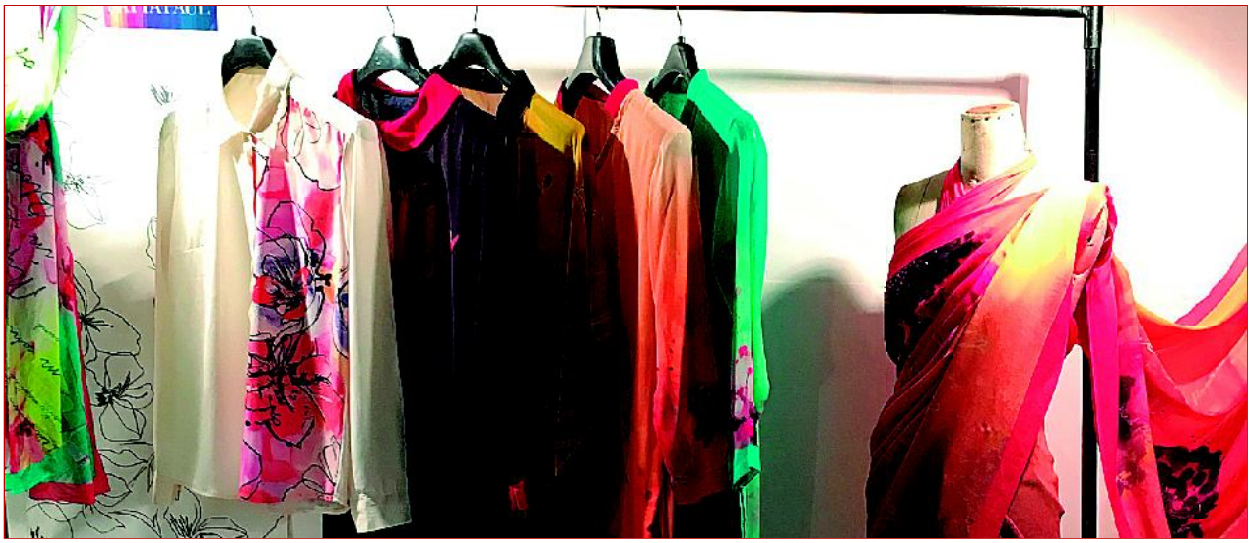

स्नातक समारोह

स्नातक परियोजनाएं

टेक्सटाइल डिजाइन के फाइलन सेमेस्टर के 250 से भी अधिक छात्रों ने प्रतिष्ठित कंपनियों, मिलों, डिजाइन हाउसों और एनजीओ के साथ अपनी स्नातक परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की। इनमें से कुछ प्रतिष्ठित कंपनियां हैं:

मास्टर लिनेन्स, करूर, उपासना, पांडिचेरी, लूम टेक्स एक्सपोर्ट, चेन्नई; वेल्स्पन, मुंबई; शाशा वर्ल्ड, कोलकाता; वेलस्पन, मुंबई; बंदिनी होम, नई दिल्ली; एसके होम फर्निशिंग, चेन्नई; चामुंडी टेक्सटाइल, बैंगलूरू; यामली एक्सपोर्ट, चेन्नई, अरिशि डिजाइन स्टूडियो, अहमदाबाद; अरविंद मिल्स प्रा. लि., अहमदाबाद; आशिमा प्रा.लि. अहमदाबाद; बीबा एपैरल, नई दिल्ली, बॉम्बे डाइंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कं. लि. मुंबई, डीबीएस ट्रेंड एंड डिजाइन स्टूडियो नोएडा, डोनिएट इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, मुंबई; मंधाना इंस्डस्ट्रीज, मुंबई; श्री अष्टविनायक इम्पेक्स लि., अहमदाबाद, स्नुगोंस–अहमदाबाद; टेक्सट्रेड इंटरनेशनल लिमिटेड, मुंबई, वेलस्पन मुंबई; बन्हानी एक्सपोर्ट्स, कोलकाता; फैब्रिक प्लस प्रा.लि., असम; स्किपर इंडस्ट्रीज लि., कोलकाता, अंकिता डोकानिया एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., कोलकाता, शिल्पी हैंडीक्राफ्ट्स, राजस्थान; डी डेकॉर, मुंबई; वस्त्रगाथा एपैरल्स प्रा.लि. नोएडा; होम डेकोर, नोएडा; रागा डिजाइन, गुड़गांव; फोल्क, कोलकाता; टेक्स ट्रेड इंटरनेशनल लिमिटेड, मुंबई; सनलार्ड एपैरल्स मैन्युफैक्चरिंग कं. प्रा.लि, नोएडा; टीसीएनएस लि. नोएडा।

स्नातक समारोह

प्रदर्शनी और दीक्षांत समारोह

सभी निफ्ट कैंपसों में उनके अपने–अपने शहरों में स्नातक प्रदर्शनियां और दीक्षांत समारोहों का आयोजन किया गया। वस्त्र डिजाइन के छात्रों ने वस्त्र उद्योग के प्रयोजनक के अंतर्गत 'तंतु' प्रदर्शनी में अपने किए गए कार्य को प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में प्रयोजकों, वस्त्र उद्योग के प्रतिनिधियों तथा पूर्व–छात्रों ने भाग लिया।

निटवीयर *डिजाइन*

क्रोशिया और हाथ से बुने जाने वाले वस्त्रों से आरंभ करते हुए निटवीयर ने आज स्वयं को उद्योग के रूप में विकसित कर लिया है तथा यह परिधान व्यवयाय को राजस्व के एक बड़े भाग का योगदान कर रहा है। निफ्ट में निटवीयर डिजाइन कार्यक्रम निट डिजाइन, प्रबंधन और उत्पादन के सभी पहलुओं में व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के प्रति उन्मुख है। वर्तमान में, यह पाठ्यक्रम सात निफ्ट कैंपसों में संचालित किया जा रहा है अर्थात बैंगलूरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, कन्नूर, मुबंई और नई दिल्ली। यह कार्यक्रम ऐसे सर्वतोमुखी वृत्तिकों का सृजन करने के लिए तैयार किया गया है जो डिजाइन, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और विपणन के परिप्रेक्ष्य से घरेलू और निर्यात क्षेत्र में सर्कुलर और फ्लैटबेड निटिंग की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से लैस हों। छात्र निटवीयर डिजाइनरों, वाणिज्यिकों, उत्पाद विकासकर्ताओं और उद्यमियों के रूप में अपना कैरियर बनाते हैं। उनके डिजाइन और तकनीकी ज्ञान की पूर्णता 8वें सेमेस्टर की समाप्ति पर एक डिजाइन संग्रहण के साथ होती है।

निफ्ट के 7 केन्द्रों में निटवीयर डिजाइन विभागों में कुल 36 प्राध्यापक सदस्य हैं तथा विभिन्न सेमेस्टरों में 627 छात्र अध्ययनरत हैं।

पत्र, लेख, प्रस्तुतीकरण

राष्ट्रीय फोरम

- प्रो. (डा.) वंदना भंडारी द्वारा लिखी गई पुस्तक 'ज्वैल्ड टेक्सटाइल्स – गोल्ड एंड सिल्वर एंबेलिश्ड क्लॉथ ऑफ इंडिया, 2015 मे ओम बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित की गई।

- प्रो. (डा.) वंदना भंडारी द्वारा कालरा जे. के साथ संयुक्त रूप से लिखी पुस्तक 'जीरो वेस्ट फैशन : ए फील्ड रिसर्च ऑन डिजाइन विद चिकनकारी आर्टिस्ट्स' क्युमुलस : एन ए प्लैनेट ऑफ अवर ओन मुंबई : आईडीसी आईआईटी बंबई पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित की गई। आईएसबीएन 978–81–906815–0–11.

- सुश्री तुलिका टंडन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने 15 फरवरी, 2016 को ''वर्तमान शिक्षा प्रणाली तथा मूल्य–आधारित पाठ्यचर्या डिजाइनरों की चुनौतियां'' विषय पर चौथे शिक्षा वैश्विक शिखर–सम्मेलन (जीएसई 2016) में एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालाइसिस, खण्ड 5, अंक में 1 जनवरी, 2016 को ''शिक्षा और अंतर्सांस्कृतिक समझ' पर एक अनुसंधान–पत्र भी प्रकाशित किया।

- डा. नीलांजना बैरागी, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू ने उड़ीसा, भारत 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित फैशन, रिटेल और प्रबंध पर अंतर्राष्ट्रीय केस विचार–गोष्ठी में ''एक्जीमा और सोरिएसिस रोगियों के लिए कार्यात्मक वस्त्रों का डिजाइन और विकास'' विषय पर संयुक्त रूप से एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, बेगलूर में 26–27 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित 29वें राष्ट्रीय वस्त्र इंजीनियर कन्वेंशन में ''अभिनव फैशन और डिजाइन विकास : डिजाइन अनुसंधान उपकरण'' विषय पर एक पत्र भी प्रस्तुत किया।

- श्री निशांत शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट, कन्नूर ने फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय द्वारा वड़ोदरा में 'वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए भविष्य

की परिकल्पना' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''परिधान आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को पूरा करने के लिए वृत्तिकों का सृजन करना : फैशन शिक्षा की भूमिका'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। सुश्री सुभासिनी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कन्नूर ने नेहरू कला और विज्ञान कालेज, कोयंबटूर में वैश्विक क्षेत्र में फैशन और वस्त्रों की भूमिका तथा इसकी भावी संभावनाएं' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में फैशन उद्योग कपड़ों और वस्त्रों का प्रभाव'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री शिवानंद शर्मा, निफ्ट हैदराबाद ने 5–6 फरवरी, 2016 को हैदराबाद में भारतीय वस्त्र उद्योग पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'निटवीयर वेस्ट मैंनेजमेंट असर्टेनेबल डिजाइन अप्रोच' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पत्र, लेख प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

- श्री पी. मोहनराज, सह प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने जून, 2015 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड टेक्नालॉजी में 'चेन्नई में वस्त्र और कपड़ों के चुनिदां संगठित फैशन रिटेल आउटलेटों के कर्मचारियों के मध्य कौशल संवर्धन' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया। उन्होंने ग्लोबल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड रिसर्च मैंनेजमेंट, जून, 2015 में 'चेन्नई में वस्त्र और कपड़ों के चुनिंदा संगठित फैशन रिटेल आउटलेटों में कर्मचारियों की क्षमताएं और कौशल अपेक्षाएं' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया तथा नवम्बर, 2016 में इंटरनेशनल जर्नल इन मैंनेजमेंट एंड सोशल साइंस (आईजेएमएसएस) में 'चुनिंदा संगठित फैशन रिटेल आउटलेटों के कर्मचारियों के लिए भावी कौशल अपेक्षाएंः एक अध्ययन' विषय पर पत्र प्रकाशित किया। इस अवधि के दौरान उनका लेख ''वस्त्र और कपड़ों के संगठित फैशन रिटेल आउटलेटों के कर्मचारियों को श्रेणीबद्ध करने के लिए ढांचा : व्याख्यात्मक कारक विश्लेषण (ईएफए) पद्धति' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड टेक्नॉलाजी में प्रकाशित हुआ।

- श्री सुमंत्रा बक्शी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कोलकाता द्वारा अन्य के साथ संयुक्त रूप से 'डाइंग ऑफ ईडीटीए मॉडिफाइड कॉटन विद रिएक्टिव विषय पर शोध–पत्र इस अवधि के दौरान सेज, यूएसए द्वारा प्रकाशित 'क्लोडिंग एंड टेक्सटाइल रिसर्च जर्नल' में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है।

- डा. नीलांजना बैरागी, सह प्रोफेसर, निफ्ट, बैंगलूरू तथा सुश्री प्रियंका गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली ने एक लेखक के साथ मिलकर 'दिल्ली में तृतीयक देखरेख अस्पतालों में नर्सों की श्वेत काटों में जीवाणु संदूषण' विषय पर एक पत्र लिखा तथा उसे फरवरी, 2016 के दौरान जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया।

- डा. नीलांजना बैरागी, सह प्रोफेसर, निफ्ट, बैंगलूरू ने अन्य लेखकों के साथ ''विकास के लिए डिजाइन : झारखंड, भारत की संथाली महाली जनजाति के विकस और संपोषण के लिए शिल्प हस्तक्षेप'' विषय पर एक पत्र लिखा। इसे गुवाहाटी भारत में आयोजित किए जाने वाले छठे अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन में अनुसंधान सम्मेलन, आईसीओआरडी, 2017 में प्रस्तुतीकरण के लिए चुन लिया गया है।

- प्रो. (डा.) वंदना भंडारी ने सीआईआई – ईटी डायलॉग फॉर लक्जरी में 'लक्जरी मार्केट के लिए मेक इन इंडिया' विषय पर एक सत्र संचालित किया।

संचालित की गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

- श्री के. अरूल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने एफआईसीसी के पारंपरिक उद्योग एक्सपो (टीआईई) 2015 के लिए बैनर तथा स्टाल संकेत डिजाइन किए।

- सुश्री सुनीता वासन, सह प्रोफेसर और श्री श्रीधर अमान्वी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने एनएमईआईसीटी निफ्ट, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के फैशन और प्रौद्योगिकी विषयों के लिए ई–विषय–वस्तु विकास में विषय–विशेषज्ञों के रूप में योगदान दिया।

- सुश्री सुनीता वासन, सह प्रोफेसर श्री श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने 9–11 मार्च, 2011 के दौरान आयोजित एचईपीसी फैशन शो का समन्वय किया।

- श्री पार्था सील, सह प्रोफेसर तथा श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कोलकातता ने 15 मार्च, 2015 से 8 अप्रैल, 2016 तक डीओएनईआर द्वारा प्रायोजित फैशन आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में डिप्लोमा कार्यक्रम का समन्वय किया।

- श्री पार्था सील, सह प्रोफेसर तथा श्री सुमंत बक्शी सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता इस समय जून, 2015 से पश्चिम बंगाल सरकार, उद्योग और वस्त्र विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना 'बंगाल विरासत वस्त्रों का पुनरूद्धार' का समन्वय और क्रियान्वयन कर रहे हैं।

- श्री धनराज सुरवासे, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने इंम्पैक्ट लिमिटेड के लिए कशीदाकारी परियोजना (कर्मकारों को कौशल और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना) में दल के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2015 के दौरान नवी मुंबई में लिंड स्टार्म सर्विसेज़ इंडिया प्रा. लि. के लिए पैटर्न और प्रोटोटाइप विकास का क्रियान्वयन भी किया।

- श्री राजीव कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने

02–11 जनवरी, 2016 से निफ्ट, मुंबई में औरंगाबाद के हिमरू क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेपो पर कक्षाओं का संचालन किया।

- श्री धनराज सुरवासे, सहायक प्रोफेसर और सुश्री तूलिका टंडन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई वर्तमान में मजगांव डॉकयार्ड लि. के लिए एमडीएल यूनीफार्म डिजाइनिंग (महिला पोशाक) की परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

- सुश्री नित्या वेंकटरामन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, बेगलुरु ने लेविस स्ट्रॉस इंडिया प्रा.लि. के वरिष्ठ स्तरीय कार्यक्रम का समन्वय किया।

- डा. नीलांजना बैरागी सह प्रो., निफ्ट बैंगलूरू ने उस कार्यक्रम में 2015–16 के दौरान कक्षाओं का संचालन किया।

- सुश्री नित्या वेंकटरामन, सहायक प्रोफेसर, ने भी ईटीआई–डीआई (इतिथ्योपियन टेक्सटाइल डिजाइन इंस्टिट्यूट) के प्रतिनिधियों के लिए एक सप्ताह के अनुभवजन्य शिक्षण कार्यक्रम के बेंगलुरु भाग का समन्वय किया। वे कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के साथ खादी ब्रांड को सुदृढ़ बनाने की परियोजना के लिए परियोजना डिजाइन दल का भाग भी हैं।

- सुश्री शैली भंडारी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, बेगलुरु ने एमडीपी के लिए मंत्रा फैशन उष्मायित्र : वैश्विक फैशन व्यवसाय वाणिज्य, वित्त और विपणन एवं संचार डिजाइन कार्यनीतियों का पूर्वावलोकन' नामक परियोजना के सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्होंने परिधान डिजाइन पर जीएसकेएसजेटीआई छात्रों के लिए कार्यशाला लेविस स्ट्रॉस इंडिया प्रा.लि. के वरिष्ठ स्तरीय प्रबंधकों के लिए एमडीपी, तथा फ्लिपकार्ट के साथ ट्रेंडस्टाक परियोजना के सदस्य के रूप में भी सहभागिता की।

- श्री सोनजिब बोरा, सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू ने शाही एक्सपोर्ट्स, बैंगलूरू के संसाधन व्यक्तियों के लिए एडोब इलस्ट्रेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम निफ्ट बैंगलूरू में सी एंड ए परियोजना तथा निफ्ट बैंगलूरू में ओबीसी परियोजना में एक प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया।

- सुश्री यशोधरा कुमारी, सह प्रोफेसर, निफ्ट, बैंगलूरू ने राजकीय एसकेएसजेटीआई के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए लाभ कमाने के लिए एक कौशल संवर्धन परियोजना का समन्वय किया।

- सुश्री उपिन्दर कौर, सह प्रोफेसर तथा सुश्री स्मिता जी. दत्तिदार, निफ्ट दिल्ली ने संचार औरसूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय डाक विभाग के डाक वितरक कार्मिकों के लिए वर्दी डिजाइन करने वाली परियोजना को संचालित कर रहे हैं।

- सुश्री प्रियंका गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली ने राजधानी, दूरंतों एक्सप्रेस तथा अन्य एसी शयन–यानों वाली ट्रेनों के लिए बेडरोल्स और पर्दे डिजाइन करने की एक परियोजना अपने हाथ में ली।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतिस्पर्धाएं और पुरस्कार

- केडी सेमेस्टर VII, निफ्ट चेन्नई के अंतिम वर्ष के छात्रों ने पारंपरिक वस्तुओं से अत्यंत आकर्षक पोशाकों का सृजन किया जिन्हें फैशन फोटोग्राफर की संतोष राज चेन्नई द्वारा फैशन कैलेण्डर के रूप में विकसित किया गया था जिसे 'रिड्यूस रीसाइकिल रेस्प्लेंड 2015' का शीर्षक दिया गया। सुश्री सिंह दीपा, केडी सेमेस्टर III, निफ्ट, चेन्नई ने रैडिसन ब्लू, चेन्नई में आयोजित 'रवने कोड फैशन शो' में प्रथम पुस्कार जीता।

- श्री सोमसुवरो चटर्जी, केडी VII, निफ्ट कोलकाता ने न्यूजीलैंड उच्चायोग और ऑकलैंड विश्वविद्यालय द्वारा अगस्त, 2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल निटवीयर टी–शर्ट डिजाइन प्रतियोगिता 'फैशन विद फ्लेमिंग' जीती। श्री मोनोजीत सरकार, केडी टप्, निफ्ट कोलकाता ने जुलाई, 2015 के दौरान निफ्ट–नंदोज़ की संयुक्त पहल द्वारा आयोजित की गई अंतर्राष्ट्रीय एक्सेंसरी डिजाइन प्रतियोगिता संयुक्त रूप से जीती।

- सुश्री हिमांशी शाह, केडी सेमेस्टर VI, निफ्ट, मुंबई ने वर्ष 2015 में आदित्य बिरला – 3टी चैलेंज में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री ईशा, केडी IV, निफ्ट, बैंगलूरू ने आईआईएमबी द्वारा आयोजित 'वीयर्स द न्यूज कंपीटीशन' में प्रथम पुरस्कार जीता।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

- निफ्ट चेन्नई : सुश्री शैलजा आर. केडी VI, और श्री अनमोल थापर – केडी VI, जनवरी–जून, 2015 सेमेस्टर के लिए सैक्सियन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड और ईएसएमओडी, बर्लिन, जर्मनी में ट्विनिंग कार्यक्रम में शामिल हुए।

- निफ्ट बैंगलूरू : सुश्री निकिता गोयंका और सुश्री उवर्शी लांबा, केडी VI, ग्रीष्मकालीन विनियम, 2015 के दौरन एसटीसी विनिमय कार्यक्रम के लिए गईं। सुश्री सिंधु एस., केडी VI, जनवरी–जून, 2016 के दौरान विनिमय कार्यक्रम के लिए एनएबीए इटली गई।

- निफ्ट हैदरबाद : सुरभि चौधरी, केडी VI, सेमेस्टर एफआईटी न्यूयार्क में एक वर्षीय डुएल कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। सुश्री अमनदीप कौर तथा हर्ष मेहता केडी VI, पॉलीटेक्नीको, इटली में 1 वर्ष सेमेस्टर ट्विनिंग कार्यक्रम में भाग ले रही है।

- निफ्ट नई दिल्ली : श्री जोबेर अहमद श्वाहा बीयूएफटी, बांग्लादेश ने सेमेस्टर VI, में अंतर्राष्ट्रीय विनिमय छात्र के रूप में ज्वाइन किया।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

विजिट और पारस्परिक संपर्क

- **निफ्ट चेन्नई** : सुश्री सुनीता वासन, सह प्रोफेसर, ने 22.04.2015 को निफ्ट कैंपस में डा. आर. रावणन, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, प्रेजीडेंसी कॉलेज द्वारा संचालित एसपीएसएस साफ्टवेयर के सत्रों में भाग लिया।

- सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसन तथा श्री के. अरुण, सहायक प्रोफेसर को तमिलनाडु सरकार द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में आयोजित फैशन शो को संचालित करने के लिए नामांकित किया गया। श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने 14–21 सितम्बर, 2015 तक लीला पैलेस, चेन्नई में आयोजित रोड शो का समन्वय किया। श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी, श्री पी. मोहनराज, एसोसिएट प्रोफेसर, सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री एस. सेंथिलवेल, सहायक प्रोफेसर, श्री के. अरुल सहायक प्रोफेसर, सुश्री जी. शिवशक्ति, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट कैंपस, चेन्नई में एफडी और टीडी विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों 'एस्थेटिक' 15 और पैस्तीचे का दौरा किया।

- श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर और एसडीएसी ने ललित कला अकादमी, ग्रीम्स रोड, चेन्नई में आर्टिस्ट्स और मेकर्स मार्केट द्वारा आयोति विशिष्ट प्रदर्शनी 'बाई हैंड फ्रॉम दि हार्ट' का दौरा किया।

- श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर, श्री पी. मोहन राज, एसोसिएट प्रोफेसर, सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री एस. सेंथिलवेल, सहायक प्रोफेसर, श्री के. अरुल, सहायक प्रोफेसर, श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर ने हस्त कशीदाकारी के पारंपरिक कला संगठन द्वारा 'थमरायज़ प्रेजेंटेशन' शीर्षक पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। श्री श्रीधर अमांचे, सहायक प्रोफेसर ने केडी सेमेस्टर प्ट के छात्रों के लिए कलाक्षेत्र फांउडेशन, तिरुवनमियूर, चेन्नई में 'सर्फेस एम्बेलिशमेंट' विषय पर आयोजित 'हस्तशिल्प हथकरघा एक्स्पो' प्रदर्शनी में दौरा संचालित किया। श्री श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर और श्री एस. सेंथिलवेल, सहायक प्रोफेसर ने केडी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए रोड शो का आयोजन किया। सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री एस. सेंथिलवेल, सहायक प्रोफेसर ने सुश्री चंतल जुमेल, कोलम अनुसंधानकर्ता द्वारा 'कोलम का सौंदर्य' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान में भाग लिया।

- सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर ने सुश्री जूलिया राथ, टेक्स्टाइल डिजाइनर एवं प्रोफेसर, आरएमआईटी, आस्ट्रेलिया द्वारा 'आस्ट्रेलियाई बाजार के लिए हथकरघा के रूझान' विषय पर दिए गए व्याख्यान में भाग लिया।

- निफ्ट कोलकाता : श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर तथा सुश्री दीपाली जाना, अनुसंधान सहायक ने 25–28 अगस्त, 2015 तक नई दिल्ली में इंटिमा गेरेलिया 2015 का दौरा किया। श्री समंत्र बक्शी, सहायक प्रोफेसर ने लुधियाना में निट वर्ल्ड 2016 का दौरा किया।

- निफ्ट मुंबई : श्री राजीव कुमार ने निफ्ट मुंबई के लिए आईएफएफ (पूर्व–छात्र बैइक) (सैंडी एट बैकड्रॉप) के लिए आर्ट वर्क तैयार किया।

- सुश्री भावना दुबे ने, III सेमेस्टर के छात्रों के साथ 9 जनवरी, 2016 को सीएसटी, मुंबई में वस्त्र प्रदर्शनी' संपूर्ण का दौरा किया।

- सुश्री तुलिका टंडन ने चेमपुर, मुंबई वीव्स टेक्सटाइल्स फेयर का दौरा किया तथा श्री राजीव कुमार ने महाराष्ट्र के ग्रामीण और जनजाति शिल्प के लिए एससीजैडसीसी की डॉक्युमेंट्री एडी पर कार्य आरंभ किया।

- सुश्री भावना दुबे, सुश्री तूलिका टंडन और श्री राजीव कुमार ने बीकेसी भंडारा में मेक इन इंडिया प्रदर्शनी का दौरा किया। सुश्री भावना दुबे ने 9 जनवरी, 2016 को के.आर. कामा ओरिएंटल संस्थान में टेक्सटाइल्स, कलेक्शन कम्युनिटीज़, कल्चर ट्रेड पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।

- निफ्ट बैंगलूरू : डा. नीलांजना बैरागी, एसोसिएट प्रोफेसर 5 नवम्बर, 2015 को केन्द्रीय रेशम बोर्ड के केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति की 18वीं बैठक में शामिल हुई थीं। वे 21 मार्च, 2016 को केन्द्रीय रेशम बोर्ड में केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति की 19वीं बैठक का भी शामिल हुई थीं।

- निफ्ट हैदराबादः डा. आई. रंजीता, सहायक प्रोफेसर ने कैरियर के रूप में फैशन और डिजाइन के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों में शामिल होने के इच्छुक युवा छात्र–छात्राओं के मध्य जागरूकता का सृजन करने तथा उनके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए 30 मई, 2015 को चाइरेक पब्लिक स्कूल, कोंडापुर, हैदराबाद में हिटेक्स में संयुक्त रूप से एक कार्यशाला का संचालन किया। डा. आई. रंजीता, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया। श्री शिवानंद शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने 22 जून से 10 जुलाई, 2015 तक मैसर्स जनकसन इंटरनेशनल, नई दिल्ली में संकाय – उद्योग संबद्धता कार्यक्रम में भाग लिया। श्री शिवानंद शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट कैंपस, नई दिल्ली में ग्रीष्मकालीन टीओटी कार्यक्रम 'शैक्षणिक अनुसंधान के प्रति दृष्टिकोण में भाग लिया।

- निफ्ट नई दिल्लीः सुश्री उपिंदर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर ने एनएसआईसी ग्राउंड्स ओखला, नई दिल्ली में 8 अक्तूबर, 2015 को अमेजन इंडिया फैशन वीक में, 08 दिसम्बर, 2015 को एआईएमए में 'लक्जरी ब्रांडों का निर्माण' पर आयोजित एक संपर्क सत्र में, 15.03.2016 को एफआईसीसीई, फेडरेशन हाउस में मास्टर अमाने तात्सुमूरा द्वारा ''जापानी पारंपरिक रेशम बुनाई 'निशिकी' का सौंदर्य'' पर दिए गए व्याख्यान में भाग लिया।

- सुश्री अमृता राय, सहायक प्रोफेसर ने प्रो. मोनिका गुप्ता के साथ 26–27 अगस्त, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित भारत के अंतरंग परिधानों के सबसे विशाल स्रोत–प्रदर्शनी 'गैरेलिया इंटिमा 2015' में निफ्ट का प्रतिनिधित्व किया। श्री वी.पी. सिंह, श्री अशोक प्रसाद और सुश्री गरिमा आनंद ने भी इसमें भाग लिया।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और टीओटी

- निफ्ट चेन्नई : श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने विशेषीकृत मशीनों के संचालन उनके रख–रखाव तथा हमारे निटिंग लैब सहायक के लिए मशीनों की अन्य सेटिंग्स पर 8–30 जून, 2015 तक मैसर्स जनकसंस इंटरनेशनल प्रा. लि., तिरुपुर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने 15 जून से 03 जुलाई, 2015 तक विशेषीकृत मशीनों के संचालन, उनके रख–रखाव तथा सभी विभागों के प्रयोगशाला सहायकों/मशीन मैकेनिकों के लिए मशीनों की अन्य सेटिंग्स पर आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जिसका प्रयोजन निफ्ट कैंपस में मैसर्स आईआईजीएम प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा किया गया था।

- श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर, श्री पी. मोहन राज, एसोसिएटी प्रोफेसर, सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री एस. संथिलवेन, सहायक प्रोफेसर, श्री के. अरुल, सहायक प्रोफेसर और श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट कैंपस में 13–17 जुलाई, 2015 तक –शोध–पत्र लेखन और प्रकाशन' पर आयोजित टीओटी में भी भाग लिया।

- श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर ने 14.09.2015 – 18.09.2015 तक निफ्ट, नई दिलली में सुश्री जूलिया राथ, एचओडी–आरएमआईटी, आस्ट्रेलिया द्वारा 'प्रिंट डिजाइन' पर संचालित टीओटी में भाग लिया जिसका आयोजन टेक्सटाइल डिजाइन विभाग द्वारा किया गया था।

- निफ्ट कोलकाता : श्री पार्था सील, सह प्रोफेसर तथा श्री वी.पी. सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट, नई दिल्ली द्वारा निफ्ट, कोलकाता कैंपस में 26 जून से 3 जुलाई, 2015 तक बेसिक निटवीयर सहित बेसिक पैटर्न मेकिंग पर संयुंक्त रूप से एक टीओटी का आयोजन किया गया। श्री सुमंत्र बक्शी, सहायक प्रोफेसर और श्री प्रमोद कुमार सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट कोलकाता कैंपस में 26 जून से 03 जुलाई, 2015 तक बेसिक निटवीयर सहित बेसिक पैटर्न मेकिंग पर आयोजित एक टीओटी में भाग लिया। श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने 13–15 जुलाई, 2015 तक निफ्ट, हैदराबाद कैंपस में प्रभावी पाठ्यचर्या निष्पादन : फैशन के क्षेत्र में परिष्कृत शिक्षा के लिए कार्यशाला' विषय पर एक टीओटी में भाग लिया।

- निफ्ट मुंबई : सुश्री तूलिका टंडन ने 08.06.2015 से 03.07.2015 तक सुदिती इंडस्ट्रीज लिमिटेड में उद्योग इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की। उन्होंने 14–18 सितम्बर, 2015 तक निफ्ट दिल्ली में प्रिंट डिजाइन पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ द्वारा आयोजित टीओटी में भी भाग लिया।

- निफ्ट बैंगलूरू : सुश्री यशोदा कुमारी वी., एसोसिएट प्रोफेसर ने 6 फरवरी, 2016 को निफ्ट बैंगलूरू में डिजाइन अनुसंधान पर आयोजित पांच दिवसीय टीओटी में भाग लिया। सुश्री शैली भंडारी, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट, बैंगलूरू में डिजाइन अनुसंधान पर आयोजित टीओटी में भाग लिया।

- निफ्ट हैदराबाद : श्री शिवानंद शर्मा (सहायक प्रोफेसर – केडी) ने 13–17 जुलाई, 2015 तक निफ्ट कैंपस, नई दिलली में 'शैक्षणिक अनुसंधान के प्रति दृष्टिकोण विषय पर आयोजित ग्रीष्मकालीन टीओटी कार्यक्रम में भाग लिया।

- निफ्ट नई दिल्ली : सुश्री गरिमा आनंद, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट हैदराबाद कैंपस में 13–15 जुलाई, 2015 तक 'शिक्षा के क्षेत्र में परिष्कृत शिक्षा के लिए प्रभावी पाठ्यचर्या निष्पादन' विषय पर आयोजित टीओटी कार्यशाला में भाग लिया।

- सुश्री उपन्दिर कौर, सह प्रोफेसर ने बैंगलूरू कैंपस में ''भारतीय शिल्प के संदर्भ में अनुसंधान क्रियाविधि'' विषय पर 6 से 10 जुलाई 2015 को आयोजित टीओटी तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सुश्री जूलिया राथ, आरएमआईटी, यूनीवर्सिटी, आस्ट्रेलिया द्वारा 14 से 18 सितम्बर, 2015 तक 'प्रिंट डिजाइन' पर आयोजित टीओटी में भाग लिया।

संगोष्ठियां, कार्यशालाएं और व्याख्यान

पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा

चेन्नई

- सुश्री सुनीता वासन, सह प्रोफेसर ने समरपैन फाउंडेशन की सुश्री रोमेने सैन फ्रांसिस्को द्वारा 'अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी जीवन में इसका एकीकरण' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

- श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर ने निट वीयर डिजाइन (सेमेस्टर–IV) के छात्रों के लिए दिनांक 18.4.2015 को सरफेस इम्बेलिशमेंट विषय पर उनके शिक्षण के भाग के रूप में इस्पाहानी केन्द्र, नंगमबक्कम में स्थित स्वारोव्स्की के स्टोर और वर्कशॉप के दौरे का आयोजन किया।

- श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने सेमेस्टर IV के छात्रों तथा एफएफ एंड एम (डिप्लोमा कार्यक्रम) के लिए 24 फरवरी, 2016 को निफ्ट परिसर, चेन्नई में चेन्नई स्थित गैर–सरकारी संगठन 'एबिलिटी फाउंडेशन' के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया।

कोलकाता:

- श्री सुमंत्र बक्शी, सहायक प्रोफेसर और सीसी–केडी द्वारा निटवीयर डिजाइन सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए प्रख्यात बाटिक विशेषज्ञ श्री अमित शाह द्वारा बाटिक पेंटिंग पर एक एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31 मई 2016 को किया गया।

- निटवीयर डिजाइन, सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 30 नवम्बर, 2015 को डिजाइनर और स्टाइलिस्ट श्री सोविक बासु द्वारा फैशन स्टाइलिंग द्वारा एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुंबई

- सुश्री भावना दुबे ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 28.8.2015 को सुश्री भाया (निफ्ट की पूर्व–छात्रा) द्वारा 'परिधान उद्योग का पूर्वावलोकन' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

- सुश्री तुलिका टंडन ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए सुश्री रूगमणि द्वारा 'इमेज और फैशन स्टाइलिंग' पर 04.09.2015 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। उन्होंने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 22.9.2015 को श्री अनूप सिंह द्वारा 'मेकअप और हेयर स्टाइलिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए श्री मुंतजीर अहमद द्वारा 27.10.2015 को 'क्लैट निटिंग' पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने 13.04.2016 को केडी–IV सेमेस्टर के लिए श्री रूगमणि द्वारा 'हैंड निटिंग' पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया।

- सुश्री भावना दुबे ने केडी सेमेस्टर IV द्वारा 12.9.2015 को शून्यकाल में अन्य विभागों के छात्रों के लिए 'कैट रूल दि रैम्प–कम–कंपीटीशन' पर एक कार्यशाला का, 07.10.2015 को भी श्री कमलेश जोशी द्वारा सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 'उद्यमवृत्ति' पर संगोष्ठी का, श्री ए.एन. बांदी द्वारा 08.10.2015 और 15.10.2015 को सेमेस्टर VII और V छात्रों के लिए पुस्तकालय के सत्र का तथा केडी IV सेमेस्टर VI के साथ श्री सुनील कुमार (पूर्व–छात्र) सहायक प्रबंधक, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के पूर्व–छात्र–पारस्परिक चर्चा सत्र' का आयोजन किया। उन्होंने 29.01.2016 को 'अभिनव सर्फेस तकनीकें' पर एक कार्यशाला का सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 19 जनवरी, 2016 को श्री आशी करेई, जापान द्वारा संधारणीय फैब्रिक्स पर एक संगोष्ठी का श्री हेंमत त्रिवेदी (डिजाइनर) द्वारा 11.01.2016 और 22.01.2016 को 'डिजाइन प्रोसेस पर सेमेस्टर–8 डिजाइन कलेक्शन के लिए एक सत्र का, केडी IV सेमेस्टर के लिए 01.02.2016 को श्री परवेज़ द्वारा संचालित 'जरदोसी' पर कार्यशाला का, सेमेस्टर IV के लिए 08.02.2016 को पूर्व–छात्र श्री अनिकेत पाटिल द्वारा 'रूझानों का पूर्वानुमान' पर एक व्याख्यान का तथा श्री मुन्ताजीर अहमद द्वारा केडी VI सेमेस्टर के लिए 15.02.2016 को आयोजित 'सर्कुलर निटिंग' पर एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया। सुश्री आदिति जवाहर, पूर्व–छात्र (डिजाइनर), प्रतिभा सिंटेक्स प्रा. लि. ने केडी VI सेमेस्टर के साथ चर्चा की तथा 'जीरो वेस्ट अवधारणा' पर पारस्परिक विचार–विमर्श किया। पूर्व–छात्र श्री सुनील कुमार, सहायक प्रबंधक–डिजाइन, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड ने सेमेस्टर VI के साथ पारस्परिक चर्चा की तथा 17.02.2016 को केडी VI सेमेस्टर के लिए 'पारंपरिक और गैर–पारंपरिक सामग्री के साथ निटिंग' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

बैंगलूरू

- ब्रिटिश काउंसिल की सहायता तथा आईडीएल बैंगलूरू के माध्यम से सेमेस्टर III, V और VII के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

- कैथेरीन स्कली, आट्र्स विश्वविद्यालय, लंदन ने 17 नवम्बर, 2015 को 'रंग और वस्त्र' पर एक सवत्र का आयोजन किया।

- नील बोटल, यूनीवर्सिटी फॉर दि क्रिएटिव आट्र्स ने 17 नवम्बर, 2015 को 'फैशन टेक्सटाइल्स इनोवेशंस : प्रिंट ऑन दि कैटवॉक एंड बियांड' विषय पर एक सत्र का संचालन किया।

- डा. एड दि 'सूजा, यूनीवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन ने 17 नवम्बर, 2015 को ग्लोबल फ्यूचर्स इन आर्ट एंड डिजाइन' पर एक सत्र संचालित किया।

- रोवेना बेटन – डाइक्स, स्टेफोर्ड शयर यूनीवर्सिटी ने 17 नवम्बर, 2015 को 'सृजनात्मक डिग्री पाठ्यक्रमों पर उद्योग का सरोकार : रोजगार के लिए अपना पोर्टफोलियो प्रासंगिक कैसे बनाएं' विषय पर एक सत्र संचालित किया।

- सराह हैमिल्टन, नॉरविच कला विश्वविद्यालय ने 17 नवम्बर, 2015 को 'नियोजन तथा उद्योग के साथ संबंध के बारे में एनयूए का दृष्टिकोण' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

- मेग ओस्बोर्न, मिडलसेक्स यूनीवर्सिटी ने 17 नवम्बर, 2015 को 'फैशन एंड स्टाइलिंग' पर सत्र संचालित किया।

- सुश्री अथिरा देव अक्कारा, निफ्ट केडी की पूर्व–छात्रा ने 18 जनवरी, 2016 को केडी टप् सेमेस्टर के साथ पारस्परिक संपर्क स्थापित किया।

कन्नूर

- श्री अबेल सेबेस्टियन (केडी पूर्व छात्र), डिजाइनर, फ्यूचर ग्रुप ने समेस्टर केडी IV, केडी VI और केडी VII के लिए 'जॉब प्रोफाइल तथा उद्योग में निष्पादन कारक' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

हैदराबाद

- श्री जोनाथन मैडिसन ने 7 अप्रैल, 2015 को 'पर्सनल ग्रूमिंग' पर सेमेस्टर टप् को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने 30 सितम्बर, 2015 को केडी विभाग – तीसरे सेमेस्टर के लिए 'इंट्रोडक्शन टु एस्थेटिक जजमेंट ऑफ ब्यूटी' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया।

- सुश्री नमिता माथुर (उद्योग विशेषज्ञ) ने केडी विभाग के 5वें सेमेस्टर के लिए 15 अक्तूबर, 2015 को 'संध्या के परिधानों में फिट और स्टाइलिंग का महत्व' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- सुश्री शिल्पा विजय राघवन ने सेमेस्टर–VI के लिए 24.2.2016 को 'पारंपरिक भारतीय शिल्प की उपयुक्तता' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री माइकल (अतिथि संकाय) ने शैक्षणिक दौरे के भाग के रूप में सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 7 सितम्बर, 2015 को फोटो शूट के लिए पैगाह पैलेस के दौरे का कार्यक्रम बनाया।

- श्री शिवानंद शर्मा ने 16 सितम्बर, 2015 को गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

- श्री माइकल (अतिथि संकाय) ने 21 सितम्बर, 2015 को सेमेस्टर III के छात्रों के लिए फोटो शूट के लिए गोलकोंडा किले का दौरा आयोजित किया।

- श्री शिवानंद शर्मा ने सेमेस्टर–5 के लिए उनके शैक्षणिक दौरे के भाग के रूप में 23 सितम्बर, 2015 को हफीज प्रिंटिंग यूनिट, बंजारा हिल्स, रोड नं. 12 का दौरा आयोजित किया।

- सेमेस्टर IV और VI के छात्रों के लिए 8 जनवरी, 2016 को 'हथकरघा एक्सपो – 2016' के दौरे का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें छात्रों के साथ श्री शिवानंद शर्मा और डा. आई. रंजीता भी गए थे।

- डा. आई. रंजीता द्वारा 17 फरवरी को केडी IV सेमेस्टर के लिए 'मैसर्स पोकरना लिमिटेड' का दौरा आयोजित किया गया।

- डा. शकील इकबाल (विषय, प्राध्यापक) द्वारा केडी–VI के लिए 18 फरवरी, 2016 को 'सर्कुल निटिंग' विषय पर जीटीएन इंडस्ट्रीज का उद्योग दौरा आयोजित किया गया।

- डा. आई. रंजीता द्वारा केडी–VI सेमेस्टर के लिए उनके 'फ्लैट निट्स और एडवांस्ड निटिंग में निट्स, उत्पाद विकास के लिए गुणवत्ता आश्वासन' विषय के भाग के रूप में मैसर्स शेषाद्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड का उद्योग दौरा संचालित किया गया।

- श्री शिवानंद शर्मा ने केडी–VI सेमेस्टर के लिए 17 मार्च, 2016 को मैसर्स शाही एक्सपोर्ट्स प्रा. लि. नछाराम, सिंकदराबाद में 'फ्लैट निट्स में उत्पाद विकास' विषय पर एक उद्योग दौरा आयोजित किया।

- पारंपरिक भारतीय वस्त्रों के भाग के रूप में केडी–IV के लिए 22 मार्च, 2016 को क्राफ्ट क्लस्टर – पोचमपल्ली हथकरघा पार्क का दौरा आयोजित किया गया।

नई दिल्ली

- निटवीयर डिजाइन विभाग ने डा. जानकी तुरागा, वरिष्ठ स्वतंत्र अनुसंधानकर्ता और वस्त्र एवं शिल्प के क्षेत्र में परामर्शक को आमंत्रित किया। उन्होंने निटवीयर डिजाइन विभाग में 16 सितम्बर, 2015 को 'भारतीय पारंपरिक वस्त्र' विषय पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था।

पीएच.डी.

आरंभ और पूर्ण की गईं

- निफ्ट चेन्नई : श्री पी. मोहन राज, सह प्रोफेसर ने पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण किया (विश्वविद्याय : गांधीधाम ग्रामीण संस्थान, डिंडिगुल, वर्ष : 2012–15)। सुरी सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर ने पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण किया। (विश्वविद्यालय : सरदार वल्लभभाई पटेल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल मैनेजमेंट, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर, वर्ष : 2011–15)।

- निफ्ट कोलकाता : श्री सुमंत बक्शी, सहायक प्रोफेसर जाधवपुर विश्वविद्यालय से 'कपास और संबद्ध फाइबरों का रासायनिक आशोधन' शोध–प्रबंध पर पीएच.डी. कर रहे हैं तथा उन्होंने पाठ्यक्रम कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है।

- निफ्ट बैंगलूरू : सुश्री यशोदाकुमारी वी., एसोसिएट प्रोफेसर ने विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय बेलगांव,

कर्नाटक से 12 मार्च, 2016 को पीएच.डी. कार्यक्रम का व्यापक मौखिक कार्य पूर्ण कर लिया है।

- सुश्री नित्या वेंकटरामन, सहायक प्रोफेसर ने क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलूरू में पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है।

- निफ्ट कन्नूर : श्री निशांत शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, सीसी–केडी फैशन शिक्षा और उद्योग आवश्यकताओं पर पीएच.डी कार्यक्रम में अध्ययन जारी रखे हैं (निफ्ट से 2014 में नामांकित)। श्री जयदीप, प्रोफेसर ने भी पिछले वर्ष पीएच. डी. के लिए नामांकन किया है।

- निफ्ट नई दिल्ली : सुश्री प्रियंका गुप्ता ने निफ्ट, नई दिल्ली से 2009 में पीएच.डी. आरंभ की।

- श्री वी.पी. सिंह, सह प्रोफेसर ने पीएच.डी. के लिए नामांकन किया तथा पैसेफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनीवर्सिटी, उदयपुर से पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण किया।

छात्र प्रतिभागिता

शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप

निफ्ट चेन्नई : सुश्री आशिता थॉमस, केडी सेमेस्टर – VI (बैच 2012–16) ने निफ्ट चेन्नई कैंपस में फैशन स्पेक्ट्रम 2015 के दौरान कोरल प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता तथा उन्हें 07.04.2015 को 86,000/– रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर तथा श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर एवं एसडीएसी ने सुश्री अविनया अनंतचेरी, सुश्री अनिता और सुश्री निधि राय द्वारा ड्रेपिंग विषय पर बनाए गए परिधानों का प्रयोग करते हुए 19.03.2016 को फैशन स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान 'होस्ट फैशनरैंप एज' का समन्वय किया गया। श्री विकिश पेगु, सुश्री दिव्या चन्द्रेश पुजारी केडी सेमेस्टर VI के छात्रों को सभागार में 06.04.2016 को फिल्म शूट के दौरान फैशन शो के लिए उन परिधानों का प्रदर्शन करने के लिए चुना गया।

निफ्ट कोलकाता : सुश्री अभिलाषा होरो केडी–VI, श्री पराग कुमार केडी–VI , सुश्री अंकिता विश्वास केडी–VI और श्री अनुपम कुमार केडी–VI ने निफ्ट पटना में आयोजित कन्वर्ज 2015 में भाग लिया। सुश्री आसमां नफीस केडी–VI तथा श्री मनीष कुमार पटेल केडी–VI ने डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया।

निफ्ट मुंबई : सुश्री आस्था अग्रवाल सेमेस्टर V को जुलाई, 2015 माह में ग्रेपवाइन के लिए निफ्ट कैंपस अम्बैस्डर नियुक्त किया गया। सुश्री दिप्ती अग्रवाल केडी–VII ने 24. 08.2015 से 30.08.2015 तक लैक्मे फैशन वीक में सुश्री श्रीजीत मोहन (डिजाइनर) की उनके ब्रैंड 'रोउका' के लिए सहायता की। उन्होंने ब्रैंड वन्या साड़ी के लिए स्टाइलिस्ट की भी सहायता की तथा उसके लिए अभिनेत्री काल्की कोइचिन का स्टाइल तैयार किया। सेमेस्टर III के छात्र श्री शेरी और सेमेस्टर VII के छात्र श्री अनुराग ने शून्यकाल में 02.09.2015 को कैट वॉक तथा फैशन शो के नियमों पर एक कार्यशाला–सह–प्रतियोगिता का आयोजन किया। सुश्री ईशा मिनोचा और सुश्री गौरी करांजकर, सेमेस्टर III ने 30. 09.2015 को टेक्सटाइल वॉल प्रतियोगिता में भाग लिया। सुश्री रितु प्रिया, सुश्री तमीशा शंकर, सुश्री रचिता कपूर और सुश्री श्रुति, सेमेस्टर ट ने 30.09.2015 को टेक्सटाइल वॉल आर्ट में भाग लिया। सुश्री रीतु प्रिया, सुश्री सिमरन जुनेजा, श्री विवेक कुमार, सेमेस्टर III ने हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिता – 2015 में भाग लिया। श्री जय कुमार, सेमेस्टर VII ने सितम्बर, 2015 हिन्दी पखवाड़ा में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लिया तथा चौथा पुरस्कार प्राप्त किया। सुश्री लीशा अग्रवाल तथा सुश्री समप्रिया भंडारे, सेमेस्टर– III ने 20.07.2015 को मुंबई में कूल्स स्टाइल अम्बेस्डर में भाग लिया। सुश्री श्रुति राणे, केडी IV सेमेस्टर ने 16.01.2016 को पारंपरिक प्रदर्शनी का दौरा किया। सेमेस्टर VI ने डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता – 2016 में भाग लिया तथा चार ग्रुप चरण– I के लिए चुने गए। सेमेस्टर VI के छात्रों ने स्पेफ्ट्रम फरवरी, 2016 में फैशन में भाग लिया। समेस्टर–IV और VI ने स्पक्ट्रम – फरवरी 2016 के लिए वॉल पेंटिंग की। सेमेस्टर IV को स्पेक्ट्रम–2016 में स्थापना के लिए विशेष जूरी पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री रितु कुमार और सुश्री ममता जाधव, सेमेस्टर VI ने मेक इन इंडिया–2016 का विंडो डिस्प्ले तैयार किया तथा उन्हें उसके लिए 10.02.2016 को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

सुश्री आस्था अग्रवाल, सेमेस्टर VI ने स्पेक्ट्रम–2016 के लिए एक्सेन्चर, बबल टी और रेड बुल से स्टाल प्रायोजन प्राप्त किए तथा उन्होंने स्पेक्ट्रम 2016 के लिए विशिष्ट कलाकारों के प्रदर्शन और ईडीएम नाइट का समन्वय किया।

निफ्ट बैंगलूरू : सुश्री निकिता बजाज, केडी 4 ने स्पेक्ट्रम के दौरान 18.2.2016 को टेबल टेनिस में भाग लिया तथा रजत पदक जीता। सुश्री चन्दना, केडी 4 ने स्पेक्ट्रम के दौरान 18.2.2016 को कविता पाठ में द्वितीय पुरस्कार जीता।

श्री शैलेन्दर पाठक, केडी 6 ने अनेक पुरस्कार जीते : स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान एकल गायन में प्रथम पुरस्कार, डिजाइन सूत्रा फाइनल राउंड 2016 तथा उन्होंने बेंगलूर फैशन वीक में भाग लिया। सुश्री ईशा, केडी 6 ने आईआईएमबी

द्वारा आयोजित 'वीयर दि न्यूज कंपीटीशिन' में प्रथम पुरस्कार जीता। सुश्री इरिका मेहता, केडी 6 ने कन्वर्ज–2015 में 16–18 दिसम्बर, 2015 तक बास्केट बॉल और प्रो बॉल में कांस्य पदत जीता। सुश्री हार्दिक सरोए, केडी 6 ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिंदी अंत्याक्षरी में प्रथम पुरस्कार जीता। सुश्री दीक्षिता, केडी 6 ने ईको चिक डिजाइन पुरस्कार जीता। श्री नितिन एम. ने स्पेक्ट्रम 2015 के दौरान फोटोग्राफी में स्वर्ण पदक जीता। श्री विष्णु के., केडी 6 ने स्पेक्ट्रम 2016 में एकल गायन में स्वर्ण पदक, स्पेक्ट्रम 2016 में जंक म्यूजिक में रजत पदक तथा स्पेक्ट्रम 2016 में समूह नृत्य में रजत पदक जीता।

निफ्ट कन्नूर : आशिक अहमद, उज्ज्वल उत्कर्ष, मेघा दिवाकरन, टीना एंटोनी, विक्रांत केडी– VI और हिमानी साही ने स्पेक्ट्रम कन्नूर 2016 के विभिन्न क्रियाकलापों में भाग लिया – नृत्य, फैशन शो, कन्वर्ज पटना 2015 – खेलकूद, एनआईटी फेस्ट – फैशन शो, केरल फैशन लीग – फैशन शो, आईआईएम फेस्ट, फैशन शो।

निफ्ट हैदराबादः आर्ट टु वीयर प्रतियोगिता 13 फरवरी, 2016 को आयोजित की गई। कुल 17 ग्रुपों (33 छात्रों) ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी विभागों के साथ समन्वय करते हुए 14 फरवरी, 2016 को एक स्पेक्ट्रम शो आयोजित किया गया।

निफ्ट नई दिल्ली : सुश्री आकांक्षा अग्रवाल, सेमेस्टर टप्प् ने भुवनेश्वर में जनवरी, 2015 को आयोजित डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया जिसका उद्देश्य भारतीय हथकरघा को पुनः आविष्कृत करना था। सुश्री निवेदिता गोविला, सेमेस्टर VIII, सुश्री श्रृष्टि मेहरोजा, सुश्री तेजबीर कौर, श्री अबुकोवसिर ने स्पेक्ट्रम 2015 में श्रेष्ठ परिधान पुरस्कार प्राप्त किये।

सीईपी और

अल्कालिक कार्यक्रम

निफ्ट चेन्नई : शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के लिए निम्नलिखित सीई कार्यक्रम प्रस्तावित किए गएः

- लिंगरी फॉर वीमेन (छह माह) – श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–केडी
- डिजाइन डेवलपमेंट फॉर इंडियन एथनिक वीयर (एक वर्ष) – श्री के. नंद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीसी–केडी

ग्रीष्मकालीन अवकाश अप्रैल/मई, 2016 के लिए निम्नलिखित अल्पकालिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गएः

फैशन स्टाइलिंग, फैशन फोटोग्राफी, फैशन बिजनेस, वोग वीक एंड पाठ्यक्रम, एडोप इलस्ट्रेटर फॉर फैशन, पैटर्न कटिंग और सोइंग, फैशन ड्राइंग, लिंगरी – श्री के. नंद कुमार, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी। क्रिएटिव टी – सुश्री सुनीता वासन, एसोसिएट प्रोफेसर एवं श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर एवं एसडीएसी।

निफ्ट मुंबई : क्रिएटिव पैटर्न मेकिंग पर 2015–16 के सीई प्रोग्राम बैच का संचालन छह माह के कार्यक्रम के तौर पर अगस्त, 2015 के मध्य से फरवरी, 2016 तक किया गया। 2015–16 के सीई प्रोग्राम बैच का संचालन क्रिएटिव फैशन स्टाइलिंग पर अगस्त, 2015 के मध्य से फरवरी, 2016 तक किया गया। सीई प्रोग्राम बैच का संचालन डिजाइन डेवलपमेंट फॉर इंडियन एथनिक वीयर पर एक वर्ष के कार्यक्रम के लिए अगस्त, 2015 के मध्य से जुलाई, 2016 तक किया गया।

निफ्ट बैंगलूरू : सुश्री यशोदा कुमार ने 3–14 अगस्त, 2015 तक 10 दिन के लिए जीएसकेएसजेटीआई के छात्रों के लिए कौशल संवर्धन कार्यशाला का समन्वय पूर्ण किया।

निफ्ट हैदराबाद : समसामयिक एथनिक वीयर पर सीईसी के प्रथम बैच (एक वर्षीय कार्यक्रम) को 2014–15 के लिए प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए जिसका संचालन श्री शिवानंद शर्मा द्वारा 19 नवम्बर, 2015 को किया गया था। समसामयिक एथनिक वीयर (एक वर्षीय कार्यक्रम) में एक नया बैच 21 सितम्बर, 2015 से आरंभ हुआ। फैशन एपरेल डिजाइन एंड डेवलपमेंट (6 माह का कार्यक्रम) (प्रथम बैच) 21 सितम्बर, 2015 से आरंभ हुआ।

निफ्ट नई दिल्ली : निटवीयर डिजाइन विभाग, दिल्ली कैंपस द्वारा आरंभ किया गया 6 माह का ईसी कार्यक्रम क्रिएटिव फैशन स्टाइलिंग कार्यक्रम सितम्बर, 2015 से मार्च, 2016 तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय सुश्री उपिन्दर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सुश्री अमृता राय, सहायक प्रोफेसर, केडी द्वारा किया गया था।

शिल्प क्लस्टर

पहलकदम

निफ्ट चेन्नई : जून, 2015 की अवधि के लिए निटवीयर डिजाइन V (बैच 2013–17) के शिल्प अनुसंधान प्रलेखीकरण और प्रस्तुतीकरण के भाग के रूप में निटेड फैब्रिक पर व्यवहार्यता का अन्वेषण करने के लिए विभिन्न शिल्पों पर गुजरात (रोगन पेंटिग्स), उत्तर प्रदेश (बडार्का कालीन), गोवा (नारियल छाल), हिमाचल प्रदेश (पुल्ला चप्पल), आंध्र प्रदेश (कलमकारी) में जून 2015 से एक अध्ययन संचालित किया गया था।

निफ्ट कोलकाता : सेमेस्टर IV के छात्रों ने अपने शैक्षणिक शिल्प क्लस्टर हस्तक्षेप के लिए 1–10 जून, 2015 तक बोलेपुर हस्तशिल्प क्लस्टर (वीरभूमि, पश्चिम बंगाल का शांति निकेतन और ननूर) का दौरा किया। इस क्रियाकलाप के दौरान, उन्होंने इन शिल्पों का अध्ययन और सर्वेक्षण

किया : कांथा सिल्क, बाटिक, बांस शिल्प। श्री पार्था सील, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री सुमंत्र बक्शी, एसोसिएट प्रोफेसर तथा श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने इस विजिट के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन किया।

निफ्ट मुंबई : सेमेस्टर IV के 35 छात्रों ने 28.05.2015 से 03.06.2015 तक वस्त्र शिल्प का सर्वेक्षण और प्रलेखन किया। उनके साथ सहायक प्रोफेसर श्री धनराज सुरवासे, सुश्री भावना दुबे और सुश्री तूलिका टंडन भी गए थे। शिल्प का विवरण नीचे दिया गया है:

- पुणे : पुणे की पुनेरी साड़ियां – नैदानिक अध्ययन और उत्पाद विकास।
- नांदेड़ : नांदेड़ का बंजारा शिल्प – नैदानिक अध्ययन और उत्पाद विकास।
- उस्मानाबाद : उस्मानाबाद का बंजारा शिल्प – नैदानिक अध्ययन और उत्पाद विकास।
- लातूर : धारी द्वारा नैदानिक अध्ययन और उत्पाद विकास।

निफ्ट बैंगलूरू: संकाय सदस्यों के नेतृत्व में सेमेस्टर IV के 33 छात्रों ने 1–12 जून, 2015 तक विजयपुर बेंगलूर जिला तथा चिंतामणि, कोलार जिला, कर्नाटक के बुनकरों द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले हथकरघा रेशम बुनाई शिल्प का सर्वेक्षण और प्रलेखन किया। इसमें कर्नाटक हथकरघा विकास निगम (केएचडीसी) द्वारा सहयोग प्रदान किया गया था।

निफ्ट कन्नूर : केडी VI के 31 छात्रों ने त्रिवेन्द्रम, कोट्टयम और अल्लेपी में 22–30 मई, 2015 तक हॉर्न कार्विंग, वुड कार्विंग, स्क्रूपाइन, पोट्री, बेल मैटल का अध्ययन और सर्वेक्षण किया।

निफ्ट हैदराबाद : निटवीयर डिजाइन विभाग के 35

स्थान	छात्रों की संख्या	क्लस्टर के शैड्यूल			फैक्लटी
		हफ्ते	दिनांक	काम किया	
नारसापुर	11	1 सप्ताह	27.5.45 से 29.5.15	माध्यमिक अनुसंधान	श्री शिवनंद शर्मा
पुचमपल्ली	12	2 और 3 सप्ताह	01.6.15 से 10.6.15	प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र के लिए यात्रा	डॉ. आई राजीथा
वारंगल	12	4 सप्ताह	21.7.15 से 25.7.15	प्रलेखन प्रदर्शन	श्रीमती प्राची बजाज

छात्रों ने जून, 2015 माह में शिल्प क्लस्टर कार्यक्रम में भाग लिया। भाग लेने वाले छात्रों तथा उनके साथ गए संकाय सदस्यों के विवरण नीचे तालिका में दिए गए हैं।

निफ्ट नई दिल्ली: दिल्ली कैंपस से सेमेस्टर V के 35 छात्रों (बैच 2013–17) ने विभिन्न शिल्पों जैसे ब्लॉक पेंटिंग, टाई एंड डाई, दरी बुनाई, हाथ से बना कागज, ब्लू पोट्री आदि के प्रलेखन के लिए 14–23 जून, 2015 तक जयपुर, राजस्थान में शिल्प क्लस्टरों का दौरा किया। छात्रों के साथ प्रो. (डा.) वंदना भंडारी तथा सुश्री उपिन्दर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर – केडी भी गई थीं।

उद्योग के साथ संबंध

दौरे और छात्र इंटर्नशिप

निफ्ट चेन्नई: सुश्री जी. शिवशंकरी ने 10.04.2015 को 'डाइंग एंड फिनिशिंग' विषय पर व्हाइट हाउस, नागरी में केडी सेमेस्टर IV के छात्रों का वस्त्र प्रासेसिंग यूनिट में उद्योग दौरा आयोजित किया। सुश्री जी. शिवशंकरी, सहायक प्रोफेसर ने केडी सेमेस्टर VI के छात्रों का 'निटवीयर के लिए गुणवत्ता आश्वासन' विषय पर 18.04.2015 को टेक्स्टाइल कमिटी परीक्षण प्रयोगशाला, मालयापोर में केडी सेमेस्टर VI के छात्रों का उद्योग दौरा आयोजित किया। श्री पी. मोहनराज, एसोसिएट प्रोफेसर ने केडी सेमेस्टर IV के छात्रों का 'सर्कुलर निटिंग' विषय पर 28.04.2015 को व्हाइट हाउस, गुडुवन्चेरी में उद्योग दौरा आयोजित किया। पाठ्यचर्या के अनुसार केडी सेमेस्टर VII (बैच 2012–16) के छात्रों ने 01.06.2015 से 31.07.2015 तक विभिन्न कंपनियों से अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की। सुश्री जी. साई संगुरई, एसोसिएट प्रोफेसर (एफडी) ने केडी सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 'डाइंग एंड फिनिशिंग' विषय पर 02.03.2016 को डाइंड यूनिट, नागरी का उद्योग दौरान आयोजित किया। श्री पी. मोहनराज, एसोसिएट प्रोफेसर ने केडी सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 'सर्कुलर निटिंग' विषय पर 29.03.2016 को व्हाइट हाउस, गुडुवंचेरी, चेन्नई का उद्योग दौरान आयोजित किया।

निफ्ट कोलकाता : केडी V के छात्रों ने श्री सुमंत्र बक्शी, सहायक प्रोफेसर, और श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में 17 नवम्बर, 2015 को 'निटवीयर उत्पादन और आयोजना तथा निट्स एवं वोवन के लिए प्रिंट डिजाइन' विषयों पर राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स, कोलकाता

का दौरा किया। केडी IV के छात्रों ने श्री सुमंत्र बक्शी, सहायक प्रोफेसर तथा डा. संदीप मुखर्जी, सह प्रोफेसर के मार्गदर्शन में 2 फरवरी, 2016 को सर्कुलर निटिंग और डाइंग एवं फिनिशिंग विषयों पर रूपा, कोलकाता का दौरा किया।

निफ्ट मुंबई : श्री धनराज सुरवासे द्वारा मुंबई में 19. 11.2015 को एकेकेएपी निट्स प्रा.लि. का उद्योग दौरा किया गया।

श्री धनराज सुरवासे ने सेमेस्टर VII के छात्रों के साथ महिला अंतरंग – वस्त्रों के लिए डिजाइन विकास विषय पर 26.08.2015 को अम्बरगांव स्थित मैक्सवैल इंडस्ट्रीज लि. का दौरा किया। श्री अभिषेक बजाज ने सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ उन्हें सर्कुलर निटिंग विषय पर बेहतर अनुभव और समझ प्रदान करने के लिए 17.03.2016 को पवाने, नई मुंबई स्थित सुदिती इंडस्ट्रीज लिमिटेड का दौरा कराया जिसकी व्यवस्था सुरी भावना दुबे द्वारा की गई थी।

छात्र इंटर्नशिप बैच 2012–16 के लिए उद्योगों के नाम का विवरणः मनधान इंडस्ट्रीज लिम्टिड (वीइंग ह्यूमन) ट्राइबर्ग, ग्लोबस स्टोर्स प्रा.लि., डिजाइंस इंडिया लि., आदि इंटरनेशनल, बेनेटन इंडिया प्रा.लि., कैमिस्ट्री डिजाइन लिमिटेड, लीनियर डिजाइन, पेंटालूंस फैशन एंड रिटेल लिटिड (आदित्य बिरला), शर्ट कंपनी (इंडिया) प्रा.लि., सुदिती इंस्ट्रीज लिमिटेड, रितु कुमार, आईटीसी लिमिटेड, आलोक इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, अरविंद एक्सपोर्ट्स, श्री भारत इंटरनेशनल प्रा.लि., हाइपर सिटी, चेंज 360, एमेंडोंस फेशन प्रा.लि. नाहर स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, क्लासिक वीयर्स प्रा.लि., शॉपर्स स्टाप लिमिटेड।

निफ्ट बैंगलूरू : स्विच टेक्सटाइल कॉलेज के छात्रों को भारत में उत्पादन इकाइयों की जानकारी प्रदान करने के लिए जनवरी, 2016, 2015 और 2014 के दौरान फर्स्ट बेबी वीयर, बैंगलूरू में उद्योग दौरा कराया गया। फरवरी, 2016 के दौरान केडी 4 सेमेस्टर के लिए बीएलआर निट्स बैंगलूरू का उद्योग दौरा आयोजित किया गया ताकि वे सर्कुलर निटिंग उद्योग को देख सकें। श्री सोनजीब बोरा, सहायक प्रोफेसर, केडी बैंगलूरू द्वारा डिजाइनरों के लिए अग्रणी पेन टेबलेट प्रौद्योगिकी, फ्री क्रिएटिव साफ्टवेयर और बैकॉम के ऑनलाइन प्रशिक्षण पर 13 फरवरी, 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

निफ्ट कन्नूर : उद्योग इंटर्नशिप प्राध्यापक – उद्योग संबद्धता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की गई थी जिसका आयोजन श्री निशांत शर्मा, सह प्रोफेसर, सीसी–कडी द्वारा एसआरवी निट्स बेंगलूर में 6–18 जुलाई, 2015 को किया गया था। केडी–4 और केडी–6 सेमेस्टर के लिए त्रिपुरा में तथा उसके आस–पास निटवीयर इकाइयों के दौरों के साथ–साथ तिरुपुर में निफ्ट–टीईए का उद्योग दौरा शामिल था। दौरों का उद्देश्य था सर्कुलर निटिंग, डाइंग एवं फिनिशिंग, निट्स के लिए गुणवत्ता आश्वासन का अनुभव प्राप्त करना तथा छात्रों को निटवीयर उद्योग से परिचित कराना। छात्रों के लिए उद्योग इंटर्नशिप मोंटे कार्लो, लेवीज, ड्यूक्स, ध्रुव ग्लोबल, शाही निट्स, श्री भारत इंटरनेशनल, मायंत्रा तथा अन्य प्रतिष्ठित निटवीयर कंपनियों में आयोजित की गई।

निफ्ट हैदराबाद : सेमेस्टर VI के लिए सत्र जनवरी–जून 2015 की उद्योग इंटर्नशिप का समन्वय डा. आई. रंजीता द्वारा किया गया था। 26 छात्रों को 8 सप्ताह की अवधि के लिए ग्रीष्मकालीन उद्योग इंटर्नशिप प्रदान की गई। सेमेस्टर VI के लिए जनवरी–जुलाई, 2016 की उद्योग इंटर्नशिप का समन्वय श्री शिवानंद शर्मा द्वारा किया गया। 35 छात्र 8 सप्ताह की अवधि के लिए ग्रीष्मकालीन उद्योग इंटर्नशिप के लिए निर्दिष्ट किए जा रहे हैं।

निफ्ट नई दिल्ली : 34 छात्रों ने लुधियाना, मुंबई, दिल्ली और एनसीआर में उद्योग इंटर्नशिप की। सुश्री गरिमा आनंद सहायक प्रोफेसर ने बुनियादी वस्त्र विषय के लिए

अक्टूबर, 2015 में केडी प्प् के छात्रों के लिए सूर्या प्रोसेसर्स प्रा. लि. का उद्योग द्वारा आयोजित किया, डाइंग और फिनिशिंग विषय के लिए केडी IV के लिए मार्च, 2016 में निटक्राफ्ट प्रा.लि. का उद्योग दौरा आयोजित किया और निटवीयर के लिए गुणवत्ता आश्वासन विषय के लिए केडी VI के छात्रों के लिए फरवरी, 2016 में इंटर प्रा. लि. का उद्योग दौरा आयोजित किया।

स्नातक समारोह

डिजाइन संग्रहण और स्नातक परियोजनाएं

निफ्ट चेन्नईः स्नातक बैच (2011–15) ने विषयक डिस्प्ले और प्रदर्शनी में अपनी डिजाइन संग्रहण/स्नातक परियोजना का प्रदर्शन किया। तिरुवल्लूर सभागार, निफ्ट कैंपस में आयोजित फैशन शो में श्रेष्ठ तीन संग्रहों को पुरस्कार दिया गया तथा प्रदर्शनी की प्रतिष्ठित डिजाइनरों, उद्योग विशेषज्ञों तथा फैशन और वस्त्र उद्योग के अन्य वृत्तिकों द्वारा पर्याप्त सराहना की गई।

निफ्ट कोलकाता : 2015 में 31 छात्र निटवीयर डिजाइन में स्नातकों के रूप में उत्तीर्ण हुए। जिन कंपनियों ने स्नातक परियोजनाओं को अवसर प्रदान किया, वे हैं : आर.एन. ओसवाल, लुधियाना, डी एपैरल्स प्रा.लि., लेबल–सुमन नाथवानी, कोलकाता, विवेक कुमार (डिजाइनर), कोलकाता, सरजीवन निटवीयर, लुधियाना, टी निट्स, लुधियाना, नागेश निटवीयर, लुधियाना, आर.बी. निट्स एक्सपोर्ट्स, लुधियाना, मैक्स रिटेल, एनसीार, कल्पवृक्ष लाइफ स्आइल, कोलकाता, पर्ल ग्लोबल, कोलकाता, सुपर फैशन, एनसीआर ओरिएंट क्रॉफ्ट, एनसीआर, बेनेटन इंडिया, एनसीआर, श्रेयांश क्रिएशन ग्लोबल, कोलकाता, अरंविद लाइफ स्टाइल ब्रांड्स, बैंगलूरू, अनुप्रिया भगत (डिजाइनर), एनसीआर।

निफ्ट मुंबई : बैच 2011–15 को स्नातक परियोजना अवसर प्रदान करने वाली कंपनियां हैं : बेस्टसैलर रिटेल इंडिया प्रा.लि., फोरमोस्ट इंटरनेशनल प्रा. लि., निधि मुनीम इंडिया, हाउस ऑफ अनिता डोंगरे लिमिटेड, इंटरसिटी ट्रेडर्स प्रा.लि., बेस्ट सैलर रिटेल इंडिया प्रा.लि., मनधाना इंडस्ट्रीज़ लि., अरविंद लिमिटेड, प्रतिभा सिंटेक्स सिंटेक्स लि., टीसीएनएस लिमिटेड, शॉपर्स स्टॉप, दिल्ली, फैशन एक्सपोर्ट, चिलइंडिया फैशंस लिमिटेड, असमारा एपैरल्स इंडिया प्रा.लि., अल्मा माटर बिज सोलूशंस पीएलसी, किलर, विनसम निट वीयर, मोहाली।

निफ्ट बैंगलूरू : 15 छात्रों ने स्नातक परियोजना की तथा 15 छात्रों ने डिजाइन कलेक्शन किया, जिनी प्रायोजक कंपनियां थीं : शिमला सेकी – जैकसन इंडिया प्रा.लि., ऑप्टीटेक्स सॉफ्टवेयर, मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल, अरविंद ब्रांड्स, मायंत्रा, इनमार्क आदि।

निफ्ट कन्नूर : स्नातक परियोजनाएं और डिजाइन संग्रहण – 24 छात्र

प्रायोजक उद्योग : शांतनु एंड निखिल, ध्रुव ग्लोबल, श्री भारत इंटरनेशनल, आरबी निट इंटरनेशनल।

निफ्ट हैदराबाद : सेमेस्टर VII (डीसी एवं जीपी) के लिए 18 मई, 2015 को बाह्य जूरी संचालित की गई।

निफ्ट नई दिल्ली : 34 छात्रों ने मदुरा गार्मेंट्स, टीसीएनएस, जे.जे. एक्सपोर्ट्स आदि से अपनी स्नातक परियोजना पूर्ण की।

स्नातक समारोह

प्रदर्शनियां

निफ्ट चेन्नईः स्नातक छात्रों के बैच (2011–15) ने अपने डिजाइन संग्रहणों/स्नातक परियोजनाओं का प्रदर्शन 22.05.2015 को तिरुवल्लूर सभागार, निफ्ट कैंपस में किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे – थिरु हरमंदर सिंह, सरकार के प्रधान सचिव, हथकरघा, हस्तशिल्प, वस्त्र और खादी विभाग, तमिलनाडु सरकार। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथिगण थे : सुश्री कैरोला लीटेन, निदेशक – टॉमी हिलफिगर एंड कैल्विन क्लेन, लैदर एक्सेसरीज़, सोसिंग, इंडिया, श्री हनीफ सत्तार, निदेशक जीनेसिस बेसिक्स, हसब्रो क्लोडिंग प्रा. लि., चेन्नई, थिरु एस. सेल्वाकुमार चिन्नयन, माननीय सांसद और सदस्य, बीओजी निफ्ट, सुश्री नमिता आर.एल. चौधरी, सदस्य, बीओजी निफ्ट।

निफ्ट कोलकाता : स्नातक शो निटमोडा का आयोजन 26 मई, 2015 को दि ललित ग्रेड ईस्टर्न होटल, बॉल रूम में किया गया। सुश्री आलोकनंदा राय, सुप्रसिद्ध ओडिशी नृत्यांगना ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

निफ्ट मुंबई : स्नातक समारोह की तारीख 25 मई, 2015 थी। आमंत्रित अतिथिगण थे : श्रीमती किरण सोनी गुप्ता, आईएएस, श्री चिनराज (सुदिती इंडस्ट्रीज प्रा.लि. के अध्यक्ष), सुश्री अर्चना कोचर (डिजाइनर) श्री नरेन्द्र कुमार अहमद (डिजाइनर)। समारोह सीआईडीसीओ भवन (वाशी) नवी मुंबई में आयोजित किया गया।

निफ्ट बैंगलूरू : स्नातक समारोह की तारीख 05 जून, 2016 थी। यह समारोह सेंट जॉन सभागार 100 फीट रोड, जॉन नगर, कोरमंगला, बैंगलूरू–560034 में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि भी भारत लाल मीणा, आईएएस, प्रधान सचिव उच्चतम शिक्षा, कर्नाटक सरकार

थे। सम्मानित अतिथि थे : श्री सतीश वेणुगपोलन, कंट्री मैनेजर आस्ट्रेलिया एवं इंडिया, कोरेल कोऑपरेशन, श्री शिल्पी शर्मा, उपाध्यक्ष (डिजाइन) – रिलायंश ट्रेंड्स, श्री करूणेश वोहरा, क्रिएटिव डायरेक्टर, लुईस फिलिप – मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल, श्री तपन राजवंशी, मुख्य प्रचालन अधिकारी – अरविंद लिमिटेड, श्री गौतम कोटमराजू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, न्यू इनिशिएटिव, मायंत्रा. कॉम एवं सुश्री कामाक्षी कॉल, सहायक उपाध्यक्ष – डिजाइन मैक्स लैंडमार्क ग्रुप।

निफ्ट कन्नूर : समारोह की तारीख 02 जून, 2015 थी। इसका स्थान दिनेश सभागार, कन्नूर था तथा प्रतिष्ठित अतिथि थीं – श्रीमती विद्या विवेक।

निफ्ट हैदराबाद : स्नातक परियोजना प्रदर्शनी 23 मई, 2015 को आयोजित की गई। श्रीमती सुरिया हसन को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डिजाइन कलेक्शन छात्रों ने निट मोडा 2015 में 23 मई, 2015 को अपने संग्रहणों का प्रदर्शन भी किया।

निफ्ट नई दिल्ली : 'निट मोडा 2015' (स्नातक प्रदर्शनी) का आयोजन निफ्ट दिल्ली कैंपस में 29 मई, 2015 को किया गया।

स्नातक आयोजन

दीक्षांत समारोह

निफ्ट चेन्नई: स्नातक हुए छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह 2015 तिरुवल्लूर सभागार, निफ्ट कैंपस में 25.05. 2015 को आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. ए. शक्तिवेल, सदस्य, बीओजी निफ्ट थे। सुश्री नमिता आर.एल. चौधरी, सदस्य निफ्ट बीआजी, प्रो. डा. वंदना भंडारी, दीन शिक्षण, निफ्ट नई दिल्ली सम्मानित अतिथिगण थे।

निफ्ट कोलकाता : 2015 के स्नातक बैच का दीक्षांत समारोह 2015 निफ्ट कोलकाता कैंपस में 27 मई, 2015 को आयोजित किया गया तथा इसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उच्चतम न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायमूर्ति श्री अलतमश कबीर द्वारा की गई।

निफ्ट मुंबई : स्नातक समारोह की तारीख 25 मई, 2015 थी। इसमें आमंत्रित किए गए अतिथिगण थे : सुश्री हेमा मालिनी (प्रसिद्ध अभिनेत्री), सुश्री सत्या सरन, श्री नरेन्द्र कुमार अहमद। यह समारोह सीआईडीसीओ भवन (वाशी), नवी मुंबई में आयोजित किया गया।

निफ्ट बैंगलूरू : स्नातक समारोह की तारीख 05 जून, 2015 थी। इसमें मुख्य अतिथि थे प्रो. (डा.) ए.एच. राजासाब, माननीय कुलपति, तुभकुर विश्वविद्यालय, 1 सम्मानित अतिथि थे – श्री सिलेशी लेमा, महानिदेशक, इथियोपियन वस्त्र उद्योग विकास संस्थान, आदिस अबाबा, श्री पराग दानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैल्विन क्लेन इंडिया, प्रो. ए.आर. कृष्णराव जैनिम, संस्थापक, जैसिम फाउंटेनहैड 1 समारोह का स्थान था – सेंट जॉन्स सभागार, 100 फीट रोड, जॉन नगर, कोरमंगला, बैंगलूरू–560034.

निफ्ट कन्नूर : समारोह की तारीख 03 जून, 2015 थी। प्रतिष्ठित अतिथि निदेशक, आईआईए कोझिकोड थे। इसका स्थान दिनेश ऑडिटोरियम, कन्नूर था।

निफ्ट हैदराबाद : दीक्षांत समारोह की तारीख 26 मई, 2015 थी। प्रतिष्ठित अतिथि थे श्री बी.वी. आर मोहन रेड्डी, संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष, साइएंट लिमिटेड, श्रीमती शैलजा रामाअय्यर, आईएएम – वीसी एवं एमडी, तेलंगाना हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड। समारोह की तारीख थी – 26 मई, 2015 तथा स्थान था निफ्ट, हैदराबाद।

फैशन और जीवनशैली *एक्सेसरीज*

देश में सर्वाधिक विविधतापूर्ण स्नातकपूर्व कार्यक्रमों में से एक, एस्सेसरीज़ डिजाइन में भावी डिजाइन वृत्तिकों को अधिक समर्थ बनाने के लिए एक सव्यवस्थित पाठ्यक्रर्म और शिक्षण शिक्षाविज्ञान विद्यमान है जो उन्हें डिजाइन क्रियाविधि, सामग्री और उत्पादन प्रक्रिया, उपभोक्ता व्यवहार और बाजार की गतिशीलता, रूझानों और अनुमानों के निर्वचन, व्यवसाय की प्रथाओं और फैशन एवं लाइफस्टाइल एसेसरीज़ के क्षेत्र में परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करता है। एक सुदृढ़ उद्योग अभिमुखीकरण इसके क्रेडो "डिजाईन फॉर बिजनेस" से परिलक्षित होता है तथा यह विद्यार्थियों के अभिगम में सर्वाधिक सफल उद्योग शिक्षा परिसंबंध रहा है।

निफ्ट के 13 कैंपसों में स्थित एफएंडएलए विभागों में कुल 42 प्राध्यापकगण नियमित/संविदा/तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं जिनमें 1 प्रोफेसर, 17 सह प्रोफेसर और 25 सहायक प्रोफेसर शामिल हैं तथा छात्रों की कुल संख्या 840 है।

इस कार्यक्रम को धीरे–धीरे विकसित करके इसमें एस्सेसरीज और लाइफ स्टाइल उत्पादों, कीमती और परिधान आभूषणों, चर्म वस्तुओं, फुटवीयर, घड़ियों गिफ्टवेयर, टेबलवेयर, सिल्वरवेयर, क्रिस्टलवेयर, आफिस फर्नीचर, कन्ज्यूमर इंटरफेस डिजाइन, ऑटोमोबाइल एक्सेसरीज़ डिजाइन और रिटेल एनवायरमेंट डिजाइन को शामिल किया गया है।

प्रत्येक कैंपस से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में राष्ट्रीय नेतृत्व प्रदान करे। इससे विशेषज्ञता की प्रत्येक श्रेणी की सघनता और गहराई में वृद्धि होती है तथा विनिर्दिष्ट उत्पाद श्रेणी के भीतर डिजाइन, प्रबंधन, विपणन और प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों का समाधान होता है।

पत्र और लेख

राष्ट्रीय फोरम

- डा. यतिन्द्र एल, सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 8–10 मई, 2015 को थनचाथ इजुथाचन मलयालम विश्वविद्यालय, तिरचूर में आयोजित 22वें अखिल भारतीय दक्षिण भारतीय भाषाओं की फोल्कलोर सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में ''लोक संप्रेषण में हस्तशिल्प की भूमिका'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. यतिन्द्र एल, सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने इंस्टिट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नालॉजी बैंगलूरू द्वारा 24 फरवरी, 2016 को 'बांस रिजर्व प्रबंधन तथा उपयोग विकल्पों में प्रगति' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बांस : प्रतिदिन की सामग्री से उत्कृष्ट जीवन–शैली उत्पाद में परिवर्तन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. यतिन्द्र एल, सह प्रोफेसर, बैंगलूरू तथा सुश्री शिप्रा राय ने इंस्टिट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नालॉजी बैंगलूरू द्वारा 24 फरवरी, 2016 को 'बांस रिजर्व प्रबंधन तथा उपयोग विकल्पों में प्रगति' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संधारणीय बांस फैशन : लक्जरी के लिए एक सुविचारित विकल्प' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी – एफ एंड एलए ने दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), आंध्र प्रदेश एवं

तेलंगाना राज्य केन्द्र द्वारा 5–6 फरवरी, 2016 को 'भारतीय वस्त्र उद्योग, आधुनिकीकरण और मेक इन इंडिया, एथनिक हैंडलूम्स, फैशन कौशल विकास और भावी वस्त्र पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'मेक इन इंडिया पर वस्त्र छात्रों के लिए अनिवार्य शिक्षण विशेषताएं' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, एपी एंड तेलंगाना केन्द्र की मासिक पत्रिका, अप्रैल, 2016 ने शिकागो, यूएसए में 3–5 सितम्बर, 2014 के दौरन आयोजित 14वें अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रौद्योगिकी सम्मेलन में श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी–एफ एंड एलए के अनुसंधान कार्य 'भारत में फैशन शिक्षा पाठ्यक्रमों का विकल्प लेने वाले छात्रों की कैरियर आकांक्षाएं और उनकी पृष्ठभूमि' के विवरण प्रकाशित किए। यह पत्र एलसेवियर प्रोसीडिया – सोशल एंड बिहेवियरल साइंसेज़ जर्नल 176 (2015), पृष्ठ 952–960, डीओआई : 10.1016/जे. एसबीएसपीआरओ 2015.01.564 में प्रकाशित हुआ।

- सुश्री जयति मुखर्जी, सह प्रोफेसर, कोलकाता ने उलु बेरिया, हावड़ा में ओम दयाल इंजीनियरी और वास्तुकला कॉलेज में आयोजित आर्किटेक्ट ऑफ टाइम्स सम्मेलन में 'वास्तुकला और फैशन – इन के बीच साझा संबंध विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री प्रीता हुसैन, सह प्रोफेसर, नई दिल्ली ने आईआईसी, नई दिल्ली में 30–31 जनवरी, 2016 को 'उत्पन्न होते समाजिक परिवर्तन : प्रतिरोध की प्रक्रियाएं'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में ''सांकेतिक सामग्री आर्टिफैक्ट्स और समकालीन भारतीय महिलाओं के मध्य पहचान के लिए बातचीत'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला का आयोजन वीना मजूमदार स्मारक निधि के तत्वावधान में महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा किया गया था।

- सुश्री निविदेता शर्मा, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 19–20 नवम्बर, 2015 को निफ्ट भुवनेश्वर में ''फैशन रिटेल और प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय केस विचार–गोष्ठी'' में 'ऑनलाइन समुदायों का विकास और प्रबंध' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री निविदेता शर्मा, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 19–20 नवम्बर, 2015 को निफ्ट भुवनेश्वर में ''फैशन रिटेल और प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय केस विचार–गोष्ठी'' में ''ब्रांड समुदाय का निर्माण अपने शिल्पी को पहचाने'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पत्र और लेख

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

- डा. यतीन्द्र एल., एसोसिएट प्रोफेसर, बैंगलूरू, एफ एंड एलए और सुश्री कृतिका जी.के., सहायक प्रोफेसर एफएमएस, निफ्ट बैंगलूरू ने निफ्ट, भुवनेश्वर में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित फैशन और रिटेल तथा प्रबंधन पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय केस विचार–गोष्ठी (आईसीएसएफआरएम) में संयुक्त रूप से 'ई–रिटेलरों द्वारा लघु उद्यमों और उद्यमियों का प्रक्षेपण : कैंपस सूत्रा के लिए व्यवसाय मामला' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी – एफ एंड एलए ने ''स्व–निर्धारित शिक्षण : क्या आप तैयार हैं? – ''हैटॉगॉजी'' की अवधारणा में फैशन डिजाइन छात्रों और संकाय सदस्यों पर अध्ययन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया जिसे बीजिंग में मार्च, 2016 के दौरान आयोजित आईएफएफटीआई–2016 में रखा गया।

- श्री सौमिक हलधर, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने 30 सितम्बर, 2015 को आईजेसीआर (अंतर्राष्ट्रीय वर्तमान अनुसंधान जर्नल) चेन्नई में 'एमपी के बुधनी की पारंपरिक से वुड लेकर शिल्प में परिवर्तन कला का पूर्वावलोकन और उसकी चुनौतियां' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री सौमिक हलधर, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने 'डिजाइन प्रक्रिया तथा कोक बोतल के सुधार (पुनः डिजाइन) में इसका प्रयोग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया जिसे 12.04.2016 को प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया तथा यह क्लाइड पब्लिकेशन द्वारा इंटरनेशनल जर्नल आईजेएपीटी (इंटरनेशन जर्नल ऑफ एडवांस्ड पैकेजिंग टेक्नालॉजी) में प्रकाशित किया जाएगा।

- श्री संदीप सचान, सहायक प्रोफेसर, कांगड़ा ने 19–20 नवम्बर, 2015 को निफ्ट भुवनेश्वर में 'सामाजिक संदर्श में संधारणीय फैशन और वस्त्र संस्कृति' विषय पर एक पत्र प्रस्तुतीकरण पेश किया।

- श्री सौरभ कुमार, सह प्रोफेसर, मुंबई ने नवम्बर, 2015 में निफ्ट भुवनेश्वर में फैशन, रिटेल और प्रबंधन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी में ''समुदायों का अनुरक्षण तथा फैशन शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाना – संधारणीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व का मामला'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुतीकरण पेश किया।

- श्री सौरभ कुमार, सह प्रोफेसर, मुंबई ने नवम्बर, 2015 में निफ्ट भुवनेश्वर में फैशन, रिटेल और प्रबंधन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी में ''तार वाले संगीत उपकरणों में डिजाइन हस्तक्षेप और मूल्यवर्धन – मिराज – डिजाइन हस्तक्षेप और समुदाय विकास का मामला'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुतीकरण पेश किया।

- श्री संजय कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने ग्रामीण प्रबंध विभाग, प्रबंध अध्ययन विद्यालय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में ''फैशन विश्व पर डिजिटल इलस्ट्रेशन का प्रभाव'' पर एक पत्र प्रस्तुतीकरण पेश किया।

हाथ में ली गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

- एफ एंड एलए बेंगलूरू द्वारा अगस्त, 2015 – अक्टूबर, 2015 के दौरान महिला अधिकारिता के लिए 'टेक्सटाइल सर्फेस डेवलपमेंट' पर एक प्रशिक्षण परियोजना 'विद्या' निष्पादित की गई।

- कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के लिए परियोजना – मार्च, 2015 से बेंगलूरू द्वारा उत्पाद विकास परियोजना निष्पादित की जा रही है। परियोजना की अवधि 3 वर्ष है।

- बेंगलूरू द्वारा 'फ्लिपकार्ट – ट्रेंड सिल्क' के लिए एक परियोजना फरवरी, 2016 से आरंभ की गई।

- एफ एंड एलए, भोपाल ने मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम (एमपीएचएसवीएन) भोपाल के लिए 'सृजन' (कौशल उन्नयन और उत्पाद विकास) नामक परियोजना निष्पादित की।

- एफ एंड एलए, भुवनेश्वर ने ईटीआईडीआई के लिए 'परिधान और वस्त्र उद्योग के लिए वैश्विक सोर्सिंग' प्रशिक्षण क्रियाकलाप के लिए एक परियोजना 'निफ्ट – ईटीआईडीआई – ट्विनिंग प्रोग्राम' निष्पादित की। हम परियोजना की अवधि 2 दिसम्बर, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक है।

- एफ एंड एलए, चेन्नई ने मैसर्स कारवां शिल्प रिटेल प्रा. लि. के लिए 5,20,605,96/– रुपए की लागत की एक परियोजना निष्पादित की। विभाग ने बाइओरा, मध्य प्रदेश के शिल्पियों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया।

- एफ एंड एलए, चेन्नई ने एफआईसीसीआई (भातरीय चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री परिसंघ) के लिए जुलाई–अगस्त 2015 के दौरान एक परियोजना निष्पादित की। इस परियोजना की समग्र लागत रू0 7,50,000/– + कर है। विभाग ने एफआईसीसीएस पारंपरिक उद्योग एक्सपो (टीआईई 2015) के लिए डिजाइन परामर्शक के रूप में कार्य किया है तथा प्रत्येक पारंपरिक उद्योग अर्थात् चर्म, हस्तशिल्प, हथकरघा, खादी, रत्न और आभूषण का प्रदर्शन करने के लिए एक कथा तैयार की है। निफ्ट ने पारंपरिक उद्योग एक्सपो 2015 के लिए विवरणिका भी डिजाइन की है।

- एफ एंड एलए, चेन्नई श्री पशुपतिनाथ वी. के लिए 3,99,007/– रुपए की लागत की एक परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है। विभाग को 'परिधान आभूषण संग्रहण के लिए बाजार अनुसंधान, अवधारणा विकास और उत्पाद डिजाइन' का कार्य करना पड़ा है।

- एफ एंड एलए, गांधीनगर ने 04.01.2016 से 24.01.2016 तक 21.5 लाख रुपए की लागत से राष्ट्रीय शिल्प मेला, अहमदाबाद में एक परियोजना 'निफ्ट क्राफ्ट इनिशिएटिव पेवेलियन' निष्पादित की है। परियोजना के प्रायोजक आईएनडीईएक्सटीसी है।

- एफ एंड एलए, गांधीनगर ने 9.0 लाख रुपए की लागत से एचपीसीएल कर्मकारों की वर्दी का डिजाइन तैयार करने की परियोजना निष्पादित की है। यह परियोजना अप्रैल, 2016 में आरंभ हुई।

- एफ एंड एलए, मुंबई ने इन परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है : गार्मेंट क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, बीड, हिमरू शॉल के लिए सौम्य हस्तक्षेप, औरंगाबाद, स्टोन कार्विंग क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, अकोला, शहद प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप अकोला, शहद प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, अमरावती, सागवान क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, अमरावती, संगीत यंत्र क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, मिराज, मसाला पैकेजिंग के लिए परियोजना – सीआईडीसीओ की परियोजना, टेरी टावल क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, शोलापुर, दाल मिल क्लस्टर के लिए सौम्य हस्तक्षेप, अकोला। परियोजना का मेजबान डीआईसी, महाराष्ट्र है।

- एफ एंड एलए, मुंबई इन परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा हैः कॉपर मैटल क्राफ्ट के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, धुले, वार्ली पंटिंग क्लस्टर के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, पालघाट, संगीत यंत्र क्लस्टर के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, मिराज, पोट्री क्लस्टर के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, यवतमाल, पोट्री क्लस्टर के के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, मद्रावती, लकड़ी के खिलौनो के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, सावंतवादी, लाख चूड़ियों के लिए नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट, अचलापुर।

- एफ एंड एलए, नई दिल्ली ने 03.08.2015 – 20.08.2015 के दौरान छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड (शिल्प कार्यशाला) के लिए एक परियोजना संचालित की है।

- एफ एंड एलए, नई दिल्ली कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक परियोजना संचालित कर रहा है।

- एफ एंड एलए, शिलांग ने 12 जून, 2016 से 4 अगस्त, 2016 के दौरान नामची, सिक्किम और त्रिपुरा में 'डिजाइन और तकनीकी विकास' विषय पर एक परियोजना क्रियान्वित की जिसका प्रायोजन हथकरघा और हस्तशिल्प विकास आयुक्त का कार्यालय, भारत सरकार ने किया।

- एफ एंड एलए, शिलांग प्राध्यापकगणों सुश्री शेरिंग

डी. भूटिया, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए तथा सुश्री औरिनीता दास, सहायक प्रोफेसर एफडी ने आइजोल, मिजोरम में मिजोरम के शिल्पकारों के साथ वस्त्र पर 25 दिन की एक परियोजना का क्रियान्वयन किया जिसका प्रयोजन हथकरघा विकास आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया था।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतिस्पर्धा और पुरस्कार

- सुश्री सेजल छनगेडे, एडी – बैंगलूरू की 8वें सेमेस्टर की छात्रा ने मुंबई में 6 फरवरी, 2016 को आयोजित 'राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार 2016' में छात्र श्रेणी में श्रेष्ठ आभूषण पुरस्कार–2016 प्राप्त किया। इस पुरस्कार में 1,50,000/– रुपए की छात्रवृत्ति दी गई है।

- सुश्री सुस्मिता बेहेरा, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए भुवनेश्वर ने बैंगलूरू में भावी जीवन–शैली फैशन के साथ वीएम परियोजना संचालित की। VI सेमेस्टर के छात्रों द्वारा विकसित की गई अवधारणा का क्रियान्वयन एफएलएफ, न्यू सेंट्रल मॉल, भुवनेश्वर में किया गया। प्रतिभागियों को सराहना प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- सुश्री निधा जैकब, 8वें सेमेस्टर की छात्रा, भुवनेश्वर ने निप्पॉन पेंट्स प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वे इस प्रतियोगिता की विजेता रहीं।

- सुश्री अक्षरा और श्री रस्किन मलिक, एडी– IV सेमेस्टर भुवनेश्वर ने डिजाइन सूत्रा में भाग लिया तथा वे दूसरे चक्र के लिए चुनी गई।

- एडी– V सेमेस्टर, गांधीनगर के तीन छात्र ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी, ट्रेड फैडरेशन, मुंबई द्वारा 'छात्र पुरस्कार – आभूषण' श्रेणी के अंतर्गत राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार–2016 के अंतिम चक्र के लिए चुने गए।

- सुश्री गजल कोठारी, बैच 2010–2014, डीएलएफ इम्पोरियो डिजाइन प्रतियोगिता 2016 में ग्रैंड फिनाले के लिए चुनी गईं।

- श्री कुणाल बक्शी, एडी–6 सेमेस्टर, गांधीनगर ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी ट्रेड फेडेरेशन, मुंबई द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार–2016' में छात्र श्रेणी के विजेता रहे।

- श्री सरथ, एडी–6 सेमेस्टर, गांधीनगर ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी ट्रेड फेडेरेशन, मुंबई द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार–2016' के लिए चुने गए।

- श्री धृति मूर्ति, एडी–6 सेमेस्टर, गांधीनगर ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी ट्रेड फेडेरेशन, मुंबई द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार–2016' में फाइनल्स के लिए चुने गए।

- श्री सरथ, एडी–6 सेमेस्टर, गांधीनगर आईडी फुटवीयर ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आईडी फुटवीयर एमर्जिंग क्रिएटिव टेलेंट ऑफ द ईयर पुरस्कार–2016 के विजेता रहे।

- सुश्री मेघना सिंह, एडी–5 सेमेस्टर, गांधीनगर को यूबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई द्वारा आयोजित ज्वैलरी डिजाइन पुरस्कार 2015 के लिए रनर अप घोषित किया गया।

- श्री मनोहर कुमार, एडी–5 सेमेस्टर, कांगड़ा ने बनाना बैंडी (उत्पाद डिजाइन और फोटोग्राफी) में भाग लिया। उनकी प्रतिभागिता और कार्य को वेबसाइट पर दर्शाया गया।

- एफ एंड एलए, 6 सेमेस्टर, कोलकाता के छात्रों ने डिजाइन सूत्र–2016, चरण–I में हथकरघा, हस्तशिल्प और पोस्टर श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- एफ एंड एलए – 6 सेमेस्टर, कोलकाता के छात्रों ने डिजाइन सूत्रा में हस्तशिल्प में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- एफ एंड एलए – 6 सेमेस्टर, कोलकाता के छात्रों के हथकरघा के कार्य ने नमस्ते स्टॉक होम के लिए प्रविष्टि प्राप्त की।

- सुश्री अंतरा डे, एडी–6 सेमेस्टर, नई दिल्ली ने दिल्ली फोटोग्राफी फेस्टिवल 2015 तथा काफिया कविता समारोह 2015 में प्रथम पुरस्कार जीता।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनियम और ट्विनिंग कार्य

- सुश्री हुमेरा तम्बोली, एडी–5 सेमेस्टर, बैंगलूरू ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए एफआईटी न्यूयार्क गईं।

- सुरी शौर्या सर्राफ, एडी–5 सेमेस्टर, चेन्नई ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी, आस्ट्रेलिया गईं।

- सुश्री शिवांगी अग्रवाल, एडी–5 सेमेस्टर, गांधीनगर, ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए एफआईटी न्यूयार्क गईं।

- सुश्री अलीशा सरन और सुश्री वनिष्का जैन, एडी–5 सेमेस्टर, हैदराबाद, ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी, आस्ट्रेलिया गईं।

- सुश्री मेघा गुप्ता, एडी मुंबई ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी, आस्ट्रेलिया गईं।

- सुश्री पिनाज प्रियम दत्ता, एडी – 4 सेमेस्टर, पटना ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी, आस्ट्रेलिया गईं।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

दौरे और पारस्परिक संपर्क

- डा. यतीन्द्र एल., एसोसिएट प्रोफेसर, बैंगलूरू ने बैंगलूरू में 17 अप्रैल, 2015 को भारतीय उद्योग संगठन परिसंघ (एफआईईओ) द्वारा 'कर्नाटक से निर्यात मुद्दे और संभावनाएं' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

- सुश्री शिल्पा रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, बेंगलूरू ने गडग, कर्नाटक में 25 जून, 2015 को हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्यों के लिए ''निर्यात बाजार में डिजाइन रूझान' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

- सुश्री रेशमी मुंशी, सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलूरू में 'उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण के लिए डिजाइन केन्द अनुसंधान' विषय पर डॉक्टोरल कार्यशाला में भाग लिया।

- डा. यतीन्द्र एल., सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 24 जुलाई, 2015 को बैंगलूरू में 'स्प्रिंग समर – 2016 – हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए रूझान और पूर्वानुमान के दौरान आधार – व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच), बैंगलूरू द्वारा किया गया था।

- डा. यतीन्द्र एल., सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) तथा विकास आयुक्त हस्तशिल्प द्वारा 1 अगस्त, 2015 को सलेम में संयुक्त रूप से आयोजित तमिलनाडु के हस्तशिल्प कलाकारों की दो–दिवसीय कार्यशाला के दौरान 'डिजाइन के माध्यम से निर्यात के प्रति हस्तशिल्प कारीगरों को सक्षम बनाना' विषय पर आधार–व्याख्यान दिया।

- डा. यतीन्द्र एल., सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) तथा विकास आयुक्त हस्तशिल्प द्वारा 27 अगस्त, 2015 को मैसूर में संयुक्त रूप से ''कर्नाटक हस्तशिल्प की निर्यात प्रक्रियाएं, प्रलेखीकरण और अंतर्राष्ट्रीय विपणन अवसर तथा डिजाइन विकास'' पर आयोजित दो–दिवसीय संगोष्ठी के दौरान हस्तशिल्प कारगरों और निर्यातकों के लिए ''डिजाइन का महत्व'' विषय पर आधार–व्याख्यान दिया।

- सुश्री शिप्रा राय ने स्विसनेक्स द्वारा एनजीएमए, बैंगलूरू में 31 अक्तूबर, 2015 को 'निफ्ट इंडिया 2015' सम्मेलन में भाग लिया।

- सुश्री शिप्रा राय ने 9 दिसम्बर, 2015 को बेंगलूरू में मैसर्स अरविंद ब्रैंड्स में 'क्राफ्ट जागरूकता दौरा' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

- सुश्री शिप्रा राय ने आईटीसी विंडसर, बैंगलूरू में दि ब्रिटिश कांउसिल द्वारा 'दि यूके – इंडो ग्रेजुएट इम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- सुश्री रूपमा रेशमी मुंशी ने 11 दिसम्बर 2015 को निफ्ट दिल्ली में 'क्रिएटिव डिजाइन एंड बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

- डा. यतीन्द्र ने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय द्वारा बैंगलूरू में कर्नाटक हस्तशिल्प पर आयोजित राज्य स्तरीय विपणन कार्यशाला में 'बेहतर बाजार–क्षमता के लिए डिजाइन ट्रेंड और डिजाइनिंग' पर एक व्याख्यान दिया।

- डा. यतीन्द्र एल, सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) तथा विकास आयुक्त, हस्तशिल्प द्वारा 29 जनवरी, 2016 को बैंगलूरू में 'ईसीजीसी स्कीम में नवीनतम रूझान तथा पूर्वानुमान और लाभ' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में ''सलेम के हस्तशिल्प के डिजाइन और उत्पाद विकास की आवश्यकता और महत्व' पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री शरणबसप्पा, एम. बयाली तथा सुश्री शिप्रा रॉय ने 8 जनवरी, 2016 को फ्रीडम पार्क में खादी उत्सव 2016 प्रदर्शनी का दौरा किया।

- सुश्री शिप्रा रॉय ने 25 जनवरी, 2016 को स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (एसटीसी) के लिए ''शिल्प क्लस्टर दौरा'' पर एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री शिप्रा रॉय ने 27 जनवरी, 2016 को निफ्ट बैंगलूरू में स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (एसटीसी) के छात्रों के लिए ''भारत का शिल्प'' पर एक व्याख्यान दिया।

- डा. यतीन्द्र एल., सह प्रोफेसर, बैंगलूरू कैंपस ने 6 फरवरी, 2016 को पांडिचेरी में ''हस्तशिल्प क्षेत्र तथा उत्पाद और डिजाइन विकास में निर्यत व्यवसाय के लिए त्रुटिरहित प्रलेखीकरण'' पर आयोजित कार्यशाला में ''रूझान, पूर्वानुमान तथा दृश्य मर्कैंडाइजिंग'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- डा. यतीन्द्र एल., सह प्रोफेसर, बैंगलूरू ने डीसी हस्तशिल्प द्वारा मैसूर में 18 मार्च, 2016 को ''मैसूर जिले के हस्तशिल्प का जागरूकता कार्यक्रम'' विषय पर आयोजित कार्यशाला के दौरान ''हस्ताशिल्प क्षेत्र में डिजाइन रुझान'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री गिरिनाथ जी., सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू का 'कोमिट कलक्टर' विषय पर आर्ट वर्क राष्ट्रीय कला अकादमी द्वारा आयोजित 57वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी 2015–16 के लिए चुना गया और इसमें प्रदर्शित किया गया।

- श्री सरन बासप्पा, सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 30 मार्च, 2016 को 'विचार और उद्यमिता यात्रा' पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

- सुश्री सुप्रिया यादव, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने 14.12.2015 से 01.01.2016 तक मैसर्स डिजाइन इंकॉर्पोरेशन, नई दिल्ली का दौरा किया।

- श्री सौमिक हल्दर, सहायक प्रोफेसर, भोपाल ने 16. 12.2015 से 30.12.2015 के दौरान मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम (एमपीएचएसवीएन) के व्यापार मेले का दौरा किया।

- श्री सत्य एस. बनर्जी ने 20.02.2016 – 23.02.2016 के दौरान नोएडा में भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेला 2016 का दौरा किया।

- श्री अभिषेक शर्मा, सह प्रोफेसर, गांधीनगर और श्री रंजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर गांधीनगर ने 17–24 जनवरी, 2016 के दौरान राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला, अहमदाबाद का दौरा किया।

- श्री अभिषेक शर्मा, सह प्रोफेसर, गांधीनगर ने 8–10 अगस्त, 2015 के दौरान आईआईजेएस 2015 प्रदर्शनी, मुंबई का दौरा किया।

- श्री अविनाश आर, सहायक प्रोफेसर, हैदराबाद ने 18–26 फरवरी, 2016 के दौरान ईपीसीएच व्यापार मेला – 2016, दिल्ली का दौरा किया।

- श्री अनिल कुमार तिर्की, सहायक प्रोफेसर, श्री संदीप संचान सहायक प्रोफेसर, श्री असित भट्ट, सहायक प्रोफेसर और श्री आशुतोष पोरस, सहायक प्रोफेसर, कांगड़ा ने 12–14 फरवरी, 2016 के दौरान सूरजकुंड मेला और इंडिया डिजाइन वीक, इंडिया इंटरनेशनल बुक फेयर, पूर्वोत्तर हथकरघा और हस्तशिल्प मेले का दौरा किया।

- मुंबई के प्राध्यापकगणों ने नई दिल्ली में भारत–अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, मुंबई में मेक इन इंडिया प्रदर्शनी और व्यापार मेला, भारत फैशन फोरम, मुंबई, भारत अंतर्राष्ट्रीय आभूषण शो, मुंबई तथा फर्नीचर ट्रेड फेयर, मुंबई का दौरा किया।

- श्री संजीव कुमार, सह प्रोफेसर तथा श्री शक्ति सागर काटरे, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने 12–16 फरवरी, 2016 के दौरान फैंकफर्ट, जर्मनी में एम्बिएंट मेले का दौरा किया।

- श्री विनायक यशराज, सहायक प्रोफेसर, पटना ने जनवरी, 2016 के दौरान पटना में आयोजित ''सरस मेला : हस्तशिल्प, वस्त्र मेला'' का दौरा किया।

- श्री विनायक यशराज, सहायक प्रोफेसर, पटना ने फरवरी, 2016 के दौरान पटना में आयोजित ''सिल्क फैब'' – वस्त्र और हस्तशिल्प आधारित मेला का दौरा किया।

- श्री के.के. बाबू, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 15–18 अक्तूबर, 2015 के दौरान ग्रेटर नोएडा में आईएचजीएफ मेले का दौरा किया।

- श्री के.के. बाबू, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली तथा श्री रविशेखर ने 3–4 अक्तूबर, 2015 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान संस्थान, लखनऊ का दौरा किया।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

प्राध्यापक द्वारा संचालित टीओटी

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी–एफ एंड एलए ने 29.06.2015–04.07.2015 के दौरान निफ्ट हैदराबाद में ''टेक्नीकल ड्राइंग ऑटो–सीएडी'' पर टीओटी संचालित की।

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी–एफ एंड एलए ने निफ्ट, हैदराबाद में 13–15 जुलाई, 2015 के दौरान 'प्रभावी

पाठ्यचर्या निष्पादन : फैशन के क्षेत्र में परिष्कृत शिक्षा के लिए कार्यशाला' पर एक टीओटी संचालित की।

- श्री के.के. बाबू, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 15–19 जून, 2015 तथा 29.06.2015–04.07.2015 के दौरान मुंबई और हैदराबाद में क्रमशः ''एडोब इलस्ट्रेटर एंड ड्राइंग'' तथा ऑटोकार्ड'' पर टीओटी संचालित की।

प्राध्यापक द्वारा टीओटी में प्रतिभागिता

- सुश्री रेशमी मुंशी, सहायक प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 15–19 जून, 2015 के दौरान जयपुर में ''शिल्प प्रक्रियाएं और परंपरा'' पर टीओटी में भाग लिया।
- डा. यतीन्द्र, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सुश्री शिप्रा रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, बैंगलूरू ने 7–10 जुलाई, 2015 के दौरान निफ्ट बैंगलूरू में 'अनुसंधान क्रियाविधि' पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री हरीश राजीव, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर ने 29.06.2015 से 04.07.2015 के दौरान निफ्ट हैदराबाद में ऑटो सीएडी और टेक्नीकल ड्राइंग पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री हरीश राजीव ने 5–10 जुलाई, 2015 के दौरान निफ्ट बैंगलूरू में डिजाइन रिसर्च पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री अभिषेक शर्मा, सह प्रोफेसर, गांधीनगर ने जुलाई, 2015 के दौरान बेंगलूरू और नई दिल्ली में 'अनुसंधान क्रियाविधि, शैक्षणिक अनुसंधान के प्रति दृष्टिकोण' तथा 'एक्सेल – औद्योगिक और अनुसंधान कार्य के लिए उपकरण' पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री रंजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर तथा री अनुपम राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, गांधीनगर ने 05–11 जुलाई, 2015 के दौरान निफ्ट बैंगलूरू में अनुसंधान क्रियाविधि (शिल्प) पर एक टीओटी में भाग लिया।
- श्री सत्यप्रकाश, सह प्रोफेसर, हैदराबाद ने 15–19 जून, 2015 के दौरान जयपुर में 'शिल्प प्रक्रियाएं और परंपराएं' पर एक टीओटी में भाग लिया।
- सुश्री पी.एस. श्रीसा, सहायक प्रोफेसर, हैदराबाद ने 6–10 जुलाई, 2015 के दौरान बैंगलूरू में 'भारतीय शिल्प के संदर्भ में अनुसंधान क्रियाविधि' पर एक टीओटी में भाग लिया।
- श्री चिरप्रिया मंडल, सहायक प्रोफेसर, कोलकाता ने 6.7.2015 से 10.7.2015 के दौरान बैंगलूरू में भारतीय शिल्प के संदर्भ में अनुसंधान क्रियाविधि पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री कुमार सुदीप्ता, सहायक प्रोफेसर, मुंबई ने निफ्ट, मुंबई में एडोब इलस्ट्रेटर पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री संजय कुमार, सह प्रोफेसर तथा श्री शक्ति सागर काटरे, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने 21–23 दिसम्बर, 2015 के दौरान मुंबई कैंपस में अनुसंधान क्रियाविधि पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री के.के. बाबू, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 21–23 दिसम्बर, 2015 के दौरान मुंबई में अनुसंधान क्रियाविधि पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री संजय पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 15–19 जून, 2015 के दौरान मुंबई में एडोब इलस्ट्रेटर पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री एस.ए.वी. सुब्रामणियन, एसोसिएट प्रोफेसर, रायबरेली ने 15–19 जून, 2015 के दौरान जयपुर में शिल्प प्रक्रियाएं और परंपराएं पर टीओटी में भाग लिया।
- सुश्री निविदेता शर्मा, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 22–26 जून, 2015 के दौरान शिलांग में ''व्यवसाय अनुसंधान के लिए एडवांस एनालाइटिक (वर्कशॉप)'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री निविदेता शर्मा, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली ने 21–23 दिसम्बर, 2015 के दौरान मुंबई में अनुसंधान क्रियाविधि पर एक टीओटी में भाग लिया।
- श्री न्गमखोलेने होकिप, सहायक प्रोफेसर तथा श्री आशीष कुमार कैथवास, सहायक प्रोफेसर, शिलांग ने 01–06 जून, 2015 तथा 01–07 जुलाई, 2015 को मुंबई में क्रमशः बेसिक फोटोग्राफी और एडोब इलस्ट्रेटर पर आयोजित टीओटी में भाग लिया।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

- श्री पंकज मस्कारा, उद्यमी, प्रोप डिजाइन ने बैंगलूरू में एडी–IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए व्यावसायिक संप्रेषण और प्रलेखन तकनीक विषय के लिए 'रंग और प्रलेखीकरण की प्रासंगिकता' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री मोहित शर्मा, यूआई/यूएक्स प्रमुख, आदित्य बिरला ऑनलाइन फैशन ने बैंगलूरू के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों को 'यूजर इंटरफेस डिजाइन' विषय के लिए 'ए क्लीयर इनसाइट ऑफ इंडस्ट्री एंड एप्लीकेशन ऑफ यूआई/यूएक्स'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- सुश्री रश्मि, सीएडी प्रोफेशनल ने बैंगलूरू के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को 'व्यावसायिक संप्रेषण और प्रलेखीकरण तकनीक' विषय के लिए 'इन–डिजाइन सॉफ्टवेयर इनपुट' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- सुश्री सुजाता गणेश, सहायक प्रबंधक अक्षयपात्रा ने

बैंगलूरू के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों को 'उन्नत वृत्तिक प्रक्रियाएं' विषय के लिए 'निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री मुरलीधर के., डिजाइनर तथा श्री श्रीनिवास, उत्पादन प्रभारी, माया आर्गेनिक ने बेंगलूरु के एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों को 'क्राफ्ट बेस्ड डजाइन प्रोजेक्ट' माड्यूल के दौरान 'चन्नापतना खिलौनों का निर्माण और उत्पादन व्यवहार्यता' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- सुश्री निकिता कयाल, डिजाइनर, स्पार्कलिंग माइंड्स' तथा निफ्ट की पूर्व–छात्रा ने बेंगलूरू के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'जीपी अवसर' पर एक कार्यशाला संचालित की।

- श्री बालाजी नटराजन, वीएम प्रमुख तथा सुश्री ट्विंकल एचआर, टाइटन इंडस्ट्रीज ने बेंगलूरु के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'जीपी अवसर' पर प्रस्तुतीकरण पेश किया।

- श्री विवेक सौरभ, प्रमुख डिजाइन, विलियम पेन, पूर्व–छात्र ने बैंगलूरू के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श किया।

- सुश्री रश्मि बीवी, 3डी एनिमेटर ने बेंगलूरु के एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों को '3डी मैक्स' विषय के लिए '3डी मैक्स प्रगत फंक्शन' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री चेतन शर्मा, वरिष्ठ वॉच डिजाइनर, टाइटन ने बैंगलूरू के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों को 'ड्राइंग एंड रेंडरिंग' विषय के लिए 'ड्राइंग एंड रेडरिंग एडवांस्ड स्किल्स' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री आनंद गीत गोविंदन, ऑटो डेस्क इंडिया (प्रा.) लि. ने बेंगलूरु के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'फ्यूचर ऑफ मेकिंग थिंग्स एंड ऑटोडेस्क फ्यूजन 3600' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री नेहा अहलावत, प्रमुख अनुसंधान और कार्यनीति, टाटा एलेक्सी ने एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को ' फैशन और ट्रेंड्स एंड फैशन फोरकास्टिंग' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री मोहित शर्मा, वरिष्ठ डिजाइनर, आदित्य बिरला ने बैंगलूरू के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'यूजर इंटरफेस डिजाइन में इनपुट्स पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

- श्री अब्दुल कासिम, निदेशक–कीर्ति स्टूडियो, पूर्व–छात्र ने बैंगलूरू के एडी–4 सेमेस्टर छात्रों के साथ पारस्परिक चर्चा की।

- श्री उज्ज्वल आनंद, कनिष्ठ औद्योगिक डिजाइनर, एर्गो डिजाइंस, पूर्व–छात्र ने बैंगलूरू के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों के साथ पारस्परिक चर्चा की।

- श्री प्रभजीत सिंह, पूर्व–छात्र ने बैंगलूरू के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों के साथ पारस्परिक चर्चा की।

- सुश्री रश्मि बी.वी. एनिमेटर ने बैंगलूरू के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को 'एडोब इलस्ट्रेटर में तकनकी इनपुट' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- सुश्री स्वाती बसनवाल, मेक–अप आर्टिस्ट और एक्सेसरी डिजाइनर तथा श्री सुमेरू शेखर, डिजाइनर/आर्टिस्ट ने बैंगलूरू के एडी– 6 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'इनपुट इन स्टाइलिंग' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री आदित्य वेंकट चलसानी, सह–संस्थापक, डेकोह ने स्नातक छात्रों सुश्री रिमझिम शर्मा, एडी–8 सेमेस्टर और सुश्री आरुशि सस्केना, एडी–8 सेमेस्टर के साथ बैंगलूरू के एडी–5 के छात्रों को इंटर्नशिप के लिए उनके संगठन में अवसरों के विषय में बताया।

- श्री रेंजिती कोशी जॉन, वरिष्ठ डिजिट स्क्लप्टर, श्री सचिव वाई, श्री अनुथ, जनरल मोटर्स, श्री अरुण कुमार फ्रांसिस, मोटरसाइकिल कंसेंप्ट डिजाइनर और श्री महेश पी., ट्रांसपोर्टेशन डिजाइनर, टीवीएस मोटर कंपनी ने बैंगलूरू के एडी–4 और 6 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'टू–व्हीलर मोबिलिटी सोलूशन पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री गौरव सत्य प्रकाश, उद्यमी ने बैंगलूरू के एडी–7 सेमेस्टर छात्रों के लिए राइनो सॉफ्टवेयर पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी–एफ एंड एलए तथा एसोसिएट प्रोफेसर निफ्ट ने भोपाल के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय–सदस्यों के लिए 'हमारी नियमित वार्ता में सात घातक त्रुटियां' पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री विजयंत दास, अतिथि संकाय ने 06–08 अप्रैल, 2015 तक भुवनेश्वर के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों के लिए डेरिवेंशस फ्रॉम आर्गेनिक/इनॉर्गेनिक इंस्पिरेशंस'' पर एक कार्यशाला का संचालन किया।

- श्री विजयंत दास, अतिथि संकाय ने 23–27 मार्च, 2015 के दौरान भुवनेश्वर के एडी–4 और 6 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'अवधारणा से निकले स्वरूपों से सेरामिक प्रोटोटाइपों का निर्माण' पर एक कार्यशाला का संचालन किया।

- श्री बंदीश पेट्रो, अतिथि संकाय ने भुवनेश्वर के 5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'छात्रों के लिए ओवरऑल ब्रश–अप तैयार करना जहां वे संपूर्ण डिजाइन क्रियाविधि को आवृत्त करते हैं' विषय पर एक कार्यशाला का संचालन किया। यह एक ऐसी कार्यशाला थी, जहां उन्हें सौम्य सामग्री के साथ मौके पर ही कार्य अनुभव प्रदान किया गया जिसे शिल्प आधारित एम–सील शिल्पकार कहा जाता है। उन्होंने विश्व इतिहास से प्रेरणा लेते हुए भुवनेश्वर के छात्रों के लिए अपने

स्वयं के बतर्नों का निर्माण किया।

- श्री सतीश सुमन बेहेरा, अतिथि संकाय ने भुवनेश्वर के छात्रों के लिए 20–21 अगस्त, 2015 के दौरान 'पेपर कॉयलिंग' पर कार्यशाला का संचालन किया।

- श्री सतीश सुमन बेहरा और श्री बंदीश वरुण पैट्रो, अतिथि संकाय ने भुवनेश्वर के एडी के छात्रों के लिए भुवनेश्वर में आश्रय अनाथालय का दौरा संचालित किया।

- श्री सुदीप बारिक ने 12 अक्तूबर, 2015 को एडी भुवनेश्वर के छात्रों के लिए 'फाइबर कास्टिंग' पर कार्यशाला का आयोन किया।

- भुवनेश्वर के एडी छात्रों के लिए 04–08 दिसम्बर, 2015 के दौरान पुराने समाचार पत्रों की कॉयलिंग तकनीक' विषय पर 'पुनः चक्रण' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- श्री विजयंत दास, अतिथि संकाय ने 21–23 मार्च, 2016 के दौरान एडी भुवनेश्वर के छात्रों के लिए 'बांसशिल्प पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- श्री पृथ्वी राज देव, सेरेमिक विशेषज्ञ ने 'उनके संपूर्ण जीवन तथा सेरेमिक्स पर विस्तृत जानकारी' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। इसके बाद 12.9.2015 को एडी–भुवनेश्वर के छात्रों के लिए सेरेमिक्स के साथ चक्के पर मौके पर ही प्रदर्शन किया गया।

- सुश्री रेबेका हनन, प्रोफेसर नोवा स्कोटिया कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, हैलीफेक्स, कनाडा ने 04 नवम्बर, 2015 को एडी–भुवनेश्वर के छात्रों के साथ 'समकालीन आभूषण डिजाइन के माध्यम से यात्रा उनके प्रत्येक संग्रह के पीछे समस्त प्रक्रिया का प्रदर्शन' पर पारस्परिक चर्चा का आयोजन किया।

- सुश्री जेल्नी सेरिगो, प्राकृतिक कृषक और बाग डिजाइनर, फ्रांस ने एडी–भुवनेश्वर के छात्रों के लिए 02 मार्च, 2016 को 'उद्यान एक्सेसरीज़ क लिए यूरोप में विद्यमान रूझान तथा फर्नीचर के लिए प्रयोग की जाने वाली प्राकृतिक यौगिक कच्ची सामग्री के प्रकार' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- श्री मुनुस्वामी, प्रतिष्ठित शिल्पी ने चेन्नई के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों के लिए टेराकोटा और पेपर मैशे पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री बाला सुब्रामणियन, कलाकार समसामयिक कला एवं डिजाइन ने चेन्नई के एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री अपूर्वा पांढी, निफ्ट पूर्व–छात्रा और अतिथि संकाय ने गांधीनगर के छात्रों के लिए डिपार्टमेंट इलेक्टिव : कैलीग्राफी पर व्याख्यान दिया।

- सुश्री पी.एस. श्रीषा, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए हैदराबाद ने हैदराबाद 5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'विपणन अनुसंधान, उपकरण और तकनीकें' पर श्री स्वर्णदीप मुखर्जी, टीआर, अरविंद लाइफस्टाइल लि. का अतिथि व्याख्यान आयोजित किया।

- सुश्री सोनिया अग्रवाल, संस्थापक एवं सीईओ वाइटनाइफ ने ब्रांड 'वाइट नाइफ' की प्रेरणाप्रद गाथा पर एक पारस्परिक संपर्क–सत्र संचालित किया तथा गांधीनगर के छात्रों के लिए एक विशिष्ट ब्रांड अवस्थिति का सृजन करने के लिए प्रेरणा–स्रोत के रूप में 'नई सामग्रियों और पद्धतियों का अन्वेषण' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इनका उद्देश्य युवा डिजाइनरों को अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता के लिए निरंतर तैयार करने हेतु प्रोत्साहित करना था।

- श्री विवेक तिवारी, एनआईडी संकाय ने गांधीनगर के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'उपभोक्ता अंतरापृष्ठ डिजाइन' पर एक संपर्क–सत्र का आयोजन किया।

- सुश्री रशीदा तैयबजी, वरिष्ठ अतिथि संकाय और स्वतंत्र डिजाइनर ने गांधीनगर के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'पोर्टफोलियो विकास पर एक संपर्क–सत्र का आयोजन किया।

- श्री जल्प लाखिया, प्रबंधक डिजाइन एवं प्रकाशन (एमआईसीए) ने गांधीनगर के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'पोर्टफोलियो विकास पर एक संपर्क–सत्र का आयोजन किया।

- श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर एफडी निफ्ट ने गांधीनगर के एडी–7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'पोर्टफोलियो विकास पर एक संपर्क–सत्र का आयोजन किया।

- श्री देवाशीष मिश्रा, डिजाइन प्रमुख, पीएन गाडगिल ज्वैलर्स, मुंबई ने एडी गांधीनगर के छात्रों के साथ एक संपर्क–सत्र का आयोजन किया।

- सुश्री उचिता वेद, डिजाइनर ने गांधीनगर के एडी छात्रों को उपभोक्ता अंतरापृष्ठ डिजाइन और प्रोटोटाइपिंग पर विशेषज्ञ इनपुट प्रदान किए।

- सुश्री गुंजन पंचाल, निफ्ट पूर्व छात्र और अतिथि संकाय ने गांधीनगर के छात्रों के लिए फैशन रूझान और फैशन पूर्वानुमान पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री सत्पर्षि के, सहायक प्रोफेसर आईआईआर रुड़की ने कोलकाता के एडी–3 और 5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए

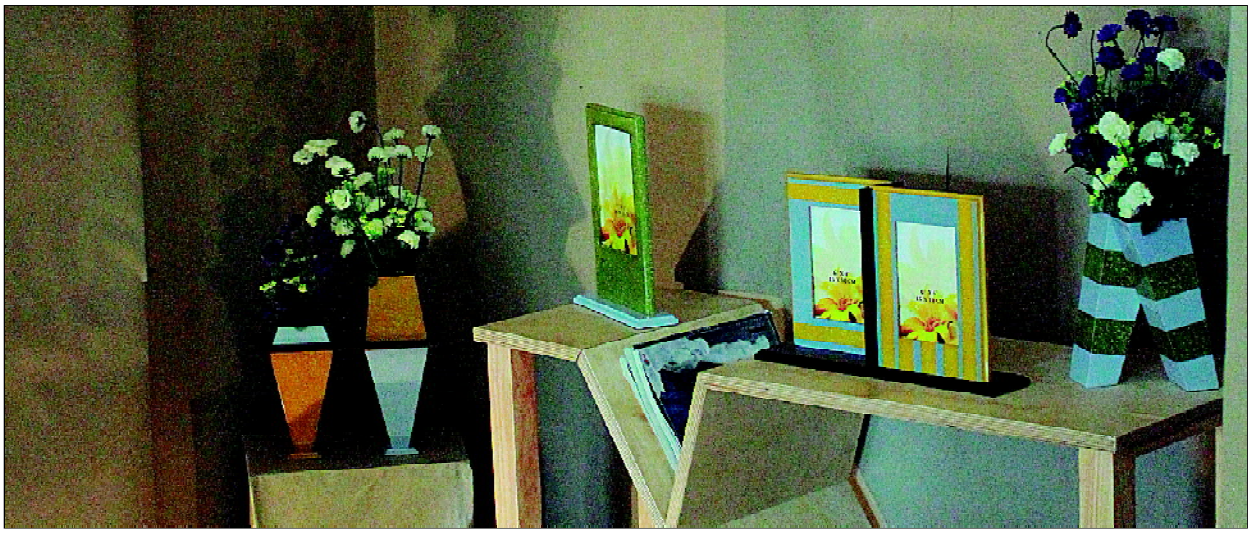

21 अगस्त, 2015 को 'वर्चुअल कल्चरण हैरिटेज कंवर्सेशन' पर एक व्याख्यान दिया।

- सुश्री निरुपमा, एकेडमी ऑफ हैंडमेड पेपर ने कोलकाता के एडी–3 और एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए अगस्त–सितम्बर, 2015 के दौरान 'पेपर मेकिंग वर्कशॉप' पर एक कार्यशाला संचालित की।

- सुश्री कविता दत्ता, प्रमुख डिजाइनर, फराह खान ज्वैल्स ने एडी–मुंबई छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

- श्री वरूण कुमार, प्रमुख डिजाइनर, वीआईपी लगेज ने एडी–मुंबई के छात्रों के लिए 'बैग्स और हैंड लगेज' पर कार्यशाला आयोजित की।

- निफ्ट, नई दिल्ली – एफ एंड एलए ने 21.03.2016 को पूर्व–छात्र बैठक का आयोजन किया।

- श्री अभिषेक राही, प्रतिष्ठित व्याख्याता ने रायबरेली के एडी–4, 6 और एमएफएम–2 के छात्रों के लिए 'विदेशों में कैरियर' पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री मिरजा एस. सैयाद्दीन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईएम अहमदाबाद ने रायबरेली के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'अनुसंधान क्रियाविधि' पर एक व्याख्यान दिया।

- मैसर्स निकॉन इंडिया ने रायबरेली के एडी–3, 5 और 7 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'फोटोग्राफी' पर कार्यशाला संचालित की।

- श्री आयुष्मान मिश्रा, प्रतिष्ठित व्याख्याता ने रायबरेली के एडी–3, 4 और 5 सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'उद्योग अनुभव' पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सीपी–एफ एंड एलए ने डिजाइनर – सेमेस्टर 1 के एफपी से एडी के छात्रों के साथ पटना में अक्तूबर, 2015 के दौरान एक पारस्परिक संपर्क सत्र आयोजित किया।

- श्री पंकज कुमार, डेको ऐरो, चेन्नई, डिजाइनर और विजुअल मर्केंडाइजर ने पटना के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को मार्च, 2016 के दौरान उत्पाद और रेंज विकास पर व्याख्यान दिया।

- सुश्री देवलीना मजूमदार, महिला वस्त्र डिजाइनर, नोर वेस्ट इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (पर्ल ग्लोबल), गुड़गांव ने पटना के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को मार्च, 2016 के दौरान 'डिजाइन विकास में रूझानों और प्रक्रिया का महत्व' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- सुश्री रश्मि श्रीवास्तव, महिला वस्त्र डिजाइनर, न्यू टाइम्स लिमिटेड ने मार्च, 2016 के दौरान पटना के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों को 'डिजाइन विकास में रूझानों और प्रक्रिया का महत्व' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- मार्च, 2016 में पटना परिसर में स्पिक मैक–के कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की भरत नाट्यम नृत्यांगना सुश्री मालविका सुरुक्के ने छात्रों को प्रदर्शन कला, सौंदर्य–वर्णन और परिधान इतिहास पर जानकारी दी।

पहलकदम और समझौता ज्ञापन

- श्री विनायक यशराज, सहायक प्रोफेसर निफ्ट पटना लाभप्रद और पारस्परिक हित के सहयोगों के लिए पारस्परिक आधार पर शैक्षणिक आदान–प्रदान को आगे ले जाने के लिए यूनीवर्सिटी आफ नार्थेम्प्टन के लिए नोडल अधिकारी हैं

आरंभ की गई और पूर्ण की गई

पीएच.डी.

- डा. यतीन्द्र एल., एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू ने कर्नाटक फोल्क लोट विश्वविद्याय (कर्नाटक जनपद विश्वविद्यालय, हवेरी से वर्ष 2014 में पीएच?डी? आरंभ की

तथा उनका पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण हो चुका है।

- श्री रेशमी मुंशी, सहायक प्रोफेसर निफ्ट बैंगलूरू ने निफ्ट में वर्ष 2011 मे पीएच.डी. आरंभ की थी।
- श्री कॉस्तव सेन, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने पीएचडी आरंभ की है।
- श्री एन. हाओकिप, सहायक प्रोफेसर, शिलांग ने असम विश्वविद्यालय से विजुअल आर्ट्स के अंर्गत पीएच.डी आरंभ की है।
- श्री सुरेश कुमार डी., सहायक प्रोफेसर, चेन्नई ने सीएलआरआई, चेन्नई से पीएच.डी आरंभ की है।
- प्रो. लक्ष्मी रेड्डी, निफ्ट हैदराबाद ने हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय से पीएच.डी आरंभ की है।
- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, सह प्रोफेसर ने महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा से पीएच.डी आरंभ की है।
- श्री संजीव कुमार, सह प्रोफेसर ने मेवाड़ विश्वविद्यालय से पीएच.डी आरंभ की है।
- सुश्री प्रीता कुमार, सह प्रोफेसर ने एसएएआरसी विश्वविद्यालय, दिल्ली से पीएच.डी आरंभ की है।
- श्री शक्ति सागर काटरे, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने मेवाड़ विश्वविद्यालय से पीएच.डी आरंभ की है।

शिल्प क्लस्टर पहलकदम

- डा. एल. यतीन्द्र, सह प्रोफेसर एवं सुश्री शिप्रा रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, बैंगलूरू 31 अगस्त से 11 सितम्बर, 2015 के दौरान 37 छात्रों को चम्पारन लाख वेयर दिखाने के लिए चम्पारन के दौरे पर ले गए।
- श्री के.वी. मुरली, सह प्रोफेसर, श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, भोपाल 05.09.2015 – 12.09.2015 (1 सप्ताह) के दौरान 30 छात्रों को साथ लेकर मध्य प्रदेश के बेतुल में बेल मेटल डोक्रा और बांस शिल्प दिखाने गए।
- श्री हरीश राजीव, सहायक प्रोफेसर भुवनेश्वर एडी–5 सेमेस्टर के 26 छात्रों को साथ लेकर कांतिलोई, मालीशाही, कालाहांडी, बेलगुंटा में ब्रास, ब्रास और बेल मैटल तथा वुड कार्विंग क्लकस्टर दिखाने गए।
- श्री सतीश सुमन बेहेरा, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर अपने साथ एडी–5 सेमेस्टर को 26 छात्रों के लेकर उन्हें रघुराजपुर में पट्टचित्र शिल्प क्लस्टर के दौरे पर गए।
- एफ एंड एलए के सभी संकाय सदस्य 9–18 अक्तूबर, 2015 के दौरान (10 दिन) अपने साथ छात्रों को बैल मैटल, पेपर मैश और पेपर क्राफ्ट, केन और बांस क्लस्टर, जंगल ज्वैलरी, स्टोन कार्विंग दिखाने के लिए क्रमशः स्वामीमलई, पांडिचेरी, तिरुनेलवेली, तिरुचिरापल्ली और महाबलीपुरम लेकर गए।
- श्री अनुपम राणा और श्री अभिषेक शर्मा, सह प्रोफेसर तथा श्री रंजीत कुमार और श्री नीलेश कुमार सहायक प्रोफेसर, गांधीनगर अपने साथ एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों को काष्ठ खिलौने और कार्विंग, काष्ठ और क्ले, ताड़ के पत्तों की इंग्रेविंग और गोबर के खिलौने, तुमका, धोकरा, बांस, चर्म उद्योग दिखाने के लिए 22–31 अक्तूबर, 2015 के दौरान क्रमशः बनारस, कच्छ, रघुराजपुर, बस्तर, आदिलाबाद, नागपुर और उदयपुर ले गए।
- श्री अविनाश रायपल्ली, सहायक प्रोफेसर, हैदराबाद एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों के साथ 7–14 अक्तूबर, 2015 के दौरान तिरुपति में वुड कार्विंग और कलमकारी शिल्प देखने गए।
- सुश्री पी.एस. सृशा, सहायक प्रोफेसर, हैदराबाद एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों के साथ 8–14 अक्तूबर, 2015 के दौरान ब्रास मैटल और लैदर क्राफ्ट क्लस्टर का दौरा करने के लिए वारंगल गईं।
- श्री सौरभ कुमार, सह प्रोफेसर मुंबई एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों के साथ म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर – मिराज, बांस शिल्प – कुडाल, कॉपर वेयर क्लस्टर – पूणे, लाख की चूड़ियां – अचलापुर, पोट्री क्लस्टर – धारवी के दौरे पर गईं।
- श्री संजीव कुमार, सह प्रोफेसर तथा श्री शक्ति सागर काटरे, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों को अपने साथ छत्तीसगढ़ की डोकरा कास्टिंग लेकर गए।
- श्री के.के. बाबू और श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, रायबरेली एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों को लेकर 14–24 सितम्बर, 2015 तक बांदा, महोबा और चित्रकूट गए जहां उन्होंने क्रमशः शाज़र स्टोन, स्टोन क्राफ्ट और वुड लेकर क्लस्टर का दौरा किया (विशेष उल्लेख : इंडस्ट्रीज कमिशनरेट द्वारा आंशिक प्रायोजित भोजन और आवास)।
- एडी–6 सेमेस्टर, शिलांग के छात्रों ने बांसशिल्प प्रशिक्षण केन्द्र, गुवाहाटी, असम, रेशम हथकरघा दौरा सौलकुची, असम, नागालैंड बांस प्रशिक्षण केन्द्र, दीमापुर, नागालैंड का दौरा किया।

सीईपी तथा

अल्पकालिक कार्यक्रम

केन्द्रों पर सीई कार्यक्रमों की अवधि और नाम	समन्वयक का विवरण
कैलीग्राफी (7 दिन) गांधी नगर में	श्री अभिषेक शर्मा सह–प्राध्यापक
फोटोग्राफी (7 दिन) गांधी नगर में	श्री अभिषेक शर्मा सह–प्राध्यापक
दिल्ली में 1 वर्ष लक्जरी उत्पादक डिजाइन (एलपीडी)	श्री शक्ति सागर और श्री संजीव कुमार
गांधीनगर में बेसिक ज्वैलरी विनिर्माण (बीओजेएम) 6 सप्ताह	श्री अनुपम राणा
मुम्बई सेंटर में ''क्रिएटिव फैशन स्टाईल पाठ्यक्रम	श्री सौरभ कुमार

उद्योग के साथ संपर्क

दौरे और छात्र इंटर्नशिप

- एडी–4 सेमेस्टर, बैंगलूरू के छात्रों ने निम्नलिखित का दौरा किया –

- 4 अप्रैल, 2015 को जज प्रेस प्रिंटर (रचनात्मक और उत्पादन प्रतिभा, कला, डिजाइन, प्रिंट और सभी साथियों के साथ एक प्रतिभाशाली टीम) बैंगलूरू।

- 5 जनवरी, 2016 को खादी उत्पाद संबंधी क्रियाकलाप के लिए ''फैब इंडिया'' बैंगलूरू।

- 7 जनवरी, 2016 को खादी उत्पाद संबंधी क्रियाकलाप के लिए ''मदर अर्थ'' बैंगलूरू।

- एडी–5 सेमेस्टर, बैंगलूरू के छात्रों ने 1, 2, 22 और 28 सितम्बर, 2015 को शिल्प आधारित डिजाइन, परियोजना के लिए चन्नपटना क्लस्टर, कर्नाटक का दौरा किया।

- बैंगलूरू के एडी छात्रों ने ब्लो मोल्डिंग में विनिर्माण तकनीकों को सीखने के लिए 19 जनवरी, 2016 मैसर्स मंजुश्री एक्सट्रूशंस, बोमा सैंडरा इंडस्ट्रियल क्षेत्र, बैंगलूरू का दौरा किया।

- एफ एंड एलटी बेंगलुरु के 27 छात्रों के लिए निम्न कंपनियों में इंटर्नशिप की व्यवस्था की गई – साइज एंड एफआईटी, अरविंद इंटरनेट, टाटा एलेक्सी लिमिटेड, 10 आई कॉमर्स सर्विसेज़ प्रा.लि., डाकी बैंगलूरू, शमी टॉयज प्रा.लि., आर.सी. ज्वैलर्स (प्रा.) लि., नोएडा, अम्बेर ज्वेल्स एलएलपी, वीएफ बैंड्स, टाइटन क्वेटजाल, डिजाइंस इंडिया प्रा.लि., मदुरा फैशन एंड लाइफ स्टाइल, दि फुलर लाइफ कंटिन्युअस लर्निंग, फोले डिजाइंस, गॉड्स ओन इंटरटेनमेंट, बी.एन. प्लेटिनम, जीनेसिस लक्ज़री, दि कॉमन सेंस स्टूडियो, नोएडा आदि।

- भोपाल के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों ने 18.09.2015 को मानव संग्रहाय और इस्लाम नगर, भोपाल का उद्योग दौरा किया। श्री सुनील शुक्ला, फोटोग्राफी के अतिथि संकाय छात्रों के साथ गए।

- भुवनेवश्र के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने अन्वेषा शिल्प का दौरा किया। उनका इस शिल्प और इसके महत्व के बारे में निदेशक के साथ अभिमुखीकरण सत्र भी आयोजित किया गया। यह दौरा 10 अप्रैल, 2015 को आयोजित किया गया।

- भुवनेश्वर के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों ने 15 मई, 2015 को खादी बोर्ड का दौरा किया।

- भुवनेश्वर के एडी–3 सेमेस्र के छात्रों ने 18 अगस्त, 2015 को कीर्तिकल्प कला गैलरी का दौरा किया तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कलाकार श्री अदैता गड़नायक से भेंट की।

- भुवनेश्वर के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने फिस्टटच, कॉम, दिल्ली, जेवन, बैंगलूरू, कराबी डिजाइन स्टूडियो, दिल्ली, पोप्पाडम आर्ट, कॉम, दिल्ली, टाइटन, बैंगलूरू, भारत एंटर प्राइजेज़ नेट, दिल्ली, क्लोब डिजाइन स्टूडियो, दिल्ली, अर्नव ज्वैलरी, बैंगलूरू, ट्रांफॉर्म फर्नीचर, भुवनेश्वर, जरीन, दिल्ली, ओमनाथ, दिल्ली, सेज कंसेप्ट दिल्ली से इंटर्नशिप पूर्ण की।

- चेन्नई के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने निर्मित्सु, गोली सोडा, एफआरडीसी, सायी लैदर्स, स्वैच, डीसी ज्वैलर्स, बटलर लैदर्स, हितैषी, वाइल्डक्राफ्ट, देसी ड्रामा क्वीन, लैंड मार्क, देन स्टूडियो, एवीटी लैदर, पिंक एपल स्टूडियो, मलगा, पेपर कैट्स, बीनबी, पूमफुहार, आम्रपाली फ्लिंटोबॉक्स, मृणालिनी चन्द्रा, अर्चर, मायंत्रा, पलस्पलश, क्रीड गेम्स, वी. डिजाइन स्टूडियो, पोस्ट बॉक्स, जरीन, राबिया, वी एंड एम, ले वीज से इंटर्नशिप पूर्ण की।

- गांधीनगर के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने केएआरपी इम्पेक्स, सूरत, गुजरात, डेरेवाला ज्वैलरी, जयपुर, वैभव जेम्स (ग्लोबल), जयपुर, आम्रपाली एक्सपोर्ट्स जयपुर से 01.10.2005 तथा 17.03.2015 – 20.03.2015 के दौरान पल्लवी फोले, तनिश्क, आम्रपाली, मिष्टी, प्रायोरिटी ज्वैल्स, फरहा खान, ओरा, अज्वा, सत्यानी फाइन ज्वेल्स, फॉरएवर, बिर्दीचंद ज्वैलर्स, आरबीजैड आदि से इंटर्नशिप पूर्ण की।

- कांगड़ा के एडी–3 सेमेस्टर के छात्र हस्तशिल्प वस्तुओं की विनिर्माण प्रक्रिया का अनुभव प्राप्त करने के लिए पीएस हैंडीक्राफ्ट, होशियारपुर गए। उन्होंने काष्ठ और विभिन्न सामग्री की विनिर्माण प्रक्रिया का अनुभव लेने के लिए कॉटेज इंडस्ट्रीज, होशियारपुर का भी दौरा किया। उन्होंने शीशे के उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया का अनुभव लेने के लिए जे.के. ग्लास इंडस्ट्री, पठानकोट का भी दौरा किया।

- कांगड़ा के एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों ने औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने के लिए रानविक एक्सपोर्ट्स मानेसर का दौरा किया।

- कांगड़ा के एडी–6 सेमेस्टर के छात्र सुचिर लाइट्स, नोएडा गए। उन्होंने वाइल्डी टॉय इंडस्ट्री, नोएडा का भी दौरा किया।

- एडी–कोलकाता के छात्रों के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था तनिष्क, पी.सी. चन्द्रा, अंजलि ज्वैलर्स, हिताशी केके कॉनफेटी, बीसी सेन ज्वैलर्स, अरुण एक्सइंप, लिटिल अर्थ, विदमी, फॉयर, बांश्री, मदुरा फैशन और लाइफ स्टाइल में की गई।

- एडी–3 सेमेस्टर के छात्र ईशान जेम्स, ग्लास स्टूडियो गए।

- मुंबई के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों ने सैमसोनाइट, नासिक, नासिक इंजी. क्लस्ट, नासिक, आर्ट रबड़, नासिक, वीआईपी, नासिक फिनेक्स, नासिक, वेरोनिका, नासिक, सूला वाइस, नासिक का दौरा किया।

- मुंबई के एडी–5 सेमेस्टर के छात्रों ने ईशान जेम्स, मुंबई का दौरा किया।

- मुंबई के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने बिसलेरी, मुंबई, पाटले, खोलपोली बजाज ऑटो, टाटा मोटर्स, लूमैक्स इंडस्ट्रीज, पुणे, महिन्द्रा एंड महिंद्रा, पुणे का दौरा किया।

- नई दिल्ली के एडी–6 सेमेस्टर के छात्रों ने कशिश प्लास्टिक्स (गाजियाबाद), मेसोवेयर स्टेनलैस स्टील प्रोडक्ट्स विनिर्माण (मानेसर–हरियाणा), पर्ल पेट प्लास्टिक्स (बड्डी एचपी) से इंटर्नशिप संचालित की।

- पटना के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों ने बिहार ललित कला अकादमी में 55 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट मेकिंग कलाकारों के अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम में आयोजित की गई प्रदर्शनी का दौरा किया। यह दौरा छात्रों को सौंदर्यपरकता, कला, चित्रकला और संस्कृति की समझ प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के उच्च गुणवत्ता वाले आर्ट वर्क का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

- पटना के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों ने बिहार क्षेत्र की सौंदर्यपरकता, शिल्प और पोशाक/डिजाइन/संस्कृति/सामाजिक इतिहास की जानकारी प्राप्त करने के लिए 6 नवम्बर, 2015 को बिहार संग्रहालय, पटना का दौरा किया।

- पटना के एडी–3 सेमेस्टर के छात्रों ने 9 नवम्बर, 2015 को आईटीआई लोपाला, पटना (प्रदर्शन और मौके पर अनुभव हासिल करने के लिए यांत्रिक कार्यशाला) का दौरा किया।

- पटना के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों ने 17–20 मार्च, 2016 को अधिवेश भवन (पुरा सचिवालय) पटना में आयोजित बिहार : एक विरासत – कला और फिल्म महोत्सव का दौरा किया जिसका उद्देश्य शिल्प, फिल्म निर्माण और सृजनात्मक प्रक्रिया की समझ हासिल करना तथा श्री मनोज वाजपेयी, सुश्री शिल्पा शुक्ला, श्री शत्रुघन सिन्हा, श्री मनोज तिवारी, श्री केतन मेहता जैसे फिल्मी कलाकारों से बातचीत करना था। इसके अलावा, शिल्प और हस्तशिल्प के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं द्वारा व्याख्यान प्रदर्शन का अनुभव भी प्राप्त करना था।

- रायबरेली के एडी–5 और 7 सेमेस्टर के छात्रों ने 15–18 अक्टूबर, 2015 के दौरान नोएडा में भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेला (आईएचजीएफ) का दौरा किया।

- रायबरेली के एडी–4 सेमेस्टर के छात्रों ने जगदंबा ग्लास वर्क्स फिरोजबाद तथा स्टोन मैन क्राफ्ट, आगरा का दौरा किया। यह दौरा तकनीकी अध्ययन और साधारण डिजाइन परियोजना संबंधी पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए आयोजित किया गया था।

- रायबरेली के छात्रों ने इन कंपनियों से इंटर्नशिप संचालित की : सार्थक साहिल डिजाइन कंपनी, डीजाइन, नई दिल्ली, एस्थीट होम डिजाइन स्टूडियो, बैंगलूरू, डिजाइन कंपनी, मुरादाबाद, एसएनबी एंटरप्राइजेज प्रा. लि., दिल्ली स्टूडियो ब्लॉक आउटहाउस, नई दिल्ली, स्टोरी ड्रेसिंग, नोएडा, क्रंची फैशन प्रा.लि., नोएडा, आम्रपाली डिजाइन स्टूडियो, जयपुर, कीप काल्म देसी, दिल्ली, मार्क इम्प्लेक्स।

- शिलांग के छात्रों ने इन कंपनियों से इंटर्नशिप पूर्ण की : इंडिया सर्कस, मुंबई, श्विमानी एक्सपोर्ट्स प्रा.लि., कोलकाता, ग्रेस क्राफ्ट प्रा.लि., कोलकाता, एवी थॉमस, लैदर एंड एप्लाइड प्रोडक्ट्स प्रा.लि., चेन्नई, ईशान जेम्स मुंबई, जैकार एंड कंपनी प्रा.लि., गुड़गांव, नीडा ओवरसीज़ इंपोर्ट एक्सपोर्ट, मुराबादा, इंडिया पीसीजे ज्वैलर लि., नई दिल्ली, दि येलो डोर इंटरप्राइजेज़ प्रा.लि., गुड़गांव, पल्लवी एंड फोले ज्वैल्स, बेंगलूर, असम सरकार, विपणन निगम लिमिटेड, गुवाहाटी।

स्नातक परियोजना प्रदर्शनी

- एफ एंड एलए बैंगलूरू के 7 छात्रों ने सेंट जॉन्स आडिटोरियम, बैंगलूरू में 5 जून, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे श्री भारत लाल मीणा, आईएएस, प्रधान सचिव, उच्चतर शिक्षा, कर्नाटक सरकार।

- एफ एंड एलए भोपाल के 20 छात्रों ने जेहान नुमा प्लेस, 157, श्यामला हिल्स, भोपाल में 5 जून, 2015 को अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। इस समारोह के मुख्य

अतिथि थे, श्री समीर कुमार विश्वास, आईएएस (डीसी हस्तशिल्प, भारत सरकार) और श्री आर.के. श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (एनसीडीपीडी)।

- एफ एंड एलए गांधीनगर के 30 छात्रों ने 29 मई, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे – श्री अरिदंम दास, निदेशक निफ्ट गांधीनगर।

- एफ एंड एलए हैदराबाद के 27 छात्रों ने 22 मई, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे – श्री के. श्री हरि, माननीय उप मुख्यमंत्री, तेलंगाना राज्य।

- एफ एंड एलए कांगड़ा के 17 छात्रों ने 22 मई, 2015 को टांडा मेडिकल कॉलेज, कांगड़ा में अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि थे – एसपी, कांगड़ा।

- एफ एंड एलए नई दिल्ली के 31 छात्रों ने निफ्ट नई दिल्ली कैंपस में 28–29 मई, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

- एफ एंड एलए रायबरेली के 27 छात्रों ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 31 मई, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे – श्री मुकुल सिंह, आईएएस तथा श्री अनूप सिंह राणा : प्रमुख (आर एंड डी), डीजल इंडिया।

- एफ एंड एलए शिलांग के 15 छात्रों ने शिलांग क्लब में 25 मई, 2015 को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि सुश्री एम अम्पारीन लिंगदोह, माननीय शहरी मामले मंत्री, मेघालय सरकार थीं।

स्नातक आयोजन

दीक्षांत समारोह

- एफ एंड एलए, बेंगलूरु के 27 छात्रों को सेंट जॉन ऑडिटोरियम में 5 जून, 2015 को प्रो. ए.एच. राजाराब, माननीय कुलपति, तुमकुर विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एफ एंड एलए, भोपाल के 20 छात्रों को जेहान नूमा प्लेस, 157, श्यामला हिल्स, भोपाल में 5 जून, 2015 को श्री समीर कुमार विश्वास, आईएएस (डीसी हस्तशिल्प, भारत सरकार) तथा श्री आर.के. श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (एनसीडीपीडी) द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एफ एंड एलए, गांधीनगर के 30 छात्रों को निफ्ट, गांधीनगर में 04 जून, 2015 को श्री अरिंदम चौधरी, निदेशक निफ्ट द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एफ एंड एलए, हैदराबाद के 27 छात्रों को निफ्ट हैदराबाद में 26 मई, 2016 को मुख्य अतिथि श्री बी.वी. आर. मोहन रेड्डी, संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष, मैसर्स साइएंट लि., अध्यक्ष, नैसोकॉम, अध्यक्ष– बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी हैदराबाद द्वारा द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एफएंड एल कांगड़ा के 17 छात्रों को टांडा मेडिकल कॉलेज, कांगड़ा में एसपी कांगड़ा द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- निफ्ट नई दिल्ली के 31 छात्रों को भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में 3 जून, 2015 को श्री संतोष गंगवार, माननीय वस्त्र मंत्री द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एफ एंड एलए रायबरेली के 27 छात्रों को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 28 मई, 2015 को प्रो. (डा.) एस. बी. निमसे, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, डा. के.एस. प्रताप कुमार, आईजी, आसूचना तथा डा. आनंद मोहन, आईएएस द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

- एल एंड एफए शिलांग के 15 छात्रों को निफ्ट शिलांग में 26 मई, 2015 को मुख्य अतिथि श्री (डा.) मुकुल शर्मा, माननीय मुख्यमंत्री मेघालय द्वारा स्नातक प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

फैशन संप्रेषण

फैशन संप्रेषण फैशन और जीवनशैली उद्योग में खुलने वाले नवीनतम और सर्वाधिक रोमांचकारी क्षेत्रों में से एक है। भारतीय रिटेल परिदृश्य में शामिल हाने वाले अनेकानेक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों, कंपनियों और डिजानियरों के साथ ही, उन सभी के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वे अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान बनाएं और अपनी मौजूदगी को अधिकाधिक दर्ज करें। ऐसा केवल ऐसे फैशन संचार वृत्तिकों द्वारा ही संभव हो सकता है जो उत्पाद के क्षेत्र से परे जाते हुए डिजाइन कार्यनीति का विस्तार करने में उत्कृभटता हासिल करें ताकि संप्रेषण डिजाइन के सभी पहलुओं का उसमें शामिल कर लिया जाए। इसमें अनेक क्षेत्र शामिल हैं जैसे दृश्य मर्केन्डाइजिंग, स्टाइलिंग, ग्राफिक डिजाइन, डिस्प्ले और प्रदर्शन डिजाइन, विज्ञापन और जन संबंध तथा सृजनात्मक लेखन जो फैशन और जीवनशैली उद्योग से विशिष्ट संबंध रखते हैं। अतः कार्यक्रम की समाप्ति स्तर पर, गहन कौशलों, ज्ञान और सुदृढ़ अवधारणा आधार से लैस फैशन संप्रेषण के छात्र फैशन और जीवनशैली उद्योग के लिए सर्वाधिक प्रभावी और वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम समाधान प्रदान करने के लिए अर्हक गतिशील वृत्तिकों के रूप में उभरकर सामने आते हैं।

एफसी विभाग के कैंपसवार संकाय–सदस्यों और छात्रों का विवरण इस प्रकार है –

क्र.सं.	कैंपस	कुल विद्यार्थी	घर संकाय की संख्या	एफसी विभाग की स्थापना के वर्ष
1	बैंगलूरू	98	07	जुलाई 2007
2	चैन्नई	55	03	जुलाई 2013
3	गांधीनगर	68	02	जुलाई 2013
4	हैदराबाद	96	06	जुलाई 2008
5	कांगड़ा	92	04	जुलाई 2009
6	कंनूर	64	01	जुलाई 2013
7	कोलकाता	59	01	श्रनसल 2013
8	मुम्बई	106	06	जुलाई 2004
9	दिल्ली	104	07	जुलाई 1997
10	भुवनेश्वर	32	01	जुलाई 2014
11	पटना	32	02	जुलाई 2014
12	रायबरेली	एफपी में छात्र	01	जुलाई 2015

पत्र और लेख

राष्ट्रीय फोरम

- श्री एन. वेन्निमलई, सहायक प्रोफेसर निफ्ट चेन्नई ने 18 जून, 2015 को 'एपल उत्पादों का प्रयोग करते हुए अभिनव विचारों को लागू करना' विषय पर 'एपल लीडरशिप टूर' में भाग लिया।

- श्री देवेनदास, सहायक प्रोफेसर निफ्ट चेन्नई ने ब्रिटिश काउंसिल द्वारा 19 दिसम्बर, 2015 को जेम्सबांड के चरित्र के विकास पर आयोजित ग्राफिक इलेस्ट्रेशन प्रतियोगिता 'बांड इज़ ग्रेट' में भाग लिया।

- सुश्री दिव्या एन., सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने सितम्बर, 2015 में निफ्ट भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी में प्रस्तुतीकरण के लिए एक पूर्ण मामला–अध्ययन प्रस्तुत किया तथा उनका पत्र 9 अक्टूबर, 2015 को निफ्ट भुवनेश्वर में प्रस्तुतीकरण के लिए चुना गया। उन्होंने बीडिंग डेली ज्वैलरी के विशेष अंक में डिजाइन प्रकाशन के लिए प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया। उनका प्रस्ताव स्ट्रिंगिंग ज्वैलरी (ग्रीष्म) पत्रिका में प्रकाशन के लिए स्वीकृत हुआ।

- श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर, सीसीएफसी निफ्ट गांधीनगर ने वाइबरेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो : शिक्षा और ज्ञान पेवेलियन में स्थानीय फैशन स्टाइलिंग पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। उनके प्रस्तुतीकरण का विषय था 'वेर्ना कुंलर क्लोडिंग एंड फैशन' जो नेशनल फोरम में गांधीनगर, गुजरात में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने श्रीनगर एचईपीसी/निफ्ट–श्रीनगर में हथकरघा वस्त्र के लिए प्रासंगिक भावी वस्त्र रूझानों पर भी एक प्रस्तुतीकरण दिया तथा एएमए–अहमदाबाद में ओपन हाउस सत्र में निफ्ट प्रस्तुतीकरण दिया।

- सुश्री श्रीनंदा पालित, एसोसिएट प्रोफेसर, सीसीएफसी, निफ्ट कोलकाता द्वारा 'वस्त्रों में दुर्गंधहीन अभिनवताएं – जिम वीयर और अंडर गार्मेंट्स' विषय पर लिखा गया उद्धरण 20 फरवरी, 2016 को टीएआई वार्षिक सम्मेलन की पत्र–पुस्तिका में प्रकाशित हुआ।

पत्र और लेख

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

- श्री बी. राजा, सहायक प्रोफेसर, सीसी–एफसी, निफ्ट बेंगलूरू ने एसआरएम यूनीवर्सिटी, चेन्नई में एसआरएम यूनीवर्सिटी द्वारा 1 अप्रैल, 2016 को मीडिया और विजुअल सारक्षरता पर आयोजित किए गए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अदूर गोपालाकृष्णन : स्वयंवरम और सामान्य सिद्धांत' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- श्री प्रशांत के.सी., सह प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू ने 26 दिसम्बर, 2015 को कोटलेर, श्रीनिवासन सेंटर फॉर रिसर्च इन मार्केटिंग, महाबलीपुरम् में आयोजित 9वें एनएएसएमईआई अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन 2015 में 'शहर के युवाओं में फैशन उत्पाद क्रम व्यवहार पर महानगरीयता का प्रभाव' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- डा. एन.जे. राजाराम, निदेशक निफ्ट हैदराबाद तथा श्री अभिनव गर्ग, सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी निफ्ट हैदराबाद ने 30 सितम्बर, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरी जर्नल (आईजेसीएसई ऑनलाइन) में 'घरेलू फैशन विपणन सम्मिश्रित प्रोद्योगिकी' पर एक पत्र ऑनलाइन प्रकाशित किया।

- श्री अविनाश रायपल्ली, सहायक प्रोफेसर तथा सुश्री अग्रिमा अग्रवाल, निफ्ट हैदराबाद ने 4 दिसम्बर, 2015 को आईआईटी मुंबई में क्यूमुलस मुंबई आईडीसी में 'भारतीय संदर्भ में जल संधारणीयता/भण्डारण में मिट्टी के बर्तन कितने सफल हैं' विषय पर एक सम्मेलन पत्र प्रकाशित किया।

- सुश्री श्रीनंदा पाटिल, सह प्रोफेसर सीसीएफसी, निफ्ट कोलकाता ने 2 फरवरी, 2016 को एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी स्टडीज में "निष्पादकारी कला से प्रदर्शनकारी कला में रूपांतरण : पट्टचित्र की उत्तरजीविता की कार्यनीति' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया (आईएसएसएन : 2321 – 8819, 2348–7186, प्रभावकारक : 0.92, खंड 4, अंक)

आरंभ की गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

- श्री के.सी. प्रशांत, सह प्रोफेसर, एफसी निफ्ट बैंगलूरू 3 वर्ष की अवधि के लिए (2015–18) कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के लिए "एकीकृत उत्पाद मैपिंग, डिजाइन हस्तक्षेप, उत्पाद वैविध्यीकरण और विकास, प्रशिक्षण और विपणन क्रियाकलापों के माध्यम से के.एस.के. और वीआईबी. को सुदृढ़ करना" परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

- श्री के.सी. प्रशांत, सह प्रोफेसर, एफसी निफ्ट बैंगलूरू ने 12 जनवरी, 2015 से 30 मार्च, 2016 की अवधि के दौरान मायंत्रा फैंशन प्रा.लि. के लिए "वैश्विक फैशन बिजनेस पर मायंत्रा फैशन इंक्युबेटर (एमएफआई) डिजाइनर्स के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम : विपणन, वित्त, वाणिज्य और संचार डिजाइन का पूर्वावलोकन' विषय पर एक परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की है।

- डा. विभावरी कुमार, सह प्रोफेसर, एफसी निफ्ट, बैंगलूरू ने फरवरी–मार्च, 2016 को फ्लिपकार्ट के लिए 'पूर्वानुमान' पर एक परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की है।

- श्री लोर्सन शिवकुमार, सह प्रोफेसर, एफसी निफ्ट बैंगलूरू ने फरवरी–मार्च, 2016 में फ्लिपकार्ट के लिए 'ट्रेंड्स टेक' पर एक परियोजना पूर्ण की है।

- श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर, सीसी–एफसी तथा सुश्री जल्पा वाणीकर, सहायक प्रोफेसर निफ्ट गांधीनगर ने शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार से "वाइबरेंट गुजरात

शिक्षा एक्सपो 2015 में निफ्ट संवर्धन, पेवेलियन, डिजाइन, प्रोडक्शन, स्थापना और आगंतुकों को परामर्श' पर एक परियोजना संचालित की। यह परियोजना जनवरी, 2016 में सफलतापूर्वक समाप्त हुई।

- सुश्री श्रीनंदा पालित, सह प्रोफेसर सीसी–एफसी, एफसी–निफ्ट कोलकाता ने उत्तर–पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार से ''डीपीएफजे – फैशन पत्रकारिता में एकवर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम'' परियोजना का संचालन किया। यह परियोजना 16 मार्च से 08 अप्रैल, 2015 की अवधि के लिए थी।

- श्री अभिनाष बालन पी, सहायक प्रोफेसर सीसी–एफसी, निफ्ट एफसी, कन्नूर ने पीआईटी की जेएसएस परियोजना पर कार्य किया। उन्होंने परियोजना दल के अन्य सदस्यों के साथ कुदुम्बश्री परियोजना पर भी कार्य किया। श्री अभिलाष निफ्ट कन्नूर से केवीआईसी एसएफयूआरटीआई परियोजना के समन्वयक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

- सुश्री सुषमा सैतवाल, सह प्रोफेसर, सीपी–एफसी तथा श्री विनेश तापरे, सह प्रोफेसर, एफसी निफ्ट मुंबई ने एमएसएसआईडीसी के लिए आईआईटीएफ–2015 के दौरान महाराष्ट्र राज्य थीम पेवेलियन डिजाइन परियोजना पर कार्य किया।

- श्री विनेश तापरे, सह प्रोफेसर, सीआईसी ने एमएसएसआईडीसी के लिए उत्पाद विकास और शिल्प जागरूकता की नई शिल्प परियोजनाओं पर कार्य किया।

- सुश्री सुषमा सैतवाल, सह प्रोफेसर ने 9–15 मई, 2015 तक कोल्हापुर, एम.एस. में 'चर्म शिल्प के लिए उत्पाद विकास' पर एक कार्यशाला संचालित की।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतिस्पर्धा और पुरस्कार

- श्री अभिषेक लाल, निफ्ट एफसी दिल्ली ने सितम्बर, 2015 में सीयू–फेस्ट (फैशन–फिईस्टा) में भाग लिया।

- श्री अभिषेक लाल, निफ्ट एफसी दिल्ली ने अक्तूबर, 2015 में 'व्हाट्स यूअर स्किल' प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री अभिषेक लाल, श्री निशांत त्रिपाठी और श्री राहुल कुमार साहू निफ्ट एफसी, दिल्ली ने फरवरी, 2016 में डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री निशांत त्रिपाठी, निफ्ट एफसी दिल्ली ने दिसम्बर, 2015 में कन्वर्ज में भाग लिया।

- श्री निशांत त्रिपाठी, निफ्ट एफसी दिल्ली ने मार्च, 2016 में राष्ट्रीय पोस्टर डिजाइन में भाग लिया।

- श्री निशांत त्रिपाठी, निफ्ट एफसी दिल्ली ने फरवरी, 2016 में टेलेंजे नेफ्रोनल में भाग लिया।

- श्री क्षितिज कुमार, निफ्ट एफसी दिल्ली ने मार्च, 2016 में डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री देवाशीष कुमार और सुश्री पात्रा शालविका, निफ्ट एफसी दिल्ली ने सितम्बर, 2015 में सीयू–फेस्ट (फैशन–फिईस्टा) में भाग लिया।

- सुश्री वास्वी मुखर्जी और सुश्री पूनम कुमारी, सेमेस्टर V छात्र निफ्ट एफसी चेन्नई ने एलेन सोली, एरो, ब्लैक बेरी, टॉमी हिल्फिगर, वैन ह्यूसेन, लेविस, इंडियन टेरीन, डीजल, कलर प्लस, ब्रूक्स ब्रदर्श, जारा के साथ 'वन स्टेप ऑफ विजुअल मर्केन्डाइजिंग' में भाग लिया।

- निफ्ट एफसी चेन्नई के 5 सेमेस्टर के छह छात्रों ने 7 अक्तूबर, 2015 को निफ्ट चेन्नई, एबिलिटी फाउंडेशन चेन्नई के माध्मय से भिन्न रूप से समर्थ लोगों के लिए वस्त्र डिजाइन करने के लिए प्रलेखीकरण, प्रस्तुतीकरण और एर्गानॉमिक डिजाइन हस्तक्षेपों की प्रथम अवस्था के लिए विचारों के विकास पर कार्य किया।

- सुश्री लक्षणा सेमेस्टर IV, एफसी निफ्ट चेन्नई ने दैनिक समाचार पत्र 'दि हिंदू' के लिए 'बोरोइंग फ्रॉम बोरो' लेख लिखा जो 1 जनवरी, 2016 को प्रकाशित हुआ।

- श्री शक्ति कुमारन, सेमेस्टर IV, एफसी निफ्ट चेन्नई ने 'अग्नि' ब्रांड के लिए टी–शर्ट डिजाइन हेतु इलेस्ट्रेशंस तैयार की।

- श्री कुमार शाश्वत, एफसी सेमेस्टर III, निफ्ट हैदराबाद ने 5–6 फरवरी, 2016 को बीआईटीएस हैदराबाद में, 9–10 मार्च, 2016 को गाचीबावली (एनबीए–डी–लीग) हैदराबाद में 16 मार्च, 2016 को एमजीआईटी हैदराबाद में तथा 8–9 अप्रैल, 2016 को लोयोला कॉलेज (एनबीए जेएम) हैदराबाद में बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया।

- सुश्री पूर्वी खरे और सुश्री काव्यजा डी हम्बरडिकर, निफ्ट एफसी हैदराबाद ने 7 फरवरी, 2016 बीआईटीएस हैदराबाद में श्रेष्ठ डिजाइन के लिए फैशन शो में भाग लिया।

- सुश्री अंतरीना बराऊ, सेमेस्टर V, निफ्ट एफसी हैदराबाद ने बीआईटीएस हैदराबाद में 5–6 फरवरी, 2016 को खेल प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

- सुश्री देविका सुशील कपाडिया, सेमेस्टर VI तथा सुश्री श्रीनिधि अय्यर, सेमेस्टर IV, निफ्ट एफसी हैदराबाद ने बीआईटीएस हैदराबाद में 5–6 फरवरी, 2016 को आयोजित खेल प्रतिस्पर्धा में थ्रो बॉल में भाग लिया।

- श्री देवेश नयाल, सेमेस्टर VI, निफ्ट एफसी कांगड़ा ने बॉलीवाल प्रतियोगिता में भाग लिया।

- सुश्री दिव्या कौशल और सुश्री रूपाली, निफ्ट कांगड़ा ने स्पेक्ट्रम मे ंखो–खो में भाग लिया।

- श्री बैभव परीदा, सुश्री अंतरलीना मैती; एफसी निफ्ट कोलकाता ने सुश्री श्रीनंदा पालित, एसोसिएट प्रोफेसर सीसी–एफसी निफ्ट कोलकाता के साथ 29 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2015 तक स्वभूमि कोलकाता में भारतीय गाथा के लिए ऑनलाइन प्रमोशनल ग्राफिक्स में भाग लिया।

- श्री अनिमेष सिंह, एफसी निफ्ट कोलकाता ने दिसम्बर, 2015 में दक्षिण एशियाई खेलों के लिए लोगो निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया।

- सुश्री मेहक मल्होत्रा, सेमेस्टर III, निफ्ट एफसी मुंबई कपिक.कॉम पर शीर्ष 50 टाइपोग्राफर्स में शामिल हुईं।

- निफ्ट एफसी कोलकाता की छात्रा सुश्री पिंकी भगत, सुश्री श्वेता, सुश्री संचिता सरकार, सुश्री दीपाली जायसवाल, सुश्री शरोबोना पॉल ने सेवियर मेले–ताज बंगाल असिस्टिंग डिजाइनर्स में भाग लिया। सुश्री मृदुस्मिता बोस, सुश्री पिंकी भगत, सुश्री श्वेता, सुश्री बैसाखी प्रधान, श्री एलेक्स एक्का, सुश्री गीतिका भंडारी ने जकूपी फैशन ब्लॉगिंग, लुक बुक से इंटर्नशिप पूर्ण की।

- निफ्ट कन्नूर के एफसी छात्रों ने एनआईटी कालीकट में रागम 2015 में भाग लिया। छात्रों ने आईआईएम फेस्ट, स्पेक्ट्रम, कन्वर्ज और डिजाइन सूत्रा में भी भाग लिया।

- एफसी सेमेस्टर III, निफ्ट मुंबई के छात्रों ने आईआईटी मुंबई की कोलंबस प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री सैयम मारवाह, एफसी III निफ्ट मुंबई उन 22 प्रतिभागियों में से थे, जिन्हें आईआईटी बंबई ने क्युमुलस कॉमिक निर्माण प्रतियोगिता 2015 के विश्व व्यापी विजेताओं में चुना गया था।

- सुरी शाची शाह, एफसी सेमेस्टर VI निफ्ट मुंबई ने पत्रकारिता के लिए आईआईटी के फेस्ट 'मूड इंडिगो' में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री मेहक मल्होत्रा, सेमेस्टर III निफ्ट एफसी मुंबई द्वारा क्लिक किए गए भारत के 14 श्रेष्ठ फोटोग्राफों को विश्व संगठन संग्रह अभियान में स्थान दिया गया।

- सुश्री सौम्या शुक्ला, एफसी III निफ्ट मुंबई ने श्री गुलजार के साथ एनजीओ संगठन के लिए कैलेंडर डिजाइन किया।

- सुश्री मेहक एफसी IV निफ्ट मुंबई टाटा नैनो कैंपस डायरीज़ में भारत में 25 वर्ष से कम की शीर्ष 25 आर्टिस्टों में चुनी गईं।

- सुश्री अनुजा शिरिंगी और सुश्री अनुप्रिया, सेमेस्टर VI सुश्री भावना सावंत, सुश्री जूही अग्रवाल, सुश्री कीर्ति अग्रवाल और सुश्री तनुष्का कराड, सेमेस्टर IV निफ्ट एफसी मुंबई ने डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वे फाइनल जूरी के लिए चुनी गईं।

- सुश्री मेहक, सुश्री प्रज्ञा, सुश्री सौम्या, सुश्री शेजिन, श्री सैयम, सेमेस्टर IV निफ्ट एफसी मुंबई ने डिजाइन सूत्रा की पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया।

- श्री पीयूषपुंज, निफ्ट एफसी पटना ने डिजाइन सूत्रा 2016 में भाग लिया। उन्होंने अमरावती लोगो प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

- **12वें दक्षिण एशियाई खेल 2016** : दक्षिण एशियाएई खेल 2016 के श्री अभिजीत कृष्ण, एफसी निफ्ट पटना द्वारा डिजाइन किए गए लोगो का विमोचन माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सर्वदानंद सोनोवाल तथा असम के मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

- अंतर्राष्ट्रीय छात्रा सुश्री यारा बूने, सैक्सियन यूनीवर्सिटी, न्यूजीलैंड से बैंगलूरू कैंपस में विनिमय कार्यक्रम के लिए आईं।

- निफ्ट एफसी हैदराबाद के छात्र श्री ब्रह्ममणि नागसाई जुलाई–दिसम्बर, 2015 सत्र के लिए विनिमय

कार्यक्रम पर क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी ब्रिसबेन आस्ट्रेलिया गए।

- निफ्ट एफसी दिल्ली की छात्रा सुश्री ए.एस. अखिला जुलाई, 2015 – जून, 2016 सत्र के लिए विनिमय कार्यक्रम पर एफआईटी न्यूयार्क गईं।

- निफ्ट एफसी मुंबई की छात्रा सुश्री पारूल खंडेलवाल जनवरी – जून, 2015 सत्र के लिए विनिमय कार्यक्रम पर एफआईटी न्यूयार्क गईं।

- निफ्ट एफसी मुंबई की छात्रा सुश्री याशिमा यादव जनवरी–जुलाई 2015 सत्र के लिए विनिमय कार्यक्रम पर यूनीवर्सिटी ऑफ वोल्वर हैम्पटन स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन गईं।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

दौरे और पारस्परिक संपर्क

- डा. विभावरी कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू, श्री विजया दुआ, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रमुख सीसीसी निफ्ट दिल्ली, सुश्री पिका गुप्ता, सीसीएफसी निफ्ट दिल्ली, सुश्री श्रीनंदा पालित, सीसीएफसी निफ्ट कोलकाता, सुश्री सुस्मिता दास, सहायक प्रोफेसर, सीसीएफसी निफ्ट मंबई तथा श्री विनेश ताप्रे, एसोसिएट प्रोफेसर सीआईसी निफ्ट मुंबई ने विस्कॉम व्यापार मेला 2015 का दौरा किया जो संचार डिजाइन में एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो है, जिसका आयोजन पेरिस, फ्रांस में 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2015 तक किया गया था।

- श्री संजीव सी.एम. सहायक प्रोफेसर, डा. विभावरी कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सुश्री दिलनाज बानू सहायक प्रोफेसर, एफसी निफ्ट बैंगलूरू ने आईडीसी, आईआईटी मुंबई के सहयोग से 25–27 फरवरी, 2016 तक सृष्टि कला, डिजाइन और प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलूरू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- श्री बी. राजा सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी, सुरी प्रियंका एस.वी. सहायक प्रोफेसर और श्री लॉर्डसन शिवकुमार सहायक प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू ने 12–18 जनवरी, 2016 को खादी उत्सव 2016 में भाग लिया जो खादी और ग्रामोद्योग की राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी थी।

- श्री लार्डसन शिवकुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट एफसी बैंगलूरू ने 5 मार्च, 2016 को केटीपीओ बैंगलूरू में आयोजित फैशन एंड एक्सेसरीज़ शो 2016 में भाग लिया; उन्होंने 5 फरवरी, 2016 को शेरेटन बैंगलूरू में आयोजित बैंगलूरू फैशन वीक में भी भाग लिया।

- सुरी अनुप्रीत बी दुगल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट एफसी दिल्ली ने 20–21 अप्रैल, 2016 को यूनीवर्सिडाड डी नवारा स्पेन में आयोजित फैशन सम्मेलन में भाग लिया।

- श्री एन. वेन्निमलई सहायक प्रोफेसर, सीसी–एफसी, निफ्ट चेन्नई ने तमिलनाडु पारंपरिक उद्योग एक्सपो 2015 के लिए विवरणिका को डिजाइन दिया जिसका आयोजन एफआईसीसीआई द्वारा किया गया था। श्री देवेन दास, सहायक प्रोफेसर, प्रो. एम.एस. दिव्या एन., सहायक प्रोफेसर, निफ्ट एफसी चेन्नई ने तमिलनाडु पारंपरिक उद्योग एक्सपो 2015 के लिए एक समारोह की संकल्पना तैयार की तथा बैनर, बंटिग्स, नेमप्लेट्स, फिन्स आदि डिजाइन किए।

- श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर, सीसी–एफसी, निफ्ट गांधीनगर ने निफ्ट गांधीनगर में ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया से आए छात्रों के लिए गुंजरात की प्रादेशिक वेशभूषा और शिल्प के विषय में एक प्रस्तुतीकरण दिया।

- सुरी जल्पा वाणीकर, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी गांधीनगर ने 1 अक्तूबर, 2015 को कार्प सूरत का दौरा किया। उन्होंने 17–20 मार्च, 2016 तक जयपुर में डेरेवाला जेम्स, आम्रपाली, वैभव जेम्स आदि अनेक उद्योगों का भी दौरा किया।

- श्री एम.सी. मोहन, सह प्रोफेसर और श्री सुदीप घोष, सहायक प्रोफेसर ने 5 फरवरी, 2016 को पोलो रेसिंग क्लब, हैदराबाद में आयोजित फोटोग्राफी प्रदर्शनी का दौरा किया।

- श्री एम.सी. मोहन, सह प्रोफेसर, श्री सुदीप घोष, सहायक प्रोफेसर और श्री अविनाश रायपल्ली, सहायक प्रोफेसर ने 1 फरवरी, 2016 को एबीआईडीएस, हैदरबाद में आयोजित नुमाइश प्रदर्शनी का तथा 2 मार्च, 2016 को कोंडापुर पुरातत्व संग्रहालय का दौरा किया।

- श्री विनेश तापरे, सह प्रोफेसर सीआईसी तथा सुश्री सुषमा सतीवाल, सह प्रोफेसर सीपीएफसी ने 18 फरवरी, 2016 को मुंबई में गोरेगांव में आयोजित मेक इन इंडिया कांफ्रेस का दौरा किया।

- श्री विनेश तापरे, सह प्रोफेसर सीआईसी ने 2 फरवरी, 2016 को डी.वाई पाटिल संस्थान, मुंबई में आईएमईआर पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

- सुश्री दिलनाज बानू, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी बैंगलूरू ने दिसम्बर, 2015 में दिल्ली में आयोजित वीडियो कांफ्रेस प्रशिक्षण में भाग लिया।

- डा. विभावरी कुमार सह प्रोफेसर निफ्ट एफसी बैंगलूरू ने 6–10 जुलाई, 2015 तक डिजाइन अनुसंधान

कार्यशाला में 6 फरवरी, 2016 को एसपीएसएस प्रशिक्षण में तथा जनवरी, 2016 के सप्ताहांत में सांख्यिकीय मॉडलिंग कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री लार्डसन, शिवकुमार, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी बैंगलूरू तथा सुश्री श्रीनंदा पालित, एसोसिएट प्रोफेसर और सीसी–एफसी, निफ्ट कोलकाता ने 15–19 जून, 2015 तक निफ्ट मुंबई में आयोजित एडोब इलस्ट्रेशन टीओटी में भाग लिया।

- श्री बी. राजा, सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी, निफ्ट एफसी बैंगलूरू तथा सुश्री लवीना बी. सहायक प्रोफेसर एफसी दिल्ली ने निफ्ट बैंगलूरू में 6–10 जुलाई, 2016 तक आयोजित डिजाइन अनुसंधान पर टीओटी में भाग लिया।

- श्री बी. राजा सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी, निफ्ट एफसी, बैंगलूरू ने निकोन द्वारा 23 अक्तूबर, 2015 तक आईटीसी गार्डेनिया बैंगलूरू में आयोजित विश्व विख्यात फोटोग्राफर श्री सेफी बेगरसन की एडवांस्ड फोटोग्राफी कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री संजीव सी.एम. प्रोफेसर निफ्ट एफसी बैंगलूरू, सुश्री लवीना बी. सहायक प्रोफेसर और श्री विशेष आजाद, सहायक प्रोफेसर एफसी निफ्ट दिल्ली ने निफ्ट बैंगलूरू में 6–10 जुलाई, 2015 तक 'भारतीय शिल्प के संदर्भ में अनुसंधान क्रियाविधि–2015' पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

- श्री प्रशांत केसी सह प्रोफेसर, निफ्ट एफसी बैंगलूरू ने 11 दिसम्बर 2015 को बेहतर उपभोक्ता अनुभव की डिजाइन थिंकिंग पर आयोजित सत्र में भाग लिया।

- श्री विशेष आजाद, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी दिल्ली ने दिल्ली में जुलाई, 2015 में एक्सेल पर आयोजित टीओटी में तथा शिलांग में जून, 2015 में आयोजित एडवांस टीओटी में भाग लिया।

- श्री एन. वेन्निमलई सहायक प्रोफेसर सीसी एफसी, श्री देवेन दास सहायक प्रोफेसर, सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने निफ्ट चेन्नई द्वारा 13–17 जुलाई, 2015 तक 'रिसर्च पेपर लेखन और प्रकाशन' विषय पर आयोजित टीओटी में भाग लिया।

- श्री एन. वेन्निमलई सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी, श्री देवेन दास, सहायक प्रोफेसर तथा सुश्री दिव्या एन., सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी चेन्नई ने एनएमईआईसीटी के माध्यम से ''ई–शिक्षण के लिए विषय–वस्तु सृजन'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- श्री विशेष तापरे, सहा प्रोफेसर, सीआईसी ने निफ्ट जयपुर में 15–19 जून, 2015 तक शिल्प प्रक्रियाएं और परंपराएं विषय पर आयोजित टीओटी में भाग लिया।

- श्री दीपक जोशी, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी कांगड़ ने 9 जून – 8 जुलाई, 2016 तक फ्यूचर लाइफस्टाइल लिमिटेड से चार सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप पूर्ण की।

- श्री सैयद अजहर, सहायक प्रोफेसर निफ्ट एफसी कांगड़ा ने एनडीटीवी में 14 दिसम्बर, से 12 जनवरी, 2016 तक उद्योग इंटर्नशिप पूर्ण की।

- श्री विनेश तापरे, सहा प्रोफेसर, सीआईसी ने निफ्ट मुंबई में 1–5 जून 2015 तक आधारभूत फोटोग्राफी पर एक टीओटी संचालित की।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

बैंगलूरू

- सुश्री दिलनाज बानू, सहायक प्रोफेसर ने 30 मार्च, 2016 को एफसी छात्रों के लिए 'परिधान व्यापार के लिए कौशल अवसर तैयार करते हैं' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

- डा. विभावरी कुमार, सह प्रोफेसर ने अनेक संगोष्ठियां आयोजित की जिन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञों ने संचालित किया। श्री विविन अग्रवाल ने एफसी VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'बायोमिमिक्री ऑफ बायो डिजाइन' पर एक सत्र संचालित किया। श्री कौशिक अमरूथर ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए फोटोग्राफी पर कार्यशाला संचालित की। सुश्री प्रीति प्रभाकरण ने एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए विजुअल मर्केंडाइजिंग–IV पर एक सत्र संचालित किया।

- श्री लार्डसन शिवकुमार, सहायक प्रोफेसर ने एफसी छात्रों के लिए उद्योग संपर्क आयोजित किए। सुश्री नैंसी, क्षेत्रीय प्रशिक्षक और प्रबंधक, एवन ने एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 'हेयर स्टाइलिंग और मेकअप' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- श्री रॉबर्ट नाओरेम, स्टाइलिस्ट ने एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए मौके पर अनुभव के साथ 'फोटोग्राफी के लिए हेयर स्टाइलिंग और मेकअप' पर कार्यशाला आयोजित की।

- सुरी प्रियंका एस.वी., सहायक प्रोफेसर ने एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 'कलर साइकोलॉजी' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका संचालन इंटीरियर डिजाइनर श्री अश्विन चौधरी ने किया था।

- श्री बी. राजा, सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी ने एक आधारभूत डीएसएलआर कार्यशाला का आयोजन किया जिसका संचालन एफसी सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 23 सितम्बर, 2015 को निकॉन इंडिया द्वारा किया गया था। उन्होंने समस्त निफ्ट बैंगलूरू के छात्रों के लिए 30 मार्च, 2016 को 'आइडियाज एंड इंटर प्री न्यूरियल जर्नी एनरूट 16' पर एक कार्यशाला भी आयोजित की।

- श्री संजीव सी.एम. सहायक प्रोफेसर ने एक 'टैबलेट

कार्यशाला' का आयोजन किया जिसका संचालन एफसी सेमेस्टर III के छात्रों के लिए श्री वन गोपाल कृष्णा क्षेत्री विक्रय प्रबंधक, (दक्षिण), वैकॉम इंडिया प्रा. लि. द्वारा किया गया था।

- श्री संजीव सी.एम. सहायक प्रोफेसर ने एफसी सेमेस्टर IV और VI के छात्रों के लिए प्रिंट और फिनिश पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका संचालन श्री भास्कर शर्मा, शाखा प्रमुख, सोना कर्मशियल प्रा. लि. द्वारा किया गया था।
- सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 28–30 सितम्बर, 2015 तक 'फैशन स्टाइलिंग लेवल–I' और 'फोटोग्राफी लेवल III' विषयों के लिए 'फैशन हेयर स्टाइलिंग और मेकअप' पर एक तीन–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 15–16 सितम्बर, 2015 तक सुलेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 2 फरवरी, 2016 को सुश्री ग्लेडीज़ पेरिंट पॉमर, कार्यकारी उपाध्यक्ष आर्टिस्टिक विकास, एकेडमी ऑफ आर्ट यूनीवर्सिटी सैन फ्रांसिस्को द्वारा पारस्परिक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया।
- सुश्री आश्रिता एम., सुश्री ऐश्वर्या एस. राव और सुश्री मणिभारतीय पी, सेमेस्टर IV ने 24 फरवरी, 2016 को एबिलिटी फाउंडेश कार्यशाला में भाग लिया।

दिल्ली

- सोना कॉमर्शियल के श्री डैनी ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 12–16 अगस्त 2015 तक पेपर इंजीनियरिंग पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- श्री अमित चावला ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 17 अगस्त, 2015 को फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री अनीस सिद्दीकी, स्वतंत्र आर्टिस्ट ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 31 अगस्त से 2 सितम्बर, 2015 तक सुलेखन कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री एस.एम. कुलकर्णी, सुरी ऊषा प्रजापति ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए21–22 सितम्बर, 2015 को क्लस्टर इनिशिएटिव पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री अशुतोष शर्मा, श्री दादी पद्मजी और श्री एम.के. रैना ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए अक्तूबर, 2015 में पारंपरिक फोक मीडिया पर पारस्परिक चर्चा सत्रों का आयोजन किया।
- सुश्री अनु कौशिक, वरिष्ठ स्टाइलिस्ट ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 8–9 फरवरी, 2016 को फैशन स्टाइलिंग पर हेयर एंड मेकअप कार्यशाला संचालित की।
- सेमेस्टर III के छात्रों के लिए सितम्बर, 2015 में श्री भागवत, सहायक कला निदेशक, मुंबई द्वारा 'डिजाइन विकास में रूझान और प्रक्रिया' के महत्व पर एक व्याख्यान दिया गया।

गांधीनगर

- सुश्री नंदिता शाह, प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए रंग मनोविज्ञान पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री लोकेश घई, पूर्व–छात्र ने 25–29 मई, 2015 तक फैशन शो परिकल्पना, प्रबंधन और शिल्प क्लस्टर हस्तक्षेप पर एक कार्यशाला संचालित की।
- एफसी छात्रों के लिए 21 जुलाई, 2015 को श्री केवन मर्रे, आरएमआईटी विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, स्विनबर्न यूनीवर्सिटी और यूनीवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स : लेखक और क्यूरेटर प्रोफेसर, सिडनी आस्ट्रेलिया द्वारा 'हस्तनिर्मित वस्तुओं में अंतर्राष्ट्रीय रूझान' विषय पर एक स्काईपी व्याख्यान तथा उसके उपरांत प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया।
- श्वेत–श्याम फोटो डेवलपिंग और प्रोसेसिंग विशेषज्ञ श्री ब्रह्मागन पटेल, सुकृति स्लाइड्स एवं ब्लैक एंड व्हाइट लैबोरेट्री ने 28 जुलाई, 2015 को एक पारस्परिक चर्चा सत्र संचालित किया।
- सुश्री सराह लॉटन ने 20 जनवरी, 2016 को 'परिकल्पना और ड्राइंग – निष्पादन और कैमरा अल्पदृश्य उपकरण प्रदर्शन' विषय पर एक सत्र संचालित किया।
- न्यूयार्क की कठपुतली आर्टिष्ट सुश्री थियोडोरा स्किपि टेयर्स ने पेपर फोल्डिंग प्रॉप और परफार्मेंस पर जुलाई, 2015 में एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री विवेक ए.टी. मेकअप आर्टिस्ट ने सेमेस्टर VI के छात्रों को जुलाई, 2015 में 'मेकअप' पर इनपुट प्रदान किए।

हैदराबाद

- श्री जॉनाथन मैडिसन ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 29–30 सितम्बर, को 'हेयर एंड मेकअप' पर कार्यशाला का संचालन किया।
- सुश्री नमीषा बेहरी ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 7–9 सितम्बर, 2015 को सुलेखन कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री जी. चिरंजीवी रेड्डी, एसोसिएट प्रोफेसर सीपी – एफ एंड एलए ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 26–29 अगस्त, 2015 तक पेपर की इंजीनियरी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री ए.एम. मुरली, उद्योग विशेषज्ञ ने सेमेस्टर IV के

छात्रों के लिए 25–27 फरवरी, 2016 तक एक सुलेखन कार्यशाला का आयोजन किया।

- सुश्री वंशिखा चावला, हेयर और मेकअप स्टाइलिस्ट ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 25–27 फरवरी, 2016 तक प्रोफेशनल हेयर और मेकअप पर कार्यशाला का आयोजन किया।

कांगड़ा

- आईसीटी संकाय श्री विशेष आज़ाद द्वारा सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए हेयर एवं मेकअप कार्यशाला तथा विशेष फोटोग्राफी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कोलकाता

- श्री एस.के. चक्रवर्ती, डीसीएचसी द्वारा सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 'बोलपुर का शिल्प' पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र दिनांक 27 मई 2015 को संचालित किया गया।
- श्री चन्द्रक प्रधान द्वारा सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 8 अगस्त, 2015 को एक फोटोग्राफी सत्र का संचालन।
- श्री भास्कर विश्वास द्वारा सेमेस्टर III के छात्रों के लिए18 अगस्त, 2015 को एक मेकअप कार्यशाला का संचालन।
- श्री अनुपम चक्रवर्ती द्वारा सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 16–20 नवम्बर, 2015 को एक पेपर इंजीनियरिंग कार्यशाला का संचालन।
- श्री मनोज कुमार दास द्वारा सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 30 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2015 तक सुलेखन कार्यशाला का संचालन।
- फैशन संचार विभाग कोलकाता ने 26 जनवरी, 2016 को पूर्व–छात्र बैठक का आयोजन किया जिसमें 65 पूर्व–छात्रों ने भाग लिया।
- श्री सुभाश्री बिस्वास, डिजाइनर, डेनमार्क ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए16, 17 और 24 फरवरी, 2016 को कलर साइकोलॉजी कार्यशाला संचालित की।

कन्नूर

- एफसी छात्रों के लिए मेकअप और हेयरस्टाइलिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुंबई

- एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 6 अप्रैल, 2016 को डिजाइन रिसर्च विषय के लिए प्रतिष्ठित स्पेस डिजाइनर श्री विकास सतवालेकर एनआईडी द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 7–8 अप्रैल, 2015 को श्री निखिल पुरोहित द्वारा कलर साइकॉलाजी पर एक दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- उद्योग विशेषज्ञ श्री सौमित्र सेन, अध्यक्ष डीडीबी मदुरा रेमेडी तथा सुश्री श्वेता शर्मा, निफ्ट एफसी मुंबई की पूर्व–छात्रा (2010) द्वारा सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 8 अप्रैल, 2015 को 'विज्ञापन और स्टाइलिंग' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया।
- श्री राजेश नाम्बियार द्वारा सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 11 अप्रैल, 2015 को 'विज्ञापन बजट और मीडिया कार्यक्रम' पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- श्री विक्रम बावा, फैशन और विज्ञापन फोटोग्राफ द्वारा सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 24 अप्रैल, 2015 को 'फैशन फोटोग्राफी' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया।
- सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 28 अप्रैल, 2015 को पेशेवर फोटोग्राफर श्री रघु थॉमस के 'फैशन फोटोग्राफी' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- सुश्री नीना मल्होत्रा, संचार परामर्शक ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए छात्रों के लिए 29 अप्रैल, 2015 को 'फैशन

पत्रकारिता' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

- सुश्री श्वेता शर्मा ने सेमेस्टर V के लिए 4 अगस्त, 2015 और 13 अक्तूबर, 2015 को फैशन स्टाइलिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- सुरी नीना सबनानी ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 22 और 29 अगस्त, 2015 को 'इलस्ट्रेशन फॉर एनीमेशन' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- सुश्री प्रदन्या नायक ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 11 और 18 सितम्बर को 'सुलेखन कार्यशाला' संचालित की।
- श्री विनय पराडे ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 14 सितम्बर, 2015 को फोटोग्राफी कार्यशाला संचालित की।
- श्री एम. आमिर खान ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 28 सितम्बर, 2015 को फोटोग्राफी पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री रघु थॉमस ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 24 सितम्बर, 2015 को एनीमेश्न पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री निखिल पुरोहित ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 29 सितम्बर, 2015 को जीआरटीडी पर एक कार्यशाला संचालित की।
- सुश्री श्रेया गुप्ता ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 29 सितम्बर, 2015 को फैशन स्टाइलिंग पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री विवेक तेतवीकर ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 30 सितम्बर, 2015 को वीजुअल मर्कैंडाइजिंग पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री शील देसाई ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 24 और 29 सितम्बर, 2015 को प्रस्तुतीकरण तकनीकों पर एक कार्यशाला संचालित की।
- सुश्री प्रदन्या नायक ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 9 और 16 अक्तूबर, 2015 को सुलेखन पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री गरिमा नारायण ने एफसी V के छात्रों के लिए 17 और 26 अक्तूबर, 2015 को सिस्टम थिंकिंग पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री एम. आमिर खान ने एफसी VII के छात्रों के लिए 10 और 17 अक्तूबर, 2015 को एनीमेशन पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री राकेश सुतार ने एफसी VII के छात्रों के लिए प्रॉप डिजाइन पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री पंकज चौधरी ने सेमेस्टर VIII के छात्रों के लिए प्रस्तुतीकरण पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री मंदर राने ने सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 15 और 31 अक्तूबर, 2015 को इंफार्मेशन ग्राफिक्स पर एक कार्यशाला संचालित की।
- सुश्री शर्मिला सिन्हा ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 28 अक्तूबर, 2015 को डिजाइन क्रियाविधि पर एक कार्यशाला संचालित की।
- सुश्री नेहा सैयद ने सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 5 अक्तूबर, 2015 को डिजाइन क्रियाविधि पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री किरीट पारिख ने सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 2 और 5 नवम्बर, 2015 को ऑटो सीएडी में डिजाइन निर्वचन पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री अजय चौधरी ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए विजुअल कर्मेंडाइजिंग पर एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री सुनील परेरा ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 5, 12, 19 फरवरी तथा 7 मार्च, 2016 को डिजाइन क्रियाविधि पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- श्री भारत संथालिया ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 9, 16, 23 फरवरी और 1 मार्च, 2016 को ग्राफिक डिजाइन विषय के लिए फोटोशॉप और इलस्ट्रेटर पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- सुश्री खुश्बू वर्तक ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 28 मार्च, 2016 को डिजाइन कार्यनीति पर एक कार्यशाला संचालित की।
- श्री श्रेतेज पटवर्धन ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 14 मार्च, 2016 को फिल्म मेकिंग पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- श्री सलीम आरिफ ने सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 29 मार्च, 2016 को पोशाक और वस्त्र एप्रीसिएशन पर एक कार्यशाला का संचालन किया।

पटना

- श्री भागवत, सहायक आर्ट डिजाइनर, मुंबई द्वारा सेमेस्टर III के छात्रों के लिए सितम्बर, 2015 में 'डिजाइन विकास में रूझानों और प्रक्रिया का महत्व' पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया।
- एफसी छात्रों को उनकी फोटोग्राफी दक्षताओं में संवृद्धि करने तथा उन्हें फैशन फोटोग्राफी के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए निकॉन स्कूल द्वारा 19 मार्च, 2016 को

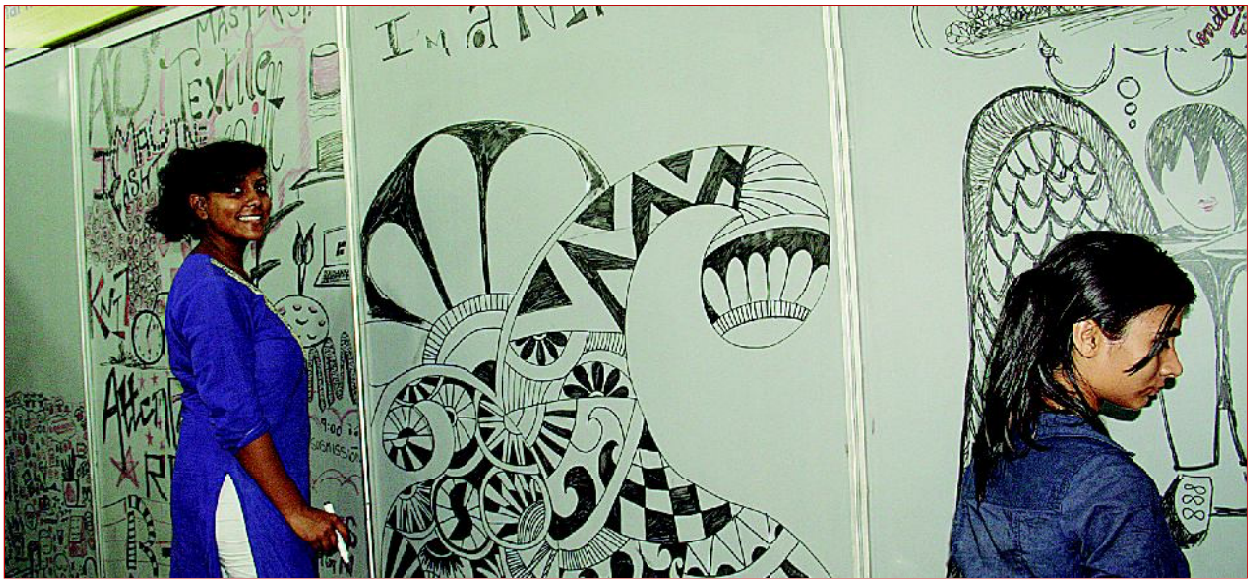

एक फैशन फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की गई।

आरंभ और पूर्ण की गई

पीएच.डी.

- सुश्री विभावरी कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एफसी निफ्ट बैंगलूरू ने जैन यूनीवर्सिटी से अप्रैल, 2015 में अपनी पीएच.डी पूर्ण की।
- श्री विजय दुआ, एसोसिएट प्रोफेसर, एफसी निफ्ट दिल्ली वर्ष 2012 से जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से पीएच.डी कर रहे हैं।
- सुश्री डिंपल बहल, सहायक प्रोफेसर, एफसी निफ्ट दिल्ली वर्ष 2012 से जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से पीएच.डी कर रही है।
- श्री दीपक जोशी, सहायक प्रोफेसर, सीसीएफसी निफ्ट कांगड़ा ने सनराइज विश्वविद्यालय, अल्वर से पीएच. डी. पूर्ण कर ली है।
- सुश्री रूपा अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर सीपीएम. डेस आईआईटी बंबई में इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) से पीएच.डी. कर रहे हैं।
- सुश्री सुषमा सेतवाल, एसोसिएट प्रोफेसर सीपीएफसी वर्ष 2012 से एसएनडीटी विश्वविद्यालय मुंबई से पीएच.डी. कर रहे हैं।
- श्री बी. राजा, सहायक प्रोफेसर, सीसी–एफसी बैंगलूरू वर्ष 2010 से केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पांडिचेरी से पीएच.डी कर रहे हैं।

छात्र प्रतिभागिता

शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप

बैंगलूरू

- एफसी सेमेस्टर VI की छात्राओं सुश्री सावित्री एम, सृष्टि चटर्जी, अनुषा सुंदर, वैनवी वालिया, प्रज्ञा कुशवाह, प्रशांति नागत्री, निकिता भट्टम ने 25–27 फरवरी, 2016 तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन टाइपोडे 2016 में भाग लिया।

चेन्नई

- सुश्री वास्वी मुखर्जी और सुश्री पूनम कुमारी, सेमेस्टर IV ने 2–3 जून, 2015 को आर्मी इस्टिट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन, बैंगलूरू में आयोजित वीजुअल मर्कैंडाइजिंग एंड विंडो ड्रेस कंपीटीशन में भाग लिया।
- सेमेस्टर III की छात्राएं सुश्री मानसी एस. मिश्रा और सुश्री मालिनी कार्तिकेयन को फाइनिस्टों में चुना गया तथा उन्होंने 12 सितम्बर, 2015 को मुंबई में आयोजित गीत तैयार करने की प्रतियोगिता 'धुन' में भाग लिया।
- सुश्री अपरूपा रॉय, सेमेस्टर III ने 23 सितम्बर, 2015 को साहित्यिक क्लब द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा में पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सुश्री तानवी एम. देसाई, सेमेस्टर III ने फ्रेश फेस 2015 (चेन्नई टाइम्स) द्वारा आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वे लगातार दो चक्रों के लिए चुनी गईं।
- सुश्री आर. आरती, सेमेस्टर III ने धान उत्सव में विभागीय प्रतिभागिता के लिए एनजीओ 'दि भूमि' के साथ समन्वय किया।
- सुश्री निहारिका सिंह, सुश्री श्रद्धा छावड़ा, सुश्री यमुना पूर्ति, सेमेस्टर V तथा सुश्री उर्वशी, सुश्री शक्ति कुमारन, सुश्री प्रतीक अम्बर बेक, सेमेस्टर III को जिनेर कांटेस्ट के माध्यम से निप्पोन पेंट्स के वर्ष कैटेलॉग में प्रकाशन के लिए चुना गया।
- सुश्री गीतांजलि शर्मा, सुश्री एश्वर्या राव, सुश्री विद्या प्रधान, सुश्री श्रद्धा चावरा, सुश्री वास्वी मुखर्जी, सुश्री मणिभारती पी., सुश्री टेरेसा बोवन, सुरी अमाला एंटोनी, सुश्री राजेश्वरी पी,

सेमेस्टर VI को 17 फरवरी, 2016 को 'डिजाइन सूत्रा 2016 की पोस्टर प्रतियोगिता के द्वितीय चरण के लिए चुना गया।

- श्री के. स्वाति, श्री एस.वी. अरविंद, सुश्री अपूर्वा रॉय, श्री अतिप्रिया रॉय ने डिजाइन पूजा में भाग लिया तथा सुश्री तानवी एम. देसाई, श्री कृतार्थ घोष ने 17 फरवरी, 2016 को 'डिजाइन सूत्र 2016' की हस्तशिल्प प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वे द्वितीय चरण के लिए चुने गए।

- फैशन संचार के छात्रों ने डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, चेन्नई द्वारा आयोजित अंतर–कॉलेज डिजाइन समारोह 'क्रैब 2016' में समूह क्रियाकलापों में भाग लिया तथा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। उन्होंने वर्ष 2016 के लिए रोलिंग शील्ड भी जीती।

- सेमेस्टर IV की छात्राओं सुश्री मृगंका गुप्ता, सुश्री विंध्य आर.के., सुश्री मालिनी कार्मिकेयन, सुश्री अपरूपा रॉय ने नेल आर्ट, फेस पेंटिंग और कॉलेज प्रतियोगिता में भाग लिया। सुरी आदिती, सुश्री प्रिया आर, सुश्री अनुष्का हरीश सलियन ने रोड ग्रेफिडी में भाग लिया। सुश्री लक्षणा वी. और सुश्री संस्कृति अग्रवाल ने शेरो–शायरी में भाग लिया। सुश्री संस्कृति अग्रवाल ने एसआरएम कॉलेज द्वारा कट्टांकुलंयूर में 4 मार्च, 2016 को आयोजित अंतरकालेज प्रतियोगिता मिलन 2016 में भाग लिया।

- सेमेस्टर IV के छात्रों ने 9 मार्च, 2016 को एचईपीसी फैशन शो में स्टाइलिंग, नृत्य और मंच के पीछे के कार्यों का समन्वय किया।

- सेमेस्टर IV के छात्र श्री गौतम कृष्णा, सुश्री तानवी एम. देसाई, सुश्री मृंगका गुप्ता, सुश्री विंध्या आर.के., सुश्री अलीना अली अकबर 9 मार्च, 2016 को एचईपीसी फैशन शो के लिए फोटोग्राफी डॉक्युमेंटेशन में सक्रिय रूप से शामिल थी।

- श्री कृतार्थ घोष, सुश्री तानवी एम. देसाई, सेमेस्टर IV और सुश्री एश्वर्या राय, सुश्री बिंदिया प्रधान, सुश्री श्रद्धा चावरा, सुरी वास्वी मुखर्जी, सुश्री मणिभारती पी., सेमेस्टर VI का 23 मार्च, 2016 को डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया।

गांधीनगर

- फैशन संचार छात्रों के लिए हाउस ऑफ मंगलदास, अहमदाबाद का एक विरासत होटल में पब्लिशिंग और प्रमोशन पर एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

- ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण रनवे कोरियोग्राफर और स्टाइलिस्ट श्री यतिन गांधी और सुश्री तेजश्री अंचल द्वारा भी संचालित किया गया।

- फैशन संचार छात्रों द्वारा बेनेट, कोलमन एंड कं., बड़ौदा के साथ 'आर्ट और एडिट' पर एक लघु परियोजना का आयोजन किया गया।

हैदराबाद

- सुश्री ईशा श्रीवास्तव, सुश्री दीपशिखा, श्री अक्षय कुमार और सुश्री सृष्टि आर. शाह, सेमेस्टर–VI ने 13 फरवरी, 2016 को आयोजित स्पेक्ट्रम 2016 में आर्ट–टु–वीयर प्रतियोगिता में भाग लिया तथा क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री शेफालिका, सेमेस्टर IV ने 14 फरवरी, 2016 को स्पेक्ट्रम में एड–मैड प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दूसरा स्थान जीता।

- श्री आकांक्षित प्रियदर्शी और सुश्री साक्षी श्रीवास्तव, सेमेस्टर IV ने 13 फरवरी, 2016 को स्पेक्ट्रम 2016 में फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा क्रमशः पहला और तीसरा पुरस्कार जीता।

- सुश्री अंतरीना बरुआ और देविका सुशील कपाडिया, सेमेस्टर VI ने दिसम्बर, 2015 में निफ्ट पटना में कंवर्ज में थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दूसरा पुरस्कार जीता।

कांगड़ा

- सुश्री सुलग्ना मित्रा, एफसी VI कांगड़ा ने वर्ल्डस्किल इंडियाज़ नेशनल फैशन ओलम्पियाड में विज़ुअल मर्कैंडाइजिंग में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार जीता।

मुंबई

- सुश्री उज्मा, सुश्री गुलशन और श्री अरमान, VI सेमेस्टर रोपोसो फैशन स्क्वैड प्रतियोगिता के प्रथम चक्र के विजेता रहे।

- सेमेस्टर VI के छात्रों ने स्पेक्ट्रम 2016 के लिए ब्रांड पहचान विकसित की तथा उन्होंने विषय आधारित परिसर साज–सज्जा के साथ स्पेक्ट्रम 2016 के लिए ग्राफिक डिजाइन समाधान दिया। निफ्ट मुंबई के सेमेस्टर प्ट और सेमेस्टर VI के छात्रों ने सोशल मीडिया के लिए स्पेक्ट्रम का प्रोमोशनल एवी तैयार किया। निफ्ट मुंबई के एफसी विभाग ने स्थापना प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री श्रेया और श्री अरमान, सेमेस्टर VI ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान एड–मैड प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री निशिता, सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान एड–मैड प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। उन्होंने रिले डिबेट प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- श्री साईराम, एफसी IV तथा सुश्री सांची शाह, एफसी VI ने अंत्याक्षरी में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- श्री हर्षित अनुराग, एफसी III ने हिंदी पखवाड़ा 2015 में वाद–विवाद प्रतियोगता, कविता प्रतियोगिता, स्व–रचित कविता प्रतियोगिता तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा 2015 के लिए समग्र पुरस्कार भी प्राप्त किया।

- श्री हार्षित अनुराग, एफसी III निफ्ट मुंबई ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

पटना

- सुश्री भावना सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान युगल गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री अविनाश शंकर, सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान वृत्त चित्र और गली क्रिकेट में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री स्वाति, सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान कैरम में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री मॉमिता नंदी, सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान वॉल ग्रेफिटी में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री आंचल और सुश्री अक्षिता, सेमेस्टर IV ने स्पेक्ट्रम 2016 के दौरान सामूहिक नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री तन्य बेनेरिया, सेमेस्टर IV ने कन्वर्ज 2015 के दौरान थ्रो बॉल में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री पूजा, सेमेस्टर IV ने कबड्डी में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री मॉतिमा नंदी, सेमेस्टर IV ने कन्वर्ज 2015 के दौरान अंग्रेजी वाद–विवाद में तीसरा पुरस्कार जीता।

- सुश्री तीस्ता चटोराज, सेमेस्टर VI ने फरवरी, 2016 में आईआईटी पटना में अन्वेष–16 प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री अभिजीत, सेमेस्टर IV ने फरवरी, 2016 में आईआईटी पटना में अन्वेष–16 की बैस्ट ऑउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री आंचल और सुश्री श्रेया, सेमेस्टर IV पटना ने फरवरी, 2016 में आईआईटी पटना में अन्वेष–16 में पान पटना प्रथम पुरस्कार जीता।

सतत् शिक्षा और

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट एफसी गांधीनगर द्वारा निफ्ट सूरत उप–केन्द्र कार्यक्रम का नाम – फैशन मीडिया और कम्युनिकेशन एफसी निफ्ट मुंबई

कार्यक्रम का नाम – विजुअल मर्केडाइजिंग

प्रकार (सीईपी/डिप्लोमा/एमडीपी) – सीईपी

कार्यक्रम की अवधि –– 6 माह, अगस्त, 2015 से मार्च, 2016

कार्यक्रम का नाम – फोटोग्राफी

प्रकार – (सीईपी/डिप्लोमा/एमडीपी) – सीईपी

कार्यक्रम की अवधि – 3 माह, अगस्त, 2015 से दिसम्बर, 2015

शिल्प क्लस्टर

पहलकदम

निफ्ट एफसी बैंगलूरू

शिल्प का नाम – मैसूर रोजवुड इनले वर्क और मैसूर पारंपरिक पेंटिंग

सेमेस्टर, छात्रों की संख्या, संकाय प्राध्यापक-एफसी-V, 35 छात्र, श्री के.सी. प्रशांत, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री

लॉर्डसन शिव कुमार, सहायक प्रोफेसर

स्थान – मैसूर

अवधि– 13 जुलाई – 18 जुलाई, 2015

निफ्ट एफसी चेन्नई

सेमेस्टर IV के छात्रों ने जून–जुलाई, 2015 के ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अपना क्लस्टर कार्य किया। शिल्प कलस्टर पहलकदम के दौरान तमिलनाडु राज्य के विभिन्न शिल्पों का अवलोकन किया गया – कुंतुविलाकु (ब्रास लैंप), तिरुनेलवेली टेराकोटा खिलौने और पोट्री, नागरकोइल, टोडा कशीदाकारी, उथागमनदलम, तंजौर वीणा और तंजौर मैटल आर्ट प्लेट, तंजावूर,

निफ्ट एफसी दिल्ली

शिल्प का नाम – एप्लीक वर्क (पिपली), पेपियर मेश (खुर्दा) पट्टचित्र (रघुराजपुर) सिल्वर फिलिग्री तरकशी (कटक) टेरा कोटा पोट्री (उत्तम नगर दिल्ली)

सेमेस्टर, छात्रों की संख्या, प्राध्यापकगण – सेमेस्टर V, छात्र 5, संकाय – सुश्री लवीना भास्कर और श्री विशेष आजरा

स्थान : उड़ीसा, दिल्ली

अवधि – 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर, 2015

निफ्ट एफसी गांधीनगर

शैक्षणिक शिल्प क्लस्टर हस्तक्षेप क्षेत्र धर्मेश जडेजा द्वारा समर्थित – वास्तुकला और संघारणीय वास्तुकला समर्थक – ओरोविले

शैक्षणिक शिल्प क्लस्टर हस्तक्षेप क्षेत्र सहायता तथा कक्षा परियोजना लाइव संक्षिप्त प्रावधान – महाराजा सवाई मानसिंह II संग्रहालय – दि सिटी पैलेस – जयपुर

श्री बी.एन. गोस्वामी के साथ भेंट : एक इतिहासकार तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के कला इतिहास के प्रोफेसर एमरिटस। शिल्प क्लस्टर पहल प्रतिपुष्टि और एक समूह को सुझाव : 14 जुलाई, 2015

निफ्ट एफसी हैदराबाद

शिल्प का नाम : बिद्रीवेयर मैटल क्राफ्ट, बीदर, कर्नाटक, लेकरवेयर हैदराबाद, मंगलगिरी हथकरघा, मंगलगिरी, कोंडापल्ली खिलौने, कोंडापल्ली।

अवधि : 1 जून – 6 जून, 2015

निफ्ट एफसी कांगड़ा

सेमेस्टर IV के छात्रों ने कुल्लू मनाली, अमृतसर, किन्नौर, कुल्लू, गोवा, स्वरकुंडला गुजरात के शिल्प का अध्ययन किया।

निफ्ट एफसी कोलकाता

शिल्प का नाम : बांस

सेमेस्टर V

निफ्ट एफसी कन्नूर

शिल्प का नाम – कासारगोड साड़ियां, कन्नानौर खादी, बांस शिल्प और कन्नूर हथकरघा, कन्नूर का बेंत शिल्प।

निफ्ट एफसी मुंबई

शिल्प का नाम – सावंतवादी गंजीफा कार्ड, काष्ठ खिलौने, पुनेरी साड़ियां, धारवी पोट्री, भंडारा कोसा साड़ियां,

सेमेस्टर, छात्रों की संख्या, प्राध्यापक सदस्य : एफसी IV, 35 छात्र, सुश्री सुस्मिता दास, सहायक प्रोफेसर सीसीएफसी, सुश्री सुषमा सेतवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सीपीएफसी और सुश्री श्रुति सिन्हा।

उद्योग के साथ संबंध

छात्र इंटर्नशिप और दौरे

निफ्ट एफसी बैंगलूरू

निफ्ट बैंगलूरू के छात्रों ने विभिन्न उद्योगों में अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की, जैसे थिंक ट्रेंड इंडिया, हवास वर्ल्डवाइड, होमट्राएंगल, अमरचित्र कला, सैनिटी डिस्मेंटल्ड, फूड लवर्स, त्सेपाक टेक्नालॉजीज़ प्रा.लि. ऐस टर्टल सर्विस प्रा.लि., अरविंद इंटरनेट लि., फोर डाइमेंशन रिटेल्स, डिजाइन, स्विगी, फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन, साइन ईजी, इपोइज, मायंत्रा डिजाइन, लेवीज़ स्टॉस, डेनटस, मदुरा, वूप्लर, एलैनिक, हार्लिएन सबरवाल, ट्विस्ट ओपन, यूबेरमेंश्च लैबोरेटोरी, एनडीटीवी गुड टाइम्स।

निफ्ट एफसी दिल्ली

निम्नलिखित में उद्योग दौरे:

- इंडियन ऑफसेट प्रेस : 22 अप्रैल, 2016 सेमेस्टर IV पब्लिकेशन डिजाइन के लिए।
- आईजीएनसीए : 31 मार्च, 2016 सेमेस्टर VI प्रिंटिंग तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए
- गैलरी ऑफ मार्डन आर्ट : 16 जनवरी, 2016, सेमेस्टर IV कलर साइकॉलॉजी वर्कशॉप
- शंकरर्स डॉल म्यूजियम : 16 मार्च, 2016, सेमेस्टर IV विषय पोशोक और टेक्सटाइल एप्रीसिएशन
- निफ्ट एफसी दिल्ली के छात्रों ने विभिन्न उद्योगों से अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की जैसे : एडीडास ग्रुप, वरूण बहल, प्लीज़ सी, सुरेश सेल्वाराजन, नेस्ट बाई अर्पित अग्रवाल,

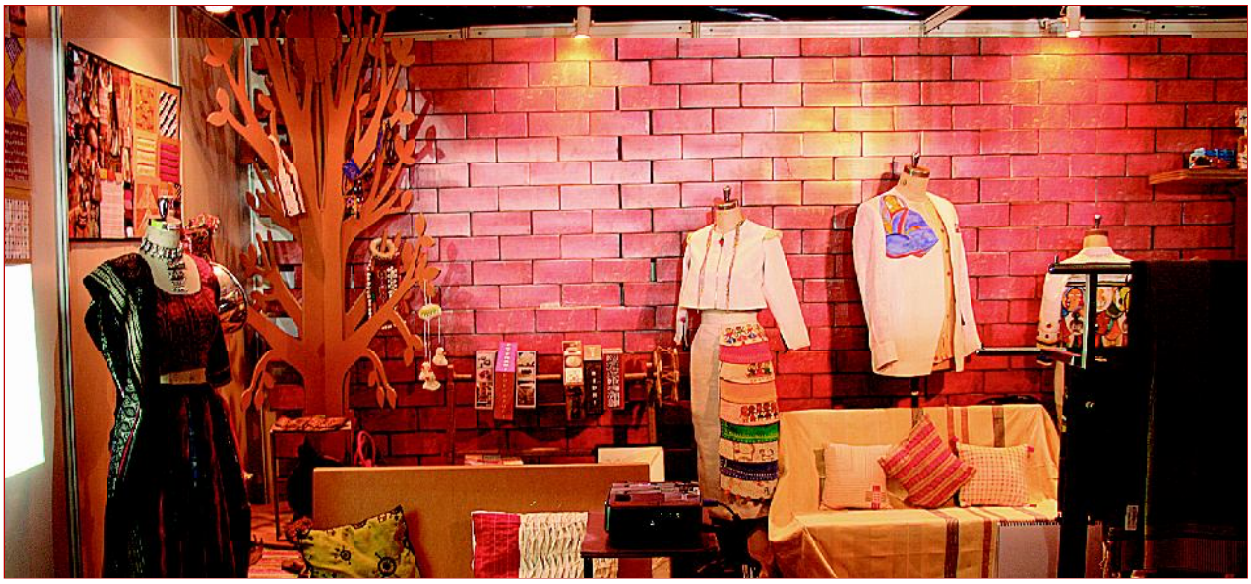

ईशान खोसला डिजाइन, उदित कुलश्रेष्ठ, आईमीएम डिजाइन, इंचवर्क, एडिदास ग्रुप, हिन्दुस्तान टाइम्स (देसी मैटिनी), तरुण खिवाल, जेपोर, दि कम्पयुकेशन काउंसिल, मैसिक्सम इंक, 2 ग 4 इंक, लोवे लिंटा सैंड पार्टनर्स, क्वाल्टेंस, हापर्स बाजार, ब्राइड, मैककैन एरिकसन, वर्ल्डवाइड, जेपोर, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, सौरभ दुआ फोटोग्राफी, स्टूडियो कोहल, स्नैपडील, कैओस इंडिया, एनिमल, लोपमुद्रा क्रिएटिवच, रिचा माहेश्वरी फोटोग्राफी, एक दो दहाई, आदि।

निफ्ट एफसी चेन्नई

- सेमेस्टर V के छात्रों के लिए 14 सितम्बर, 2015 को 'फोटोग्राफी लेवल–III' विषय पर एक्टिनिक लाइट फोटो ग्राफी स्टूडियो का उद्योग दौरा।
- फैशन संप्रेषण के सेमेस्टर IV के छात्रों ने 4 फरवरी, 2016 को 'ग्राफिक डिजाइन लेवल–IV' विषय के लिए आर्टिस्ट रामा सुरेश के आर्ट एक्सप्रेशंस, फाइन आर्ट स्टूडियो का दौरा किया तथा 25 फरवरी, 2016 को 'ग्राफिक डिजाइन लेवल–IV' विषय के लिए ट्रिप्लकेन में ऑफ सेट प्रिंटर का दौरा किया।

निफ्ट एफसी गांधीनगर

- एफसी छात्रों के लिए अहमदाबाद के विरासत होटल 'हाउस ऑफ मंगलदास' में उन्हें सफल निष्पादन के साथ पब्लिशिंग और प्रोमोशन में अल्प प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- एफसी छात्रों के लिए रनवे कोरियोग्राफर और स्टाइलिस्ट श्री यतिन गांधी द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- आर्ट एंड एडिट बेनेट, कोलमैन एबुं कं. लि. बड़ौदा के साथ छात्रों की अल्प परियोजना।
- कनोरी सेंटर ऑफ आर्ट्स, अहमदाबाद के प्रिंट मेकिंग स्टूडियो में प्रिंट निर्माण तकनीकें – फरवरी, 2016.
- सेमेस्टर–VI के छात्रों के लिए फरवरी, 2016 में अनिल रेलिया की सेरीग्राफी वर्कशॉप में स्क्रीन प्रिंटिंग और ग्राफिक डिजाइन स्टूडियो दौरा।
- छात्रों ने विभिन्न ब्रांडों में अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की जैसे : मिट्टी कूल (राजकोट), डेरेवाला जेम्स (जयपुर) लक्ष्मी डायमंड्स (मुंबई)

निफ्ट एफसी हैदराबाद

- एफसी VI के छात्रों ने 9 मार्च, 2016 को विभिन्न मुद्रण और फिनिशिंग प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों का अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रगति प्रिंटर्स, लकड़ी का पुल, हैदराबाद का दौरा किया। छात्रों ने 15 फरवरी, 2016 को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ललित कला विभाग (प्रिंट निर्माण और पेंटिंग विभाग), हैदराबाद का भी दौरा किया।

निफ्ट एफसी कांगड़ा

- एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों ने निम्न स्थानों का दौरा किया:
- 16 जनवरी, 2016 को फोटोग्राफी विषय के लिए पोंग लेक
- 5 और 6 फरवरी, 2016 को ग्राफिक डिजाइन विषय के लिए दिल्ली
- 18 फरवरी, 2016 को जीआरडीटी– II विषय के लिए पालमपुर
- 25–26 फरवरी, 2016 को सीएएमपी विषय के लिए लुधियाना
- 21 मार्च, 2016 को फैशन जर्नलिज्म विषय के लिए मैक्लॉडगंज
- 26 और 28 मार्च, 2016 को विजुअल मर्केंडाइजिंग विषय के लिए दिल्ली

- एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 16 मार्च, 2016 को फोटोग्राफी विषय के लिए मसरूस मंदिर और कांगड़ा फोर्ट, हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

निफ्ट एफसी कोलकाता

- एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 5 अप्रैल, 2016 को फैशन पूर्वानुमान विषय के लिए फोरम कोर्टयार्ड का दौरा किया।
- एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों ने 14 मार्च, 2016 को इमामी पेपर मिल का दौरा।

निफ्ट एफसी मुंबई

- एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों ने ग्राफिक डिजाइन और जैक प्रिंटर्स विषय के लिए 9 अप्रैल, 2015 को सिल्वर प्वाइंट प्रेस का दौरा किया।
- एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 1 फरवरी, 2016 को विजुअल मर्कैंडाइजिंग विषय के लिए घटकपुर में अजीत एंटरप्राइजेज़ का दौरा किया।
- 38 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों से अपनी उद्योग इंटर्नशिप पूर्ण की। लोकस डिजाइन, पुणे, विक्रम बाबा मुंबई, बीबीएच, मुंबई, तूविया टेक्नालॉजीज़, मुंबई, उपासना डिजाइन, पांडिचेरी, तरुण खिलन दिल्ली, गाइड्स गल्फ न्यूज, वंडरबॉक्स, दिल्ली, वेज़ेन डिजाइन, बैंगलूरू ग्रेज़िया, मुंबई, ईशा अमीन, मुंबई, नोबलसे, मुंबई, तूविया टेक्नॉलाजीज़, मुंबई, बीइंग ह्यूमन, मुंबई, ली लिंटन, दिल्ली ओएमएल, मुंबई, जेडब्ल्यूटी, मुंबई, बीइंग ह्यूमन, मुंबई, जूई, मुंबई, आबेर्गिन सोलूशंस, बड़ौदा, एमसी कैन, चेन्नई, कविता लखानी, मुंबई, 5क्यू, मुंबई कविता लखानी, मुंबई, बीइंग ह्यूमन, मुंबई वांटों, एमटीवी ही टिकट, रजत पोद्दार, मुंबई, पूल मैगजीन, पूणे, रिद्धी मित्तल, दिल्ली, सिक्स ऑफ अस डिजाइन, मुबंई, रिद्धी मित्तल, दिल्ली मेहेर अहमद, मुंबई, ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे, मुंबई, क्रिएटिव बिट सर्विसेज़ प्रा.लि., रांची, अमी पटेल, मुंबई, सुप्रीम डिजाइन पुणे, वायकॉम 18 मीडिया प्रा.लि. आदि।

निफ्ट एफसी पटना

- एफसी सेमेस्टर III के छात्रों ने इंटरनेशनल प्रिंट एक्सचेंज प्रोग्राम द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी का दौरा किया जिसें 55 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट निर्माण कलाकारों ने भाग लिया। यह प्रदर्शनी 16 अगस्त, 2015 को बिहार ललित कला अकादमी, सांस्कृतिक परिसर, पटना में आयोजित की गई।
- एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 'बिहार : एक विरासत – कला और फिल्म महोत्सव 2016' का दौरा किया जिसका आयोजन ग्रामीण स्नेह फाउंडेशन द्वारा अधिवेश भवन (पुराना सचिवालय) पटना में 17–20 मार्च, 2016 तक किया गया था। इस दौरे का उद्देश्य शिल्प, फिल्म निर्माण और सृजनात्मक प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करना तथा अनेक फिल्मी हस्तियों जैसे श्री मनोज वाजपेयी, सुरी शिल्पा शुक्ला, श्री शत्रुघन सिन्हा, श्री मनोज तिवारी, श्री केतन मेहता, सुश्री नीतू चन्द्रा के साथ बातचीत करता था। इसके अलावा, शिल्प और हस्तशिल्प के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं द्वारा व्याख्यान प्रदर्शन का भी अवलोकन किया गया।
- प्रिंटिंग प्रक्रिया को समझने के लिए एफसी छात्रों का उद्योग दौरा 29 सितम्बर, 2015 को हिन्दुस्तान टाइम्स प्रिंटिंग एवं डिजाइन एकक में किया गया था जिसमें छात्रों के साथ पाठ्यक्रम प्राध्यापक श्री अमिताभ पाण्डेय और श्री के. विकास, सीसी–एफसी भी गए थे।

स्नातक समारोह

स्नातक परियोजनाएं

फैशन संचार विभाग के अंतिम सेमेस्टर के छात्रों ने जीवंत परियोजनाओं का कार्य अनुभव हासिल करने के लिए विभिन्न उद्योगों से अपनी स्नातक परियोजना पूर्ण कीं। चूंकि यह परियोजना अपने समस्त पहलुओं में यर्थावादी होती है, उद्योग के साथ सहयोग छात्रों के मध्य संयुक्त रूप से एक ऐसा संक्षिप्त आधार निर्मित करता है, जिसकी सहायता से छात्र एक विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार करते हैं जिसमें कार्यकारी क्रियाविधियां, दृष्टिकोण तथा परियोजना की स्पष्ट परिभाषा के साथ कार्यक्रम दर्शाए जाते हैं तथा परियोजना का सुचारू कार्यान्वयन और व्यावसायिक परिणाम सुनिश्चित होते हैं। छात्रों ने क्षेत्रों की एक व्यापक परिधि में कार्य किया जैसे विजुअल मर्कैंडाइजिंग, ग्राफिक डिजाइन, फैशन फोटोग्राफी स्टाइलिंग, जर्नलिज्म, सेट डिजाइन, विज्ञापन, डिजाइन शोध परियोजनाएं, कॉपी राइटिंग, संवर्धनात्मक लघु फिल्म निर्माण, प्रयोक्ता अंतरापृष्ठ डिजाइन तथा अन्य डिजाइन क्षेत्र। छात्रों ने स्वयं प्रारंभ की गई परियोजनाओं पर भी कार्य किया। छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजना विभिन्न कंपनियों से पूर्ण की, जैसे –

इंडिया टुडे, फ्रॉग आइडिया, ओगिल्वी एंड माथेर, जिक्वा, गुड अर्थ, कोंडे नास्ट – वोग नई दिलली, ओगिल्वी एंड माथेर, रिया माहेश्वरी फोटोग्राफी, जॉइजार्गी, कांट्रेक्ट, एडवरटाइजिंग, लिटल ब्लैक बुक, फैब इंडिया ओवरसीज़, पब्लिकइंजग्रुप, एंविगो मार्केटिंग प्रो.लि., कूल्स पीएलसी, साबू साइरिल, सैमसंग डिजाइन, लिगानोवा, दि ब्रांड रिटेल कंपनी, प्लेटफार्म मैगजीन, फोक्स स्टार स्टूडियोज़, इंडियन ऑगस्ट, हार्पर्स बाजार ब्राइड, इंडिया टुडे ग्रुप, पुसान मजूमदार डिजाइन (पीएमडी), इंडिया, कैंपफायर ग्राफिक्स नोवल्स, फ्यूचर ग्रुप,लोव–लिंटास, ब्रांड बी। बैच 2012–16

के 34 छात्रों ने अपनी संबधित कंपनियों से अपनी स्नातक परियोजना पूर्ण की। इन कंपनियों के नाम हैं – डीओआई, दि ग्लिच, ट्राकोन एक्सपोर्ट सर्विसेज़, ऐसे कम्युनिकेशंस, पर्सेंट, डीडीबी मुद्रा, रेमंड्स, ग्रेबैटर, मैककान, धारा, फॉक्सीमोरोन, पेवेलियंस एंड इंटीनिअर्स, बेवकूफ, मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल, टाइटन, फ्लैमिंगों ड्यूटी फ्री, डिजाइनस्टैक, ज्यूस, ट्रिपोटो, इंटरफेस नेक्सस पीआर और इवेंट्स, कोंडे नास्ट इंडिया (ट्रेवलर्स), फ्रो फ्रो, जीनेसिस लक्जरी, ओएंडएम, मैक्सपोज़र मीडिया ग्रुप, स्टाइल क्रैकर्स, 9 स्क्वैयर लैब्स, लिंटास, पेंटालूस, अरविंद, रश एंटरटेनमेंट।

स्नातक आयोजन

प्रदर्शनी और दीक्षांत समारोह

निफ्ट बैंगलूरू एफसी स्नातक समारोह 5 जून, 2015 को सेंट जॉन्स आडिटोरियम, जॉन नगर, कोरमंगला, बैंगलूरू में आयोजित किया गया। इस समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति थे – श्री भरत लाल मीणा, आईएएस, प्रधान सचिव, उच्चतर शिक्षा कर्नाटक सरकार, श्री सतीश वेणुगोपाल, कंट्री मैनेजर आस्ट्रेलिया और भारत उप महाद्वीप, कोरेल कार्पोरेशन, श्री शिल्पी शर्मा, उपाध्यक्ष (डिजाइन) रिलायंस ट्रेंड्स, श्री कुरुवेश वोहरा, क्रिएटिव डायरेक्टर लुई फिलिप मदुरा फैशन एंड लाइफ स्टाइल श्री तपन राजवंशी, मुख्य प्रचालन अधिकारी अरविंद लिमिटेड, श्री गौतम कोटमराजू वरिष्ठ उपाध्यक्ष न्यू इनीशिएटिव्स, मायंत्रा, कॉम और सुश्री कामाक्षी कॉल सहायक उपाध्यक्ष डिजाइन, मैक्स, लैंडमार्क ग्रुप।

एफसी विभाग का दीक्षांत समारोह 5 जून, 2015 को सेंट जॉन्स आडिटोरियम, जॉन नगर कोरमंगला, बैंगलूरू में आयोजित किया गया था। इस औपचारिक समारोह में प्रो. (डा.) ए.एच. राजासाब माननीय कुलपति तुमकुर विश्वविद्यालय, श्री सिलेशी लेम्मा महानिदेशक इथियोपिया वस्त्र उद्योग विकास संस्थान, आदिस अबाबा, श्री पराग दानी मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैल्विन क्लेन इंडिया, प्रो. एआर कृष्ण राजू जेसिम, फाउंडर जैसिम फाउटेनहैड उपस्थित थे।

निफ्ट दिल्ली एफसी का स्नातक समारोह 29 मई, 2015 को निफ्ट कैंपस, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) जेएनयू नई दिल्ली कैंपस, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। प्रतिष्ठित अतिथि श्री सुनील सेठी ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

निफ्ट हैदराबाद का एफसी स्नातक समारोह 23 मई, 2015 को आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित अतिथि श्री कडियम श्री हरि, माननीय उप मुख्यमंत्री और उच्चतर शिक्षा मंत्री ने समारोह की शोभा बढ़ाई। निफ्ट एफसी हैदराबाद का दीक्षांत समारोह 26 मई, 2015 को आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित अतिथि श्री बी.वी. आर. मोहन रेड्डी, संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष साइएंट लि., श्रीमती शैलजा राम अय्यर, आईएसए वीसी एवं एमडी तेलंगाना हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड को औपचारिक समारोह में आमंत्रित किया गया था।

निफ्ट कांगड़ा एफसी छात्रों का स्नातक कार्य टांडा मेडिकल कॉलेज कांगड़ा में 23 मई, 2015 को प्रदर्शित किया गया। डीसी कांगड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। सुश्री टेरेसा सेबेस्टियन और सुश्री खूशबू रैना को क्रमशः श्रेष्ठ जीपी और अभिनव जीपी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। निफ्ट स्नातक प्रदर्शनी इंटरनेट पर सीधे प्रदर्शित की गई। दीक्षांत समारोह 24 मई, 2015 को टांडा मेडिकल कॉलेज में आयोजित किया गया तथा डा. अनिल चौहान, प्राचार्य, टांडा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल समारोह के मुख्य अतिथि थे। दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण इंटरनेट पर वीएस वर्ल्ड कॉम पर किया गया।

निफ्ट मुंबई एफसी का स्नातक दीक्षांत समारोह सीआईडीसीओ कन्वेंशन हॉल, वाशी, नवी मुंबई में 23 मई 2015 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की शोभा श्रीमती हेमा मालिनी, माननीय सांसद तथा श्रीमती मांडा विजय महात्रे, एमएलए, वेलापुर असेम्बली द्वारा बढ़ाई गई।

फैशन प्रौद्योगिकी

वस्त्र विनिर्माण उद्योग ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा इसके निर्यात तथा घरेलू क्षेत्रों में पर्याप्त रूप से विकास करने की संभावना है। वृहद् विनिर्माण सुविधाओं के समेकन और सृजन की निश्चयकारी प्रवृत्तियों में तकनीकी–प्रबंधकों की आवश्यकता होती है जिसके फलस्वरूप वैश्विक सफलता की ओर उद्यमों का नेतृत्व किया जा सके। परिधान उद्योग की इस आवश्यकता की पूर्ति फैशन प्रौद्योगिकी विभाग (डीएफटी) द्वारा की जाती है।

विभाग के पास 12 निफ्ट कैंपसों म ंडीएफडी में 91 प्राध्यापकगण हैं। विभाग स्नातक और निष्णात स्तर पर दो विशेषताएं प्रदान करता है।

फैशन प्रौद्योगिकी में स्नातक कार्यक्रम (बी.एफ.टेक) : बी. एफ. टेक चार वर्ष का बहुविषयक प्रौद्योगिकी–उन्मुख कार्यक्रम है, जिसे केन्द्रीय परिधान विनिर्माण प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हए तैयार किया जाता है तथा ऐसा करते हुए श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा जाता है। स्नातक कार्यक्रम 12 निफ्ट कैंपसों में संचालित किया जाता है, अर्थात् बैंगलूरू, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पटना और नई दिल्ली।

फैशन प्रौद्योगिकी में निष्णात कार्यक्रम (एम.एफ. टेक) : एम. एफ. टेक निफ्ट द्वारा संचालित किया जाने वाला एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से इंजीनियरों के लिए तैयार किया गया है तथा उसका उद्देश्य ऐसे गतिशील युवा तैयार करना है जो उद्योग को तकनीकी–प्रबंधकीय समाधान प्रदान करने में समर्थ हों तथा उनमे ंप्रचालन और कार्यनीतिक चिंतन क्षमताओं का संतुलित सम्मिश्रण हो। निष्णात कार्यक्रम निफ्ट के चार कैंपसों में संचालित किया जाता है, अर्थात् बैंगलूरू, चेन्नई, गांधीनगर और नई दिल्ली। इस वर्ष इस कार्यक्रम में 143 छात्र हैं।

पत्र लेख और प्रस्तुतीकरण

राष्ट्रीय फोरम

विभाग का प्राध्यापक वस्त्र और परिधान के क्षेत्र में अनुसंधान संचालित करता है। संकाय सदस्यों द्वारा प्रमुख राष्ट्रीय जर्नलों तथा परिधान पत्रिकाओं में पत्रों/लेखों का प्रकाशन तथा राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में पत्रों का प्रस्तुतीकरण उनकी अनुसंधान पहलों का साक्ष्य है।

विभाग ने इस वर्ष लगभग 50 अनुसंधान पत्र तथा प्रकाशन राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/जर्नलों में प्रकाशित किए।

ऐसे कार्य का सारांश नीचे दिया गया है:

राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुतीकरण

बैंगलूरू

- डा. अंगाम्मल शांति, एसोसिएट प्रोफेसर ने 8 सितम्बर, 2015 को बैंगलूरू में 3डी एक्सपीरिएंस फोरम 2015 में डिस्कवर डी–एसॉल्ट सिस्टम्स 3डी एक्सपीरिएंस प्लेटफार्म में 'सामाजिक सहयोग के माध्यम से फैशन रिटेल में अभिनवता को सुदृढ़ बनाना' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

चेन्नई

- श्री अतिम कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर ने 13 फरवरी, 2016 को पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, कोयम्बत्तूर में फैशन और परिधान में संधारणीयता पर राष्ट्रीय

सम्मेलन में भारत में संधारणीय परिधान विनिर्माण : पहल और विवक्षाएं ''विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 7 फरवरी, 2016 को राजकीय बालिका पी.जी. कॉलेज, बिदकी, फतेहपुर (उ. प्र.) में उभरती पर्यावरणीय चिंताएं तथा संधारणीय विकास पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'परिधान उद्योग में संधारणीय विकास के विषय में संशय' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 9 और 10 फरवरी, 2016 को अवध बालिका डिग्री कॉलेज लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में मानव भूगोल समसामयिक मुद्दे और चिंताएं तथा संधारणीय विकास पर 'संधारणीतया और फैशन – शाश्वत विरोधाभास' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 31 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2015 तक आईआईटी, रुड़की, उत्तराखंड में 11वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, यूपीयूईए ''चिंतित नियोजक – कर्मचारियों कस सृजन – वैश्विक मांग के प्रत्युत्तर में फर्मों की पसंद से संबंधित मानव संसाधन का रूपांतरण'' विषय पर एकपत्र प्रस्तुत किया।

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 9 मार्च, 2016 को अविनाशीलिंगम महिला विश्वविद्यालय, वस्त्र एवं पोशाक विभाग, कोयमबत्तूर में पर्यावरण–वस्त्र और हरित उपभोक्तावाद, 2016 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरणीय–पोशाक और फैशन' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर को अविनाशीलिंगम विश्वविद्यालय – गृह विज्ञान और उच्चतर शिक्षा महिला संस्थान, कोयमबत्तूर में पर्यावरणीय–वस्त्र और हरित उपभोक्तावाद 2016 के दौरन पत्र प्रस्तुतीकरण पर एक तकनीकी सत्र में अयक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

दिल्ली

- डा. नुपुर आनंद ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन द्वारा फैशन परिधान और वस्त्र 2016 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कार्यात्मक और स्मार्ट गार्मेंट्स' पर एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्हें तकनीकी सत्र का अध्यक्ष भी बनाया गया।

हैदराबाद

- वी. प्रियदर्शनी सहायक प्रोफेसर और डा. शकील इकबाल, सह प्रोफेसर ने विश्वेश्वरैया भवन, खैरताबाद, हैदराबाद में 5–6 फरवरी, 2016 को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) द्वारा 'भारतीय वस्त्र उद्योग आधुनिकीकरण, मेक इन इंडिया नृजातीय हथकरघा, फैशन कौशल विकास और भावी वस्त्र'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वस्त्र उद्योग में परिधान सीएडी साफ्टवेयर का अनुप्रयोग'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. शकील इकबाल, सह प्रोफेसर और श्री पृथ्वीराज माल, सहायक प्रोफेसर ने विश्वेश्वरैया भवन, खैरताबाद, हैदराबाद में 5–6 फरवरी, 2016 को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) द्वारा 'भारतीय वस्त्र उद्योग आधुनिकीकरण, मेक इन इंडिया नृजातीय हथकरघा, फैशन कौशल विकास और भावी वस्त्र'' विषय पर आयोजित संगोष्ठीमें 'परिधान में तकनीकी विश्लेषण' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कन्नूर

- श्री एन. मुहिलवनम, सह प्रोफेसर को 13 फरवरी, 2016 को पीएसजी कॉलेज पीलामेडु कोयमबत्तूर में फैशन में संधारणीयता और परिधान चुनौतियों का समाधान पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी पत्र प्रस्तुतीकरण सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

पटना

- सुश्री नीलिमा टोप्नो, सह प्रोफेसर ने 10 मार्च, 2016 को आईआईटी कानपुर में रिसर्च स्कॉलर दिवस 2016 'ग्रेफीन – डिजाइनिंग स्मार्ट फैब्रिक' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय पत्र प्रकाशन

बैंगलूरू

- सुश्री जोनाली बाजपेयी ने परिप्रश्न शैक्षणिक जर्नल, मई से अगस्त, 2015 में 'परिधान निर्माण में एसए 8000 क्रियान्वयन की व्याप्ति' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया, आईएसएसएन 0976–7150.

चेन्नई

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 'संप्रेषण कौशल और उच्चतर शिक्षा' पुस्तक में एक अध्याय के रूप में अपने पत्र 'संप्रेषण को क्रियान्वित करना' का योगदान दिया, आईएसबीएन सं. 978–93–81022–37–5.

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने पर्यावरणीय वस्त्र तथा हरित उपभोक्तावाद 2016 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्मेलन कार्यवाहियों में एक पूर्ण पत्र के रूप में 'पर्यावरणीय – परिधान और फैशन' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

दिल्ली

- डा. नूपुर आनंद ने इमेज़ेज बिजनेस ऑफ फैशन में 'आकर्षक परिधान – वर्तमान और भविष्य' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया XVII/संख्या 2 फरवरी, 2016 आईएसएनएन 09727353.

- डा. सुरुचि मित्तर ने जर्नल ऑफ सांइटिफिक प्रोग्रेस एंड रिसर्च (आईजेएसपीआर) में इमेजेज़ बिजनेस ऑफ फैशन अगस्त, 2015 में 'क्या भारत को फैशन पूर्वानुमान सेवा की आवश्यकता है?' पर एक पत्र प्रकाशित किया, आईएसएसएन : 2349 – 4689 खंड–14, संख्या – 02, 201.

- डा. अर्चना गांधी ने इमेजेज़ बिजनेस ऑफ फैशन, अगस्त, 2015 में 'क्या भारत को फैशन पूर्वानुमान सेवा की आवश्यकता है?' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

जोधपुर

- श्री मनोज तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर ने स्टिच वर्ल्ड जुलाई, 2015 में 'परिधान विनिर्माण में आईई XI प्रोत्साहन स्कीमें' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- श्री मनोज तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर ने स्टिच वर्ल्ड अगस्त, 2015 में 'परिधान विनिर्माण में आईई XII प्रोत्साहन स्कीमें' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- श्री मनोज तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर ने सितम्बर, 2015 में 'परिधान विनिर्माण में औद्योगिक इंजीनियरी' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- प्रो. (डा.) रघुराम जयारामन निदेशक को प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा 19 फरवरी, 2016 को 'प्रबंध में उभरती प्रक्रियाओं' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जोधपुर इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी संस्थान में एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

- प्रो. (डा.) रघुराम जयारामन और श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्रोफेसर ने प्रबंध अध्ययन विभाग, जेआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन द्वारा 19 फरवरी, 2016 को 'प्रबंध में उभरती प्रक्रियाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सलावास रग्स की चुनौतियां और संधारणीयता – एक अध्ययन' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कांगड़ा

- श्री सुभाष चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर ने बिजनेस ऑफ दौरान नवम्बर, 2015 में 'क्विल्टेड उत्पादों के लिए नई प्रौद्योगिकी पर लेख' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पत्र लेख और प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

विभाग का संकाय वस्त्र और परिधानों के क्षेत्र में अनुसंधान संचालित करता है। संकाय सदस्यों द्वारा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों और परिधान पत्रिकाओं में पत्रों/लेखों का प्रकाशन तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में पत्रों का प्रस्तुतीकरण उनके अनुसंधान पहलकदमों का साक्षी है।

विभाग ने इस वर्ष लगभग 50 अनुसंधान पत्र और प्रकाशन राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/जर्नलों में प्रस्तुत/प्रकाशित किए।

ऐसे कुछ कार्य का सारांश नीचे दिया गया है:

अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नलों तथा परिधान पत्रिकाओं में प्राध्यापक द्वारा पत्रों और लेखों का प्रकाशन उनकी सतत् शोध का प्रमाण होता है। विभाग ने इस वर्ष राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और जर्नलों में 100 से अधिक शोध–पत्र और प्रकाशन प्रकाशित किए।

इस कार्य का सार नीचे दिया गया है:

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुतीकरण

बैंगलूरू

- डा. अनुपमा गुप्ता, सह प्रोफेसर ने हैम्बर्ग अंतर्राष्ट्रीय संभार–तंत्र सम्मेलन (एचआईसीएल) 2015 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'परिधान निर्यात का अंतर्देशीय परिवहन और लीड टाइम' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

भुवनेश्वर

- सुश्री सुलग्ना साहा, सहायक प्रोफेसर ने 19 नवम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में आईसीएसएफआरएम (अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन पर मामला विचार–गोष्ठी) में 'बायोमिमिक्री सोलूशंस फ्रॉम नेचर' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- श्री गंगाधर मलिक, सहायक प्रोफेसर ने 19 नवम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में आईसीएसएफआरएम (अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन पर मामला विचार–गोष्ठी) में 'परिधान उद्योग में परियोजना प्रबंध तकनीकों का अनुप्रयोग' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

चेन्नई

- डा. दिव्या सत्यन, सह प्रोफेसर ने 19–20 नवम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय फैशन रिटेल और प्रबंध पर मामला विचार–गोष्ठी में 'चर्म वस्तुओं विनिर्माण के लिए संधारणीय फोरेज़' पर एक मामला अध्ययन प्रस्तुत किया।

दिल्ली

- डा. अर्चना गांधी, सह प्रोफेसर ने 31 अक्टूबर, 2015 को नई दिल्ली में 11वें अंतर्राष्ट्रीय ओजीटीसी सम्मेलन में 'परिधान उद्योग में वरिष्ठ प्रबंधन और मर्केंडाइनरों के बीच परिकल्पना अंतर' पर पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. (प्रो.) प्रबीर जेना और डा. दीपक पंघल, सहायक प्रोफेसर ने 30 दिसम्बर, 2015 को इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी में हलिया अभिनवताओं पर 23वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईईटी) में 'सिलाई मशीन के लिए सेंसर–आधारित लाइटिंग सिस्टम' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

गांधीनगर

- सुश्री वसुंधरा चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने 19–20 नवम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय फैशन रिटेल और

प्रबंध पर मामला विचार–गोष्ठी में 'क्रॉस स्टिच एपैरल्स : दि एंडीवर ऑफ ए फर्स्ट जेनेरेशन – केस स्टडी' पर एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

पटना

- सुश्री नीलिमा रेगिना टोप्नो, सह प्रोफेसर ने 19 नवम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में आईसीएसएफआरएम (फैशन, रिटेल, और प्रबंध के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी) में विक्रेता क्षमता मूल्यांकन के प्रति वस्तुपरक दृष्टिकोण का विकास' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय पत्र प्रकाशन

बैंगलूरू

- सुश्री सुधा सिंह, सह प्रोफेसर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस एंड टेक्नालॉजी (आईजेआरएसटी) में 'वीडियो कॉमर्स टच, एक्सप्लोर एंड बाई–मिलेनियल्स न्यू अप्रोच टु बाई एपैरल ऑन–लाइन' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया, खंड 6 अंक–2 (अप्रैल से जून) (आईजेआरएसटी, ई–आईएसएसएन – 2249–6604, पी–आईएसएसएन–2454–180 एक्स.

- श्री रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर ने जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोस्टैटिक्स (एल्सेवियर) में 'स्पेरियल चार्ज डिस्ट्रिब्यूशन इन फाइब्रस डाईइलेक्ट्रिक्स' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया, खंड 76, 2015, पृष्ठ सं. 1–7.

- श्री रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर ने जर्नल ऑफ टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट (टेलर एंड फ्रांसिस) में 'इलेक्ट्रेट फाइब्रस फिल्टर मीडिया की फिल्ट्रेशन एफिसिएंशी का इष्टतमीकरण का अध्ययन' पर एक पत्र प्रकाशित किया, डीओआई 10.1080 / 00405000.2015.1128207.

दिल्ली

- डा. नूपुर आनंद ने अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन (आईओएसआर) खंड 20, अंक 10, वेर. II (अक्टूबर, 2015) पृष्ठ 37–43 ई–आईएसएसएन 2279–0837, पी–आईएसएसएन : 0279–0845 में 'आत्म–रक्षा परिधानों का विकास' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- डा. दीपक पंघाल ने एडवांसेस इन मैटीरियल्स एंड प्रोसेसिंग टेक्नालाजीज़ में 'बेंडिंग पार्ट्स की निर्णायक बैंड श्रृंखला के लिए स्वचालित प्रणाली' विषय पर एक प्रकाशित किया, प्रकाशक : टेलर एंड फ्रांसिस डीओआई 10. 1080 / 2374068 एक्स. 2015.1116232.

- डा. दीपक पंघाल ने एडवांसेस इन मैटीरियल्स एंड प्रोसेसिंग टेक्नालाजीज़ में 'कंपाउंड डाइन् की स्वचालित मॉडलिंग के लिए सीएडी प्रणाली' विषय पर एक प्रकाशित किया, प्रकाशक : टेलर एंड फ्रांसिस डीओआई 10. 1080 / 2374068 एक्स. 2015.1116228.

- डा. अर्चना गांधी और डा. सुरुचि मित्तर ने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान प्रगति और अनुसंधान जर्नल (आईजेएसपीआर) में 'निष्पादन मूल्यांकन – निष्पादन प्रबंधनकी ओर एक कदम (भारतीय परिधान उद्योग में मर्कैंडाइजर्स)' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया, आईएसएसएन : 2349–4689, खंड–14, संख्या–02, 2015.

जोधपुर

- श्री अंकुर सक्सेना, सहायक प्रोफेसर ने स्प्रिंगर आईएसबीएन 978–81–322–2141–8 के प्रकाशन में भारतीय परिधान उद्योग में हरित विनिर्माण प्रणाली का विकास : सामाजिक समस्याओं के लिए प्रणाली चिंतन' विषय पर एक पत्र प्रकाशित किया।

कांगड़ा

- सुश्री शिप्रा शर्मा, सह प्रोफेसर ने अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल, 4(10), 157–158 अक्तूबर, 2015 आईएसएसएन सं. 2273–8179 जर्नल डीओआई नं. 10. 15373 / 22778179 में 'भारतीय वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए एचपीडब्ल्यूपी के माध्यम से मानव पूंजी को सुदृढ़ बनाना' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पटना

- सुश्री नीलिमा रेगिना टोप्नो, एसोसिएट प्रोफेसर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ट रिसर्च इन इंजीनियरिंग टेक्नालॉजी एंड साइंसेज़' खण्ड 2 अंक 7 में 'ग्लिच टेक्सटाइल्स – दि सिंबायोसिस ऑफ टेक्नालॉजी एंड मैटीरियल पर एक पत्र प्रकाशित किया।

संचालित की गई परियोजनाएं और कार्यशालाएं

सरकार और उद्योग के लिए

डीएफटी ने परिधान क्षेत्र को सेवा तथा प्रशिक्षित श्रमशक्ति प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूर्ण करने के लिए प्रशिक्षण, कार्यशालाएं, प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी) और डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किए। इस वर्ष डीएफटी ने विभिन्न प्रकार की लगभग 20 परियोजनाएं संचालित कीं जिनके माध्यम से 2 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया।

इनमें से कुछ परियोजनाओं, एमडीपी, कार्यशालायें और डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है –

गांधीनगर

- मैसर्स अरविंद के लिए 02 माह का उत्पाद और सिलाई पर प्रशिक्षण

- एचपीसीएल के लिए फैब्रिक और वर्दी विकास पर परियोजना चल रही है

बैंगलूरू

- कौशल्या योजना के अंतर्गत पिछड़े वर्गों के कल्याण विभाग के लिए वस्त्र विनिर्माण प्रौद्योगिकी संबंधी छह माह का प्रशिक्षण दो बार आयोजित किया गया।
- चार दिन की अवधि के लिए सी एंड ए सोर्सिंग इंटरनेशनल लिमिटेड के लिए वस्त्र निर्माण प्रौद्योगिकी और लागत पर एमडीपी आयोजित किया गया।

चेन्नई

- परिधान उत्पादन और मर्चेन्डाइजिंग में एक–वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजी डिप्लोमा) संचालित किया गया।
- एनएमईआईसीटी परियोजना के लिए ई–विषय–वस्तु विकास (चल रही परियोजना)

पटना

- प्रौद्योगिकी जानकारी पूर्वानुमान और आकलन परिषद (टीआईएफएसी) के लिए परिधान विनिर्माण हेतु प्रौद्योगिकी उन्नयन पर कार्यशाला संचालित की गई।

जोधपुर

- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) के वृत्तिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया।
- वस्त्र मंत्रालय द्वारा सिद्धांतरूप में अनुमोदित उद्यमियों के लिए उत्पाद डिजाइन, विकास और अभिनवता केन्द्र की स्थापना (चल रही परियोजना)

कन्नूर

- वस्त्र मंडलम कुडुबश्री के लिए 10 दिन की अवधि के पैटर्न, निर्माण और वस्त्र निर्माण (औद्योगिक विनिर्माण) में कौशल विकास कार्यक्रम का संचालन किया गया।
- कल्पेनी, लक्षद्वीप की हौजरी फैक्ट्री से प्रशिक्षार्थियों के लिए कौशल उन्नयन कार्यक्रम परियोजना–III
- केरल सरकार वन और वन्य–जीव विभाग के लिए ईसीओ कैडेट यूनीफार्म डिजाइन संचालित किया।

मुंबई

- एक वर्षीय परिधान उत्पादन और मर्कैंडाइजिंग कार्यक्रम संचालित किया गया।

कोलकाता

- परिधान उत्पादन और मर्कैंडाइजिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा संचालित किया गया।
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा संचालित किया गया।
- फैशन टेक्नालॉजी में साफ्वेयर अनुप्रयोग पर 4 माह का सार्टिफिकेट कार्यक्रम संचालित किया गया।
- फैशन डिजाइन में में साफ्वेयर अनुप्रयोग पर 4 माह का सार्टिफिकेट कार्यक्रम संचालित किया गया।
- फैशन उत्पादन और रिटेल मैनेजमेंट में एक वर्षीय सार्टिफिकेट कार्यक्रम संचालित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव उपलब्ध कराने तथा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रक्रियाओं के बीच सहक्रिया का सृजन करने के लिए विभाग छात्रों को सेमेस्टर विनिमय/ट्विनिंग कार्यक्रमों/ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों की पेशकश करता है।

12 छात्रों ने निम्न विवरण के अनुसार इस पहल का लाभ उठाया:

- बेंगलुरु, चेन्नई, जोधपुर, कन्नूर, कांगड़ा, हैदराबाद, मुंबई के 09 बी.एफ.टेक छात्र सेमेस्टर विनिमय के लिए ईएनएसएआईटी, फ्रांस गए।
- निफ्ट कांगड़ा और मुंबई के 02 सेमेस्टर–VI, बीएफ टेक के छात्र ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए सैक्शन यूनीवर्सिटी गए।
- बीएफयूटी के एक छात्र ने डीएफटी नई दिल्ली से सेमेस्टर विनिमय में भाग लिया।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

मेले और प्रदर्शनियां

संकाय सदस्यों के चहुंमुखी विकास के लिए तथा उन्हें वस्त्र और परिधान के क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए प्राध्यापक सदस्यों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस वर्ष 11 प्राध्यापक सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने 23–26 सितम्बर, 2015 तक शंघाई में आयोजित चीनी सिलाई मशीन एसोसिएशन (सीआईएसएमए) मेले में भाग लिया जिसका उद्देश्य पूर्व–सिलाई, सिलाई और बुनाई, पश्च–सिलाई, सीएडी/सीएएम, वैश्विक परिधान उद्योग के लिए आईटी अनुप्रयोग में नवीनतम घटनाक्रमों की जानकारी प्राप्त करना तथा अपने ज्ञान को संवर्धित करना था।

जिन राष्ट्रीय मेलों तथा तथा प्रदर्शनियों में संकाय सदस्यों ने भाग लिया, उनमें से कुछ हैं : परिधान प्रौद्योगिकी

प्रदर्शनी (जीटीई), इंडिया निट फेयर (तिरुपुर), परिधान मेला (चेन्नई), ब्रदर सिलाई मशीन शो (चेन्नई), गार्मेंट टेक्नालॉजी एक्सपो (दिल्ली), भारत अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र मेला (दिल्ली), औद्योगिक और हस्तशिल्प मेला (जयपुर), वैश्विक वस्त्र प्रौद्योगिकी और इंजीनियरी शो (मुंबई), निटटेक (तिरुपुर) आदि।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं तथा प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

फैशन व्यवसाय में बदलते हुए रूझानों से संकाय सदस्यों को जागरूक बनाने तथा उन्हें उद्योग की तेजी से बदलती हुई गति के विषय में जानकारी देने के उद्देश्य से संकाय सदस्यों को उनके ज्ञान को परिपुष्ठ बनाने में सहायता करने के प्रयोजनार्थ प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। डीएफटी ने कार्य अध्ययन, परियोजना, प्रबंध, एर्गोनॉमिक्स, एक्सेल और अनुसंधान क्रियाविधि के क्षेत्रों में प्रशिक्षकों के लिए 05 प्रशिक्षण संचालित किए। इस अनुभव के माध्यम से निफ्ट के 35 प्राध्यापक सदस्य लाभान्वित हुए।

समस्त डीएफटी कैंपसों के 17 डीएफटी प्राध्यापक सदस्यों ने सूक्ष्म स्तर पर उद्योग के प्रति उनके कार्यसाधक ज्ञान को अद्यतन बनाने तथा उद्योग और उसके अंतर्संबंध को व्यावहारिक समझ प्राप्त करने के लिए परिधान उद्योग में संकाय संबद्धता कार्यक्रमों में भाग लिया।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

छात्रों के साथ ज्ञान को तथा अनुभवों को साझा करने के लिए वार्ताओं, विचार–विमर्श, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के लिए उद्योग से विशेषज्ञों को आमंतित्र किया जाता है। इस वर्ष लगभग 200 विशेषज्ञ छात्रों के साथ उनके अनुभवों को साझा करने के लिए समस्त डीएफटी कैंपसों में आमंत्रित किया गया। चर्चा के क्षेत्रों में से कुछ हैं : संधारणीय और हरित उत्पादन का महत्व, लाभ, नकदी प्रवाह और ब्रेकईवन प्वांइट विश्लेषण, परिधान उद्योग में सीएसआर, सकल उत्पादक अनुरक्षण, कर्मचारी व्यवहार विश्लेषण, हरित एचआरएम, कस्टम और शिपमेंट की औपचारिकताएं, परिधान उद्योग में प्लांट ले आउट रूझान, विक्रेता प्रबंधन, सिक्स सिग्मा, लागत–निर्धारण पद्धतियां, निर्माण टाइपोग्राफी और डिजाइन, परिधान विनिर्माण में स्वचालन तथा प्रगति, कानबान, वैश्विक विपणन, ओर्सिंग में हालिया रूझान, परिधान उद्योग में आरएफआईडी अनुप्रयोग, वित्तीय पूर्वानुमान, उद्यमवृत्ति में चुनौतियां, एर्गोनामिक्स और कार्यस्थल इंजीनियरिंग, इ–रिटेल/वाणिज्य, उत्पादजीवन–चक्र प्रबंधन, परिधान में संयुक्त उद्यम और अर्जन, आदि।

प्रारंभ और पूर्ण की गई

पीएच.डी.

शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अनेक डीएफटी शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अनेक डीएफटी संकाय सदस्यों ने डॉक्टोरल डिग्री के लिए रजिस्ट्रीकरण किया है। दो संकाय सदस्य डा. अनुपमा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर निफ्ट बैंगलूरू तथा डा. दीपक पंघाल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली ने इस वर्ष डॉक्टोरल डिग्री पूर्ण की। वर्तमान में 21 डीएफटी प्राध्यापकगण विभिन्न विश्वविद्यालयों से अपनी डॉक्टोरल डिग्रियों के लिए अध्ययन कर रहे हैं।

छात्र प्रतिभागिता

विभागेत्तर क्रियाकलाप

छात्रों को विभिन्न शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जैसे खेल–कूद, एथलेटिक्स, गायन, संगीत, वादःविवाद, पोस्टर निर्माण, सृजनात्मक लेखन, कविता, सामाजिक कार्य आदि।

इस संबंध में कुछ उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

- गांधीनगर के 04 छात्रों ने महिला अधिकारिता तथा भ्रूण–हत्या निवारण के लिए एडब्ल्यूडब्ल्यूए कार्यशाला में भाग लिया।
- गांधीनगर के 01 छात्र ने वन विभाग की नारा लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- निफ्ट चेन्नई के डीएफटी छात्रों ने एनजीओ द्वारा एक अनाथालय के लिए संचालित धान उत्सव के भाग के रूप में टाई एंड डाई पर कार्यशाला संचालित की।
- निफ्ट चेन्नई के डीएफटी छात्रों ने वाईएमसीए के लिए संचालित धान उत्सव के भाग के रूप में साफ्टस्किल्स पर कार्यशाला संचालित की।
- दिल्ली के एक छात्र ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित भारत–अफ्रीकी फोरम समिट में भाग लिया।
- पटना के एक छात्र ने भुवनेश्वर में 19 नवम्बर 2015 को आयोजित आईसीएसएफआरएम (फैशन, रिटेल और प्रबंध के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी) में पत्र प्रस्तुत किया।
- चेन्नई के छात्रों ने आस्ट्रेलियाई बाजार तथा कोलम के सौंदर्य के लिए चिकित्सा वस्त्र और हथकरघा रूझानों पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- दिल्ली के एक छात्र ने एमयूएन में भाग लिया तथा मालदीव्स में युवा प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ।

- दिल्ली के एक छात्र ने भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण द्वारा आयोजित आर्ट बियांड बार्डर्स – भारत–बांग्लादेश जयपुर साहित्यिक समारोह–2016 में सहायक क्यूरेटर के रूप में भाग लिया।
- गांधीनगर के 10 छात्रों तथा दिल्ली के 04 छात्रों ने हिंदी पखवाड़ा प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक लेखन और पोस्टर निर्माण में भाग लिया जिसमें से 06 छात्रों ने पुरस्कार जीते।
- समस्त डीएफटी कैंपसों से इंटरकॉलिजिएट में 20 से अधिक पुरस्कार जीते गए।
- समस्त डीएफटी कैंपसों से निफ्ट कन्वर्ज, स्पेक्ट्रम तथा एनएफओ में 50 से अधिक पुरस्कार जीते गए।
- अनेक अंतर्कालेज शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में 30 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

सतत् शिक्षा

और अल्पकालिक कार्यक्रम

डीएफटी व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए वृत्तिकों के कैरियर की विभिन्न अवस्थाओं पर उनके लिए तैयार किए गए सीई कार्यक्रम संचालित करता है। डीएफटी ने परिधान उत्पादन के क्षेत्र में 6 डीएफटी कैंपसों में संचालित किए जाने वाले 6 सीई कार्यक्रमों के माध्यम से इस वर्ष लगभग 60 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया।

उद्योग के साथ संबंध

दौरे और छात्र इंटर्नशिप

कक्षा के सैद्धांतिक शिक्षण को वास्तविक जीवन के परिदृश्य से जोड़ने के लिए छात्र परिधान उद्योग में इंटर्नशिप करते हैं तथा उनके दौरे करते हैं। ये इंटर्नशिप और दौरे छात्रों को परिधान विनिर्माण में विद्यमान पद्धतियों का अनुभव प्रदान करते हैं। परिधान विनिर्माण संस्थापनाओं तथा संबद्ध क्षेत्रों की वस्त्र मिलों, परीक्षण प्रयोगशालाओं, ट्रिम विनिर्माताओं, प्रोसेसिंग गृहों, बुनकर सेवा केन्द्रों, मशीन विनिर्माताओं, आईटी क्षेत्र की सेवा करने वाले परिधान उद्योग, औद्योगिक मेलों आदि में छात्रों के लिए डीएफटी कैंपसों द्वारा लगभग 200 दौरे संचालित किए गए। इन दौरों के अलावा, डीएफटी छात्रों को उन इंटर्नशिपों के माध्यम से उद्योग का अनुभव भी प्रदान किया जाता है, जो वे उत्पादन गृहों में 12–14 सप्ताह की परिधान इंटर्नशिप, वस्त्र उद्योग में 2 सप्ताह की तथा संबद्ध क्षेत्रों में 2 सप्ताह की इंटर्नशिप के माध्यम से हासिल करते हैं।

शोध परियोजनाएं और

स्नातक शो

अपनी पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या के भाग के रूप में विभाग के छात्र अंतिम वर्ष में परिधान उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में शोध परियोजनाएं संचालित करते हैं। परियोजना का उद्देश्य परिधान विनिर्माण में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग द्वारा चुने गए क्षेत्र में शोध–कार्य/प्रयोग के माध्यम से अंतिम सेमेस्टर के छात्रों के शिक्षण को एकीकृत करना है। शोध के कुछ क्षेत्र हैं – उत्पादकता मापन और सुधार तकनीकें, फिट विश्लेषण, गुणवत्ता मापन और सुधार पद्धतियां, किसी उत्पादन अथवा गुणवत्ता प्रणाली का क्रियान्वयन, उत्पाद विकास, उत्पाद/प्रक्रिया री–इंजीनियरी साइजिंग, तकनीकी मूल्यांकन और/अथवा एमआईएस/ईआरपी/सीएडी प्रणालियो का क्रियान्वयन, साफ्टवेयर डिजाइन और विकास, प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन, रिटेल/विक्रेता प्रबंधन, मर्केंडाइजिंग, मानव संसाधन प्रबंधन, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व, ई–वाणिज्य, उत्पादकता और/अथवा गुणवत्ता सुधार के लिए प्रक्रिया स्वचालन आदि।

डीएफटी की समस्त शोध परियोजनाएं उद्योग द्वारा प्रायोजित हैं। छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में परियोजनाएं संचालित कीं, जैसे अरविंद, रेमंड, मार्क्स एंड स्पेंसर, ओरिएंट क्राफ्ट, मदर केयर, मदुरा, स्नैपडील, वेलोसिटी, एपैरल (मिश्र), ब्रैंडिक्स सिल्वर स्पार्क, इंटिमेट एपैरल्स, सेलेब्रिटी फैशंस, गोकुलदास एक्सपोर्ट्स, इंडिया टेरीन, जीएपी, इंटेलोकट, इंडिटेक्स टीसीएनएस, यूसीबी, फ्लिपकार्ट, इम्पल्स, ली एंड फंग, शॉपर स्टॉप, ट्राइबर्ग, बांसवाडा गार्मेंट्स, इंडस लीग, लाइम रोड, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल, डेकॉथलन, पेंटालूंस, मस्ट गार्मेंट्स, शाही एक्सपोर्ट्स, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स, टेफल्स, लैगुना क्लोदिंग, स्पीडो, प्रतिभा सिंटेक्स, वर्धमान, मायंत्रा डिजाइंस, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, रेडनिक एक्सपोर्ट्स, ब्लैक बेरी, इंडिगो एलेरल आदि।

कैंपस	2015 में स्नातक छात्रों की संख्या	स्तानक की दिनांक शो टेक्नोवा (बी.एफ.टेक)/ टेकनोसुम्मिट (बी.एफ. टेक एवं एम.एफ. टेक)
बैंगलूरू	बीएफटेक 27, एमएफटेक 28	5 जून 2015
चेन्नई	बीएफटेक–25, एमएफटेक 15	22 मई 2015
दिल्ली	बीएफटेक–26, एमएफटेक 22	28 मई 2015

गांधीनगर	बीएफटेक 25, एमएफटेक 17	22 मई 2015
हैदराबाद	बीएफ टेक–25	21 मई 2015
जोधपुर	बीएफ टेक–26	21 मई 2015
कांगड़ा	बीएफ टेक–34	22 मई 2015
कन्नूर	बीएफ टेक–25	2 जून 2015
कोलकाता	बीएफ टेक–23	25 मई 2015
मुम्बई	बीएफ टेक–21	23 मई 2015
योग	बीएफटेक 257, एमएफटेक 82	

डीएफटी से पेटेंट

- डा. नुपुर आनंद और श्री दीपक पंघल ने 2 छात्रों के साथ आत्मरक्षा परिधानों पर पेटेंट के लिए आवेदन दिया है जो ऐसी पोशाक है, जो पहनने वाले को बिजली के झटके से होने वाले अवांछनीय संपर्क से बचाती है।

स्नातक समारोह

कोनवोकेशन

- 339 छात्रों ने (257 बीएफ. टेक और 82 एमएफ. टेक) ने 2015 में अपनी डिग्रिया प्राप्त कीं।

परिसर	2015 में दीक्षांत समारोह की तारीख	दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित अतिथि समारोह का स्थल	2015 में दीक्षांत
बैंगलूरू	5 जून 2015	–प्रो. डॉ. ए.एच. राजासाब, माननीय कुलपति, टुमकूर यूनिवर्सिटी –श्री सिलेशी लिमा, महानिदेशक, इथियोपिया टेक्सटाईल विकास संस्थान, अदीस अबादा –श्री पराग दानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केल्विन क्लेन इण्डिया –प्रो0 डॉ. कृष्णाराव जेसिम, संस्थापक, जेसिम फाउंटेनहेड	सेंट जॉनस सभागार
चेन्नई	25 मई 2015	–पद्मश्री डॉ. ए. शक्तिवेल, बीओजी सदस्य –श्रीमती नमिता आर.एल. चौधरी, बीओजी सदस्य, निफ्ट –डॉ. वंदना भण्डारी, डीन–(शै.), निफ्ट, नई दिल्ली	तिरूवल्लूर सभागार निफ्ट चैन्नई कैंपस
दिल्ली	3 जून 2015	–माननीय वस्त्र मंत्री श्री संतोष गंगवार	इण्डियन इस्टीट्यूट मास कम्यूनिकेशन, जेएनयू नई दिल्ली
गांधीनगर	4 जून 2015	–श्री सुजीत गुलाटी, आईएएस, प्रधान शिक्षा सचिव एवं प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग –श्रीमती समीता राजोरा–आईएफएस और एक्स–निफ्ट गांधीनगर डॉरेक्टर –श्रीमती विलु मिर्जा–एक्स–निफ्ट गांधीनगर	निफ्ट सभागार गांधीनगर
हैदराबाद	26 मई 2015	–श्री बी वी आर मोहन रेड्डी, फाउंडर एवं एजिक्यूटिव चैयरमेन एम/एस. सियेंट लि. चैयरमेन–नासकोम	निफ्ट कैम्पस
जोधपुर	23 मई 2015	–प्रो. पुनम सक्सैना वाइस चांसलर, नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, जोधपुर	होटल ताज गेटवे
कांगडा	23 मई 2015	–श्री शर्मा वीसी सेंटर्ल युनिवर्सिटी धर्मशाला	शोभा सिंह सभागार टांडा मेडिकल कॉलेज
कन्नूर	3 जून 2015	–डॉ. जीआरसी रेड्डी (नेशनल इस्टिट्युट ऑफ टेक्नोलॉजी, कालीकट) –श्री करीमपुजाह रामन (मेनेजिंग डॉरेक्टर हेंडीक्राफ्ट डब्लपमेंट कार्पोरेशन ऑफ केरला लि.)	दिनेश सभागार कन्नूर
कोलकाता	23 मई 2015	–माननीय जस्टिस अल्तमश कबीर, चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (रिटायर्ड) –प्रो. अबु तालिब खान, वाइस चांसलर, अलिआ युनिवर्सिटी –प्रो. धरोबाज्योति चटोपाध्याय, प्रो.–वाइस चांसलर ऑफ एकेडमिक अफेयर्स, युनिवर्सिटी ऑफ कालिकट –प्रो. डॉ. पी. इश्वरा भट, वाइस चांसलर, वेस्ट बंगाल नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ जुरिडिकल सांइस (एनयूजेएस)	निफ्ट सभागार
मुम्बई	23 मई 2015	–श्रीमती हेमा मालिनी (फिल्म एक्टर) –श्री प्रदुमन व्यास, एनआईडी डॉयरेक्टर –श्री नरेन्द्र कुमार अहमद–डिजाइनर –श्रीमती सत्या सरन, एडिटर फेमिना	सीआईटीसीओ भवन वाशी, नवी मुम्बई

फैशन प्रबंध अध्ययन

फैशन प्रबंध अध्ययन विभाग निफ्ट के संस्थापना के समय से विद्यमान विभागों में से एक हैं। विभाग द्वारा प्रदान किए जा रहे पी.जी. कार्यक्रमों में मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। वर्तमान में विभाग समूचे भारत के 14 कैंपसों में एमएफएस कार्यक्रम संचालित कर रहा है। ये हैं – बैंगलूरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली और शिलांग।

अध्यक्ष : डा. जी. हरी शंकर प्रसाद

कैंपसों में एफएमएस विभाग के केन्द्र समन्वयक –

बैंगलूरू: सुश्री कृतिका जी.के. तथा चार प्राध्यापकगण

भोपाल : श्री आदित्य उपाध्यक्ष तथा दो प्राध्यापकगण

भुवनेश्वर : डा. गौतम साहा तथा दो प्राध्यापकगण

चेन्नई : डा. शशिरेखा और तीन प्राध्यापकगण

गांधीनगर : सुश्री जागृति मेहता तथा तीन प्राध्यापकगण

हैदराबाद : श्री आई. चक्रपाणि तथा पांच प्राध्यापकगण

जोधपुर: डा. रुचिका डावर तथा तीन प्राध्यापकगण

कन्नूर : डा. एम. कृष्ण कुमार तथा तीन प्राध्यापकगण

कोलकाता : श्री देवयेन्दु बी. दत्ता तथा चार प्राध्यापकगण

मुंबई : सुरी लिपि चौधरी तथा चार प्राध्यापकगण

नई दिल्ली : सुश्री प्रतिका बावा तथा पांच प्राध्यापकगण

पटना : श्री टोनी शर्मा तथा चर प्राध्यापकगण

रायबरेली : श्री अमिताव चौधरी

शिलांग: श्री अनर्व बनर्जी तथा दो प्राध्यापकगण

प्राध्यापक प्रतिभागिता

पत्र, लेख और प्रस्तुतीकरण

कन्नूर

- डा. एम. कृष्णकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर ने एआईएमए जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, आईएसएसएन 0974–497, अक्टूबर, 2015, खण्ड 9, अंक 3/4 में 'कॉलेज छात्रों के परिधान क्रय निर्णय और क्रय व्यवहार' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

- डा. एम. कृष्णकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 19.11.15 और 20.11.15 को अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में संजय परिधान, एक्सपोर्ट्स पोस्ट शिपमेंट इशू पर एक मामला अध्ययन प्रस्तुत किया।

- डा. एम. कृष्णकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 19.11.15 और 20.11.15 को अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में लोटस मॉल, पर एक मामला अध्ययन प्रस्तुत किया

हैदराबाद

- डा. एच.जी.एस. प्रसाद, अध्यक्ष, एफएमएस ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 19.11.15 और 20.11.15 को अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी नेतृत्व का जीआईटीए मॉडल' विषय पर एक मामला अध्ययन प्रस्तुत किया

बैंगलूरू

सुश्री गुलनाज बानू, सह प्रोफेसर, निफ्ट बेंगलूर ने –

- मार्च, 2015 में पीईएस विश्वविद्यालय में ''पर्सेप्शन चेंज ऑफ वाचेज़ फ्रॉम ए फंक्शनल एक्सेसरी टू ए फैशन एक्सेसरी'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- अप्रैल, 2015 में जैन विश्वविद्यालय में ''पुरुष शर्टों के विशिष्ट संदर्भ में फैशन उत्पादों के लिए उत्पाद जीवनचक्र प्रबंधन के लिए कार्यनीतियां' विषय पर एक पत्र का प्रस्तुतीकरण और प्रकाशन।

- मई, 2015 में 'बैंगलूरू शहर में ब्रैंडेड पुरुष शर्टों के लिए उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान पर अध्ययन' विषय पर एक पत्र का प्रस्तुतीकरण और प्रकाशन।

- निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में एमएफएम सेमेस्टर–III के छात्र श्री गोकुल कन्नन पी. द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए 'क्या ओमनी चैनल रिटेल के अविष्ट की रिटेलिंग कर रहा है? रिटेल रूझान और कार्यनतियां' विषय पर एक मामला पत्र का संयुक्त लेखन कार्य किया।

- निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में एफएमएस प्राध्यापक श्री प्रतीक घोष द्वारा संयुक्त रूप से लिखे और प्रस्तुत किए गए 'ई–फैशन रिटेल उद्योग में रिवर्स लॉजिस्टिक्स' विषय पर एक मामला पत्र का संयुक्त लेखन–कार्य किया।

- डा. संजीव एस. मलागे, सह प्रोफेसर, निफ्ट बैंगलूरू ने निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में एमएफएस सेमेस्टर–ppp के छात्र श्री के. सुनील कुमार द्वारा संयुक्त रूप से लिखे और प्रस्तुत किए गए 'डि ऐप वे – फ्रॉम वेब टु ऐप प्लेटफार्म' विषय पर एक मामला पत्र प्रस्तुत किया।

- सुश्री कृतिका जी.के. सहायक प्रोफेसर निफ्ट बैंगलूरू ने निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में एफ एंड एलए विभाग के संकाय सदस्य डा. यतीन्द्र एल, द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए 'ई–रिटेलर्स द्वारा छोटे उद्यमों और उद्यमियों का प्रक्षेपन : कैंपस सूत्रा के लिए एक व्यवसाय मामला' विषय पर एक मामला पत्र संयुक्त रूप से लिखा और प्रस्तुत किया।

- श्री प्रतीक घोष प्रोफेसर ने निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन मामला विचार–गोष्ठी में एफएमएस संकाय सुश्री गुलनाज बानू पी. द्वारा संयुक्त रूप से लिखित और प्रस्तुत 'ई फैशन रिटेल उद्योग में रिवर्स लॉजिस्टक्स' विषय पर एक मामला पत्र संयुक्त रूप से लिखा।

चेन्नई

डा. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने :

- प्रेरणा जर्नल ऑफ मैनेजमेंट थॉट एंड प्रैक्टिस, खण्ड 7, अंक 1, 2015 में 'ऑफलाइन और ऑनलाइन परिधान शॉपिंग के बीच उपभोक्ताओं की पसंद का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- आईएफआईएम बिजनेस स्कूल, बेंगलूर द्वारा प्रकाशित 'फोकस : दि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैंनेजमेंट डाइजेस्ट'' (मार्च–सितम्बर, 2015) जर्नल में 'युवा वयस्कों के मध्य मोबाइल फोन का प्रभाव – एक अनुभवजन्य अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रकाशन प्रस्तुत किया।

- राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 19.11.2015 को फैशन, रिटेल और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी में प्रस्तुत करने के लिए 'मनजमेडु ग्राम (अरियालूर तालुक, तमिलनाडु) में हथकरघा रेशम बुनकरों की आर्थिक स्थिति' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

गांधीनगर

सुश्री हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर ने –

- अभिज्ञान, जर्नल ऑफ फोर स्कूल ऑफ मैंनेजमेंट, दिल्ली, अक्तूबर, 2015 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत हुए 'फैशन उपभोक्ताओं के लिए उपभोक्ता अनुभव पुनः आविष्कृत करना' विषय पर पत्र प्रकाशित किया।

- एक्सेल बुक्स प्राइवेट लि. 2015 के साथ सहयोग करते हुए एआईएमए (अखिल भारतीय प्रबंध एसोसिएशन), मामलों की पुस्तक में, प्रबंध मामलों में 'समकालीन और पारपंरिक के बीच संतुलन के लिए आवरण–स्ट्राइविंग' विषय पर प्रकाशित लेख।

- नॉटिंगम ट्रेंट विश्वविद्यालय, यूके में 17–19 जून, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्लेट (प्रोडक्ट लाइफटाइम्स एंड दि एनवायर्नमेंट) की कार्यवाहियों में 'परिधान उत्पाद अटैचमेंट एंड लांगिविटी संवर्धन के लिए उपभोक्ता अनुभव का निर्माण पर पत्र प्रकाशित किया।

- वालजात कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइसेंज, मस्कट ओमान में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सांइसेज एंड मैनेजमेंट, खण्ड 1, सं. 1, 12–27, 2015 में 'उन उपभोक्ता

अनुभवों का निर्माण जो युवा ग्राहकों में परिधान उत्पाद अटैचमेंट को प्रेरित करते हैं' विषय पर विश्लेषण पत्र प्रस्तुत किया।

- उपभोक्ता की संवेदनाओं से उत्पन्न होने वाली अनुभवजन्य मूल्यों के माध्यम से उत्पाद अटैचमेंट सृजित करना : फैब इंडिया का मामला अध्ययन', एशिया पेसेफिक मार्केटिंग रिव्यू में प्रकाशन के लिए स्वीकृत हुआ, जो एशिया पेसेफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा प्रकाशित अनुसंधान जर्नल है, आईएसएसएन : 2277–2057 (प्रिंट) – 2320–9607 (ऑनलाइन) 2015

सुश्री हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर और सुश्री जागृति मिश्राः–

- कार्यनीतिक लाभों को अनुरक्षित करना – चौहानों का पारंपरिक परिवार व्यवसवाय', अंतर्राष्ट्रीय मामला अध्ययन सम्मेलन 2015 (इस मामले ने परिवार व्यवसाय मामलो की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता)।

सुश्री प्रीति गढवी, सहायक प्रोफेसर, सुश्री हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर निफ्ट गांधीनगर :

- परिधान जीवन अवस्थाओं के लिए संधारणीय फैशन और अभिनव दृष्टिकोण, संबद्ध युग में व्यवसाय और प्रबंधन पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेन में प्रस्तुत किए जाने के लिए स्वीकृत।

कोलकाता

- दत्ता डी.बी. और रॉय ए. (2016) विभिन्न मार्डेंट्स का प्रयोग करते हुए यूकेलिप्टिस पत्ती के निष्कर्षण (यूकेलिप्टिस कैमेलडुलेनसिस) के साथ लैदर डाइंग, लैदरेज, 3814), 26–39.

- पालित एस. और दत्ता डी.बी. (2016) निष्पादनकारी कला से प्रदर्शकारी कला में रूपांतरण : पट्टचित्र के लिए उत्तरजीविता कार्यनीति, एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी स्टडीज़ 4 (23), 218–222

- दत्ता डी.बी. (2015) रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान प्रौद्योगिकी : इसके अवयवों, सिद्धांतों और अनुप्रयोगों का पूर्वावलोकन, एशियन जर्नल ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी रिसर्च, 5(2), 565–573.

- दत्ता डी.बी. (2015) चाय के साथ कॉटन की डाइंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइबर एंड टेक्सटाइल रिसर्च, 5(4), 74–80.

- दत्ता डी.बी., दास डी. और भट्टाचार्या पी. (2015). प्राकृतिक रंग और एटाकॉनिक एसिड के साथ कॉटन फैब्रिकरी कनकरंट डाइंग और फिनिशिंग, जर्नल ऑफ फैशन टेक्नालॉजी एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, 3(3), 1–8

- सुश्री रितु मलहोत्रा (एसोसिएट प्रोफेसर, एफएमएस, निफ्ट कोलकाता) तथा सह–लेखक श्री बालामुरुगन ए (आईआईटी–बीएचयू, आईआईएम–सी, डॉक्टोरल स्कॉलर–XLRL) : सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी नागरिकता के लिए भारतीय शिल्पकारों से सांस्कृतिक आर्किटाइप ब्रांड'' शोध–पत्र उत्पादकता जर्नल में प्रकाशन के लिए स्वीकृत (फरवरी, 2016) ख्आईएसएसएन : 0032:9924,.

- बनर्जी एस. और मिश्रा जे. (2015). एआईओ मॉडल के अनुप्रयोग के माध्यम से लक्जरी खण्ड में भारतीय उपभोक्ताओं के प्रकारों की पहचान पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, ग्लोबसिन मैनेजमेंट जर्नल प (1 और 2), 19–32

- बनर्जी एस. और सरकार एस. (2015). भारत में नश्जातीय पोशाक बाजार में उपभोक्ता के क्रय व्यवहार को समझने के लिए अनुभवजन्य अध्ययन' दृष्टिकोण : ए मैनेजमेंट जर्नल 7 (1), 52–82

- डा. दिव्येन्दु विकास दत्ता तथा डा. देवाशीष दास द्वारा संयुक्त रूप से ''प्राकृतिक रंग और इटैकोनिक एसिड के साथ वस्त्र आधारित कॉटन के समवर्ती डाइंग और फिनिशिंग विषय पर लिखा गया पत्र 8–10 अप्रैल 2016 को वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग, एनआईटी, जालंधर, पंजाब द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरटीसीटी–2016 में प्रस्तुत किया गया।

- डा. अनन्या देव रॉय द्वारा ''फ्लैश रिटेल लिमिटेड – एक नया स्टोर खोलना' विषय पर लिखा गया पत्र निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी – फैशन, रिटेल और प्रबंधन' में प्रस्तुत किया गया।

- श्री दिव्येन्दु विकास दत्ता तथा डा. सौगात बनर्जी द्वारा संयुक्त रूप से ''वर्धवान जिला, पश्चिम बंगाल में देवीपुर हथकरघा क्लस्टर के संबंध में खादी हथकरघा क्लस्टर पर कल्स्टर अध्ययन'' विषय पर लिखा गया एक पत्र निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी – फैशन, रिटेल और प्रबंधन' में प्रस्तुत किया गया।

- डा. सौगात बनर्जी तथा श्री शंकर सरकार द्वारा

संयुक्त रूप से ''वस्त्र पुनःचक्रण : वस्त्र क्षेत्र में उत्तरदायी व्यवसाय के प्रति सहयोग में आने वाले अवसर'' विषय पर लिखा गया पत्र निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी – फैशन, रिटेल और प्रबंधन' में प्रस्तुत किया गया।

- सुश्री भारती मोइत्रा द्वारा 'बालूचारी के शिल्प का पुनरूद्धार' विषय पर एक मामला अध्ययन (उनकी अनुपस्थिति में) निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा पुरी, ओडिशा में 19–20 नवम्बर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी – फैशन, रिटेल और प्रबंधन' में प्रस्तुत किया गया।

भुवनेश्वर

- डा. बी.बी. जेना द्वारा 'संधारणीय फैशन की समस्याएं और संभावनाएं : कोटपैड प्राकृतिक डाइड हथकरघा क्लस्टर का मामला अध्ययन' विषय पर एक पत्र 22–24 मार्च, 2016 के दौरान आईएफएफटीआई सम्मेलन, बीजिंग में प्रस्तुत किया गया (i) सह–लेखक थे – डा. संतोष तराई और प्रो. हर्षा रानी। यह पत्र चीन से प्रकाशित होने वाले एक असंपादित खण्ड में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

- डा. संतोष तराई द्वारा 'स्मार्ट वस्त्रों की संभावनाएं : अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक पत्र 22–24 मार्च, 2016 के दौरान आईएफएफटीआई सम्मेलन, बीजिंग में प्रस्तुत किया गया (i) सह–लेखक थे – डा. बी.बी. जेना और प्रो. लिप्सा महापात्रा। यह पत्र चीन से प्रकाशित होने वाले एक असंपादित खण्ड में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

- 'वार्ली जनजाति से प्रेरणा पाते हुए संधारणीय जीवन शैली को प्रवर्तित करने के लिए क्रिएटिव एलबम डिजाइन करना' विषय पर एक पक्ष 22–24 मार्च, 2016 तक बीजिंग में आईएफएफटीआई सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण के लिए चुना गया प. सह–लेखक हैं – डा. गौतम साहा, प्रो. सत्य शंकर बनर्जी और प्रो. दार्निया राय, यह पत्र चीन से प्रकाशित होने वाले एक असंपादित खंड में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

- प्रो. सत्य शंकर बनर्जी का ''ओडिशा के हथकरघा का पुनरूद्धार और उसे बनाए रखना'' विषय पर लिखा गया मामला यूनिवर्सिडेड डी नवारा, पंप्लोना, स्पेन के लिए स्वीकार किया गया।

- डा. विनय भूषण जेना, डा. संतोष तराई और प्रो. हर्षा राय द्वारा लिखा गया एक पत्र इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंटरडिसिप्लीनरी ऑफ बिजनेस ई–कामर्स एंड इफार्मेटिव मैनेजमेंट (आईसीआईबीईआईएम–2016), हांगकांग में प्रस्तुतीकरण के लिए चुना गया।

मुंबई

- डा. सुशील रतूड़ी, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने 'बिजनेस मॉडल फॉर नेशनल ब्रांड एंड प्राइवेट लेबल' (2015) विषय पर एक पुस्तक प्रकाशित की।

फैशन, रिटेल और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय मामला विचार–गोष्ठी (आईसीएसएफआरएम)

राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान, भुवनेश्वर ने फैशन, रिटेल और प्रबंधन में उच्च गुणवत्ता वाले मामला अध्ययन सृजित करने के लिए अपनी प्रकार की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय फैशन, रिटेल और प्रबंधन पर मामला विचार–गोष्ठी का आयोजन 19 व 20 नवम्बर 2015 को आयोजन किया। विभिन्न तकनीकी सत्रों जैसे ई–वाणिज्य, रिटेलिंग,भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प विपणन, संधारणीयता आदि में फ्रांस, तुर्की, इथियोपिया, बांग्लादेश और भारत से अनुसंधान आधारित मामले प्रस्तुत किए गए। इस मामला विचार–गोष्ठी

ने अत्यंत व्यापक भारतीय हथकरघा पारस्परिक संपर्क सृजित किया क्योंकि विभिन्न संगठनों से वरिष्ठ स्तरीय शिक्षाविदों और प्रबंधकों ने इसमें प्रतिभागिता की जैसे नॉटिंघम टेंट विश्वविद्यालय, भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर, जेवियर प्रबंध संस्थान, भुवनेश्वर, निफ्ट के विभिन्न केन्द्र, नाइकी मास ब्रांड्स, स्नैपडील आदि। उन्होंने विचार–गोष्ठी के पूर्ण तथा तकनीकी सत्रों में फैशन रिटेल और प्रबंध के उभरते हुए मुद्दों पर विचार–विमर्श और चर्चा की। प्रस्तुतकर्ता आईआरएमए, एनआईडी, एमआईडी, गुड़गांव, निफ्ट तथा समूचे देश और विदेश की विभिन्न संस्थाओं से आए थे। इस विचार–गोष्ठी का उद्देश्य फैशन प्रबंध, रिटेल, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और समूचे विश्व में विभिन्न प्रबंध कार्यक्रमों के छात्रों के लिए फैशन, रिटेल और प्रबंध में मामला पुस्तिका का प्रकाशन करना था। इस विचार–गोष्ठी ने शैक्षणिक क्षेत्र में अधिक वास्तविक जीवन परिप्रेक्ष्यों को शामिल करने हेतु मामला अनुसंधान के प्रति अत्यंत रुचि का सृजन किया क्योंकि इसके दौरान 73 नए मामले सृजित हुए। आधार व्याख्यान प्रस्तुतकर्ताओं, सम्मानित अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों तथा सत्र के अध्यक्षों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

आधार व्याख्यान प्रस्तुतकर्ता:

- डा. एंटोनी केंट, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, नॉटिगंम ट्रेंट विश्वविद्यालय, यूके

मुख्य अतिथि

- श्री सुधीर त्रिपाठी, आईएएस, महानिदेशक, निफ्ट

सम्मानित अतिथि

- श्री विक्रम पटनायक, वाणिज्य निदेशक, नाइकी इंडिया

विशिष्ट अतिथि वक्ता :

- श्री गणेश एन. प्रभु, प्रोफेसर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर, भारत
- प्रो. डा. वंदना भण्डारी, डीन–शैक्षिक, निफ्ट,
- श्री पल्लव अतरेजा, प्रमुख, व्यवसाय विकास और ईबीओ प्रचालन, मास ब्रैंड्स
- सुश्री प्रीति रामनाथन, सह–संस्थापक एगवेंचर्स – विकास के लिए आईसीटी में सामाजिक उद्यम
- श्री अतुल अरोड़ा, वरिष्ठ श्रेणी प्रबंधक, स्नैपडील

सत्र अध्यक्ष

- डा. वंदना भण्डारी, डीन–शैक्षिक, निफ्ट
- डा. सिबिचन मैथ्यू, प्रोफेसर और प्रमुख–ए ए, निफ्ट
- डा. जी.एच.एस. प्रसाद, अध्यक्ष, फैशन प्रबंध अध्ययन विभाग निफ्ट
- डा. किशोर के बाशा, प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय
- डा. संजय महापात्रा, प्रोफेसर, एक्सआईएमबी
- डा. प्रवीर जाना, प्रोफेसर एवं प्रमुख अनुसंधान, निफ्ट

एफएमएस विभाग ने एफओटीडी यूनिट के सहयोग से जून और जुलाई, 2015 के माह में निफ्ट, बैंगलूरू कैंपस में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर एक टीओटी और विशेष कार्यशाला का आयोजन किया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम

- सुश्री सृष्टि राणा एमएफएस–II, निफ्ट चेन्नई को ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए मॉड आर्ट इंटरनेशनल, फ्रांस द्वारा चुना गया है।
- अंकन चित्त चित्तालीपी और अभिनव राजन जैन, एमएफएस–III, निफ्ट गांधीनगर को ट्विनिंग कार्यक्रम के लिए मॉड आर्ट इंटरनेशनल, फ्रांस द्वारा चुना गया है।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

- एमएफएम कार्यक्रम संचालित किए जाने वाले 14 कैंपसों में उद्योग के विशेषज्ञों तथा एमएफएम के पूर्व–छात्रों द्वारा अनेक कार्यशालाएं और संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संचालित परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

अधिकांश कैंपसों में संकाय सदस्य आरंभ की गई अनेक परियोजनाओं में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में ब्रैंडिक्स, एसईजैड में मानव शक्ति लेखापरीक्षा, जूट बोर्ड परियोजना, मिशन खादी परियोजना, बिहार खादी परियोजना, भागलपुर क्लस्टर परियोजना आदि।

उत्तर–पूर्व क्षेत्र विकास द्वारा प्रायोजित तीन एक दिवसीय सार्टिफिकेट कार्यक्रमों अर्थात् इंटीरियर डिजाइन में सार्टिफिकेट कार्यक्रम (सीपीआईडी), फैशन विपणन और

विक्रय प्रबंध में सार्टिफिकेट कार्यक्रम (सीपीएफएमएसएम) तथा फैशन उत्पादन और रिटेल प्रबंधन पर सार्टिफिकेट कार्यक्रम (सीपीएफपीआरएम) फैशन प्रबंध अध्ययन विभाग, निफ्ट कोलकाता के संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए गए।

उत्तरदायित्व : श्री दिव्येंदु विकास दत्ता, सह प्रोफेसर, डा. सौगत बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, डा. अनन्या देव रॉय, सहायक प्रोफेसर।

- श्री दिव्येंदु विकास दत्ता, सह प्रोफेसर, डा. सौगत बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रबंध अध्ययन निफ्ट कोलकाता ने एमएसएमई एंडटी, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित बालूचारी पुनरुद्धार परियोजना संयुक्त रूप से समन्वित की।

- दिव्येंदु विकास दत्ता, सह प्रोफेसर फैशन प्रबंध अध्ययन निफ्ट कोलकाता ने 'असम की अनुसूचित जनजाति महिला उद्यमियों के लिए फैशन प्रौद्योगिकी पर प्रगत प्रशिक्षण' का संयुक्त रूप से समन्वय किया (उद्योग विभाग, असम सरकार द्वारा प्रायोजित)। पाठ्यक्रम समन्यक : डा. दिव्येंदु विकास दत्ता, श्री प्रसन्नजीत भद्रा और श्री संदीप शर्मा।

पीएच.डी.

आरंभ और पूर्ण की गई

- डा. संतोष तराई को फरवरी 2016 में उत्कल विश्वविद्यालय से पीएच.डी. प्राप्त हुई। उनके शोध–प्रबंध का शीर्षक है 'एसएमई के क्षेत्र में परिधान निर्यात संगठनों के लिए व्यवसाय कार्यनीति का विश्लेषण : क्लस्टर विश्लेषण दृष्टिकोण।'

सतत् शिक्षा

और अल्पकालिक कार्यक्रम

- अनेक परिसरों में एफएमएस विभाग सीई कार्यक्रम संचालित करते हैं जैसे फैशन रिटेल प्रबंधन, परिधान निर्यात वाणिज्य विपणन आदि।

दीक्षांत समारोह

- एमएफएम के स्नातक कार्यक्रम मई और जून, 2015 माह में निफ्ट के 13 कैंपसों में आयोजित किए गए।

डिजाइन स्पेस

2 वर्ष का मास्टर ऑफ डिजाइन कार्यक्रम उच्च अनुसंधान के माध्यम से नए व्यापार परिणामों के लिए अवधारणा–चारित अभिनवता के प्रति डिजाइन चिंतन को आत्मसात कराता है। डिजाइन के जगत में उपलब्ध 'स्थान' का संपूर्ण आयाम हमारा खेल का मैदान है। यह अपने प्रकार का 'अनूठा' कार्यक्रम है जो अनेक विषय क्षेत्रों के प्रत्याशियों का स्वागत करता है ताकि वे अपने मौजूदा कौशलों और ज्ञान के आधार को डिजाइन के साथ सम्मिश्रित करने के लिए इसमें शामिल हों और ऐसा करने के माध्यम से नए संदर्शों का निर्माण करें। समाजशास्त्र, कला, वास्तुकला, अर्थशास्त्र, जैव–प्रौद्योगिकी और विज्ञान के क्षेत्र डिजाइन के साथ संपर्क बनाते हैं और जनजातीय समुदाय की पोशाक परंपराओं को देखने, माइक्रोवे–अनुकूल भारतीय टेरा कोटा का विकास करने कद में छोटी महिलाओं के लिए साइज सेटों को तैयार करने, भारत में प्रमुख कार विनिर्माता के लिए ईंधन के रूझान बनाने, संग्राहलयों का डिजाइन बनाने मानसिक गतिमंदता से पीड़ित बच्चों के लिए खिलौनों का विकास करने, उड़ान के दौरान खान–पान प्रणाली के अर्गानामिक्स मुद्दों का समाधान करने के लिए नए संदर्शों का विकास करते हैं। ये परियोजनाएं प्रतिष्ठित उद्योगों में निफ्ट की पहुंच सुनिश्चित करती हैं। डिजाइन स्पेस में, डिजाइन के प्रति प्रयोक्ता–केन्द्रित दृष्टिकोण के फलस्वरूप ऐसे संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किया गया है, जो अनुसंधान को अभिनवता के लिए एक मुख्य उपकरण के रूप में महत्व प्रदान करते हैं।

यह कार्यक्रम इस बात को ध्यान में रखते हुए अंतर्विषयक ध्यान–केन्द्रण प्रदान करता है कि डिजाइन विभिन्न विषयों के एक सम्मिश्रण का क्षेत्र है जिसके फलस्वरूप अभिनव डिजाइन प्रक्रियाएं उत्पन्न होती है जिनके परिणाम विविध डिजाइन उद्योग परियोजनाओं में परिलक्षित होती हैं।

इस कार्यक्रम से स्नातक होने वाले छात्र वृहद् डिजाइन, फैशन अथवा निगमित गृहों में तथा संबद्ध क्षेत्रों में जैसे एक्सेसरीज़, शिल्प, वस्त्र, पूर्वानुमान, विशेष आवश्यकताएं, प्रकाशन, मीडिया, जीवन शैली उत्पाद, नए उत्पाद विकास, ग्राफिक्स आदि में उनके द्वारा हासिल की गई क्षेत्र की विशेषज्ञता के आधार पर महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होने के लिए तैयार होते हैं। स्नातक, सरकारी, गैर–सरकारी और प्राइवेट एजेंसियों में अनुसंधान और विकास में योगदान देने में भी समर्थ होते हैं।

मुंबई केन्द्र में 3 प्राध्यापकगण और 61 छात्र, दिल्ली केन्द्र में 4 संकाय–सदस्य और 66 छात्र तथा कन्नूर केन्द्र में 4 संकाय–सदस्य और 53 छात्र अध्ययनरत हैं।

पत्र और लेख

राष्ट्रीय फोरम

- डा. वर्षा गुप्ता ने 18–20 नवम्बर, 2015 तक भारत और संधारणीय मानक : अंतर्राष्ट्रीय वार्ता और सम्मेलन 2015 में भाग लिया।
- रूपा अग्रवाल ने आईआईटी मुंबई में 2–6 दिसम्बर,

2015 तक आयोजित क्यूमुलस कांफ्रेंस में 'शिक्षा और डिजाइन सिद्धांत' सत्र की अध्यक्षता की।

- प्रो. (डा.) शर्मिला जे. दुआ ने 9–10 जनवरी, 2016 तक के. आर. कामा ओरिएंटल संस्थान, मुंबई द्वारा 'वस्त्र., संग्रहण, समुदाय, संस्कृति और व्यापार' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'अजरख – अतीत और वर्तमान के बीच सेतु' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पत्र और लेख

अंतर्राष्ट्रीय फोरम

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने इस्तांबुल, तुर्की में तीसरी अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र और परिधान कांग्रेस (आईटीसीसी 2015) में 'वस्त्रों में आभूषण के लिए 4 नवम्बर से 6 नवम्बर 2015 को केंडी कांग्रेस मारमारा यूनिवर्सिटी द्वारा आकर्षण' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- डा. वर्षा गुप्ता ने ब्रुसेल्स, बेल्जियम में 19–20 अक्तूबर, 2015 तक आयोजित ब्रुसेल्स संधारणीय विकास शिखर–सम्मेलन 2015 में एक पत्र प्रस्तुत किया।

संचालित की गई परियोजनाएं

सरकार और उद्योग के लिए

- निफ्ट कन्नूर ने हथकरघा निदेशालय, केरल सरकार के लिए चेंदामंगलम हस्तशिल्प और हथकरघा एकीकृत ग्राम के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने मजगांव डॉकयार्ड लि. की महिला कार्यपालक अधिकारियों के लिए वर्दी डिजाइन करने की परियोजना का समन्वय किया।

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने आईटीएमई सोसाइटी, मुंबई के लिए आईटीएमई 2016 की एक चालू परियोजना के लिए दल के सदस्य के रूप में भाग लिया।

छात्र प्रतिभागिता

प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

- सेमेस्टर III की छात्राओं (बैच : 2014–2016) सुश्री विजया राजेन्द्र बार्गे और सुश्री अन्नापूर्णी एम ने निफ्ट द्वारा आयोजित डायरी डिजाइन प्रतियोगता में भाग लिया और प्रतियोगिता जीती।

- सेमेस्टर I की छात्राओं (बैच : 2015–2017) सुश्री तेजस्विनी मिकेरे वीरभद्र तथा सुश्री शुमाल्या अफाफ ने निफ्ट मुंबई द्वारा आयोजित हिन्दी सप्ताह प्रतियोगिता में भाग लिया।

- सेमेस्टर I की छात्रा (बैच : 2015–2017) सुश्री प्रिया शुक्ला ने टीडी विभाग, निफ्ट मुंबई द्वारा 30.09.2015 को आयोजित वस्त्र वॉल कला प्रतियोगता में भाग लिया।

- सेमेस्टर II की छात्राओं (बैच : 2015–2017) सुश्री ऐमान इकबाल, सुरी मनोगना अवनूरी, सुश्री अनाहिता बिंद्रा, सुश्री युक्ति चौधरी, सुश्री ट्रिना बिस्वास और सुश्री जोसनग्लियानी ने निफ्ट मुंबई में आयोजित डिजाइन सूत्रा प्रतियोगिता में भाग लिया तथा सुश्री ट्रिना विश्वास और सुश्री जोसनग्लियानी फाइलन जूरी के लिए चुनी गईं।

- सुरी हर्षिता इलेजा, सुश्री दिव्या पाण्डेय, सुश्री बराज त्यागी, श्री सागर कामदे, सुश्री प्राजक्ता कार्पे, सुश्री रितिका सिंह, सुश्री पावर्ती पी. ने स्पेक्ट्रम 2016, निफ्ट कन्नूर में आयोजित स्ट्रीट पले में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री बाबूराज के.बी., श्री सागर कामडे, श्री वैशाख के. वी., श्री सुगेश के.पी. राहुल गजपति, कार्तिक सुरेन्द्रन ने स्पेक्ट्रम 2016, निफ्ट कन्नूर में आयोजित फुटबॉल में भाग लिया तथा प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री कायत्री केत्र ने स्पेक्ट्रम 2016, निफ्ट कन्नूर में 100 मीटर में तीसरा स्थान जीता।

- श्री बाबूराज के.बी., श्री सुगेश के.पी. ने कन्वर्ज 2015, निफ्ट पटना के दौरान बॉलीबॉल में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री वैशाख के.वी, सुश्री दरागा सेल्वी, श्री अश्विनी और श्री रविरंजन साहू ने तरंग 2016, निफ्ट कन्नूर के फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता।

- सुश्री हर्षिता और सुरी पार्वती पी. ने तरंग 2016, निफ्ट कन्नूर और स्पेक्ट्रम 2016 में निफ्ट कन्नूर में जेएएम में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री रतिरंजन साहू ने स्पेक्ट्रम 2016, निफ्ट कन्नूर के दौरान क्रिएटिव कुकिंग में प्रथम पुरस्कार जीता।

- श्री तरुण मिश्रा ने निफ्ट कन्नूर में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी अनुवाद में प्रथम पुरस्कार और सुश्री आकांक्षा कुंवर ने द्वितीय पुरस्कार जीता तथा हिन्दी प्रश्नोत्तरी में सुश्री रितिका सिंह ने द्वितीय और सुश्री तोषनी घटाटे ने तृतीय पुरस्कार जीता।

- सुश्री दरागा सेल्वी ने स्पेक्ट्रम 2016, निफ्ट कन्नूर के दौरान फेस पेंटिंग में द्वितीय पुरस्कार जीता।

प्राध्यापक प्रतिभागिता

दौरे और पारस्परिक संपर्क

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने लोअर परेल, मुंबई में 21.10.15 को ब्राया डिजाइन, गुड अर्थ, गौरी खान डिजाइन स्टूडियो और सत्या पॉल का दौरा किया।

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने जुहू, मुंबई में 17.01.2016 को पारंपरिक कारीगर प्रदर्शनी के लिए कमला रहेजा विद्याविधि वास्तुकला संस्थान का दौरा किया।

- श्री नितिन कुलकर्णी और सुश्री रश्मि गुलाटी ने 17.02.2016 को बांद्रा–कुर्ला परिसर, मुंबई में मेक इन इंडिया वीक का दौरा किया।

- श्री अरुण मस्केयरन्हस, सहायक प्रोफेसर ने आर्ट डिस्ट्रिक्ट–XIII, लाडो सराय, नई दिल्ली में ग्लेनफिडिश एंड बेस्कॉलेज आर्ट, कॉम 'एमर्जिंग आर्टिस्ट ऑफ दि ईयर 2016' के लिए प्रथम रनर–अप पुरस्कार जीता।

- श्री अमलेंदु एस.पी., सहायक प्रोफेसर ने एमएमआरडीसी ग्राउंड बांद्रा – कुर्ला परिसर, मुंबई में 18.02.2016 को इंडिया डिजाइन फोरम का दौरा किया।

- श्री अरुण एम., सहायक प्रोफेसर और सुश्री सुविधा पी., सहायक प्रोफेसर ने 25–27 फरवरी, 2016 को टाइपोडे 2016 कार्यशाला का दौरा किया तथा सृष्टि डिजाइन संस्थान, बेंगलूर में टाइपोग्राफी पर कार्यशाला और संगोष्ठी में भाग लिया।

- प्रो. (डा.) शालिनी सूद 20–26 मार्च, 2016 के बीच बीजिंग, चीन के अधिकारिक दौरे पर गईं।

- रूपा अग्रवाल ने नॉटिंघम, यूके में 27 अप्रैल से 1 मई, 2016 को जनरल एसेम्बली और न्यू मेंबर फेयर का दौरा किया।

प्राध्यापक प्रशिक्षण

कार्यशालाएं और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ ने जमनाबाई नरसी कॉलेज, मुंबई द्वारा 25.08.2015 को आयोजित कैरियर मेले में फैशन तथा इसके संबंधित क्षेत्रों पर एक व्याख्यान दिया।

- रूपा अग्रवाल ने क्युमुलस कांफ्रेस, आईआईटी मुंबई में 2–6 दिसम्बर, 2015 को नार्वे की चार्ल्स मिकाल्सन के साथ 'फॉर्मिंग बिडआउट मेकिंग' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

पूर्व–छात्रों और उद्योग द्वारा

- डीएस विभाग ने सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों के लिए रंग रूझान अध्ययन और अनुसंधान – कलर नेक्स्ट 2016 पर एक सृजनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका संचालन निफ्ट मुंबई में 04.08.2015 को श्री सुमीत अय्यर टाटा एलेक्सी ने किया था।

- डीएस विभाग ने सेमेस्टर I (बैच 2015–2017) तथा सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों के लिए 'टाइपोग्राफी' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसका संचालन निफ्ट मुंबई में 07.08.2015 को सुश्री किम्या गांधी द्वारा किया गया था।

- डीएस विभाग द्वारा सेमेस्टर I (बैच 2015–2017) तथा सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों के लिए 'ओरिगैमी' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसका संचालन श्री साकेत गायकवाड़ द्वारा 21.08.2015 को निफ्ट मुंबई में किया गया।

- डीएस विभाग द्वारा सेमेस्टर I (बैच 2015–2017) तथा सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों के लिए'मॉक साक्षात्कार और मॉक ग्रुप डिस्कशन' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसका संचालन निफ्ट मुंबई में 17.10.2015 को डा. जयंती गोखले द्वारा किया गया।

- डीएस विभाग द्वारा सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों के लिए 'एक डिजाइन और ब्रांड के रूप में शिल्प का प्रयोग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसका संचालन 21.10.2015 को बाया डिजाइन, लोअर परेल, मुंबई में सुश्री शिवानी जैन ने किया।

- डीएस विभाग द्वारा सेमेस्टर II (बैच 2015–2017) के छात्रों के लिए 'डिजाइन स्पेस के लिए अधिनियमन के माध्यम से प्रोटोटाइपिंग अनुभव' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसका संचालन 17.02.2016 को निफ्ट मुंबई में सुश्री नेहा सैयद द्वारा किया गया।

- प्रो. वी.एन. लक्ष्मीनारायण मैसूर ने डीएस विभाग द्वारा सेमेस्टर I (बैच 2015–2017) के छात्रों के लिए 21.09.2015 को कंसेप्ट ऑफ विजुअल सेमिऑटिक्स' पर आयोजित एक कार्यशाला का संचालन किया।

पहल और समझौता–ज्ञापन

- प्रो. (डा.) शर्मिला दुआ, सुश्री रूपा अग्रवाल (सीपी–डीएस) और सुश्री रश्मि गुलाटी द्वारा ब्रांडिंग और स्मारिका के लिए एमटीडीसी (महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम) के साथ वार्तालाप आरंभ किया गया तथा समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की प्रक्रिया में है।

छात्र प्रतिभागिता

शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप

- सेमेस्टर II (बैच 2015–2017) के छात्रों ने निफ्ट मुंबई में स्पेक्ट्रम 2016 में 'इंस्टालेशंस प्रतियोगिता' में भाग लिया तथा 2000/– रुपए का जूरी पुरस्कार जीता।

- सेमेस्टर II (बैच 2015–2017) के छात्रों ने स्पेक्ट्रम 2016 में 'वॉल पेंटिंग' में भाग लिया।

- सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के छात्रों श्री चेक्का दनदासी, सुश्री राफिया खानम, सुश्री धन्या शिनॉय तथा

कार्मिक पंत ने निफ्ट पटना में कन्वर्ज 2015 में भाग लिया।

- छात्रों ने निफ्ट दिल्ली में स्पेक्ट्रम 2016 के लिए एक पारस्परिक संपर्क स्थापना तैयार की।

शिल्प क्लस्टर

पहलकदम

- मुंबई कैंपस के सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के 26 छात्रों ने कुदाल के बांस शिल्प, सिंधु दुर्ग के कयर शिल्प, अचलपुर की लाख की चूड़ियों, धुले के मेटल क्राफ्ट के शिल्प क्लस्टरों का 26.10.2015 से 31.10.2015 तक दौरा किया।

- कन्नूर परिसर के सेमेस्टर III (बैच 2014–2016) के 26 छात्रों ने वायनाद के बांस शिल्प, पय्यानूर के बैल मैटल शिल्प, कसारगोड के हथकरघा शिल्प, बलरामपुरम ने हथकरघा क्लस्टर का 3–8 नवम्बर, 2015 तक दौरा किया।

जुलाई–दिसम्बर 2015 शैक्षणिक सत्र के दौरान निफ्ट दिल्ली के छात्रों द्वारा दिल्ली एनसीआर में तथा उसके आस–पास स्थित शिल्प क्लस्टरों का दौरा और अध्ययन किया गया।

उद्योग के साथ संबंध

छात्र इंटर्नशिप और दौरे

- सेमेस्टर II (बैच 2015–2017) मुंबई कैंपस के छात्रों ने 18.02.2016 को बांद्रा–कुर्ला परिसर में मेक इन इंडिया वीक का दौरा किया।

- मुंबई के प्राध्यापक ने संपर्कों तथा बैठकों के माध्यम से डिजाइन अनुसंधान, विजुअल मर्केंडाइजिंग, प्रयोक्ता अनुभव, स्टाइलिंग, शिल्प आदि के क्षेत्र में इंर्नशिप को सुकर बनाया। कुछ कंपनियां जहां छात्र इंटर्नशिप कर रहे हैं, इस प्रकार हैं: ग्रीन पैपर डिजिटल, फ्यूचर लाइफ स्टाइल, डिजाइन फैक्ट्री, रिलायंस जियो इंफोकॉम, ओनिओ डिजाइन, पेंटालूरु फैशन एंड रिटेल लि., अर्चना कोछर, शाही एक्सपोर्ट्स प्रा. लि. आदि।

- श्री अम्लेंदु एम.पी. ने 18.02.2016 को बांद्रा–कुर्ला परिसर में मेक इन इंडिया वीक का दौरा किया।

- सेमेस्टर II (बैच 2015–2017) कन्नूर के छह छात्रों ने 18.02.2016 को बांद्रा–कुर्ला परिसर में मेक इन इंडिया वीक का दौरा किया।

- कन्नूर के प्राध्यापक ने संपर्कों और बैठकों के माध्यम से डिजाइन अनुसंधान, विजुअल मर्केंडाइजिंग, प्रयोक्ता अनुभव, स्टाइलिंग, शिल्प आदि के क्षेत्रों में इटर्नशिप को सुकर बनाया।

- निफ्ट दिल्ली परिसर के 32 छात्रों ने पाठ्यचर्या के अनुसार अपनी ग्रीष्मकालीन उद्योग इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की।

उद्योग के साथ संपर्क

स्नातक परियोजनाएं

अंतिम शोध–प्रबंध के भाग के रूप में, निफ्ट मुंबई कैंपस के 32 छात्रों ने कंपनी/एनजीओ/उद्योग आधारित शोध पूर्ण किया तथा कुछ छात्रों ने स्वतंत्र अनुसंधान कार्य भी किया। छात्रों द्वारा चुने गए क्षेत्र विविधता लिए हुए थे, जैसे संधारणीय डिजाइन, संधारणीय प्रणालियां, सांस्कृतिक अध्ययन, सूक्ष्म–वित्त ब्रांडिंग, रूझान अनुसंधान, सामाजिक–आर्थिक अध्ययन, संरक्षणकारी वास्तुकला अध्ययन आदि।

अंतिम शोध–प्रबंध के भाग के रूप में, निफ्ट कन्नूर कैंपस के 24 छात्रों ने कंपनी/एनजीओ/उद्योग आधारित शोध पूर्ण किया तथा कुछ छात्रों ने स्वतंत्र अनुसंधान कार्य भी किया। छात्रों द्वारा चुने गए क्षेत्र विविधता लिए हुए थे, जैसे ग्राफिक डिजाइन, फैशन संग्रहण, शिल्प अनुसंधान, उत्पाद डिजाइन आदि।

स्नातक समारोह

संगोष्ठियां

- निफ्ट मुंबई – सीआईडीसीओ कन्वेंशन सेंट, वाशी में 22.05.2015 को एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसका संचालन सुश्री रूपा अग्रवाल द्वारा किया गया।

पैनल में निम्नलिखित सदस्य थे –

श्री मनोज कोठारी, निदेशक, ओनियो डिजाइन

सुरी अर्चना कोचर, सेलिब्रिटी डिजाइनर

सुश्री नीना सबनानी, प्रोफेसर, आईडीसी–आईआईटी बंबई

सुश्री लतिका खोसला, फ्रीडम ट्री डिजाइन

सुश्री शिवानी जैन, बाया डिजाइन

- निफ्ट कन्नूर, स्नातक प्रदर्शनी 2 जून, 2015 को दिनेश सभागार, कन्नूर में आयोजित की गई।

- निफ्ट दिल्ली – स्नातक प्रदर्शनी मई, 2015 को निफ्ट नई दिल्ली में 2013–2015 के बैच के लिए आयोजित की गई जिसमें पोस्टर प्रदर्शन भी शामिल था।

स्नातक आयोजन

दीक्षांत समारोह

- निफ्ट मुंबई – 23 मई, 2015 को सीआईडीसीओ कन्वेंशन सेंटर, वाशी, नवी मुंबई

- निफ्ट कन्नूर – 3 जून, 2015 को दिनेश सभागार, कन्नूर

- निफ्ट दिल्ली – 3 जून, 2015 को भारतीय जन संचार संस्थान

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

निफ्ट की शैक्षणिक कार्यनीति में अंतर्राष्ट्रीयवाद शामिल है। संस्थान के केन्द्रीय क्रियाकलापों ने इसकी अंतर्राष्ट्रीय सोच और समझ में बढ़ोतरी की है। निफ्ट ने 31 अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय फैशन संस्थानों और संगठनों के साथ करार और भागीदारियां की हैं जो समान शैक्षणिक विचारधारा रखते हैं। इसके फलस्वरूप निफ्ट के छात्र फैशन की वैश्विक मुख्यधारा के साथ जुड़े रहते हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को ''विदेश में पढ़ने'' के अनुभव का विकल्प चुनने में सहयोग करता है। यह पहल निफ्ट के विनियम कार्यक्रम में चुने गए छात्रों को विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों वाले छात्रों के साथ संपर्क स्थापित करने, उनके दृष्टिकोण को अधिक व्यापक बनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराती है। ''विदेशों में शिक्षा'' अवसर का प्रयोग सभी निफ्ट केन्द्रों में तथा समस्त पाठ्यक्रमों विषय क्षेत्रों में छात्रों द्वारा किया जा सकता है। शैक्षणिक विशिष्ठता प्रदान करने के लिए संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय संबंध छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/संगोष्ठियों/अनुसंधान तथा अन्य आयोजनों में भाग लेने में सहायता प्रदान करता है।

कार्यनीतिक संधिया प्राध्यापक के शैक्षणिक स्तर के उन्नयन को भी प्रोत्साहित करती हैं। संकाय का विनिमय तथा संयुक्त शोध पहलकदम सुनिश्चित करते हैं कि संस्थान की शिक्षण पद्धतियां तथा सुविधाएं निरंतर अद्यतन बनती रहें और उनका उन्नयन होता रहे और वे विश्व के श्रेष्ठ संस्थानों के समतुल्य बने रहें। शिक्षण नीतियों, अवधारणाओं और व्यावसायिक विचारों के आदान–प्रदान को सुकर बनाने के लिए निफ्ट का संकाय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रमों, अंतर्राष्ट्रीय मेलों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और व्यापार–मेलों में भाग लेता रहता है जिससे कि उनका व्यापक अनुभव कक्षाओं तक आ सके और निफ्ट में ज्ञान के संग्रह में और वृद्धि हो सके। कुछ महत्वपूर्ण संस्थान, जिनके साथ निफ्ट ने सहयोग स्थापित किया है, में शामिल हैं – क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी, आस्ट्रेलिया; डी मोंट फोर्ट यूनीवर्सिटी, यूके' स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, स्विटजरलैंड, मॉड आर्ट इंटरनेशनल, फ्रांस; ईएनएसएआईटी फ्रांस; एनएबीए, इटली; स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, दि स्टेट यूनीवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क एट बफैलो, यूएसए; मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनीवर्सिटी, यूके; ईएसएमओडी, जर्मनी; सेक्सियन यूनीवर्सिटी, चीन, बीजीएमईए यूनीवर्सिटी ऑफ फैशन एंड टेक्नालॉजी (बीयूएफटी), बांग्लादेश, इकोले, ड्यूपेरे, फ्रांस, यूनीवर्सिटी ऑफ नार्थेम्प्रटन, यूके; पोलीटेक्निकों डी मिलानो, इटली; शेखर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड डिजाइन एंड आर्ट्स इजराइल तथा अनेक अन्य।

भागीदार संस्थानों के साथ छात्रों का निरंतर आदान–प्रदान होता रहता है। वर्ष 2015–16 में, निफ्ट के 63 छात्रों ने विदेश के अनेक संस्थानों में अध्ययन किया, जैसे ईएनएसएआईटी, फ्रांस;मॉड आर्ट इंटरनेशनल, फ्रांस;क्वींसलैंड यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी, आस्ट्रेलिया; स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, स्विटजरलैंड; यूनीवर्सिटी ऑफ वूल्वर हैम्पटन, यूके, डी मोंट फोर्ट यूनीवर्सिटी, यूके; रॉयल

एकेडमी ऑफ आर्ट्स, नीदरलैंड्स; एमस्टर्डम फैशन इंस्टिट्यूट, नीदरलैंड्स; सैक्सियन यूनीवर्सिटी, नीदरलैंड्स; एनबीए, इटली; बीजीएमईए यूनीवर्सिटी ऑफ फैशन एंड टेक्नालॉजी (बीयूएफटी) ढाका, बांग्लादेश तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के 46 छात्रों ने निफ्ट में विनिमय कार्यक्रमों में अध्ययन किया।

समस्त केन्द्रों में निफ्ट के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय समारोहों तथा प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों ने अनेक प्रतिष्ठित अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा पुरस्कार जीते, जैसे मिटेलमोडा प्रीमियों, वर्ल्ड वीयरेबल आर्ट, न्यूजीलैंड, आर्ट्स ऑफ फैशन फाउंडेशन यूएसए, ट्रायम्फ इंस्पिरेशनल अवार्ड्स, आईएएफ डिजाइनर पुरस्कार – मेडेलियन कोलम्बिया; क्लिक! जापान फोटो प्रतियोगिता प्रदर्शनी; निटिंग फॉर जूलिएट इटली; मैक्स डिजाइन अवार्ड्स; ईएटी – एक्सपोर्टिंग आर्ट टुगेदर। संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी आकर्षित किया जिन्होंने इसकी शैक्षणिक और सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव लिया। विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से, विदेशी संस्थानों से आए छात्रों ने न केवल भारतीय संस्कृति, कला और शिल्प के क्षेत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि विकसित की अपितु भारतीय बाजार तथा इसकी गतिशीलता को भी समझा। प्रबंध और प्रौद्योगिकी के छात्रों ने उत्पादन तकनीकों का अमूल्य अनुभव प्राप्त किया जो वैश्विक बाजारों की उच्च फैशन संबंधी मांग की पूर्ति करने में सहायक होगा।

समझौता–ज्ञापनों की

अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा

आई एंड डीएल कार्यालय मूल्यांकन मानकों के परिभाषित मापदण्डों और नोडल अधिकारियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर सभी अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों की समीक्षा की कवायद संचालित करता है। समझौता–ज्ञापनों की सूची को समझौता ज्ञापनों की समीक्षा करने तथा निफ्ट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अनुमोदन के अनुसार अद्यतन बनाकर 31 किया गया है।

डुएल डिग्री

अवसर

निफ्ट फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एफआईटी), न्यूयार्क, यूएसए की कार्यनीतिक भागीदारी निफ्ट के कुछ चुने गए मेधावी छात्रों को निफ्ट और एफआईटी दोनों ही से डुएल डिग्री प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। निफ्ट के छात्र गृह संस्थान में दो वर्ष का अध्ययन करते हैं तथा शेष एक वर्ष का अध्ययन एफआईटी में किया जाता है। इसके उपरांत, छात्र निफ्ट में अपना अध्ययन पुनः आरंभ करते हैं तथा दोनों ही संस्थानों से डुएल डिग्री हासिल करते हैं। पिछले 3 वर्षों में 22 छात्रों ने डुएल डिग्री कार्यक्रम पूर्ण किया है तथा विभिन्न विषयों के दस छात्र एफआईटी में 2015–16 में डुएल डिग्री अवसर का लाभ उठा रहे हैं। निफ्ट और एफआईटी अगस्त, 2016 में समाप्त होने वाले इस समझौता ज्ञापन का नवीकरण करने की प्रक्रिया में हैं जिसके तहत आगामी शैक्षणिक सहयोगों के लिए और अधिक क्षेत्र शामिल किए जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय शिष्टमंडल

वर्ष 2015–16 में निफ्ट का दौरा करने वाले अंतर्राष्ट्रीय शिष्टमंडल

- भूटान की महारानी तत्रमहती ग्यालम शेरिंग पेम वांगचुक और उनकी रॉयल हाइनेस आशी चिमी यांगजोम वांगचुक, भूटान का 1 मई, 2015 को निफ्ट दिल्ली का दौरा किया।
- प्रो. राजाशेखर, रजिस्ट्रार (प्रवेश), एफआईटी, न्यूयार्क का 8 जून, 2015 को निफ्ट मुंबई तथा 3 जुलाई, 2015 को निफ्ट दिल्ली का दौरा किया।
- एंडो हाजिमे, बोर्ड सदस्य और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा प्रोफेसर कुजोरो कुमोता, फैशन टेक्नालॉजी विभाग, बुंका जापान का 8 सितम्बर, 2015 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया।
- तिमोती क्राफ्ट, अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार, कॉलेज ऑफ क्रिएटिव आर्ट, मैसे यूनीवर्सिटी, न्यूजीलैंड का 28 अगस्त, 2015 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया।
- टेक्नालॉजिकल ताजिकिस्तान यूनीवर्सिटी के शिष्टमंडल का 15 अक्टूबर, 2015 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया किया।
- डा. पोलोना डोब्निक डुब्रोवस्की डॉ सेंट का, डॉक. सोंजा स्टेमन, यूनीवर्सिटी ऑफ मारीबोर और डा. अभिजीत मजूमदार, एसोसिएटी प्रोफेसर, एनआईडी का 4 दिसम्बर, 2015 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री जैक रिवर्स एवं प्रिथेश थार, कार्डिफ मेट्रोपोलिटन यूनीवर्सिटी का 15 फरवरी, 2016 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया।
- क्रैडिफ मेट्रोपॉलिटन यूनीवर्सिटी, प्लाइमाउथ कॉलेज ऑफ आर्ट्स, यूनीवर्सिटी ऑफ रेवसबोर्न, यूनीवर्सिटी ऑफ साउथहैम्पटन के प्रतिनिधियों के साथ ब्रिटिश काउंसिल के एक शिष्टमंडल का आर्ट एंड डिजाइन मिशन के अंतर्गत 16 फरवरी, 2016 को निफ्ट नई दिल्ली का दौरा किया।
- सुश्री सिंथिया एल इस्टुक, पीएच.डी. प्रोफेसर एंड एसोसिएट विभाग अध्यक्ष, स्नातकपूर्व कार्यक्रम निदेशक, फैशन डिजाइन एवं टेक्नालॉजी, वस्त्र एवं परिधान, प्रौद्योगिकी और प्रबबंध, कॉलेज ऑफ टेक्स्टाइल, एनसी स्टेट यूनीवर्सिटी, तुषार घोष तथा डेविड हिक्स, डीन सीओटी ने एनसीएसयू के दो छात्रों के साथ 3 मार्च, 2016 को निफ्ट नई दिल्ली

का दौरा किया ।

- श्री लॉक योंक्युगी, उपाध्यक्ष और सुश्री ऐजा साल्मी, क्युमुलस ने 14 मार्च, 2016 को निफ्ट, नई दिल्ली का दौरा किया।

निफ्ट शिष्टमंडल की अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में यात्रा

- वरिष्ठ प्रोफेसर डा. बान्ही झा, एफडी निफ्ट ने 20 मई से 4 जून, 2015 तक नमस्ते स्टॉकहोम समारोह, स्वीडन में भाग लिया।

- श्री एस.के. पांडा, सचिव (वस्त्र) तथा संयुक्त सिचव (निर्यात), श्रीमती सुनैना तोमर, डीजी निफ्ट (आई/सी) और डा. पी. नायक सचिव, वस्त्र समिति ने 16 जुलाई, 2015 को बुंका गेकुएन विश्वविद्यालय जापान का दौरा किया।

- श्री एस.के. पांडा, सचिव (वस्त्र) तथा संयुक्त सचिव (निर्यात) एवं श्री सुधीर त्रिपाठी डीजी निफ्ट ने 21–23 अक्टूबर, 2015 को फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ (एफआईटी) न्यूयार्क, यूएसए का दौरा किया।

- प्रो. (डा.) वंदना भंडारी, डीन–ए ने 27–28 अक्टूबर, 2015 तक तेमासेक पॉलीटेक्नीक सिंगापुर में आईएफएफटीआई अपनी कार्यकारिणी समिति में भाग लिया।

- श्री सुधीर त्रिपाठी, डीजी निफ्ट, प्रो. (डा.) वंदना भंडारी, डीन–शै और प्रो. (डा.) शालिनी सूद, प्रमुख – आई एंड डीएल ने बीआईएफटी, बीजिंग, चीन में 21–26 मार्च, 2016 को 35वीं कार्यकारिणी परिषद तथा आईएफएफटीआई महा परिषद की 18वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।

घरेलू संबंध

निफ्ट भारत में डिजाइन शिक्षा में उत्कृष्टता का समावेश करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसके लिए वह विभिन्न महत्वपूर्ण संगठनों/संस्थानों के साथ संबद्ध हो रहा है ताकि इस उद्देश्य को और आगे विस्तारित किया जा सके। निफ्ट ने निम्नलिखित संगठनों/संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन किया है:

- राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद – दो संस्थानों के बीच सहयोग शिक्षण के लिए संकाय के आदान–प्रदान के क्षेत्र पर बल प्रदान करता है जैसे, पीएच. डी. कार्यक्रमों के लिए जूरी के लिए पैनलिस्ट, अवसंरचना की भागीदारी, संयुक्त छात्र दौरे, डिजाइन शिक्षा और संवर्धन।

- स्कूल ऑफ फैशन टेक्नालॉजी (एसओएफटी) पुणे – पाठ्यचर्या डिजाइन, संकाय प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण तथा ऐसे क्षेत्र जहां समझौता–ज्ञापन के माध्यम से निफ्ट की सहायता मांगी जाती है।

- फुटवीयर डिजाइन और विकास संस्थान (एफडीडीआई) – निफ्ट ने दिसम्बर, 2013 में एफडीडीआई, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों संस्थानों के बीच सहयोग इन क्षेत्रों पर परिभाषित किया गया है शिक्षण के लिए संकाय आदान–प्रदान, पीएच. डी. के लिए जूरी हेतु पेनलिस्ट और गाइड, अवसरंचना आदान–प्रदान, संयुक्त छात्र क्षेत्रीय दौरे, डिजाइन शिक्षा और संवर्धन।

- भारतीय केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम लिमिटेड (सीसीआईसी) – निफ्ट ने सीसीआईसी, दिल्ली के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इन दोनों संस्थानों के बीच सहयोग के अंतर्गत निफ्ट नए डिजाइन और उत्पाद विकास तकनीकों पर कार्य करेगा और उन्हें सीसीआईसी को उपलब्ध कराएगा तथा निफ्ट और सीसीआईसी इन डिजाइनों का प्रयोग करते हुए नमूना उत्पाद तैयार करेंगे। सीसीआईसी इन नमूनों को अपने शो–रूमों में रखेगा तथा आर्डर बुक करने के लिए इन्हें विभिन्न प्रदर्शनियों में भी दर्शाएगा तथा इसके आधार पर विभिन्न शिल्प क्लस्टरों को उत्पाद बनाने के लिए आदेश दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र

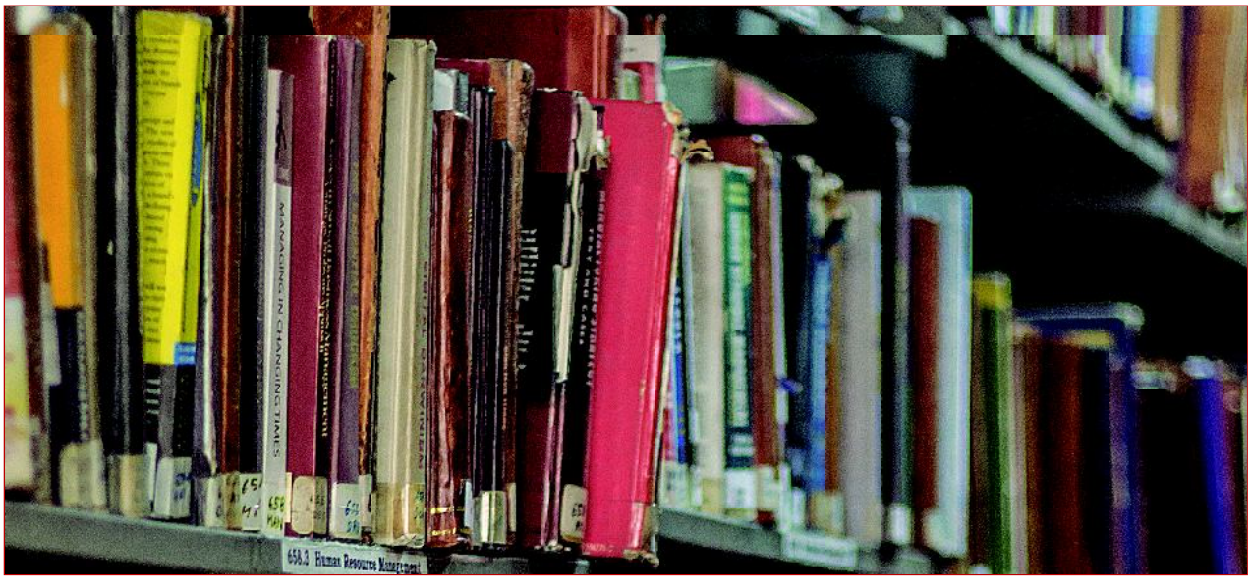

राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (एनआरसी) निफ्ट मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थित हैं तथा यह एक ऐसा नोडल केन्द्र है जो निफ्ट के संसाधन केन्द्रों के नेटवर्कों का समन्वय करता है। एनआरसी का लक्ष्य निफ्ट के प्राध्यापकगण ओर छात्रों के लिए अत्याधुनिक ज्ञान पोर्टक की स्थापना करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान विभाग ने एक एकीकृत क्लाउड–बेस्ड लाइब्रेरी मैनेजमेंट प्रणाली के विकास पर ध्यान–केन्द्रित किया जिससे अधिगम संसाधनों के संग्रहण की अधिकतम अभिगम्यता तथा सभी निफ्ट केन्द्रों में छात्रों और संकाय के लिए अधिकतम संसाधन साझेदारी सुनिश्चित की जा सके। संसाधन केन्द्रों के इस नेटवर्क के प्रिंट, डिजिटल और अन्य सामग्री संसाधनों के एकीकृत संग्रहण ने इस अवधि के दौरान संस्थान के शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को सहायता प्रदान की। संसाधन केन्द्र ने डिजाइन समुदाय तथा उद्योग को भी सूचना सेवाएं प्रदान कीं।

क्रियाकलाप

मुख्य विशेषताएं

- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एनआईसी) भारत द्वारा ई–ग्रंथालय 3.0 के उन्नयन का कार्य प्रारंभ किया गया तथा उसे बहु–स्थानिक पुस्तकालय प्रबंध प्रणाली तक उन्नयित करते हुए अपना क्लाउड बेस्ट वर्जन ई–ग्रंथालय 4.0 बनाया गया।

- निफ्ट के समस्त संसाधन केन्द्रों के वशत्तिकों को प्रशिक्षित करने के लिए ई–ग्रंथालय 4.0 के कार्य–संचालन पर एक कार्यशाला 7–9 मार्च, 2016 को आयोजित की गई थी।

- एनआरसी ने अपने सभी निफ्ट केन्द्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फोरकास्ट सेवाओं जैसे प्रोमोस्टाइल 'डब्ल्यूजीएसएन और स्टाइलसाइट.कॉम तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन का नवीकरण करने के माध्मय से अपने मितव्ययिता क्रियाकलापों को सुदृढ़ बनाया है।

- एनआरसी ने लाइब्रेरी कैटालॉग के माध्यम से एक्सेस को सुकर बनाते हुए समस्त निफ्ट सेंटरों के छात्रों और संकाय–सदस्यों द्वारा ई–पुस्तकों के 24 x 7 संग्रहण को सुदृढ़ बनाने के लिए कदम उठाए हैं। अतिरिक्त ई–पुस्तकों की अधिप्राप्ति के लिए सेवा प्रदाताओं के साथ बातचीत की जा रही है।

- एनसीआर ने अनुशंसित ई–जर्नल, टेक्सटाइल आउटलुक इंटरनेशनल तथा अन्य ऑनलाइन डाटाबेसों/सेवाओं तक सब्सक्राइबरों को पहुंच उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी रखे हैं जैसे ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स कंप्लीट; आर्ट एंड आर्किटेक्चर कंप्लीट, टेक्स्टलाइल प्रौद्योगिकी कंप्लीट; प्रोक्वेस्ट का एबीआई–इंफार्म, वोग आर्काइव्स और बर्ग फैशन लाइब्रेरी। आगामी वर्ष के लिए नवीकरण की प्रक्रिया भी वर्ष 2015–16 के दौरान आरंभ की गई थी।

क्लस्टर विकास *पहलकदम*

निफ्ट ने उत्तरदायी डिजाइनरों का सृजन करने के अपने प्रयास को जारी रखा है, जो भारत के शिल्प की पहचान करने और उसे प्रोत्साहित करने में समर्थ है। निफ्ट ने देश के विभिन्न शिल्प क्षेत्रों में योगदान प्रदान करने की अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया है जैसे वस्त्र परिधान, जीवन–शैली एक्सेसरीज़ और चर्म। संस्थान की शिल्प क्लस्टर पहल सावधानीपूर्वक तैयार की गई है जिसमें शिल्प क्षेत्र का विकास करने के लिए डिजाइन, प्रौद्योगिकी विपणन और प्रबंधन के क्षेत्रों में निफ्ट की वृत्तिक क्षमताओं को शामिल करने का आशय भी शामिल किया गया है। इस पहल के माध्यम से, निफ्ट शिल्प का फैशन के साथ एकीकरण करने के लिए व्यापक जागरूकता और संवेदनशीलता का सृजन करने में सफल रहा है। प्राध्यापक, छात्रों और पूर्व छात्रों के रूप में व्यापक संसाधन क्लस्टरों के कारीगरों के कौशलों को सहयोग और प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध है। शिल्प क्लस्टर को अवसर प्रदान किया जाता है कि वे छात्रो को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं से अवगत कराएं ताकि उन्हें प्रादेशिक संवेदनशीलताओं और विविधताओं की जानकारी प्रदान की जाए, पर्याप्त संसाधन एवं परिवेश मुहैया कराए जाएं तथा उन्हे निम्नतम क्लस्टर स्तर पर अनुभव के आदान–प्रदान के लिए वास्तविक जीवन की स्थिति को सैद्धांतिक कक्षा शिक्षण के साथ समाहित करने का अवसर प्राप्त हो सके। पाठ्यचर्या छात्रों को शिल्प क्षेत्र में विभिन्न क्रियाकलापों और परियोजनाओं को संचालित करने में सक्षम बनाती है। क्लस्टरों के दौरों के दौरान, छात्र प्रक्रिया प्रलेखीकरण, उत्पाद विकास और नैदानिक अध्ययन संचालित करते हैं। यह दौरा छात्रों को विभिन्न शिल्प उत्पादों की पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं को समझने में, कारीगरों द्वारा धारण किए गए कौशलों, उनकी चुनौतियों और उनकी मजबूतियों को जानने में समर्थ बनाता है ताकि वे परिवर्तन के युवा एजेंट के रूप में कार्य करना सीख लें और डिजाइन और मूल्यवर्धन के माध्यम से शिल्प और शिल्पकारों को अधिकारिता प्रदान करने में मदद दे सकें।

वर्ष 2015–16 के दौरान, समूचे निफ्ट कैंपसों में प्राध्यापक के पर्यवेक्षण के अंतर्गत 1356 निफ्ट छात्रों ने जून से दिसम्बर, 2015 की अवधि के दौरान शिल्प क्लस्टर पहलकदम के अंतर्गत भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हथकरघा और हस्तशिल्प का सर्वेक्षण और प्रलेखीकरण संचालित किया।

उन्होंने भारत के 50 से अधिक क्लस्टरों में विभिन्न शिल्पों का अध्ययन किया। इनमें शामिल हैं : छत्तीसगढ़ के वस्त्र, पोशाक और आभूषण (जगदलपुर, राजनंदगांव, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, अम्बिकापुर); पिपली का एप्लीक कार्य, कटक का 'ताराकशी' फिलिग्री कार्य, रघुराजपुर ओडिशा का पट्टचित्र, बनारसी ब्रोकेड्स, जमदनी, मीनाकारी, कुंदन कार्य, शीशे की मोती, ब्लॉक निर्माण, ब्लॉक छपाई, स्टोन वर्क, लेकर वर्क, काष्ठ तराशी, काष्ठ खिलौने, कालीन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश; ब्लू पोट्री, गोटा पट्टी कार्य, ब्लॉक छपाई, लाख का काम, लेहेरिया, बंधनी और स्टोन कार्विंग, कंबल निर्माण और तरकाशी, हस्त–निर्मित कागज निर्माण और धुरे बुनाई, जयपुर, राजस्थान, पाली का चूड़ी निर्माण, राजस्थान, चर्म मोजरी, कटवर्क चर्म मोजरी और काशीदाकारी

एंड चर्म बैग, जोधपुर राजस्थान। समूचे देश में स्थित क्लस्टरों में व्यापक रूप से शिल्प अध्ययन किया गया अर्थात् चूड़ी निर्माण का लेकरवेयर शिल्प, मुजफ्फरपुर, बिहार; गया, बिहार में स्टोनवेयर शिल्प, मंजूषा कला और तुसार सिल्क वीविंग, भागलपुर, पोडुरु, खादी परिधान, बंद्रूलंका, फाइन कॉटन साड़ियां, उप्पडा; पारंपरिक सिल्क साड़ियां, दुब्बका, गोलाबामा साड़ी, नरसापुर, लेस पार्क, पोचमपल्ली, इक्कात टाई एवं डाई, वारंगल, मेटल क्राफ्ट और धुर्री, कोंडापल्ली, काष्ठ के खिलौने, हैदराबाद; ब्लैक मेटल, मछली पत्तनम, कलमकारी मंगलगिरी, कॉटन साड़ियां, वेंकटागिरि, वेंकटागिति साड़ियां/राजमाता साड़ियां, सिरकलहस्ती, कलमकारी, तिरुपति; काष्ठ शिल्प, हिंदुपुर, वस्त्र हथकरघा, हथकरघा, बुनाई, बेगमपुर, हुगली, पश्चिम बंगाल, टाई एवं डाई, बाटिक और कांथा, बोल्पुर, वीरभूमि, पश्चि बंगाल, क्ले मॉडल/फाइबर ग्लास मॉडल/शोलपपिट, कमरतुली, कोलकाता, चर्मबाटिक और एम्बॉसिंग, बोल्पुर, गाले वीविंग (स्क्ट्र्स, परिधान और शॉल), होंग, अरुणाचल प्रदेश; बोरडुम्सा (बुकांग निगवोट परिधान), अरुणाचल प्रदेश, बाका वीविंग के लिए, सिवानगर में मेखला वीविग, अपर असम, पुआन वीविंग (शॉल) और राजघाट, थेंजावल, मिजोरम, रीसा रिगनई वीविंग, त्रिपुरा। संचार विभाग के छात्रों ने अनेक शिल्पों द्वारा बनाई गई वस्तुओं के लिए प्रोत्साहन विवरणिकाएं और पैकेजिंग समाधान भी तैयार किए, जेसे एप्लीक वर्क, पिपली, ताराकाशी/फिलिग्री, कटक, पट्टचित्र, रघुराजपुर, ओडिशा। छात्रों ने विभिन्न क्लस्टरों में डिजाइन हस्तक्षेप तथा उत्पाद वैविध्यीकरण भी संचालित किया जैसे डोक्रा बैल मैटल क्राफ्ट, छत्तीसगढ़ कुशमंडी साउथ दीनाजपुर, पश्चिम बंगाल जो स्थानीय शिल्कारों के साथ एक कार्यशाला में निष्पादित किया गया। डिजाइन स्पेस के छात्रों ने संधारणीयता के तीन स्तंभों – सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक के संदर्भ में क्लस्टरों में संचालित किए जा रहे शिल्प का अध्ययन किया तथा प्रणाली के गैर–संधारणीय पहलुओं के लिए समाधान तैयार किया।

शिल्प क्षेत्र से संबंधित परियोजनाएं और समारोह

निफ्ट प्रधान कार्यालय ने नई क्लस्टर पहल नीति के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था जिसके अंतर्गत शिल्प के अध्ययन तथा क्राफ्ट क्लस्टरों के अनुभव को निफ्ट पाठ्यचर्या के अभिन्न भाग बनाने का प्रस्ताव दिया गया था। यह हथकरघा को फैशन के साथ जोड़ने तथा छात्रों एवं कारीगरों के पारस्परिक हित के लिए एक लाभप्रद कदम सिद्ध होगा। इसका अनुमोदन वस्त्र मंत्रालय द्वारा कर दिया गया है तथा निफ्ट इस पहल के लिए आगामी पांच वर्षों हेतु विकास आयुक्त हथकरघा और हस्तशिल्प के कार्यालय से उन्नचास करोड़ रुपए का वित्त–पोषण प्राप्त करने में सफल रहा है।

प्रधान कार्यालय द्वारा उस्ताद स्कीम के अंतर्गत अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय को एक अन्य प्रस्ताव भेजा गया है जिसके तहत अल्पसंख्यक समुदायों के कारीगरों के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाएं संचालित करने, अलपसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित शिल्पों को प्रलेखित करने, शिल्पकारों को प्रशिक्षण देने के लिए पाठ्यचर्या विकसित करने तथा अल्पसंख्यक समुदायों के पहचाने गए शिल्पों के लिए उत्कृष्ट शिल्पकारों की पहचान करने का प्रस्ताव किया गया है। इस परियोजना का क्रियान्वयन विभिन्न निफ्ट कैंपसों में

किया जाएगा तथा इसमें निफ्ट प्राध्यापक और पूर्व–छात्र शामिल होंगे। अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय द्वारा परियोजना के लिए बारह करोड़ उन्यासी लाख रुपए की परियोजना राशि अनुमोदित कर दी गई है।

'उन्नत भारत अभियान' (यूबीए) के अंतर्गत, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पिछड़ी ग्राम पंचायतो के क्लस्टर को अंगीकृत करने के लिए उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों को शामिल करना है, आईआईटी में डीन(ए) एवं प्रमुख क्लस्टर द्वारा एक बैठक में भाग लिया गया था जहां निफ्ट की भूमिका को परिभाषित किया गया। समस्त कैंपस निदेशकों ने यूबीए के प्रयोजनार्थ अपने–अपने क्षेत्रों में पिछड़ी ग्राम पंचायतों (जीपी) की पहचान कर ली है और उन्हें अंगीकृत कर लिया है तथा इस मामले में संपर्क बिंदु बनने तथा समस्त पहलों के लिए अभिरक्षक बनने के लिए एक नोडल अधिकारी को नामनिर्दिष्ट कर दिया है। नोडल अधिकारी की भूमिका जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर द्वारा यूबीए के क्रियान्वयन के संबंध में की जाने वाली समीक्षाओं के दौरान कैंपस का प्रतिनिधित्व करने तथा धरातल पर ग्राम पंचायतों को अपनाने के लिए अपेक्षित पश्च/अग्रगामी संबंधों की व्यवस्था करने के लिए जिला अधिकारियों के साथ ऐसे संपर्कों की व्यवस्था करने की भी होगी।

निफ्ट चेन्नई ने पारंपरिक उद्योगों के पुनः सृजन के लिए निधि की नवीन स्कीम (स्फूर्ति) के अंतर्गत नोडल एजेंसी केवीआईसी के साथ एक परियोजना तैयार की है, जिसके अंतर्गत निफ्ट चेन्नई तमिलनाडु में 2 क्लस्टरों के लिए तकनकी एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। इस परियोजना का बजट सोलह लाख रुपए है। चेन्नई कैंपस ने चेन्नई में 9, 10 और 11 मार्च 2016 को आयोजित इंडिया इंटरनेशनल हस्तनिर्मित वस्तु मेले के लिए थीम पेवेलियन और फैशन शो का समन्वय भी किया। परियोजना की लागत सत्रह लाख रुपए थी।

निफ्ट हैदराबाद ने 12 फरवरी, 2016 को 'संसदीय परामर्श समिति की बैठक' का आयोजन किया। संकाय तथा छात्रों ने क्लस्टर विजिटों के दौरान विकसित किए गए उत्पादों का प्रदर्शन किया तथा निफ्ट कैंपस में 15 शिल्पकारों द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया। निफ्ट चेन्नई ने 7 अगस्त, 2015 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का आयोजन किया। संकाय तथा परिसर निदेशक ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के भाग के रूप में सीनेट हॉल, मडास विश्वविद्यालय, चेन्नई में हथकरघा प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया।

डीन(ए) एवं क्लस्टर प्रमुख द्वारा 15–19 जून, 2015 (पांच दिन) को जयपुर में 'शिल्प प्रक्रियाएं और परंपराएं' पर एक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 18 प्राध्यापकगणों ने भाग लिया जिनमें सभी निफ्ट कैंपसों के क्लस्टर पहल समन्वयक (सीआईसी) भी शामिल थे। टीओटी का उद्देश्य शिल्प क्षेत्र के लिए प्रलेखीकरण प्रक्रिया, रिपोर्ट लेखन और परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के विषय में जानकारी प्रदान करना था।

शिल्प क्षेत्र में निफ्ट प्राध्यापक का योगदान

निफ्ट का प्राध्यापक क्लस्टर संबंधी क्रियाकलापों में शामिल रहा है तथा उसने विभिन्न स्तरों पर सरकार के साथ अपनी संबद्धता तथा साथ ही अपने अनुसंधान क्रियाकलापों के माध्यम से शिल्प क्षेत्र के प्रति पर्याप्त योगदान दिया है। प्रो. सुधा ढींगरा को 'हथकरघा और क्षेत्रीय पहचान में डिजाइन का महत्व' विषय पर एक वार्ता संचालित करने के लिए आमंत्रित किया गया था तथा उन्होंने क्राफ्ट रिवाइवल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पैनल चर्चा में भाग लिया। इस संगोष्ठी का विषय था 'हैंडलूम स्पेस : नवीकरण के प्रतिमान के रूप में मुबारकपुर का निर्माण' तथा इसका आयोजन 10 अक्तूबर 2015 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में किया गया था। उन्हें जुलाई, 2015 में हस्तशिल्प श्रेणी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं और शिल्प गुरु पुरस्कार विजेताओं का तथा हथकरघा में संत कबीर पुरस्कार के विजेताओं का चयन करने के लिए जूरी के सदस्य के रूप में भी नामांकित किया गया था। प्रो. कृपा माथुर और सुश्री सविता राणा, एसोसिएट प्रोफेसर ने एचईपीसी द्वारा पानीपत और वाराणसी में हथकरघा निर्यातकों के लिए आयोजित पूर्वानुमान रूझान दिशा 2016 से संबंधित एक–दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया। टेक्सटाइल डिजाइन विभाग, नई दिल्ली ने ऊंट की बेल्टों का निर्माण करने के लिए राजस्थान में प्रयुक्त 'प्लाई स्प्लिट ब्रेडिंग तकनीक' के समाप्त होते शिल्प पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इसका संचालन प्रो. एरोल नेल्सन पायरेस, एनआईडी, अहमदाबाद से सेवानिवृत्त संकाय सदस्य द्वरा 20 अक्तूबर, 2015 को किया गया। श्री सत्यप्रकाश, एसोसिएट प्रोफेसर, हैदरबाद ने एक–दिवसीय विपणन कार्यशाला के भाग के रूप में शिल्परामन में 'डिजाइन में रूझान' विषय पर 50 शिल्पकारों के लिए एक व्याख्यान संचालित किया जिसका आयोजन 12 मार्च, 2016 को डीसी हस्तशिल्प, हैदराबाद

द्वारा किया गया था। निफ्ट प्राध्यापक कार्तिकेयन बालारामन, निफ्ट चेन्नई, श्री सचिव भटनागर, निफ्ट पटना और सुश्री स्वाति व्यास, निफ्ट भोपाल ने संयुक्त रूप से निफ्ट द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित मामला विचार–गोष्ठी में ''संगनेर हैंड ब्लॉक प्रिंटिग : भावी मार्ग'' विषय पर तथा श्री सत्य प्रकाश, निफ्ट हैदराबाद ने ''कुंदन आभूषण निर्माण में स्वर्ण के वजन का प्रक्रियात्मक महत्व'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। श्री कार्तिकेयन, निफ्ट चेन्नई को चेन्नई में 09 जून, 2015 को वर्ष 2013–2014 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए उत्कृष्ट शिल्पियों का चयन करने वाले शिल्प गुरु पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियों का चयन करने वाले राज्य स्तरीय चयन समिति के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया था। उन्होंने एचईपीसी द्वारा करूर, तमिलनाडु में 12 अक्टूबर 2015 तथा कन्नूर केरल में 20 नवम्बर, 2015 को आयोजित ट्रेंड फोरकास्टिंग फॉर हेम टेक्सटाइल्स में एक पत्र भी प्रस्तुत किया।

डा. रुचिका को लघु उद्योग भारती, जोधपुर के लिए 12 मई, 2015 को महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत महिला उद्यमियों के लिए 'व्यवसाय की विभिन्न अवस्थाओं में विपणन कार्यनीतियां' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्हें विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जोधपुर हस्तशिल्प निर्यातक एसोसिएशन (जेएचईए) के समन्वयन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कॉमन फेसिलिटी, सेंटर (सीएफसी) जोधपुर में विपणन तकनीकों और उत्पाद अभिनवता पर शिल्पकारों को प्रशिक्षित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

शिल्प के छात्रों की उपलब्धियां

निफ्ट के छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करने के माध्यम से शिल्प के क्षेत्र में भी योगदान दिया है। निफ्ट दिल्ली के दो छात्रों को 'धरोहर–संधारणीय डिजाइन के लिए शिल्प और कौशल विकास' में निफ्ट दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था जिसका आयोजन शहरी डिजाइन और विकास केन्द्र (सीयूडीडी) के तत्वावधान में 16–18 अगस्त, 2015 को आईआईटी रुड़की द्वारा किया गया था। निफ्ट बैंगलूरू के एक छात्र तथा निफ्ट नई दिल्ली के दो छात्रों ने नमस्ते स्टॉकहोम प्रतियोगिता में क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा वे मई 2016 की समाप्ति पर स्वीडन जाएंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी *पहलकदम*

नई सहशाब्दि में, फैशन वशत्तिकों की सफलता उनकी फैशन और सूचना प्रौद्योगिकी को अर्थपूर्ण तरीके में एकीकृत करने की योग्यता पर निर्भर करती है। वस्तुतः निफ्ट में छात्रों को प्रदान की जाने वाली आईटी सहायता भारत में अन्य सभी फैशन संस्थानों के लिए ईर्ष्या का विषय है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग अन्य विभागों के साथ तालमेल करके कार्य करते हुए संस्थान में एक आईटी समर्थ शिक्षण परिवेश का सृजन करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करता है। विभाग निफ्ट के छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और प्रबंधन को प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करता है। प्रत्येक निफ्ट कैंपस के पास आज एक स्वतंत्र, पूर्णतः प्रचालित सूचना प्रौद्योगिकी सुविधा है जिसमें योग्य और अनुभवी आईटी वशत्तिक तैनात हैं। कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं में अति आधुनिक हार्डवेयर और साफ्टवेयर विद्यमान है। प्रयोगशालाओं में सर्वर और वर्क स्टेशन पर्सनल कम्प्यूटर, डिजिटाइजर्स, इमेज स्कैनर, डिजिटल कैमरा आदि लगे हुए हैं। वर्तमान में, सभी पन्द्रह निफ्ट कैंपस राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से 100 एमबीपीएस बैंड विड्थ कनेक्शनों से जुड़े हुए हैं।

प्रत्येक विभाग ने पाठ्यचर्या में नवीनतम साफ्टवेयर को शामिल किया है ताकि छात्रों को उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। ग्राफिक डिजाइन, एनीमेशन, 2डी/3डी मॉडलिंग, फोटो इमेजिंग और एडिटिंग, आंकड़ा विश्लेषण और बाजार अनुसंधान के अलवा, इलेस्ट्रेशन, पैटर्न मेकिन, ग्रेडिंग, मार्कर मेकिंग, निटवीयर और टेक्सटाइल डिजाइन एक्सेसरी डिजाइन और लेआउट के लिए सीएडी सॉफ्टवेयर का प्रयोग व्यापक रूप से पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या के भाग के रूप में किया जाता है। निफ्ट में अध्ययन के दौरान अन्य कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को भी शामिल किया जाता है, जैसे आरडीबीएसएस, विंडोज प्रोग्रामिंग, मल्टीमीडिया, ईआरपी, एडवांस्ड प्लानिंग और शिड्यूलिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग आदि जो प्रौद्योगिकी के छात्रों को विभिनन प्लेटफार्मों पर सॉफ्टवेयर का विकास करने में समर्थ बनाते हैं। निफ्ट अपने सभी कैंपसों में छात्रों को वाईफाई सुविधा मुहैया कराता है।

आईटी विभाग के आंतरिक सॉफ्टवेयर विकासक दल ने शिक्षण और अधिगम के लिए एक शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म, कैंपस प्रबंध सोलूशन (सीएमएस) विकसित किया है जो एक वेब आधारित एप्लीकेशन है। सॉफ्टवेयर सभी 15 कैंपसों की शैक्षिक प्रक्रियाओं को एकीकृत करता है तथा विभाग को शैक्षिक वितरण प्रणाली को मानीटर करने में समर्थ बनाता है। सीएमएस का प्रयोग संकाय, कर्मचारियों, पूर्व–छात्रों और उद्योग के साथ–साथ समस्त छात्र समुदाय द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2015–16 के दौरान, सीएमएस में क्रियान्वयन को और अधिक सरल एवं कारगर बनाया गया तथा उसका विकास किया गया। सीएमएस ने छात्रों के जीवन चक्र की अधिकांश प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक प्रबंधित किया तथा प्रवेश, सामान्य प्रशासन और पूर्व–छात्रों से संबंधित क्रियाकलापों के प्रबंधन का आंशिक स्वचालन किया। सीएमएस ने 15 कैंपसों में शैक्षणिक प्रक्रिया को विनियमित किया जिसमें सेमेस्टर निर्धारण, समय–सारणी तैयार करना, संकाय सदस्यों को विषय का आवंटन, विभाग और कॉमन इलेक्टिव विषय का चयन, कैंपस के भीतर शिक्षण, दत्त–कार्य

की घोषणा, दत्त–कार्य का प्रस्तुतीकरण, प्राध्यापक मूल्यांकन, जूरी प्रक्रिया, अंकों की घोषणा, कॉमन बोर्ड परीक्षा समय–निर्धारण, परीक्षा नियंत्रक की प्रक्रिया, परिणाम की घोषणा, छात्रों को भुगतान अंतरण, अनुशासन से संबंधित मुद्दे आदि भी शामिल हैं।

सीएमएस की स्वचालित स्थापन प्रक्रिया ने छात्रों को रोजगार प्राप्त करने वाले आवेदक के रूप में पंजीकृत करने, उद्योग द्वारा घोषित रिक्तियों के लिए आवेदन करने तथा नियोजन प्रक्रिया में भाग लेने में समर्थ बनाया। उद्योग द्वारा प्री–प्लेसमेंट के रूप में रोजगार की पेशकश करने के लिए सीएमएस के विशिष्ट एप्लीकेशनों का प्रयोग किया गया तथा उसने छात्रों को अपनी स्वीकृति दर्ज करने में समर्थ बनाया। प्रणाली ने रोजगार की तलाश करने वाले उम्मीदवारों की संख्या, रोजगार की पेशकश किए गए छात्रों की संख्या तथा छात्रों द्वारा पेशकशों की स्वीकार करने से संबंधित रीयल टाइम सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराई।

वेब आधारित विकेन्द्रीकृत काउंसलिग प्रणाली ने 2015–16 में भी सुचारू रूप से कार्य किया। इसने छात्रों को काउंसलिग के स्थान का ऑनलाइन चयन करने तथा उनके गृह–नगरों के निकटतम स्थित किसी भी निफ्ट केन्द्र पर काउंसलिग के लिए उपस्थित होने में समर्थ बनाया। प्रणाली ने छात्रों को वास्तविक स्थिति के बारे में सूचित किया तथा उन्हें मेरिट और उपलब्धता के आधार पर पसंदीदा पाठ्यक्रम और केन्द्र का चयन करने में सहायता प्रदान की। कम्प्यूटर आधारित केन्द्रीयकृत सीट आबंटन ने पूर्णतः पारदर्शिता सुनिश्चित की।

सामान्य तौर पर प्रशासन और वित्तीय क्रियाकलापो को सहायता प्रदान करने वाली विशेषता का क्रियान्वयन किया गया था, जैसे छात्रावास प्रबंधन, क्रय, नियत आस्ति रजिस्टर का संकलन, कैंपसों की मासिक प्रगति रिपोर्ट, तिमाही वित्तीय प्रगति रिपोर्ट, निफ्ट को भुगतान करने के लिए ऑनलाइन भुगतान गेटवे एकीकरण आदि। अन्य विशेषताएं जैसे प्राध्यापक प्रशिक्षण, परियोजना और परामर्श तथा सीई कार्यक्रमों को भी प्रत्येक कैंपस की प्रगति की निगरानी करने के लिए समाविष्ट किया गया था।

2015–16 के दौरान, 4000 से अधिक पूर्व–छात्रों ने निफ्ट पूर्व–छात्र पोर्टल पर रजिस्टर किया जिसे निफ्टियन अथवा निफ्ट अंतर्राष्ट्रीय पूर्व–छात्र नेटवर्क कहा जाता है।

उपर्युक्त के अलावा, निफ्ट ने निम्नलिखित भी आरंभ किया है:–

- वीडियो कांफ्रेसिंग सुविधाएं सभी 15 निफ्ट कैंपसों में कार्यात्मक हो गई हैं। प्रणाली ने ऐसी अवसंरचना प्रदान की है जो विभिन्न निफ्ट कैंपसों में वास्तविक रीयल टाइम कक्षा–शिक्षण संचालित करने, प्रत्येक निफ्ट कैंपस में वर्चुअल बैठकों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि का आयोजन करने में सहायक है। अनेक अंतर्केन्द्र व्याख्यान, शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों विभागों की बैठकें वर्ष 2015–16 के दौरान वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संचालित की गईं। रिकार्ड किए गए सत्रों को उपलबध कराए जा रहे सुरक्षित पोर्टल के माध्यम से बाद में तलाशा जा सकता है और देखा जा सकता है।

- शैक्षणिक सत्र 2015 तक के बैचों के लिए निफ्ट के छात्र की समेकित ई–मेल, कैलेंडरिंग और सहयोग समाधान को एकीकृत किया गया तथा छात्रों की व्यक्तिगत ई–मेल आईडी और समूह आईडी (विभागवार और बैचवार) सृजित की गईं।

- वर्ष 2015–16 के दौरान निफ्ट नई दिल्ली कैंपस में पांच अतिरिक्त बायोमीट्रिक मशीनों की स्थापना से हाजिरी प्रणाली को सुदृढ़ बनाया गया।

सतत् शिक्षा *कार्यक्रम*

राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान उद्योग को तथा साथ ही भावी और कार्यरत वृत्तिकों को सहायता प्रदान करने के लिए विविध सतत् शिक्षा कार्यक्रम संचालित करता है। निफ्ट द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न अवधियों वाले अनेक विशेषीकृत कार्यक्रमों का उद्देश्य भावी वृत्तिकों को प्रशिक्षित करना, प्रवेश–स्तर वाले वृत्तिकों को आगे प्रगत प्रशिक्षण प्रदान करना, मध्य–स्तरीय वृत्तिकों को उन्नयित करना है तथा प्रायः ये वृत्तिकों को उद्योग में कार्यबल के रूप में वापस लौटने में भी सहायता करते हैं।

संचालित किए जा रहे सतत् शिक्षा कार्यक्रमों के अलावा निफ्ट ने शैक्षणिक वर्ष 2014 से डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करना भी आरंभ कर दिया है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अवसंरचना और अन्य संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए केन्द्रों को वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम बनाना है। डिप्लोमा कार्यक्रमों का उद्देश्य उन राज्यों के स्थानीय छात्रों को मूल्यवर्धित कार्यक्रमों की पेशकश करना है जहां निफ्ट के कैंपस नहीं हैं तथा निफ्ट के विद्यमान डिग्री कार्यक्रमों के पार्श्विक प्रवेश को सुकर बनाना है।

निफ्ट के विभिन्न कैंपसों में निम्नलिखित सीई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं:

कैम्पस का नाम	कोर्स का नाम	कोर्स की अवधि	डिपार्टमेंट का नाम	भर्ती उम्मीदवारों की संख्या	आरम्भ पर	कुल राजस्व (प्रत्याशित) रुपयों में
बैंगलूरू	फैशन रिटेल मैनेजमेंट (एफआरएम)	1 वर्ष	एफएमएस	9	03.11.15	720000
	फैशन इंटीग्रेशन फार टेक्सटाइल्स	1 वर्ष	टीडी	7	05.01.15	525000
	अपेरल मर्जेडाईजिंग एण्ड मेनुफेक्जरिंग टेक्नालॉजी	6 माह	बीएफटी	9	26.10.15	495000
	फैशन डिजाइन एण्ड क्लोथिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	एफडी	32	06.01.16	1147400
भोपाल	फैशन डिजाइन एण्ड क्लोथिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	एफएमएस	25	29.07.15	1083250
चेन्नई	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	16	01.02.16	1200000
गांधी नगर	गार्मेंट प्रोटेक्शन टेक्नालॉजी एण्ड अपैरल डिजाइन	1 वर्ष	डीएफटी	19	21.09.15	1614300
	फैशन इंटीग्रेशन फार अपैरल इण्डि.	1 वर्ष	एफडी	29	31.08.15	2142300
गांधी नगर सूरत	फैशन डिजाइनिंग एण्ड अपैरल टेक्नालॉजी	1 वर्ष	डीएफडी	27	20.07.15	1890000
हैदराबाद	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	16	05.10.15	1200000
	इण्डियन फैशन अपैरल एण्ड बुटिक मैनेजमेंट	1 वर्ष	एफडी	18	21.09.15	1350000
	फैशन अपैरल डिजाइन एवं डब्लपमेंट (वूमेनस वियर)	6 माह	केडी	8	25.09.15	400000
	कंटेम्परेरी इथेनिक वेयर	1 वर्ष	केडी	14	25.09.15	975000

कोलकाता	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	24	17.08.15	1634700
	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	16	29.02.16	1077350
	क्लोथिंग प्रोडक्शन टेक्नालॉजी	1 वर्ष	डीएफटी	10	2.2.2015	627300
मुम्बई	अपैरल डिजाइन एण्ड डब्लपमेंट	6 माह	डीएफटी	12	24.08.15	600000
	अपैरल क्लोथिंग एण्ड फैशन मर्चेडाईजिंग मैनेजमेंट	6 माह	डीएफटी	13	08.08.15	650000
	क्रियेटिव फैशन स्टाईलिंग (खारघर)	6 माह	केडी	18	24.08.15	1080000
	क्रियेटिव फैशन स्टाईलिंग (सिटी सेंटर बैच–1)	6 माह	केडी	9	01.02.15	450000
	डिजाइन डब्लपमेंट फार इण्डियन इथेनिक वेयर	1 वर्ष	केडी	11	17.08.15	990000
	क्रेटिव पैटर्न मैकिंग	6 माह	केडी	11	14.08.15	550000
	ई कार्मस फार फैशन बिजनेस	3 माह	एफएमएस	12	05.09.15	320000
	विजुअल मर्चेडाईजिंग	6 माह	एफसी	25	06.08.15	1250000
	फैशन रिटेल मैनेजमेंट (एफआरएम)	1 वर्ष	एफएमएस	11	22.08.15	1100000
	फैशन एण्ड क्लोथिंग टैक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	24	01.08.15	2400000
	फोटोग्राफी इन रिलेशन टू फैशन एण्ड प्रोडक्ट	3 माह	एफसी	13	27.08.15	310000

नई दिल्ली	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	44	07.09.15	5222750
	फैशन इंटिग्रेशन फार अपैरल इण्डिस्ट्री	1 वर्ष	एफडी	33	07.09.15	4800000
	गार्मेंट एक्सपोर्ट मर्चेडाईजिंग एण्ड मैनेजमेंट	1 वर्ष	एफएमएस	28	14.09.15	3000000
	फैशन रिटेल मैनेजमेंट	1 वर्ष	एफएमएस	43	15.09.15	4249000
	क्लोथिंग प्रोटेक्शन टेक्नालॉजी	1 वर्ष	डीएफटी	17	14.09.15	4000000
	डिजाइन डवलपमेंट फार इण्डियन इथेनिक्स वेयर	1 वर्ष	केडी	34	14.09.15	4000000
	क्रियेटिव थिंकिंग एण्ड डिजाइन डब्लपमेंट	1 वर्ष	एलडी	41	07.09.15	3075000
	डिजाइन इन बुटिक अपैरल एण्ड एसेसरी	1 वर्ष	एलडी	29	07.09.15	4000000
	टेक्सटाइल फार इंटीरियर्स एण्ड फैशन	1 वर्ष	टीडी	15	11.09.15	3000000
	लक्जरी प्रोडक्ट डिजाइन	1 वर्ष	एडी	7	15.09.15	2500000
	फैशन ई– बिजनेस मैनेजमेंट	1 वर्ष	एफएमएस	33	03.11.15	3000000
	क्रियेटिव फैशन स्टाईलिंग	6 माह	केडी	16	15.09.15	1650000
	ड्रैपिंग फार ड्रेसेज	3 माह	एफडी	15	15.09.15	900000
पटना	फैशन एण्ड क्लोथिंग टेक्नालॉजी	1 वर्ष	एफडी	15	14.09.15	1088100
रायबरेली	फैशन बुटिक एण्ड ड्रेस डिजाईनिंग	3 माह	एफडी	10	14.09.15	600000
					कुल रुपये	72866450

निफ्ट के विभिन्न कैंपसों में निम्नलिखित डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं:

कैम्पस का नाम	कोर्स का नाम	कोर्स की अवधि	डिपार्टमेंट का नाम	भर्ती उम्मीदवारों की संख्या	आरम्भ पर	कुल राजस्व (प्रत्याशित) रुपयों में
चेन्नई	फैशन फिट एण्ड स्टाईल	2 वर्ष	एफडी	21	सित–14	6826500
चेन्नई	फैशन फिट एण्ड स्टाईल	2 वर्ष	केडी	35	सित–15	10500000
चेन्नई	अपैरल प्रोडक्शन एण्ड मर्चेडाईजिंग	1 वर्ष	डीएफटी	15	सित–15	2250000
मुम्बई	अपैरल प्रोडक्शन एण्ड मर्चेडाईजिंग	1 वर्ष	डीएफटी	15	जुलाई–15	2287500
मुम्बई	फैशन फिट एण्ड स्टाईल (बैचः 2014–16)	2 वर्ष	एफडी	24	अगस्त–15	7320000
मुम्बई	स्टोर ऑपरेशन्स	2 वर्ष	एमएफएम	7	अगस्त–15	2135000
मुम्बई	फैशन फिट एण्ड स्टाईल (बैचः 2015–17)	2 वर्ष	एफडी	39	अगस्त–15	11895000
					कुल रुपये	43214000

कैंपस नियोजन 2015

निफ्ट कैंपस नियोजन 2015 का आयोजन 20 अप्रैल से 10 मई, 2015 तक निफ्ट के 11 कैंपसों अर्थात् नई दिल्ली, मुंबई, बैंगलूरू, कोलकाता, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, भोपाल, जोधपुर, कन्नूर और कांगड़ा में संचालित किया गया। कुल 421 कंपनियों ने कैंपस नियोजन के लिए रजिस्ट्रीकरण कराया तथा विभिन्न कार्यक्रमों/कैंपसों में 1985 रिक्त पदों की पेशकश की।

इन नियोजन स्थलों में कैंपस नियोजन के दौरान कुल 1573 छात्रों ने पंजीकरण कराया जिसमें से 1310 छात्रों को नियोजन प्राप्त हुआ अर्थात् 83 प्रतिशत छात्र ऐसे थे जिन्होंने नियोजन के लिए नियोजन अवधि के दौरान पंजीकरण कराया था जिन्हें कैंपस नियोजन के दौरान रोजगार प्राप्त हुआ।

नियोजन 2015 का पाठ्यक्रम–वार विश्लेषण चार्ट–I में दिया गया है:

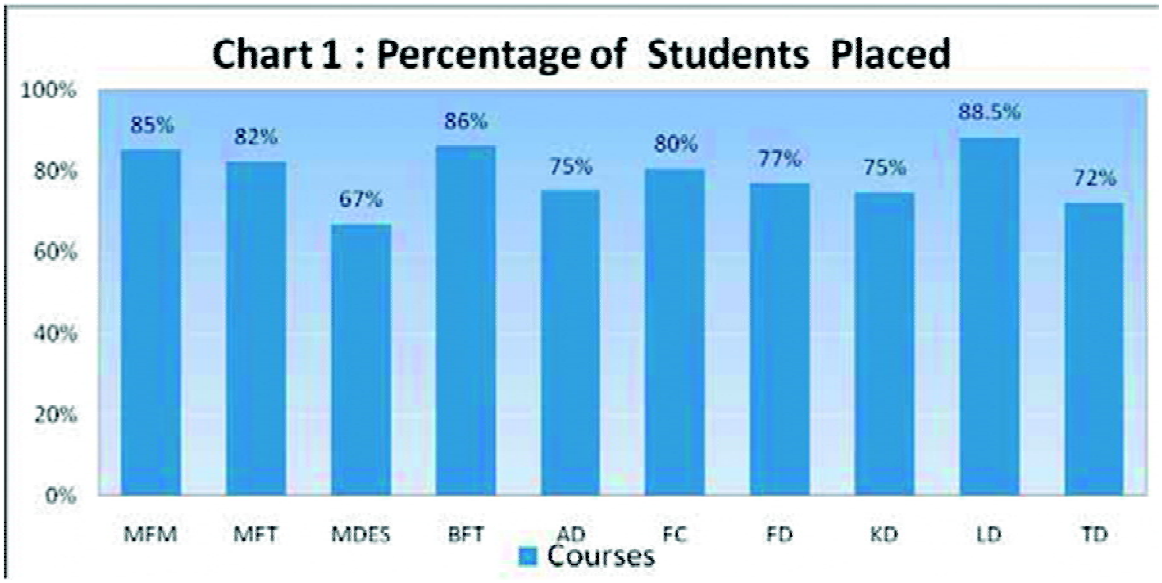

कैंपस नियोजन 2015 के दौरान मास्टर्स कार्यक्रम के लिए औसत वार्षिक वेतन 4.70 लाख रुपए था जबकि स्नातक कार्यक्रम के लिए यह 3.85 लाख रुपए प्रतिवर्ष था।

कैंपस नियोजन 2015 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के लिए छात्रों द्वारा प्राप्त औसत वार्षिक वेतन (लाख रुपए) चार्ट–II में दर्शाया गया है।

Chart 2: Average Salary in Rs. Lakh P.A

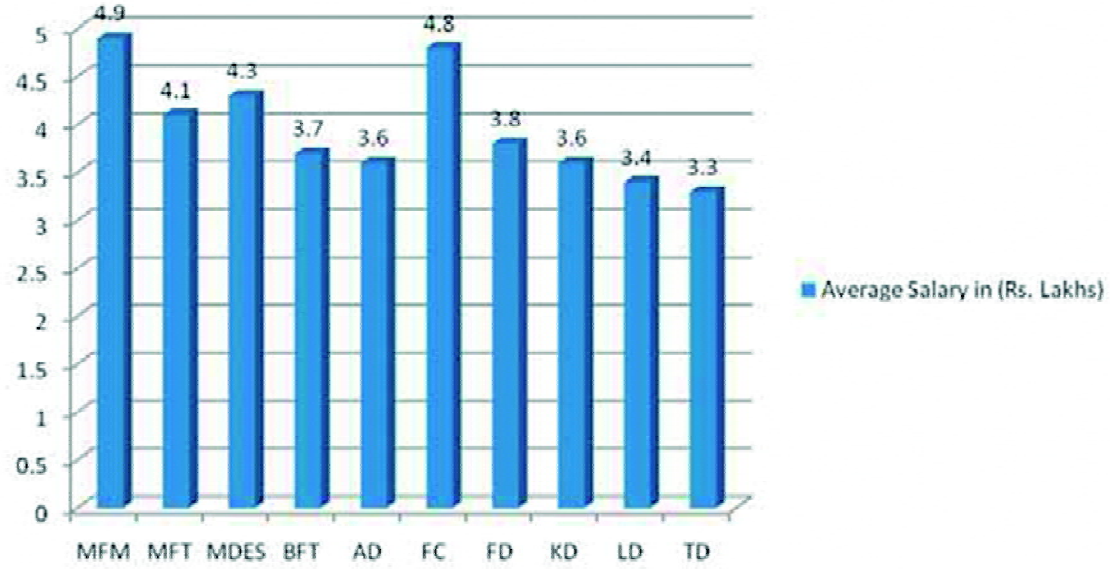

भर्ती करने वाली कंपनियां विविध क्षेत्रों से संबंधित थीं जैसे डिजाइनर्स, विनिर्माता निर्यातक, विक्रय एजेंसियां, परामर्शक, रिटेलर्स, फैशन ब्रांइस, ई–रिटेलर्स, फोम फर्निशिंग्स, प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता तथा साथ ही इंटरनेशनल ब्रांड्स। कुछ प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम वर्णक्रमानुसार नीचे दिए गए हैं:

- आदित्य बिरला नूवो लि. (जयश्री टेक्सटाइल्स)
- अमेजॉन
- एंडडिजाइन इंडिया लिमिटेड
- अर्चना कोचर
- अरविंद लाइफ स्टाइल ब्रांड्स
- एवेन्यू सुपर मार्ट, डी–मार्ट
- भारतीय इंटरनेशनल
- ब्लैक बेरी
- कारवाले. कॉम
- फ्यूचर ग्रुप
- फ्यूचर लाइफस्टाइल (सेंट्रल)
- इम्पल्स
- इंडियन टेरेरियल फैशन लि.
- जयपुर रग्स
- के.पी. सांघवी इंटरनेशनल लि.
- लगूना क्लोथिंग, लाइफ स्टाइल इंटरनेशनल
- महानंदा इंडस्ट्रीज
- मॉडेलामा एक्सपोर्ट्स
- मस्ट गार्मेंट
- ओरिएंट क्राफ्ट
- रेमंड लि.
- रिलायंस ब्रांड्स लि.
- सव्यसाची
- स्नैपडील
- टेक्नोपैक
- ट्राइबर्ग
- वरूण बहल

अधिकांश भर्ती रिटेल कंपनियों द्वारा की गई जिनके बाद ब्रांडों का स्थान था। भर्ती हुए कल स्नातकों में से कुल 35 प्रतिशत रिटेल कंपनियों में भर्ती हुए थे। इसके बाद फैशन ब्रांड (20 प्रतिशत), डिजाइनर/डिजाइन हाउसों (18 प्रतिशत) निर्यात हाउसों/क्रय हाउसों और एजेंसियों (15 प्रतिशत) का स्थान था।

इस वर्ष कैंपस भर्ती ने हाल ही में आरंभ हुई कंपनियों की ओर स्नातकों का अधिक रूझान दर्शाया। कैंपस नियोजन के लिए ऑनलाइन रिटेलरों की उपस्थिति भी निफ्ट कैंपस नियोजन प्रक्रिया की एक मुख्य विशेषता थी।

कुछ गैर–पारंपरिक क्षेत्रों जैसे बॉलीवुड निर्माण हाउसों, मीडिया और मनोरंजन , टेलीविजन प्रोडक्शन हाउसों ने स्टाइलिंग, डिजाइन, मार्केटिंग और ईवेंट मैनेजमेंट, ग्राफिक्स/एनिमेशन के लिए निफ्ट के स्नातकों को भर्ती करने के प्रति रुचि दर्शाई।

पीएच.डी. और अनुसंधान

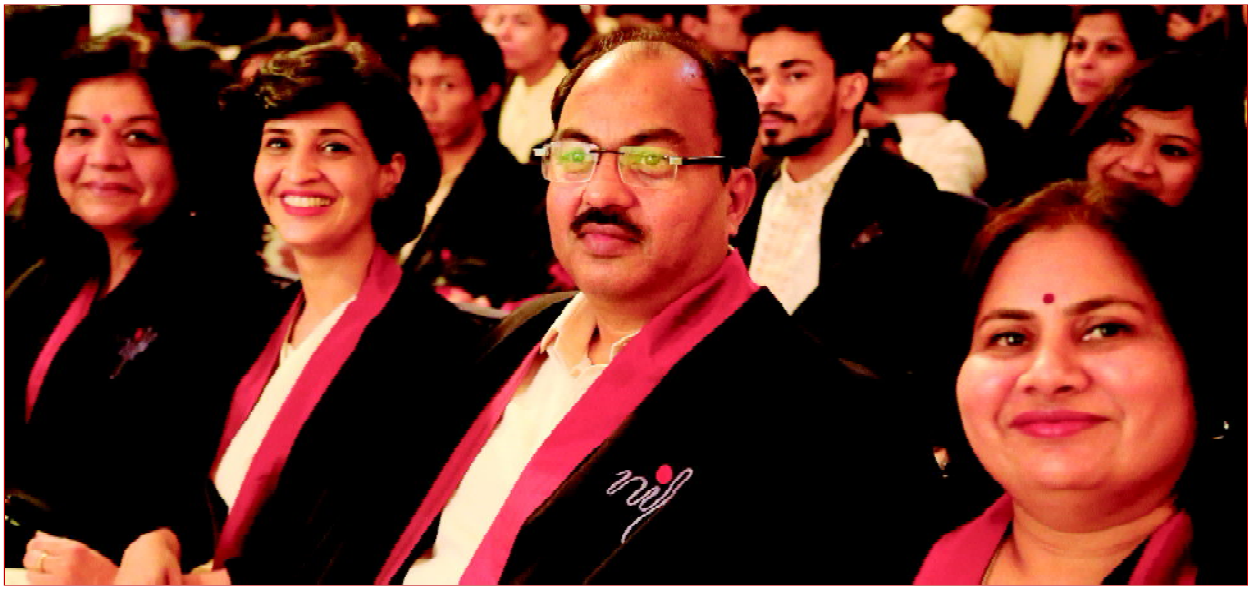

पीएच.डी कार्यक्रम : निफ्ट डिजाइन, प्रबंध और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पीएच.डी. प्रदान करता है जैसा कि उद्योग के वस्त्र, फैशन, जीवन–शैली और परिधान क्षेत्रों के व्यापक संदर्भ में लागू होता है। कार्यक्रम को व्यापक रूप से शिक्षण–क्षेत्र तथा उद्योग के प्रयोग के लिए मौलिक ज्ञान सृजित करने हेतु वस्त्र फैशन और परिधान क्षेत्र में अनुसंधान संचालित करने के प्रयोजनार्थ तैयार किया गया है।

पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया सामान्यतः प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह के दौरान आरंभ होती है तथा जुलाई माह के दौरान परिणामों और पंजीकरण की घोषणा कर दी जाती है। पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हता पात्रता डिग्री ऑफ डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी के लिए दिशा–निर्देश में निर्दिष्ट की गई है।

पीएच.डी. कार्यक्रम 2009 में आरंभ किया गया था जिसमें 7 छात्र थे तथा इस समय निफ्ट से 29 छात्र पीएच.डी. में अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम के समय मान के संबंध में, छात्र से पांच वर्ष के भीतर पर्यवेक्षित अध्ययन पूर्ण करने की आशा की जाती है जिसे महानिदेशक, निफ्ट के विशिष्ट अनुमोदन द्वारा अधिकतम सात वर्ष तक विस्तारित किया जा सकता है। 1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक चार स्कॉलरों की पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान में पीएच.डी. का अध्ययन कर रहे अनुसंधान स्कॉलर

क्र.स.	छात्र का नाम	निफ्ट केन्द्र	अनुसंधान का विषय
		2009–सत्र	
1	मोनिका गुप्ता	प्रो. निफ्ट नई दिल्ली	शरीर के विभिन्न भाग के आकारों हेतु परिरेखा वृद्धि का प्रतिपादन (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
2	पवन गोडियावाला	प्रो. निफ्ट गांधी नगर	दिन की रोशनी में फसल–कटाई उपकरण का विकास (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
3	प्रियंका गुप्ता	सह. प्रो. निफ्ट नई दिल्ली	नर्सों की वर्दी का डिजाईन, विकास और कार्यात्मक परिसज्जन
		2010–सत्र	
4	जागृति मिश्रा	सह. प्रो. निफ्ट गांधी नगर गांधी नगर	भारत में विलक्षित ब्रांड का भंडार की विशेषता की तुलना में उपभोक्ता (सिनोप्सिस जमा कर दिए) क्रय

5.	कौस्तव सेनगुप्त	सह. प्रो. निफ्ट चैन्नई	शहरी भारत में युवाओं की परिधान रंग वरीयता और रंग मनोवृत्ति पर मान और जीवन शैली का प्रभावः संपूर्णात्मक विश्लेषण
6.	मालिनी डी	प्रो. निफ्ट हैदराबाद	दक्षिण भारती के चित्रकारी टैक्सटाईल परंपरा का समसामयिक अभिव्यक्ति और संपोषणीयता–कलमकारी पर एक अध्ययन मामला (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
7.	मनोज तिवारी	सह.प्रो. निफ्ट जोधपुर	भारतीय युवाओं के लिए जीन्स आकार चार्ट का मानकीकरण (आयु : 18–35 वर्ष)
8.	वंदना जगलान	बाह्य अनुसंधान छात्र, निफ्ट नई दिल्ली	वेशभूषा डिजाईन की भूमिकाः 1950 से चयनित फिल्मों का अध्ययन (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
9.	वंदिता सेठ	प्रो. निफ्ट गांधी नगर	गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के तंगलिया और एकल ईकत शिल्पों का अध्ययन–संपोषणीय डिजाईन मध्यवर्तन के लिए मॉडल का विकास (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
10.	विद्या राकेश	सह प्रो. निफ्ट रायबरेली	उत्तरी भारत में प्रौढ़ परिपक्व महिलाओं के ऊपरी परिधान के लिए शरीर मापन का मानकीकरण (सिनोप्सिस जमा कर दिए)
11.	विकास कुमार	सह प्रो. निफ्ट जोधपुर	ब्रॉड प्रोत्साहन में सामाजिक मीडिया की भूमिका–उपयोक्ता निर्णय निर्माण परिप्रेक्ष्य

2011–सत्र

12.	अंकुर सक्सेना	सह. प्रो. निफ्ट जोधपुर	दिल्ली/एनसीआर परिधान उद्योग में हरित निर्माण की संभावनाएं
13.	पर्मिता मजूमदार	बाह्य अनुसंधान छात्र, निफ्ट कांगड़ा	त्रिपुरा की आदिवासी वेशभूषा पर अध्ययन और इसकी कायापलट
14.	रूम्पा रेशमी मुनीश	सह. प्रो. निफ्ट बैंगलूरू	समसामयिक बाजार हेतु नए उत्पादों के डिजाईन विकास के लिए अनुसंधान–चन्ना पटना चैप्टर
15.	युवराज गर्ग	सह. प्रो. निफ्ट जोधपुर	पर्यावरणीय अनुकूल वस्त्रों की जागरूकता मापना, उपलब्धता और स्वीकार्यता

2012–सत्र

16.	प्रेरणा कौशल	बाह्य अनुसंधान छात्र निफ्ट नई दिल्ली	संपोषणीयता और आपूर्ति श्रृंखला
17.	अमित कुमार अंजनी	सह. प्रो. निफ्ट चेन्नई	परिजन निर्माण यूनिटों में वांछित जनशक्ति आपूर्ति और मांग की पूर्ति में व्यवसायिक संस्थानों की भूमिका

2013–सत्र

18.	अरिन्दम दास	निदेशक निफ्ट गांधीनगर	व्यवसायिक डिजाईन शिक्षण में मूल्यांकन प्रणालियों का डिजाईन और ढांचा
19.	जोमिचन एस. पट्टाथी	प्रो. निफ्ट मुम्बई	भारत में फैशन ई–व्यापार की समस्याओं और संभावनाओं पर विश्लेषणात्मक अध्ययन

2014—सत्र

20.	निशांत शर्मा	सह. प्रो. निफ्ट कन्नूर	फैशन शिक्षा एवं फैशन इण्डस्ट्री की मांग पूर्ति मैथड, डिलीवरी एवं परिणाम के संदर्भ में।
21.	रिचा शर्मा	सह. प्रो. निफ्ट बैंगलूरू	स्टडी ऑन इफैक्ट ऑफ ल्यूनिनेंस ऑफ फोटो ल्यूमिसेण्ट स्पेशलिटी फिमेण्टस ऑफ टेक्सटाइल्स फॉर द फैशन इण्डस्ट्री।
22.	शालिनी माथुर	बाह्य शोध निफ्ट बैंगलूरू	इको फ्रैण्डली टेक्सटाइल का राजस्थान की अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव और सस्टेनेबल ग्रोथ की क्षमता की सम्भावयता का पता लगाना।
23.	जसपाल सिंह कालरा	बाह्य शोध छात्र निफ्ट दिल्ली	डिजाइन की शिक्षा चिकनकारी कला क्षेत्र में—एटूल फॉर सोशल इनोवेशन
24.	मुत्थु कुमार	बाह्य शोध छात्र निफ्ट दिल्ली	एक सीमक्षात्मक सर्वेक्षण ब्राण्डेड एवं गैर ब्राण्डेड फुटवियर की आरामदायक स्तर पर उपभोक्ता संतुष्टि दिल्ली एवं भारत के एनसीआर में
25.	संजय शर्मा	बाह्य शोध छात्र निफ्ट दिल्ली	हैण्डलूम के क्षेत्र में डिजाइन का प्रभाव का अध्ययन, हाथ सिलाई मशीन एवं अन्य प्रयोगशाला आधारित उपकरण अधिक उत्पादकता एवं उपयोग में आसानी।
26.	जैन हेमलता	बाह्य शोध छात्र निफ्ट बैंगलुरू	गदज प्रयोग में प्राकृतिक टेनिन आधारित मोर्डेन्टस द्वारा हथकरघा सामग्री का विकास (मायरोबलन, सिम्पलोकोस, अनार एवं अर्जुन की दाल) का काटनयार्ड डाइ किए प्राकृतिक डाई (बेटरी नट एवं मंडर)

2015—सत्र

27.	आर एस जयदीप	प्रो. निफ्ट कन्नूर	20वीं शताब्दी की मलयालम फिल्मों और चित्रों के माध्यम से केरल के लोगों की पोशाकों/कपडों का अध्ययन
28.	थाडपल्ली श्रीवनि	सह प्रो. निफ्ट हैदराबाद	मिश्रित कपडों और सिले हुए वस्त्रों का उपभोक्ताओं के लिए निष्पादन मूल्यांकन
29.	अनुपम कपूर	बाह्य शोध छात्र	उपभोक्ता कपड़ों की खपत और निपटान पैटर्न : एक खोजपूर्ण अध्ययन

पीएच.डी. प्रत्युत्तर मौखिक–परीक्षा

निफ्ट ने निम्नलिखित स्कालरों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान कीः

क्रम सं.	पीएच.डी स्कॉलर का नाम	पर्यवेक्षक का नाम	पत्र का शीर्षक	मौखिक–परीक्षा प्रस्तुतीकरण की तारीख
1.	सुहेल अनवर, प्रोफेसर निफ्ट, दिल्ली	डा. सिबिचन मैथ्यू	छात्रों के प्रदर्शन पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का प्रभाव : फैशन डिजाइन में भारत की उच्चतर शिक्षा का मामला।	17 अप्रैल, 2015
2.	शालिनी सूद, प्रोफेसर निफ्ट दिल्ली	डा. सिबिचन मैथ्यू	सलवार, कमीज, दुपट्टा (एसकेडी) के निर्धारक : दिल्ली/एनसीआर का संदर्श	14 मई, 2015
3.	सुरुचि मित्तर, सह प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली	डा. सिबिचन मैथ्यू	दिल्ली/एनसीआर में परिधान विनिर्माण फर्मों में संगठनात्मक निष्पादन पर मानव संसाधन प्रबंध प्रक्रियाओं का प्रभाव	14 मई, 2015
4.	शिंजु महाजन, सह प्रोफेसर, निफ्ट–नई दिल्ली	डा. नीलांजना बैरागी	शिशुओं के फुटवीयर का डिजाइन और विकास – प्रयोक्ता – केन्द्रित दृष्टिकोण	24 फरवरी, 2016

वित्तीय वर्ष अप्रैल, 2015 – मार्च, 2016 के दौरान निफ्ट संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत शोध–पत्रों की सूची

संकाय सदस्यों का नाम	**पत्र का शीर्षक**	**निफ्ट परिसर**	**सम्मेलन की तारीख**	**सम्मेलन का नाम**
एस. अंगामल शांति, सह प्रोफेसर	तमिलनाडु में परिधान कंपनियों के सामाजिक और आर्थिक निष्पादन पर सीएसआर अनुपालन के प्रभाव का प्रबंध संदर्श ।	बैंगलूरू	03 अप्रैल,15	चेन्नई में 3–5 अप्रैल, 2015 तक आयोजित होने वाली सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उभरती प्रवृत्तियों पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी
रूही दास चौधरी, सहायक प्रोफेसर	फैशन के डायलॉग ।	कोलकाता	18 जून,15	यूनीवर्सिटा कैटोलिका डी सैक्रो क्यूरो, मिलान में 18–20 जून, 2015 तक फैशन और सांस्कृतिक उत्पादन के अध्ययन के लिए मोडाकल्ट सेंटर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फैशन टैल्क्स 2015 में मौखिक प्रस्तुतीकरण।
नेहा सिंह, सहायक प्रोफेसर और प्रियंका गुप्ता, प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली	कॉटन फैब्रिक्स की यूवी प्रोटेटेक्टिव प्रोपर्टीज़ पर धुलाई एजेंटों का प्रभाव।	नई दिल्ली	04 अप्रैल,15	फैशन संस्थान में वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए भविष्य की परिकल्पना पर सम्मेलन के लिए मौखिक प्रस्तुतीकरण।
किस्लय चौधरी निफ्ट, भोपाल	कस्टमाइज्ड कर्व्स के लिए इंजीनियर्ड डिजिटल टेक्सटाइल प्रिंट डिजाइन।	भोपाल	24 अप्रैल,15	फैशन के संदर्भ, मैटीरियलिटी एंड दि बॉडी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीटीएएनजैड विचार–गोष्ठी।
अनुपमा गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर	परिधान निर्यात आपूर्ति श्रृंखला के वितरण लीड समय पर आउटबांउड लॉजिस्टक्स क्रियाकलापों का प्रभाव।	बैंगलूरू	27 जून,15	एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी), 2015 बैंगलूरू सम्मेलन। यह सम्मेलन आईआईएम बैंगलूरू में आयोजित किया जाएगा।
हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर	परिधान उत्पाद अटैचमेंट और लॉजिविटी संवर्धन के लिए उपभोक्ता अनुभव निर्माण ।	गांधीनगर	17 जून,15	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'प्लेट 2015' नॉटिगंम ट्रेंट विश्वविद्यालय, यूके।

संकाय सदस्यों का नाम	पत्र का शीर्षक	निफ्ट परिसर	सम्मेलन की तारीख	सम्मेलन का नाम
गौतम साहा, सह प्रोफेसर	भविष्य का डिजाइन : भावी सोसाइटी का डिजाइन तैयार करने के लिए सृजनात्मक और तर्कशील डिजाइनरों को आमंत्रण।	भुवनेश्वर	12 मई,15	आईएफएफटीआई पोलीमोडा सम्मेलन, फ्लोरेंस, इटली
एम. वसंता, सह प्रोफेसर एवं हेमलता जैन	कर्नाटक, भारत की पट्टेडा अंचु साड़ी बुनाई के प्राचीन शिल्प का पुनरुद्धार।	चेन्नई	20 जुलाई,15	पेरिस, फ्रांस मे आयोजित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र और फैशन सम्मेलन (आईसीटीएफ 2015)
श्वेता जोशी, सहायक प्रोफेसर	अज्ञात परिधान, अप्रयुक्त आभूषण।	मुंबई	12 मई, 2015	आईएफएफटीआई 2015 सम्मेलन पोलीमोडा, इटली
राखी वाही प्रताप, सह प्रोफेसर	भारत के अनुष्ठानिक आध्यात्मिक वस्त्रों का नए फैशन में रूपांतरण।	हैदराबाद	12 मई, 2015	आईएफएफटीआई 2015 सम्मेलन पोलीमोडा, इटली
कविता सलूजा, प्रोफेसर	मूमेंटिंग दि मेमेंटो : स्पेस।	बैंगलूरू	12 मई, 2015	आईएफएफटीआई 2015 सम्मेलन पोलीमोडा, इटली
संजीव कुमार सह प्रोफेसर और अंशु राजवंशी, सहायक प्रोफेसर	शिल्प पुनः परिभाषित : एक अभिव्यक्ति।	दिल्ली	12 मई,15	आईएफएफटीआई 2015 सम्मेलन पोलीमोडा, इटली
रीना अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर	क्या हमें शिल्प की संधारणीयता के लिए समकालीनता की आवश्यकता है? टोडा कशीदाकारी का मामला अध्ययन।	मुंबई	11 जून,15	समाजिक, विज्ञान, कोबे जापान में छठा वार्षिक एशियाई सम्मेलन।
निलांजना बैरागी, सह प्रोफेसर	त्रिपुरा के पारंपरिक जनजातीय हथकरघा वस्त्रों का रूपांतरण।	बैंगलूरू	27 जून,15	शांतिनिकेतन पश्चिम बंगाल में 'वैश्वीकरण' के संदर्भ में भारतीय हथकरघा वस्त्रों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
जागृति मिश्रा, सहायक प्रोफेसर और हरलीन साहनी सहायक प्रोफेसर	कार्यनीतिक लाभ का अनुरक्षण करना – चौहानों का पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय।	गांधीनगर	06 अगस्त,15	अंतर्राष्ट्रीय मामला अध्ययन सम्मेलन 2015 (आईसीएससी) आईबीएस, हैदराबाद द्वारा आयोजित
प्रीति गढ़वी, सहायक प्रोफेसर तथा हरलीन साहनी सहायक प्रोफेसर	एक सुरुचिपूर्ण ब्रांड का निर्माण करना – सरदार पद्धति।	गांधीनगर	06 अगस्त,15	अंतर्राष्ट्रीय मामला अध्ययन सम्मेलन 2015 (आईसीएससी) आईबीएस, हैदराबाद द्वारा आयोजित
विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर	भारत में फैशन उद्योग में आईपीआर।	भोपाल	14 अप्रैल,15	फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, वड़ोदरा के वस्त्र और परिधान विभाग में ''वस्त्र और परिधान उद्योग के लिए भविष्य की परिकल्पना,'' पर संगोष्ठी, 4–5 अप्रैल, 2015 तक निर्धारित।

प्राध्यापक सदस्यों का नाम	पत्र का शीर्षक	निफ्ट परिसर	सम्मेलन की तारीख	सम्मेलन का नाम
पूर्वा खुराना, सह प्रोफेसर	इकातः पारंपरिक वस्त्र और उत्पादन से संधारणीय विकल्प की ओर रूपांतरण – नए आयाम।	दिल्ली	21 सितम्बर,15	फैशन कोलोक्विल मिलान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
अनुपमा गुप्ता, सह प्रोफेसर	अंतर्देशीय परिवहन और परिधान का मुख्य समय।	बेंगलुरु	24 सितम्बर,15	हैमबर्ग जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स सम्मेलन।
श्रुति गुप्ता, सह प्रोफेसर	शिक्षा में गत्यामकताः महत्व, संकल्पना अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण ।	कांगड़ा		संगोष्ठी–त्रिशा कॉलेज, हमीरपुर में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में उत्कृष्टता का प्रयास।
बान्ही झा, वरिष्ठ प्रोफेसर	खादी डेनिम : संधारणीय प्रकृति ।	दिल्ली	24 सितम्बर,15	फैशन परियोजना : निर्णायक मुद्दों का अन्वेषण : ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड किंगडम में 7वीं वैश्विक बैठक
विशाखा अग्रवाल, सह प्रोफेसर	फैशन में विश्व के बदलते हुए परिदृश्य के संदर्भ में भावी शिक्षण अध्यापन–कला।	भोपाल	21 सितम्बर,15	डोमस एकेडमी, मिलान इटली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
ऊषा नरसिंहम, सह प्रोफेसर	फैशन संबंधी पहचान।	दिल्ली	24 सितम्बर,15	फैशन परियोजना : निर्णायक मुद्दों का अन्वेषण : ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड किंगडम में 7वीं वैश्विक बैठक
वर्षा गुप्ता, सह प्रोफेसर	प्रणाली गत्यामकता का प्रयोग करते हुए उपभोक्ता इत्तर वस्त्र अपशिष्ट प्रबंध के लिए एकीकृत संधारणीय विकास मॉडल।	दिल्ली	19 अक्टूबर,15	बीएसडीएम 2015 में ब्रुसेल्स संधारणीय विकास शिखर–सम्मेलन, बेल्जियम में मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
दीपक पंघाल, सह प्रोफेसर	सिलाई मशीन के लिए सैंसर आधारित प्रकाश प्रणाली का विकास।	दिल्ली	30 दिसम्बर,15	2015 में आईआईईआर में मौखिक प्रस्तुतीकरण, मेलबोर्न में इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी में नवीनतम अभिनवताओं पर 23वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईईटी)
शिखा गुप्ता, सह प्रोफेसर और वृष्टि पन्ना, सहायक प्रोफेसर	स्लो फैशन : विश्व के लिए रूझान, भारत के लिए परंपरा।	जोधपुर	21 सितम्बर,15	डोमस एकेडमी, मिलान में 21–22 सितम्बर, 2015 में आयोजित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय फैशन कोलोक्विया मिलानो सम्मेलन।
वृष्टि पन्ना, सह प्रोफेसर और शिखा गुप्ता, सह प्रोफेसर	फैशन उद्योग के लिए संचार उपकरण के रूप में सोशल मीडिया की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को समझना।	जोधपुर	21 सितम्बर,15	डोमस एकेडमी, मिलान में 21–22 सितम्बर, 2015 में आयोजित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय फैशन कोलोक्विया मिलानो सम्मेलन।
डा. शर्मिला जे. दुआ, प्रोफेसर	वस्त्र में आभूषण के लिए लालसा।	मुंबई	04 नवम्बर,15	इस्तांबुल, तुर्की में आयोजित की जाने वाली तीसरी अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र और परिधान कांग्रेस।
दीप सागर वर्मा, सहायक प्रोफेसर	फैशन : प्रसन्नता का उष्मायित्र	जोधपुर	21 सितम्बर,15	डोमस एकेडमी, मिलान में 21–22 सितम्बर, 2015 में आयोजित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय फैशन कोलोक्विया मिलानों सम्मेलन।

संकाय सदस्यों का नाम	पत्र का शीर्षक	निफ्ट परिसर	सम्मेलन की तारीख	सम्मेलन का नाम
जी. चिरंजीवी रेड्डी, सह प्रोफेसर	फैशन : प्रसन्नता का उष्मायित्र ग हैं? फैशन डिइन छात्रों तथा संकाय सदस्यों का अध्ययन – हॉटेगॉगी पर संदर्श ।	हैदराबाद	25 मार्च,16	आईएफएफटीआई–2016, बीजिंग चीन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
सुधा ढींगरा, प्रोफेसर	आल (मोरिंडा सिट्रीयफोलियो) के साथ प्रकृति संधारणीय डाई के रंग।	दिल्ली	21 मार्च,16	आईएफएफटीआई–2016, बीजिंग चीन में सम्मेलन।
विनय भूषण जेना, सह प्रोफेसर	संधारणीयता फैशन की समस्याएं और संभावनाएं: कोटपाद प्राकृतिक डाइड हैंडलूम क्लस्टर का मामला अध्ययन।	भुवनेश्वर	21 मार्च,16	आईएफएफटीआई–2016, बीजिंग चीन में सम्मेलन।

संकाय अभिमुखीकरण *प्रशिक्षण और विकास*

प्रतिस्पर्धी परिवेश तथा तेजी से विकसित होती फैशन व्यवसाय शिक्षा की गतिशीलता विश्व में श्रेष्ठ शैक्षणिक और व्यावसायिक मानकों के समान ही उत्कृष्टता की मांग उत्पन्न करती है। इस क्षेत्र में आगे बने रहने के लिए, अपेक्षित सक्षमता को किसी संस्थागत तंत्र और प्रक्रिया के माध्यम से निरंतर विकसित और उन्नयित किए जाने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण मानव संसाधन विकास के एक निर्णायक अवयव का निर्माण करता है जो निफ्ट के विभिन्न विभागों और कैंपसों के मध्य अंतर और अंतरा विकासात्मक नेटवर्क और संबंधों को उपब्ध कराके शैक्षणिक कार्मिकों के वैयक्तिक/सांस्थानिक विकास और अधिकारिता को सुकर बनाता है। यह निफ्ट परिवार के भीतर साझे दृष्टिकोण और लक्ष्य की भावना भी अभिप्रेरित करता है।

प्राध्यापक के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिचित करना है कि कोई भी कैंपस किसी सेमेस्टर आरंभ करने से पूर्व आत्मनिर्भर हो जाए तथा बाहरी संसाधनों पर उसकी निर्भरता न्यूनतम हो जाए। ये टीओटी सामान्यतः निफ्ट पाठ्यचर्या से संबंधित विषय–क्षेत्रों से संबंधित होते हैं। 4 से 7 दिन के बीच की अवधि वाले कुल 17 कार्यक्रम संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों में कुल 148 प्राध्यापक–सदस्य लाभान्वित हुए। इनमें शामिल किए गए कुछ प्रमुख क्षेत्र थे – पैटर्न मेकिंग के माध्यम से डिजाइन विकास, शैक्षिक और औद्योगिक अनुसंधान के लिए प्रगत विश्लेषण, भारतीय शिल्प के संदर्भ में अनुसंधान क्रियाविधि, शिल्प पद्धतियां और परंपराएं, डाटाटेक्स एनओडब्ल्यू, प्रिंट डिजाइन आदि। शिक्षकों के लिए अंतर्विषयक क्षेत्रों में विशेष कार्यशालाएं संचालित की जाती हैं, जैसे शिक्षण शिक्षाविज्ञान, पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या का वितरण, शिक्षण उपकरण, मामला अध्ययन, मुख्य फैशन उद्योग की समझ आदि। विशेष कार्यशालाओं की अवधि 4 कार्यदिवसों से कम होती है। इसमें कुल 39 प्राध्यापक सदस्यों को लाभान्वित किया गया। शामिल किए कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं – प्रभावी पाठ्यचर्या निष्पादन, गुणवत्तात्मक अनुसंधान पद्धतियां आदि।

निफ्ट के प्राध्यापकों को उनके कार्यक्षेत्र में अद्यतन जानकारी देने एवं वस्त्र उद्योग की बारीकी से समझने अथवा वस्त्र उद्योग की पुरुष स्तरीय जानकारियों एवं उसके विभिन्न खण्डों से आपसी संबंध की जानकारी के लिए प्राध्यापाकों को उद्योग क्षेत्र में तैनाती की जाती है। जिससे प्राध्यापक मदों को वस्त्र उद्योग की अद्यतन जानकारियों को वे क्लास रूम तक ला सकें। जून–जुलाई, 2015 के दौरान कुल 53 प्राध्यापक सदस्यों ने प्रतिष्ठित संगठनों/कंपनियों में उद्योग संबद्धता कार्यक्रम में भाग लिया जैसे मैट्रिक्स क्लोडिंग प्रा.लि., एलवाईएसएएस, कलटक्राफ्ट. कॉम, ब्रास ट्रैक्स, पालस प्लश इंडिया प्रा.लि. , मियोन एपैरल (जकार्ता) आदि। संकाय द्वारा प्रस्तुत किए गए लगभग 34 प्रकाशनों/पत्रों/शोध लेखों की सूची संकलित की गई है तथा उसे निफ्ट के सभी कैंपसों में संकाय के मध्य व्यापक रूप से परिचालित किया गया है।

ब्रिज कार्यक्रम, स्नातकपूर्व डिप्लोमा धारकों के लिए एक वर्ष की अवधि का तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारकों के लिए छह माह की अवधि का अनुपूरक कार्यक्रम है ताकि निफ्ट के पूर्व छात्र अपने डिप्लोमा को डिग्री में परिवर्तित कर सकें। ब्रिज कार्यक्रम नई दिल्ली परिसर में संचालित किए जाते हैं।

प्रवेश 2015

वर्ष 2015 के लिए, पन्द्रह कैंपसों में इस पाठ्यक्रमों में कुल 3268 सीटों की पेशकश की गई। लगभग 27537 (दो परीक्षाएं) छात्रों ने निफ्ट में प्रवेश के लिए आवेदन किया। इनमें से, मेरिट के आधार पर 2962 गैर–एनआरआई/राज्य अधिवास छात्रों को प्रवेश दिया गया तथा 259 सीटें एनआरआई छात्रों को दी गईं। वर्ष 2015 मे प्रदान की गई, भरी गई तथा रिक्त सीटों की स्थिति नीचे दी गई है।

श्रेणी	प्रस्तुति	भरी गईं	रिक्तियाँ
गैर एनआरआई आदिवासी सहित	2962	2747	215
टीआईडीआई के साथ एनआरआई	306	259	47
योग	3268	3006	262

2015 दीक्षांत समारोह

किसी शैक्षणिक वर्ष में स्नातक होने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान करने के लिए प्रत्येक वर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है। वर्ष 2015 में, प्रत्येक कैंपस ने मई–जून, 2015 के दौरान दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इसके अलावा,, दीक्षांत समारोह शैक्षणिक वर्ष के भीतर संपन्न किए गए। अतः स्नातक बैच की बेहततर प्रतिभागिता की निरंतरता सुनिश्चित की गई।

कुल 2117 स्नातकों को 2015 में डिग्रियां प्राप्त हुईं। कैंपसवार और कार्यक्रमवार विवरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

तालिका 1 : वर्ष 2015 में दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले छात्रों का कार्यक्रमवार और कैंपसवार विवरण

विभाग / कैम्पस	बैंगलूरू	भोपाल	भुवनेश्वर	चेन्नई	गांधीनगर	हैदराबाद	जोधपुर	कांगड़ा	कोलकाता	कुन्नूर	मुम्बई	नई दिल्ली	पटना	रायबरेली	शिलांग	योग
एडी	27	33			30	30		31				31		26	21	229
एफसी	33					31		24			34	34				156
एफडी	25			34	40	30		30	36		31	30	32	29	20	337
केडी	21			19		24			33	24	27	31				179
एलडी				22					23			33		24		102
टीडी	26	31	30	28	24	23		27	26	34	28	34				311
बीएफटी	27			25	25	25	26	34	23	25	21	28				259
एमओडी										35	32	35				102
एमएफएम	32	17	26	26	29	35	32		33	25	33	33	23		19	363
एमएफटी	28			15	17							19				79
योग	219	81	56	169	165	198	58	146	174	143	206	308	55	79	60	2117

उपर्युक्त के अलावा, डॉक्टोरेट ऑफ फिलॉस्फी (पीएच.डी.) डिग्रियां दिल्ली कैंपस में आयोजित दीक्षांत समारोह 2015 में प्रो. सुहैल अनवर, प्रो. शालिनी सूद, सुश्री वर्षा गुप्ता और सुश्री सुरुचि मित्तर को प्रदान की गईं।

संकेताक्षर

एडी : एस्सेसरी डिजाइन
बीएफटी : बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
बीओजी : बोर्ड ऑफ गवर्नर्स
सीसी : सेंटर कोऑडिनेटर
सीईपी : कन्टिन्यूईंग एजूकेशन प्रोग्राम
सीआईसी : क्लस्टर इन चार्ज
सीओई : कन्ट्रोलर ऑफ एक्जामिनेशन
सीपी : चेयरपर्सन
डीन (ए) : डीन (एकेडेमिक)
डीएफटी : डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
डीजी : डाइरेक्टर जनरल
एफ एण्ड एसी : फाईनेन्स एण्ड ऑडिट कमेटी
एफ एण्ड एलए : फैशन एण्ड लाइफ स्टाइल
एफसी : फैशन कम्यूनिकेशन
एफडी : फैशन डिजाइन
एफडीपी : फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम
एफएमएस : फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़
एफओटीडी : फैकल्टी ओरिएन्टेशन, ट्रेनिंग एण्ड डवलपमेंट
आई एण्ड डीएल : इंटरनेशनल एण्ड डॉमेस्टिक लिंकेज
केडी : निटवेयर डिजाइन
एलडी : लैदर डिजाइन
एम डीईएस : मास्टर ऑफ डिजाइन
एमएफएम : मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट
एमएफटी : मास्टर ऑफ फैशन टेक्नॉलॉजी
एनएफओ : नेशनल फैशन ओलम्पियाड
आरआईसी : रीजनल इंडस्ट्री कोऑर्डिनेटर
एसडीएसी : स्टूडेंट डवलपमेंट एक्टीविटिज़
टीडी : टेक्सटाइल डिजाइन
टीओटी : ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स
यूआई : यूनिट–इन–चार्ज

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान

लेखा परीक्षक रिपोर्ट और लेखों का विवरण

2015—16

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट।

1. हमने राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान अधिनियम 2006 की धारा 21(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 19(2) के अधीन राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान (निफ्ट) नई दिल्ली के 31 मार्च, 2016 के संलग्न तुलन–पत्र तथा उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों और प्राप्ति व भुगतान लेखों की लेखापरीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान के बेंगलूरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुम्बई, पटना, रायबरेली, शिलांग और श्रीनगर में स्थित 16 कैम्पसों के लेखे भी शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणियों को तैयार करना निफ्ट के प्रबंधन का उत्तरदायित्व हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणियों की लेखापरीक्षा करने के उपरांत हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर अपनी राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुपरूपता, लेखांकन मानक और प्रकटन संबंधी मानदण्डों आदि के संबंध में लेखांकन संव्यहार पर नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। विधि, नियम और विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) तथा कार्यकुशलता एवं कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन देनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की गई है।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानकों के आधार पर की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम लेखापरीक्षा की ऐसी योजना बनाएं और उसका कार्यनिष्पादन इस प्रकार करें कि हमें इस संबंध में यह युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरणियां मिथ्या कथन से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की परीक्षा के आधार पर परीक्षण किया जाना शामिल होता है। लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और महत्वपूर्ण प्राक्कलनों का आकलन तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत को एक युक्तिसंगत आधार प्रदान करेगी।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम यह सूचित करते हैं किः

i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में हमारी लेखापरीक्षा प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

ii) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहारित तुलन–पत्र और आय व व्यय लेखे और प्राप्ति और भुगतान लेखे भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में तैयार किए गए हैं।

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा लेखा–बहियों तथा अन्य प्रासंगिक अभिलेखों, जहां तक कि बहियों की हमारे द्वारा की गई जांच से प्रतीत होता है, का समुचित रूप से रख–रखाव किया गया है।

iv) हम यह भी सूचित करते हैं किः

लेखों पर टिप्पणियां

क तुलन–पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 चालू देयताएं और प्रावधान(अनुसूची 4) रुपये 155.70 करोड़

क.1.1.1 प्रवाधान (अनुसूची 4 ख)– रुपये 56.43 करोड़

अन्य प्रावधानः रुपये 9.08 करोड़

उपरोक्त में, जनवरी, 2016 से मार्च, 2016 की अवधि के रुपये 50.28 लाख के अप्रदत्त खर्चे जिनमें एमपीएलएस बैंडविड्थ हेतु अपफ्रंट व किराए प्रभार (रुपये 18.93 लाख), बच्चों की शिक्षा संबंधी भत्ता (रुपये 3.19 लाख), वाहन किराए पर लेना (रुपये 1.14 लाख), बीओजी बैठक (0.82 लाख), विज्ञापन (12.53 लाख), डोनर फैशन शो (रुपये 6.53 लाख) और महंगाई भत्ते का बकाया (7.14 लाख) शामिल है। इसके परिणामस्वरूप,वर्ष में रुपये 50.28 लाख से चालू देताओं व प्रावधान का अल्पकथन और अधिशेष का अतिकथन हुआ है।

क. 2 परिसंपत्तियां

क. 2.1 अचल परिसंपत्तियां (अनुसूची 5)–रुपये 614.67 करोड़

क.2.1.1 प्रगति में पूंजीगतकार्य (अनुसूची 5 ख): रुपये 238.15 करोड़

क. 2.1.1.1 अन्य–रुपये 6.82 करोड़

क. इसमें समूचे भारत में निफ्ट कैम्पसों में स्थापित क्लासरूम वीडियो कांफ्रेंसिंग के कार्यान्वयन हेतु रुपये 4.76 करोड़ की लागत शामिल है। चूंकि, रुपये 6.32 करोड़ के मूल्य का नेटवर्क 09.10.2015 से 15 कैम्पसों में प्रचालनात्मक था और आईटी विभाग ने भी 16.02.2016 से स्वीकार्यता व प्रचालन प्रमाणपत्र जारी करने का प्रस्ताव दिया है अतः इसे पूंजीकृत किया जाना चाहिए था। उक्त वीडियों कान्फ्रेंसिंग सेट–अप के गैर पूंजीकरण के चलते सीडब्लूआईपी के संबंध में अतिकथन रुपये 4.76 करोड़ और चालू देयताओं के लिए रुपये 1.56 करोड़ और अचल परिसंपत्ति अर्थात् कंप्यूटर हार्डवेयर हेतु रुपये 6.32 करोड़ का अल्पकथन हुआ है।

इसके अलावा, संस्थान की लेखांकन नीति के खण्ड 5 (ii) के अनुसार, 30 सितंबर, के पश्चात अधिग्रहित परिसंपत्ति, पर सामान्य दर (कंप्यूटर हार्डवेयर के लिए 16.21%) के 50% पर मूल्यह्रास लगाया जाता है। तदनुसार, वीडियो कान्फ्रेंसिंग सेट–अप पर रुपये 51.22 लाख का मूल्यह्रास लगाया जाना चाहिए था। मूल्यह्रास न लगाने के कारण वर्ष में रुपये 51.22 लाख को मूल्यह्रास में अल्पकथन और अधिशेष में अतिकथन हुआ है।

ख. उपरोक्त में निफ्ट द्वारा आय व व्यय लेखे में वर्ष 2013–14 से 2015–16 से संबंधित वेतन पर किया गया व्यय, आवर्तक व्यय और ईआरपी विकास परियोजना पर अन्य व्यय (वर्ष 2013–14, 2014–15 और 2015–16 में क्रमशः रुपये 26.13, रुपये 23.27 और रुपये 40.70 लाख खर्च किए गए) रुपये 90.10 लाख शामिल नहीं है। ईआरपी परियोजना चूकि प्रगतिधीन है, किए गए व्यय को सीडब्लूआईपी के अंतर्गत बुक किया जाना चाहिए था।

विगतवर्षो से संबंधित रुपये 49.40 लाख और चालू वर्ष के रुपये 40.70 लाख के लेखांकन से प्रगति में पूंजीगत कार्य में 90.10 लाख का अल्पकथन, कोंर्पस निधि में रुपये 90.10 लाख का अल्पकथन और अधिशेष में रुपये 40.70 का अल्पकथन हुआ है।

क. 2.1.1. प्रगति में पूंजीगत कार्य (अनुसूची–5 ख) रुपये 238.15 करोड़

क. 2.1.1.2 मार्गस्थ पूंजीगत कार्य–रुपये 2.61 करोड़

उपरोक्त में जापान से 26.03.2016 को निफ्ट नई दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, कोलकात्ता और कन्नूर कैम्पसों के लिए शीमा सीकी फूली फैशन्ड हाईस्पीड बुनाई मशीनों के 3 सेट भेजे गये और शीमाट्रोनिक डिजाईन प्रणाली के

23 सेट की रुपये 3.10 करोड़ की लागत शामिल नहीं है। इन मशीनों को शामिल न करने के कारण मार्गस्थ पूंजीगत सामान और चालू देयताओं में रुपये 3.10 करोड़ का अल्पकथन हुआ है।

क.2.1.1 प्रगति में पूंजीगत कार्य (अनुसूची–5ख)– रुपये 238.15 करोड़

क.2.1.1.3 भवन –रुपये 228.72 करोड़

उपरोक्त में ठेकेदार और उपयोगिता प्रमाणपत्र द्वारा सूचित रुपये 30.00 करोड़ के स्थान पर रुपये 27.61 करोड़ के पूंजीगत प्रगति में कार्य की शार्ट रिक्गनीशन के कारण 31.03.2016 तक निफ्ट कैम्पस, हौज खास में भवन के निर्माण पर निष्पादित रुपये 2.39 करोड़ मूल्य के कार्य को शामिल नहीं किया गया है। इससे पूंजीगत प्रगति में कार्य (भवन) और चालू देयताओं में रुपये 2.39 करोड़ का अल्पकथन हुआ है।

क. 2.2 ऋण और अग्रिम (अनुसूची–7) रुपये 66.02 करोड़

क. 2.2.1 पक्षकारों व अन्यों से वसूलनीय राशि : रुपये 17.84 करोड़

निफ्ट के क्रमशः वर्ष 2011–12, 2012–13, 2013–14 और 2014–15 के वार्षिक लेखों पर सी एंड एजी की टिप्पणी संख्या क. 2.1.1 और टिप्पणी संख्या क. 2.3 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें कहा गया है कि छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन से वेतन व भत्तों की अतिरिक्त देयता के कारण वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए 20 नवंबर, 2007 को मंत्रालय द्वारा अनुमोदित ब्लॉक अनुदान के संबंध में वस्त्र मंत्रालय से रुपये 10.67 करोड़ की राशि वसूलनीय दर्शायी गई है।

संस्थान ने वर्ष 2014–15 में रुपये 67 लाख का प्रतिलेखन किया था क्योंकि संस्थान ने केंद्र सरकार के अंशदान की गणना 80 प्रतिशत की बजाय 90 प्रतिशत की और रुपये 10.00 करोड़ की शेष राशि वस्त्र मंत्रालय से वसूलनीय दर्शाइ गई है। निफ्ट ने हालांकि संबंधित व्यय किया है और मंत्रालय से राशि का दावा किया है, किंतु मंत्रालय ने उपरोक्त राशि जारी नहीं की है और सूचित किया है कि छठे वेतन आयोग के बाबत कोई राशि नहीं दी जाएगी। राशि की वसूली की अनिश्चिता के करण ऋण और अग्रिम/अनुदान के लिए निफ्ट को उचित प्रावधान करना चाहिए था।

संदिग्ध वसूली के प्रावधान न करने के कारण ऋण व अग्रिम और अधिशेष में रुपये 10.00 करोड़ का अतिकथन हुआ है।

क. 2.2 ऋण और अग्रिम (अनुसूची–7)–रुपये 66.02 करोड़

क. 2.2.2 ठेकेदारों को अग्रिम और स्टॉफ अग्रिम–रुपये 22.76 करोड़

उपरोक्त में निफ्ट मुख्यालय द्वारा 1994–95 से 2007–08 तक विभिन्न ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम भुगतान और स्टॉफ अग्रिम के रुपये 60.02 लाख शामिल हैं। बकाया अग्रिम चूंकि विगत 8 से 21 वर्षों तक असमायोजित पड़ा हुआ है, संदिग्ध वसूली के गैर– प्रावधान से वर्ष में रुपये 60.02 लाख का ऋण व अग्रिम में और अधिशेष में भी अतिकथन हुआ है।

ख. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां (अनुसूचि 21)

ख.1 केंद्र/राज्य सरकार से अनुदान को मान्यताः नीति संख्या 2 (ii) और (iii)

लेखांकन नीति संख्या 2 (ii) और (iii) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जो निम्नवत है :

2 (ii): पूंजीगत व्यय के लिए प्राप्त योजना निधियों हेतु सरकारी अनुदान को अनुसूची 2 ''सरकारी अनुदान'' के अंतर्गत पूंजी आरक्षित के रूप में माना गया है। इनका प्रोमोटर अंशदान के रूपमें संव्यवहार किया गया है जिसे 'आस्थगित आय' नहीं माना गया है और

2 (iii): प्रोमोटर के अंशदान स्वरूप सरकारी अनुदान से क्रय/सृजित अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निफ्ट का लेखांकन नीति के अनुसार लगाया गया है और संबंधित अनुदान को आय व व्यय लेखे में जमा/अंतरित नहीं किया जाता।

निफ्ट ने चूंकि सरकार अनुदान मुख्यतः विशिष्ट अचल परिसंपत्तियों के सृजन हेतु अर्थात नए कैम्पसों की स्थापना अथवा वर्तमान निफ्ट कैम्पसों में अतिरिक्त अवसंरचना सुविधाएं सृजित करने हेतु प्राप्त किया है जबकि संस्थान द्वारा सरकारी अनुदानों से सृजित /क्रय अचल परिसंपत्ति प्रोमोटर अंशदान स्वरूप नहीं है और लेखांकन नीति संख्या (ii) और (iii) की सीमा तक दोषपूर्ण है। विशिष्ट अचल परिसंपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदान के लिए लेखांकन मानक (एएस)12 के खंड संख्या 8.3 से 8.4 के अंतर्गत वित्तीय विवरणियों में प्रस्तुत करने की दो विधियाँ हैं। तथापि, संस्थान ने इन दोनों में से किसी को नहीं अपनाया है।

निफ्ट के 2012–13 और 2013–14 के वार्षिक लेखों पर सी एंड एजी की टिप्पणी संख्या ख.1 का ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें कहा गया है कि निफ्ट ने अपने आय और व्यय लेखे में सरकारी अनुदानों से सृजित/क्रय अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रभारित किया है, किंतु सरकारी अनुदानों से समरुपी आय को मान्यता नहीं दी है जिसे सरकारी अनुदानों से सृजित/क्रय अचल परिसंपत्तियों पर प्रभारित मूल्यह्रास की सीमा तक मान्यता दी जानी चाहिए थी। कथित संव्यवहार लेखांकन मानक–12 का उल्लंघन है।

निफ्ट ने वर्ष 2015–16 की लेखा बहियों में रुपये 22.79 करोड़ का मूल्यह्रास प्रभारित किया है। तथापि, सरकारी अनुदानों और स्व–निधियों के संदर्भ में परिसंपत्तियों के सकल बही मूल्य का ब्यौरा उपलब्ध नहीं था अतः उपर्युक्त आय की गैर–मान्यता के सही प्रभाव का निर्धारण नहीं किया जा सका।

ख.2 लेखों पर टिप्पणियां

लेखा महानियंत्रक, वित्त मंत्रालय द्वारा केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरणियों के प्रपत्र के अनुसार, पूंजीगत लेखों पर निष्पादन के लिए शेष संविदाओं के अनुमानित मूल्य जिन्हें निष्पादित नहीं किया जा सका और जो पूंजीगत लेखों के तहत नहीं रहे, जिन्हें नहीं प्रदान किया गया को बताया जाना चाहिए था और अप्रावधानित (अग्रिमों का निबल) का प्रकटन किया जाना चाहिए। तथापि, निफ्ट के लेखें का भाग बनने वाली टिप्पणियां शेष पूंजीगत कार्यों अर्थात दिल्ली कैम्पस (रुपये 34.83 करोड़), शिलांग कैम्पस (रुपये 8.81 करोड़), जोधपुर कैम्पस (रुपये 3 करोड़), चैन्नई कैम्पस (रुपये 2.75 करोड़), गांधीनगर कैम्पस (रुपये 1.44 करोड़), कांगड़ा कैम्पस (रुपये 19.48 करोड़), क्लासरूम वीडियो कान्फ्रेंसिंग सेट–अप (रुपये 1.58 करोड़), एमपीएलएस बैंड्सविड्थ (रुपये 0.89 करोड़), और ईआरपी परियोजना (रुपये 0.58 करोड़), के निर्माण के अनुमानित मूल्य रुपये 73.36 करोड़ की राशि के असमाप्त पूंजी प्रतिबद्धताओं का प्रकटन नहीं करती।

ग. सहायता अनुदान

निफ्ट में विगत वर्षों से योजनाबद्ध अनुदान का खर्च नहीं किए जाने से बची राशि संबंधित रुपये 29.09 करोड़ की है। भारत सरकार ने वर्ष 2015–16 में निफ्ट को रुपये 67.85 करोड़ का योजना अनुदान दिया है। रुपये 96.94 करोड़ के कुल अनुदान में से चालू वर्ष में रुपये 51.12 करोड़ का उपयोग किय गया और 31 मार्च 2016 तक अनुपयोगित शेष रूपये 45.82 करोड़ रहा। भारत सरकार ने वर्ष 2015–16 में रायबरेली कैम्पस के लिए रुपये 1 करोड़ का गैर–योजना अनुदान दिया। इसी प्रकार, राज्य सरकार ने वर्ष 2015–16 में संस्थान के भोपाल, जोधपुर, कांगडा और पटना कैम्पसों के लिए रुपये 13.86 करोड़ का अनुदान दिया। इसके अलावा संस्थान के पास विगत वर्षों में राज्य सरकारों से प्राप्त रुपये 60.59 करोड़ की बिना खर्च की गई राशि है। रुपये 75.45 करोड़ की कुल अनुदान राशि में से वर्ष 2015–16 के दौरान उपयोगित अनुदान रुपये 9.87 करोड़ थे और रुपये 65.58 करोड़ अनुपयोगित रहे।

v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन, हम सूचित करते हैं कि इस प्रतिवेदन में संव्यवहारित तुलन–पत्र और आय व व्यय लेखे/प्राप्तियाँ और भुगतान लेखे जिनका इसमें उल्लेख किया गया है लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखांकन नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित तथा उक्तअभिकथित उल्लेखनीय मामलों और इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्यधीन उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और समुचित परिदृश्य प्रस्तुत करती हैं।

क) यह 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान, नई दिल्ली के वित्तीय विवरण के तुलन–पत्र से संबंधित है; और

ख) यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों, अधिशेष से संबंधित है ।

ह./–
(नंदना मुंशी)
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
एवं पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड–2
नई दिल्ली

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तताः

संस्थान का अपना आंतरिक लेखा परीक्षा विंग नहीं है तथापि, आंतरिक लेखा परीक्षा भुगतान युक्त की सनदी लेखाकार फर्म द्वारा किया जाता है। संस्थान की लेखा परीक्षा मार्च, 2016 तक की गई और उसकी रिपोर्ट शासी मण्डल को प्रस्तुत की गई है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तताः

संस्थान के आकार और कार्यकलापों के स्वरूप के अनुसार आंतरिक नियंत्रण प्रणाली आकार एवं गतिविधियों के स्वरूप के अनुसार अपर्याप्त है। निफ्ट ने लेखों के निर्धारित प्रपत्र और एक समान लेखांकन का पालन नहीं किया है।

3. अचल परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः

निफ्ट मुख्यालय और इसके केन्द्रों की वर्ष 2015–16 की अचल परिसंपत्ति संबंधी भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया है सिवाय भुवनेश्वर और चेन्नई कैम्पस को छोड कर। कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं पाया गया।

4. माल–सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः

निफ्ट ने 31.03.2016 तक कोई माल सूची नहीं रखी है।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितताः

वर्ष 2015–16 के दौरान सांविधिक देयों के भुगतान हेतु नोटिस/मांग के लिए प्रदत्त राशि का ब्यौरा इस प्रकार है:

क्र.सं.	कैम्पस का नाम	प्रदत्त ब्याज/जुर्माने की राशि
1.	भोपाल	ईपीएफ अंशदान विलंब से जमा करने के कारण जुर्माना–रुपये 6,998/–
2	कोलकाता	टीडीएस कम काटने पर ब्याज– रुपये 617/–
3.	हैदराबाद	पीएफ के विलंब भुगतान हेतु जुर्माना अदा रुपये 11,860/–

ह./–
निदेशक (बीमा)

निफ्ट

31 मार्च, 2016 का तुलन–पत्र

लाख रूपए में

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
सकल/पूंजीगत निधि	1	15,581.24	9,717.22
सरकारी अनुदान	2	88,820.06	82,193.69
अंकित और वृत्ति निधि	3	19,844.39	18,359.69
चालू देयताएं और प्रावधान	4	15,570.41	12,909.07
कुल देयताएं		**1,39,816.10**	**1,23,179.67**
अचल परिसंपत्ति	5	61,467.30	55,818.95
चालू परिसंपत्ति	6	71,746.52	58,695.41
ऋण व अग्रिम	7	6,602.28	8,665.31
कुल परिसंपत्तियां		**1,39,816.10**	**1,23,179.67**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और वार्षिक लेखों पर टिप्पणियां 21
ऊपर संदर्भित अनुसूचियां तुलन–पत्र की अभिन्न अंग हैं
तुलन–पत्र का संकलन हमारे समक्ष प्रस्तुत लेखा बहियों और रिकार्ड से किया गया है।

कृते ज्ञानेन्द्र एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण संख्या 004661 एन)

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सीए रमेश कौल	**(एस.पी. सिंह)**	**(सीएमए बी.के. पांडे)**	**(सुधीर त्रिपाठी)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले)**	**निदेशक (वि.व.ले)**	**महानिदेशक**
(सदस्यता संख्या 077804)			

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22, जून, 2016

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की आय एवं व्यय के लेखे

लाख रूपए में

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
छात्रों से प्राप्त शुल्क व अन्य	8	19,572.98	13,301.47
अनुदान–सहायता	9	125.58	484.25
अर्जित ब्याज	10	3,801.00	3,013.96
परियोजनाओं और कार्यशालाओं से अधिशेष	11	75.22	150.99
अन्य आय	12	335.74	267.60
कुल आय		**23,910.52**	**17,218.27**
शैक्षणिक व्यय	13	3,100.04	2,901.68
स्थापना व्यय	14	10,183.67	9,124.46
अन्य प्रशासनिक व्यय	15	2,539.88	2,240.27
ब्याज व बैंक प्रभार	16	0.66	1.51
मूल्यह्रास	17	2,279.37	2,162.88
कुल व्यय		**18,103.62**	**16,430.80**
अधिशेष (व्यय से अधिक आय)		**5,806.90**	**787.47**
अनुदान–सहायता और मूल्यह्रास के अलावा व्यय से अधिक आय		**7,960.69**	**2,466.10**
डीडीएफ में अंतरित	20	**372.56**	**381.55**
जमाः पूर्वावधि आय	18	75.52	187.41
घटाः पूर्वावधि व्यय	19	310.97	360.41
सकल/पूंजीगत निधि में अंतरित व्यय से अधिक आय		**5,198.89**	**232.92**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और वार्षिक लेखों पर टिप्पणियां 21
ऊपर संदर्भित अनुसूचियां आय व व्यय लेखे का अभिन्न अंग है।
आय व व्यय लेखों का संकलन हमारे समक्ष प्रस्तुत लेखा बहियों और रिकार्ड से किया गया है।

कृते ज्ञानेन्द्र एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण संख्या 004661 एन)

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सीए रमेश कौल	**(एस.पी. सिंह)**	**(सीएमए बी.के. पांडे)**	**(सुधीर त्रिपाठी)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले)**	**निदेशक (वि.व.ले)**	**महानिदेशक**

(सदस्यता संख्या 077804)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22, जून, 2016

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियां व भुगतान का लेखा

लाख रूपए में

प्राप्तियां	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015	भुगतान	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
अथ–शेष			**खर्च के लिए भुगतान**		
क) हाथ नगदी (अग्रदाय सहित)	1.91	1.71	क) शैक्षणिक व्यय	2,153.27	2,901.68
ख) अनुसूचित बैंकों के साथ बैंक बैलेंस	3,425.26	5,123.41	ख) स्थापना व्यय	6,446.51	8,569.79
			ग) अन्य प्रशासनिक व्यय	3,049.06	1,831.74
ग) मियादी जमा अस्थायी जमा के साथ	55,019.29	43,310.89	घ) ब्याज एवं बैंक शुल्क	0.83	1.51
प्राप्त अनुदान			च) पूर्वावधि व्यय	157.30	360.41
क) प्राप्त अनुदान (योजना)	10,946.00	9,535.74			
ख) प्राप्त अनुदान (गैर–योजना)	260.00	484.24			
ग) अनुदान समायोजन	(2,815.21)	380.14			
शुल्क प्राप्ति			**अचल सम्पत्ति खरीदी और सीडब्लूआईपी**		
क) छात्रों व अन्य से	17,193.72	13,301.47	अचल सम्पत्ति खरीदी	1,167.53	3,633.38
ख) प्राप्त अग्रिम शुल्क	769.92	3,350.32	कैप्टिल डब्लूआईपी (भवन)	3,469.83	5,861.54
प्राप्त ब्याज					
क) बैंक खातों से ब्याज	3,197.79	3,011.46			
ख) अनुदान पर ब्याज	243.03	328.37	**निर्धारित फण्ड उपयोगिता**		
ग) अक्षमनिधि पर ब्याज	1,020.73	1,192.06	बन्दोबस्ती कोष	687.92	308.80
घ) अन्य निर्धारित निधि पर ब्याज	23.44	268.24	भवन फण्ड	0.23	659.10
			अन्य निर्धारित फण्ड	101.48	298.66
ड) अर्जित ब्याज	2,586.16	(1,010.12)			
परियोजनाओं व कार्य–शालाओं के प्रति प्राप्ति			**ऋण एवं अग्रिम**		
क) परियोजनाओ और कार्यशालाओं से अधिशेष	12.83	150.99	टीडीएस व अन्य टैक्स व्यय	650.89	27.25
			स्टाफ अग्रिम भुगतान	1,995.73	63.89
ख) परियोजना देनदारियाँ (नेट)	936.69	409.70	इंटर कैम्पस शेष राशि का भुगतान	7,513.65	19.40

फण्ड प्राप्तियाँ					
क) अन्य निर्धारित कोष की प्राप्तियाँ	455.50	375.25	**जमा शेष**		
ख) पूंजी कोष		357.55	हाथ नगदी (अग्रदाय सहित)	1.51	1.91
राज्य सरकार से प्राप्तियाँ		1,135.83	अनुसूचित बैंकों के साथ बैंक बैलेंस	3,339.13	3,425.26
अन्य प्राप्तियाँ					
क) अन्य कमाई	164.46	267.60	मियादी जमा अस्थायी जमा सहित	68,151.60	55,019.29
ख) ठेकेदार को अग्रिम	(62.30)	279.83			
ग) सुरक्षा जमा राशि	280.09	129.50			
घ) विविध प्राप्तियाँ	5,227.18	599.43			
कुल	**98,886.48**	**82,983.61**	**कुल**	**98,886.48**	**82,983.61**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और वार्षिक लेखों पर टिप्पणियां 21
ऊपर संदर्भित अनुसूचियां प्राप्तियां व भुगतान लेखे का अभिन्न अंग है।
प्राप्तियां और भुगतान लेखे का संकलन हमारे समक्ष प्रस्तुत लेखा–बहियों और रिकार्ड से किया गया है

कृते ज्ञानेन्द्र एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण संख्या 004661 एन)

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सीए रमेश कौल	**(एस.पी. सिंह)**	**(सीएमए बी.के. पांडे)**	**(सुधीर त्रिपाठी)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले)**	**निदेशक (वि.व.ले)**	**महानिदेशक**

(सदस्यता संख्या 077804)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22, जून, 2016

निफ्ट

संलग्न अनुसूचियां वार्षिक लेखे का अंग है

अनुसूची 1 : सकल/पूंजीगत निधि — **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
अथ–शेष	9,717.22	9,126.73
जमाः अक्षम निधि/ डीडीएफ आदि से क्रय परिसंपत्तियां	668.00	301.76
घटाः समायोजन और अंतरण	2.87	(55.81)
जमा/घटाः आय व व्यय लेखे से निवल अधिशेष/घाटा	5,198.89	232.92
कुल	**15,581.24**	**9,717.22**

अनुसूची 2 : सरकारी अनुदान (योजना) — **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
(क) अप्रयुक्त सरकारी अनुदान		
अथ–शेष	9,576.70	6,841.53
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त/प्राप्य अनुदान	12,584.52	9,535.48
जमाः सरकारी अनुदान पर ब्याज	389.22	328.37
घटाः समायोजन और अंतरण	6,546.93	(795.99)
घटाः मंत्रालय को वापस की गई अनुदान	–	–
घटाः राजस्व घाटे के प्रति समायोजित अनुदान	–	239.02
घटाः वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	6,386.83	7,685.65
कुल (क)	**9,616.68**	**9,576.70**
(ख) पूंजीकृत/प्रयुक्त सरकारी अनुदान		
अथ–शेष	72,616.99	65108.17
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त/प्राप्य अनुदान	6,655.89	7,685.65
जमाः सरकारी अनुदान पर ब्याज	(69.50)	(176.83)
योग (ख)	**79,203.38**	**72,616.99**
कुल–(क)+(ख)	**88,820.06**	**82,193.69**

अनुसूची 3 : निर्धारित निधि/अक्षय निधि — **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) निफ्ट विकास निधि		
अथ–शेष (मूलधन शेष)	138.28	138.28
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	–	-
उप जोड़	**138.28**	**138.28**
अथ–शेष (अर्जित ब्याज)	103.47	95.79
जमाः वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	20.98	18.25
घटाः संवितरित/उपयोगित राशि	15.46	10.57
उप–जोड़	**108.99**	**103.47**
कुल (क)	**247.27**	**241.75**

ख) कार्य–कलाप शुल्क निधि		
अथ–शेष	322.90	243.84
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	179.24	176.28
जमाः अर्जित ब्याज	17.69	15.78
घटाः संवितरित/उपयोग की गई राशि	87.88	113.00
कुल (ख)	**431.95**	**322.90**
ग) विभागीय विकास निधि		
अथ–शेष	2,995.29	2,559.19
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	483.07	371.05
जमाः अर्जित ब्याज	181.28	184.88
घटाः संवितरित/उपयोग की गई राशि	161.27	119.83
कुल (ग)	**3,498.37**	**2,995.29**
घ) अक्षय निधि		
अथ–शेष	10,000.00	10,000.00
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	–	–
घटाः वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	–	–
उप जोड़	**10,000.00**	**10,000.00**
अथ–शेष (अर्जित ब्याज)	3,868.20	2,984.94
जमाः अर्जित ब्याज	1273.36	1,192.06
घटाः संवितरित/उपयोग की गई राशि	616.67	308.80
उप जोड़	**4,524.89**	**3,868.20**
कुल (घ)	**14,524.89**	**13,868.20**
ड़) पूर्व–छात्र एसोसिएशन निधि		
अथ–शेष	269.01	198.84
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	97.56	62.72
जमाः अर्जित ब्याज	14.53	12.47
घटाः संवितरित/उपयोग की गई राशि	12.89	5.02
कुल (ड़)	**368.21**	**269.01**
च) कैम्पस विकास निधि		
अथ–शेष	662.52	531.65
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	107.12	139.56
जमाः डीडीएफ–प्रशासन से अंतरित	5.58	7.19
जमाः अर्जित ब्याज	43.42	34.36
घटाः संवितरित/उपयोग की गई राशि	44.94	50.24
कुल (च)	**773.70**	**662.52**
कुल (क+ख+ग+घ+ड़+च)	**19,844.39**	**18,359.69**

अनुसूची 4 : चालू देयताएं एवं प्रावधान **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) चालू देयताएं		
देय खाता	1,054.58	1,344.16
विविध लेनदार	342.46	522.04
सुरक्षा जमा	1,854.99	1,593.43
परियोजना देनदारियाँ	1,743.92	1,097.41
अन्य चालू देयताएं	4,931.95	4,104.48
कुल (क)	**9,927.90**	**8,661.52**
ख) प्रावधान		
पूंजीगत मदों के लिए प्रावधान	295.58	164.44
प्रगति में भवन निर्माण के लिए प्रावधान	360.42	360.42
सेवानिवृत्तिहितलाभ (ग्रेच्युटी / पेंशन और छुट्टी वेतन अंशदानों) के लिए प्रावधान	4,078.37	3,036.03
अन्य प्रावधान	908.14	686.66
कुल (ख)	**5,642.51**	**4,247.55**
कुल (क+ख)	**15,570.41**	**12,909.07**

अनुसूची 5 : अचल परिसंपत्तियां **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) अचल परिसंपत्तियां		
सकल ब्लॉक (लागत पर)	44,550.18	40,870.66
जमाः वर्ष के दौरान वृद्धि	12,943.86	3,789.85
घटाः विलोपन/समायोजन	130.92	110.33
घटाः संचयी मूल्यह्रास	19,711.32	17,497.55
कुल (क)	**37,651.80**	**27,052.63**
ख) प्रगति में पूंजीगत कार्य		
भवन	22,872.48	28,187.81
मार्गस्थ पूंजीगत सामान	261.10	126.58
अन्य	681.92	451.93
कुल (ख)	**23,815.50**	**28,766.32**
कुल (क+ख)	**61,467.30**	**55,818.95**

अनुसूची 5 क : अचल परिसंपत्तियां

लाख रूपए में

विवरण	मूल्यह्रास दर (%)	सकल ब्लॉक					
		01.04.2015 को अथ–शेष (अंकेक्षित)	वर्ष के दौरान				31.03.2016 को इति–शेष
			30.09.2015 तक वृद्धि	30.09. 2015 के बाद वृद्धि	कुल वृद्धि	विलोपन / समायोजन	
1	2	3	4	5	6 = (4+5)	7	8 = (3+6-7)
भूमि		381.60	0.92	-	**0.92**	-	**382.52**
भवन	1.63%	22,477.31	7,052.21	3,917.17	**10,969.38**	2.57	**33,444.12**
कक्षा उपकरण	15%	4,420.25	171.23	149.49	**320.72**	10.25	**4,730.72**
कंप्यूटर हार्डवेयर	16.21%	5,516.82	113.58	295.45	**409.03**	95.43	**5,830.43**
कंप्यूटर साफ्टवेयर	16.21%	2,052.61	16.40	61.42	**77.82**	-	**2,130.43**
विद्युत मशीनें	15%	1,833.52	175.99	241.18	**417.17**	6.94	**2,243.76**
फर्नीचर और जुड़नार व उपस्कर	6.33%	3,116.44	44.30	239.42	**283.72**	7.15	**3,393.01**
कार्यालय उपकरण	15%	870.69	26.37	52.41	**78.78**	4.90	**944.57**
पुस्तकें	20%	1,568.39	27.59	72.59	**100.18**	0.06	**1,668.52**
संसाधन केंद्र संग्रह	20%	56.01	0.09	0.16	**0.25**	-	**56.25**
छात्रावास उपकरण	6.33%	346.01	15.95	13.19	**29.14**	2.46	**372.69**
मोटर कार (हल्के वाहन)	9.50%	220.10	-	8.63	**8.63**	-	**228.73**
बस (भारी वाहन)	11.31%	147.65	-	-	**-**	0.31	**147.34**
परियोजना परिसंपत्तियाँ#	#	279.91	-	-	**-**	-	**279.91**
पुस्तकें और पत्रिकाएं	100%	317.69	6.44	79.91	**86.35**	0.36	**403.68**
अन्य परिसंपत्तियां#	15%	945.18	55.08	106.70	**161.77**	0.51	**1,106.45**
कुल वित वर्ष (15–16)		**44,550.18**	**7,706.14**	**5,237.72**	**12,943.86**	**130.92**	**57,363.12**
कुल वित वर्ष (14–15)		**40,870.66**	**2,125.78**	**1,664.07**	**3,789.85**	**110.33**	**44,550.18**

मूल्यह्रास की दरें परिसंपत्तियों की श्रेणी आधार पर किया गया है।

लाख रूपए में

मूल्यह्रास								निवल ब्लॉक
01.04. 2015 को अथ–शेष (अंकेक्षित)	01.04. 2015 को अथ–शेष पर मूल्यह्रास (अंकेक्षित)	30.09. 2015 तक वृद्धि पर मूल्यह्रास	30.09.2015 के बाद पर वृद्धि मूल्यह्रास	वर्ष 2015–16 के लिए कुल मूल्यह्रास	कटौतियों/ समायोजन पर मूल्यह्रास	31.03. 2016 को इति–शेष	31.03. 2016 को निवल ब्लॉक	31.03. 2015 को निवल ब्लॉक (अंकेक्षित)
9	9A	10	11	12 = (9A+10+11)	13	14 = (9+12-13)	15 = (8-14)	16 = (3-9)
-	37.43	-	-	**37.43**	-	**37.43**	**345.09**	**381.60**
2,772.36	355.90	135.89	31.93	**523.72**	0.18	**3,295.89**	**30,148.23**	**19,704.95**
3,096.10	310.61	25.89	14.15	**350.65**	9.78	**3,436.98**	**1,293.74**	**1,324.14**
4,059.05	403.42	18.42	23.97	**445.80**	90.62	**4,414.23**	**1,416.19**	**1,457.78**
1,609.84	154.55	2.65	4.97	**162.18**	(0.11)	**1,772.13**	**358.30**	**442.76**
1,096.01	191.22	26.27	15.30	**232.80**	6.68	**1,322.13**	**921.62**	**737.50**
1,339.20	159.94	2.81	7.59	**170.33**	4.94	**1,504.59**	**1,888.41**	**1777.25**
621.33	59.94	4.02	4.02	**67.98**	4.58	**684.73**	**259.84**	**249.36**
1,247.53	124.81	5.52	7.21	**137.55**	0.45	**1,384.63**	**283.89**	**320.87**
39.81	4.31	0.08	0.05	**4.45**	-	**44.26**	**12.00**	**16.20**
43.20	21.54	1.12	0.60	**23.26**	1.37	**65.09**	**307.60**	**302.81**
149.64	14.45	-	0.41	**14.86**	0.05	**164.45**	**64.28**	**70.46**
82.84	12.87	-	-	**12.87**	-	**95.71**	**51.63**	**64.82**
248.22	1.28	-	-	**1.28**	-	**249.50**	**30.41**	**31.69**
286.39	37.79	11.33	43.07	**92.18**	0.07	**378.50**	**25.17**	**31.29**
806.03	38.82	8.28	8.10	**55.20**	0.17	**861.06**	**245.39**	**139.15**
17,497.55	**1,928.89**	**242.29**	**161.36**	**2,332.54**	**118.77**	**19,711.32**	**37,651.80**	**27,052.63**
15,406.01	**1,818.37**	**190.06**	**154.45**	**2,162.88**	**71.34**	**17,497.55**	**27,052.63**	**25,464.65**

अनुसूची 5 ख : प्रगति में पूंजीगत कार्य लाख रूपए में

विवरण	01.04. 2015 को अथ–शेष	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान समायोजन / मूल्यह्रास	31.03.16 को इति–शेष	31.03.16 को इति–शेष
भवन	28,187.81	6,019.53	11,334.86	22,872.48	28,187.81
मार्गस्थ पूंजीगत सामान	126.58	261.10	126.58	261.10	126.58
अन्य	451.93	201.78	(28.21)	681.92	451.93
कुल	**28,766.32**	**6,482.41**	**11,433.23**	**23,815.50**	**28,766.32**

अनुसूची 6 : चालू परिसम्पत्तियाँ लाख रूपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) माल–सूची		
निफ्ट शॉप (पुरानी)– स्टॉक	–	–
कुल (क)	–	–
ख) नगदी और बैंक शेष		
हाथ नगदी (नगदी अग्रदाय सहित, यदि कोई हो)	1.51	1.91
अनुसूचित बैंकों के पास बकाया (परियोजना के अलावा अन्य)	2,844.29	2,360.85
परियोजना बैंकों में शेष	494.84	1,064.41
सावधि जमा (ब्याज सहित यदि कोई हो)	46,461.61	39,333.67
सावधि जमा (अन्य)	3,172.68	1,012.49
फ्लेक्सी सावधि जमा (ब्याज सहित, यदि कोई हो)	18,517.32	14,673.13
कुल (ख)	**71,492.25**	**58,446.47**
ग) पूर्वप्रदत्त व्यय	**69.61**	**46.98**
घ) प्रतिभूति जमा (प्रदत्त)	**184.66**	**201.97**
च) अंतर–शाखा खाता		
निफ्ट बेंगलूरु	(936.89)	(1,566.69)
निफ्ट कोलकाता	(1,120.86)	(1,231.07)
निफ्ट चेन्नई	172.88	165.08
निफ्ट गांधीनगर	(870.61)	(1,192.29)
निफ्ट हैदराबाद	(561.81)	(740.63)
निफ्ट मुंबई	131.84	(227.26)
निफ्ट नई दिल्ली	(2,498.15)	(2,502.71)
निफ्ट रायबरेली	(240.95)	(51.44)
निफ्ट भोपाल	21.11	8.83
निफ्ट कन्नूर	(491.46)	(780.56)
निफ्ट पटना	282.54	270.61
निफ्ट शिलांग	11.98	(1.98)
निफ्ट कांगड़ा	105.49	348.50
निफ्ट भुवनेश्वर	137.05	122.59
निफ्ट जोधपुर	337.10	306.86

निफ्ट श्रीनगर	(97.33)	(158.23)
निफ्ट परियोजना सैल	5.84	(1.94)
निफ्ट मुख्यालय	5,612.24	7,232.32
कुल (च)	**0.00**	**(0.01)**
कुल (क+ख+ग+घ+ड़+च)	**71,746.52**	**58,695.41**

अनुसूची 7 : ऋण एवं अग्रिम **लाख रूपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
ठेकेदारों को अग्रिम	2,229.14	3,230.71
स्टाफ अग्रिम	47.71	55.97
स्टाफ को अन्य अग्रिम	99.30	103.53
छात्र अग्रिम	-	0.20
परियोजना परिसम्पत्तियाँ	221.19	133.68
सावधि जमा और निवेश पर उपार्जित ब्याज	1,827.98	3,163.95
पार्टियों और अन्य लोगों से वसूलनीय राशि	1,783.91	1,620.86
राज्य सरकार से वसूलनीय राशि	259.32	255.80
टीडीएस और अन्य वसूली योग्य कर	133.73	100.61
कुल	**6,602.28**	**8,665.31**

अनुसूची 8 : छात्रों व अन्यों से शुल्क आदि **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
आवेदन शुल्क	20.15	32.14
ट्यूशन शुल्क	15,020.30	9,832.37
सी ई कार्यक्रम शुल्क	727.26	586.82
शुल्क जब्ती	53.89	46.46
छात्रावास शुल्क	1,977.41	1,329.42
पुस्कालय शुल्क–छात्र व अन्य	589.37	458.59
बस शुल्क	83.53	62.26
अन्य शुल्क	1,101.07	953.41
कुल	**19,572.98**	**13,301.47**

अनुसूची 9 : अनुदान सहायता **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
गैर योजना–राज्य सरकार	25.58	95.23
गैर योजना–केंद्र सरकार	100.00	150.00
योजना अनुदान से गैर योजना अनुदान में अंतरित	-	239.02
कुल	**125.58**	**484.25**

अनुसूची 10 : अर्जित ब्याज लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
कर्मचारी ऋण पर ब्याज	0.63	0.25
अनुसूची बैंकों में सावधि जमा/बचत पर ब्याज	3,798.71	3,011.46
अन्य स्त्रोतो से अर्जित ब्याज यदि कोई हो	1.66	2.25
कुल	**3,801.00**	**3,013.96**

अनुसूची 11 : परियोजना एवं कार्यशाला से प्राप्त अधिशेष लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
परियोजना आय	389.61	369.34
घटा : परियोजना व्यय	314.39	218.35
कुल	**75.22**	**150.99**

अनुसूची 12 : अन्य आय लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
लाइसेंस फीस–पट्टे वाले आवास से	15.02	11.04
गेस्ट हाउस प्रभार	8.95	8.61
रद्दी की बिक्री/ परिसम्पत्तियों की बिक्री से आय	3.57	4.65
विविध प्राप्तियां– छात्रावास	3.17	11.52
विविध प्राप्तियां –पुस्तकालय	2.31	3.77
अन्य प्राप्तियां	302.72	228.01
कुल	**335.74**	**267.60**

अनुसूची 13 : शैक्षणिक व्यय लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) शैक्षणिक व्यय		
दाखिला व्यय	304.03	236.00
विज्ञापन व्यय	21.67	10.88
पूर्व–छात्र एसोसिएशन व्यय	4.30	3.52
कक्षा व्यय	20.08	23.28
सामूहिक परीक्षा व्यय	17.96	31.22
संयुक्त स्नातकोत्तर ब्रिज पाठ्यक्रम	3.65	6.51
दीक्षांत समारोह	103.43	96.44
बस/कार किराए पर लेना	26.58	27.06
अतिथि प्राध्यापक	286.11	226.75
आतिथ्य व्यय	3.70	1.33
इंटरनेट व्यय	23.05	20.09
बीमा (छात्र)	43.95	35.66
जूरी व्यय	75.00	60.82

सदस्यता शुल्क	2.30	4.08
मुद्रण और प्रकाशन व्यय	23.44	22.48
कंप्यूटर की मरम्मत एवं रखरखाव	54.62	49.16
कक्षा उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव	15.10	22.15
छात्रवृत्ति एवं शुल्क आर्थिक–सहायता	110.13	113.41
छात्र कल्याण व्यय	18.93	20.51
संकाय/छात्र की भारत में यात्रा	79.09	91.58
कॉन्क्लेव/छात्र दौरे	10.90	23.73
शिल्प दस्तावेजीकरण	24.01	24.77
नियोजन/नियोजन–पूर्व व्यय	15.14	10.84
डिजाइन संग्रहण	35.20	34.78
डिप्लोमा परियोजनाएं/स्नातक प्रदर्शन	111.36	90.47
विदेशी प्राध्यापक शुल्क	-	1.53
भारत में प्रशिक्षण (प्राध्यापक)	51.21	72.73
विदेशी मेलों/संगोष्ठियों में दौरे	20.82	3.89
पुस्तकालय एवं संसाधन केंद्र व्यय	1.78	3.45
पत्र–पत्रिकाएं व आवधिक	61.10	72.39
संसाधन केंद्र व्यय	11.20	13.74
उन्मुख कार्यक्रम	20.33	21.40
प्रदर्शन और प्रदर्शनी	1.47	5.58
विभागीय बैठकें	8.03	24.59
संवर्धन व्यय	14.42	27.75
फैशन स्पेक्ट्रम	36.60	38.59
डाक और तार	3.02	3.15
विविध शैक्षणिक व्यय	65.72	26.22
कुल (क)	**1,729.43**	**1,602.53**
ख) छात्रावास व्यय		
बिजली–छात्रावास	229.73	169.84
जल–छात्रावास	41.74	28.65
किराया–छात्रावास	49.87	169.50
मरम्मत एवं रखरखाव–छात्रावास	103.63	143.89
मैस प्रभार	365.64	301.73
टेलीफोन–छात्रावास	1.70	5.97
अन्य	343.11	231.00
कुल (ख)	**1,135.42**	**1,050.58**
ग) सतत् शिक्षा कार्यक्रम व्यय	**235.19**	**248.57**
कुल (क+ख+ग)	**3,100.04**	**2,901.68**

अनुसूची 14 : स्थापना व्यय **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
वेतन और मजदूरी	6,474.01	4,352.45
भत्ते और बोनस	1,876.27	3,442.60
भविष्य निधि में अंशदान	684.55	645.28
कर्मचारी कल्याण व्यय तथा अन्य स्थापना व्यय	57.94	39.19
कर्मचारी सेवानिवृत्ति पर व्यय	1,063.37	616.91
ईडीआईएल प्रीमियम	13.61	12.27
भर्ती व्यय	13.00	8.58
छठे केंद्रीय वेतन का बकाया (वेतन आयोग)	–	–
भारत में प्रशिक्षण–अधिकारी / कर्मचारी	0.92	7.18
कुल	**10,183.67**	**9,124.46**

अनुसूची 15 : अन्य प्रशासनिक व्यय **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
क) प्रशासनिक व्यय		
बीमा–वाहन	5.67	5.88
बीमा–अन्य	4.18	2.48
मरम्मत एवं रखरखाव–उपकरण	82.52	78.10
मरम्मत एवं रखरखाव–फर्नीचर	13.21	15.96
मरम्मत एवं रखरखाव–वाहन	42.35	37.51
अतिथि ग्रह व्यय	7.39	11.23
वाहन चालन	79.56	73.23
डाक, तार और टेलीफोन	55.50	57.87
मुद्रण और स्टेशनरी	101.98	111.64
भारत में यात्रा	74.51	88.39
विदेश में यात्रा	5.00	7.42
बीओजी व्यय	13.38	23.91
संविधिक लेखापरीक्षा शुल्क (सीएजी)	9.80	3.50
आंतरिक लेखापरीक्षा शुल्क	24.69	25.63
आतिथ्य	17.92	16.34
विधिक और व्यवसायिक प्रभार	25.66	27.53
विज्ञापन–प्रशासन	17.91	22.63
सुरक्षा व्यय	456.80	366.04
विविध व्यय	79.03	91.38
कुल (क)	**1,117.06**	**1,066.67**

ख) भवन रख–रखाव व्यय		
बीमा–भवन	10.19	11.12
मरम्मत एवं रखरखाव–भवन	203.08	163.38
डीजी सेट व्यय	34.41	26.59
हाउसकीपिंग व्यय	374.34	327.95
संपत्तिकर	100.86	59.52
बिजली व्यय एवं जल प्रभार	686.19	570.82
बागवानी	13.75	14.22
कुल (ख)	**1,422.82**	**1,173.60**
कुल (क+ख)	**2,539.88**	**2,240.27**

अनुसूची 16 : ब्याज और बैंक प्रभार **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
ब्याज और बैंक प्रभार	0.66	1.51
कुल	**0.66**	**1.51**

अनुसूची 17 : मूल्यह्रास **लाख रुपए में**

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
मूल्यह्रास	2,279.37	2,162.88
कुल	**2,279.37**	**2,162.88**

अनुसूची 18 : पूर्व–अवधि आय लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
अनुदान सहायता (राजस्व)	-	52.77
अन्य आय	75.52	134.64
कुल	**75.52**	**187.41**

अनुसूची 19 : पूर्व अवधि व्यय लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
शैक्षणिक व्यय	12.34	69.72
वेतन	89.70	15.65
मूल्यह्रास	53.42	19.34
अन्य व्यय	155.51	255.70
कुल	**310.97**	**360.41**

अनुसूची 20 : डीडीएफ /सीडीएफ में अंतरित लाख रुपए में

विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015
डीडीएफ में अंतरित	372.56	381.55
कुल	**372.56**	**381.55**

अनुसूची 21: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां

क. लेखांकन नीतियां

1. वार्षिक लेखे उपार्जित आधार पर, ऐतिहासिक लागत धारणा के अन्तर्गत भारत में प्रायः स्वीकार्य सिद्धान्तों और 'इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। इन लेखांकन नीतियों तथा मानकों का एकरूप से अनुप्रयोग किया गया है। वार्षिक लेखे चालू अवधारणा आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. केन्द्र/राज्य सरकार से अनुदान को मान्यता

केन्द्र/राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान का लेखांकन आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 12 को अपनाकर किया गया है अर्थात् सरकारी अनुदान को तभी मान्यता दी जाती है जब न्यायोचित यह निश्चित हो कि अंततः संग्रहण किया जाएगा।

i) सरकारी अनुदान को जो राजस्व से संबंधित है आय एवं व्यय खाते में संबंधित अवधि के लागत जिसकी वे प्रतिपूर्ति करने को तप्पर हों को व्यक्त स्थित आधार पर स्वीकार किया जाता है। इस प्रकार के अनुदानों को अलग से आय एवं व्यय खाते में ''अनुदान सहायता'' शीर्षक तहत दिखाया जाता है।

ii) सरकारी अनुदान जो कि योजना निधि के तहत पूंजीगत व्यय हेतु प्राप्त होते हैं उन्हें अनुसूची–2 के अंतर्गत पूँजी आरक्षित निधि ''सरकारी अनुदान'' के रूप में माना जाता है। इन्हें प्रमोटरों के योगदान के रूप में माना जाता है और इसे विलंबित आय नहीं माना जाता है।

iii) अचल परिसम्पत्तियाँ जिन्हें प्रमोटरों के अंशदान की प्रकृति के सरकारी अनुदान से बनाया/खरीदा गया है के ऊपर मूल्यह्रास निफ्ट लेखा नीति के अनुसार लगाया जाता है और इससे संबंधित अनुदान को आय एवं व्यय लेखे में अंतरित/स्थानांतरति नहीं किया जाता है।

iv) सरकारी अनुदान जो कि गैर मौद्रिक सम्पत्ति के तौर पर होते हैं इन्हें रियायती दरों पर दिया गया है और उन्हें उसकी प्राप्ति की लागत के आधार पर रखा जाता है। गैर मौद्रिक सम्पत्तियों को जिन्हें बिना मूल्य दे दिया गया है को सामान्य मान रु.1 रु. 100 अथवा रु. 1000 के रूप में दर्ज किया गया है।

3. छात्रों और परियोजना से शुल्क व परामर्शी शुल्क

छात्रों से शुल्क

छात्रों से प्राप्त शुल्क उपार्जन आधार पर लेखांकित किया जाता है।

परियोजना और परामर्शी शुल्क

परियोजना और परामर्श शुल्क को परियोजना की पूर्णता पर लेखों में लिया जाता है।

4. निवेश

चालू निवेश को लागत अथवा सही बाजार मूल्य, जो भी कम हो पर दर्शाया गया है। दीर्घावधि निवेश को लागत पर दर्शाया गया है सिवाय जब निवेश मूल्य में स्थायी कमी है।

5. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

अचल परिसंपत्तिया को भाड़े, चुंगी, सीमा–शुल्क व अन्य आकस्मिक खर्चों, में से संचयी मूल्यह्रास घटाकर, सहित मूल लागत पर दर्शाया गया है।

(i) वर्ष के दौरान भवन निर्माण, आंतरिक कार्य आदि पर हो रहे खर्च को यदि कार्य पूरा नहीं हुआ है तो 'प्रगति में पूंजीगत कार्य' शीर्ष में लिया गया है।

(ii) 30 सितम्बर को अथवा उससे पूर्व अधिग्रहित परिसंपत्तियों पर 100 प्रतिशत की दर से और 30 सितम्बर के बाद अधिग्रहित पर 50 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया गया है।

(iii) मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर निम्नलिखित निर्धारित दरों पर प्रभारित किया गया है:

विवरण	मूल्यह्रास की दर
भवन	1.63%
कक्षा उपकरण	15.00%
कंप्यूटर हार्डवेयर	16.21%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	16.21%
बिजली मशीन	15.00%
फर्नीचर व जुड़नार/फिटिंग	6.33%
कार्यालय उपकरण	15.00%
पुस्तकें	20.00%
संसाधन केन्द्र संग्रहण	20.00%
छात्रावास उपकरण	6.33%
मोटर कार (हल्के वाहन)	9.50%
बस(भारी वाहन)	11.31%
परियोजना सम्पत्तियां	परिसम्पत्ति वर्ग के आधार पर
पुस्तकें और पत्र–पत्रिकाएं	100.00%
अन्य परिसंपत्तिया	परिसम्पत्ति वर्ग के आधार पर

(iv) अचल परिसंपत्तियो पर मूल्यह्रास सकल मूल्य के 95 प्रतिशत तक प्रावधानित किया गया है और इसके बाद मूल्यह्रास का प्रावधान नहीं किया गया है।

(v) परिसंपत्तियों के विक्रय/विलोप अंतरण पर मूल्यह्रास विक्रय/विलोप/अंतरण की तारीख तक ही प्रावधानित किया गया है।

6. कर्मचारी सेवा–निवृत्ति, हितलाभ व अन्य हितलाभ

(i) छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान बीमांकित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा की गई वास्तविक गणना के आधार पर किया गया है और इसके लिए अतिरिक्त प्रावधान भारत सरकार के नियमानुसार उन कर्मचारियों के लिए बनाए गए जो कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर हैं और जिनके लिए भारतीय जीवन बीमा निगम की वास्तविक गणना में प्रावधान नहीं किया गया है।

(ii) चालू वर्ष में, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान बीमांकित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा की गई वास्तविक गणना के आधार पर किया गया है और इसके लिए अतिरिक्त प्रावधान भारत सरकार के नियमानुसार उन कर्मचारियों के लिए बनाए गए जो कर्मचारी प्रति नियुक्ति पर हैं और जिनके लिए भारतीय जीवन बीमा निगम की वास्तविक गणना में प्रावधान नहीं किया गया है।

(iii) भवन निर्माण अग्रिम, कार अग्रिम और स्कूटर अग्रिम आदि जैसे अग्रिमों पर कर्मचारियों से वसूलनीय ब्याज का वसूली के वर्ष में लेखांकन किया गया है।

7. बीमा दावा

बीमा दावे का लेखांकन 'यथा निपटान' आधार पर किया जाता है।

8. विदेशी मुद्रा व्यवहार

विदेशी मुद्रा संव्यवहार को संबंधित संव्यवहार की तारीख को लागू विनियम दर पर दर्ज किया जाता है। वर्ष के दौरान निपटारित विदेशी विनियम अंतर पर उपजे विनियम अंतर का लाभ व हानि लेखे में लेखांकन किया जाता है। विदेशी मुद्रा से अधिग्रहित संपत्तियों को संव्यवहार के समय पूंजीकृत किया जाता है।

विदेशी मुद्रा में अंकित मौद्रिक चालू परिसंपत्तियों और मौद्रिक चालू देयताओं को तुलन–पत्र के तारीख पर लागू विनियम दर से परिवर्तित किया जाता है। परिणामी अंतर को लाभ व हानि लेखे में रिकार्ड किया जाता है।

ख. <u>लेखों पर टिप्पणियां</u>

1. विभिन्न राज्यों ने अपने राज्यों में निफ्ट की स्थापना हेतु निःशुल्क अथवा रियायती दरों पर भूमि प्रदान की है। भूमि को वास्तविक प्रदत्त राशि अथवा नाममात्र मूल्य (अर्थात रुपया 1/–रुपया 100/– रुपया 1000/–) पर आईसीएआई द्वारा जारी ''लेखांकन मानक 10 अचल परिसंपत्तियों का लेखांकन'' अपनाकर जो भी अधिक हो पर अचल परिसंपत्ति के रूप में दर्ज किया गया है। तथापि, उन कैम्पस के मामले में जिन्होंने रुपये 1/– रुपये 100/– या रुपये 1000/– का भूमि मूल्य दर्ज किया है, आंकड़ों को लाख में पूर्णांकित करने के कारण अनुसूची 5क में उनकी अचल परिसंपत्तियों में भूमि दिखाई नहीं दे रही है। दर्ज किए गए भूमि का ब्यौरा कैम्पस वार नीचे दिया गया है:–

कैम्पस	**बही मूल्य रूपये में**	**पट्टे पर/ फ्री होल्ड**	**भूमि क्षेत्र**
निफ्ट मुम्बई	2,15,10,433 रु	पट्टे पर	36110 वर्ग मीटर
निफ्ट कोलकाता	9,78,341 रु	पट्टे पर	3.276 एकड़
निफ्ट चेन्नई	शून्य*	पट्टे पर	7.29 एकड़
निफ्ट भोपाल	1 रु	फ्री होल्ड	29 एकड़
निफ्ट हैदराबाद	शून्य	फ्री होल्ड	9.25 एकड़
निफ्ट बेंगलुरू	1 रु **	पट्टे पर	18067.36 वर्ग मीटर
निफ्ट रायबरेली	शून्य ***	पट्टे पर	11.46 एकड़
निफ्ट जोधपुर	1 रु	पट्टे पर	20 एकड़
निफ्ट गांधी नगर	शून्य 1 रु	फ्री होल्ड पट्टे पर	20,000 वर्ग मीटर 6,000 वर्ग मीटर
निफ्ट शिलांग	शून्य	पट्टे पर	20.13 एकड़
निफ्ट कांगड़ा	1 रु ***	–	26 एकड़
निफ्ट कन्नुर	92,980**** रु	पट्टे पर	3.774 हैक्टेयर
निफ्ट पटना	210 रु	फ्री होल्ड	5.999 एकड़
निफ्ट भुवनेश्वर	1 रु	पट्टे पर	10.046 एकड़
निफ्ट श्रीनगर	शून्य	–	भूमि अभी श्रीनगर कैम्पस के कब्जे में नहीं है
निफ्ट मुख्यालय	1,19,26,762 रु.	पट्टे पर	3.796 एकड़
निफ्ट नई दिल्ली	शून्य	–	मुख्यालय के कैम्पस में
कुल	**3,45,08,732 रु.**		

* भूमि दर्ज नहीं की गई है क्योंकि निफ्ट, चैन्नई के पक्ष में स्वत्व हस्तांतरित नहीं हुआ है और इसका कोई साक्ष्य नहीं है कि तमिलनाडु सरकार से निफ्ट चैन्नई को संपत्ति का हस्तांतरण हो गया है।

** बैंगलूरू विकास प्राधिकरण से प्राप्त भूमि 30 वर्ष के लिए पट्टे पर है।

*** वर्तमान में निफ्ट रायबरेली कैम्पस मै. आई.टी.आई. लिमिटेड से 4 साल 11 महीनों के लिए 15 दिसम्बर 2013 से लीज पर ली गई 11.46 एकड़ जमीन पर चल रहा है। निफ्ट रायबरेली को भूमि नहीं आबंटित/दी गई है अतः बुक नहीं की गई, बल्कि निफ्ट रायबरेली परिसर का किराया प्रभार दे रहा है।

**** हिमाचल प्रदेश की सरकार ने निफ्ट कैंपस के निर्माण के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग को भूमि स्थानांनतरित कर दी।

***** रु. 91,980/– के व्यय को पट्टे पर जमीन के संबंध में वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान पूंजीकृत कर दिया है।

2. छात्रों से प्राप्त फीस को उपार्जन आधार पर चालू वित्तीय वर्ष में माना गया है जो कि पिछले वर्ष प्राप्ति के आधार पर थी। छात्रों से फीस सेमेस्टर रूप में प्राप्त की गई अर्थात् जनवरी में फीस जनवरी से जून सेमेस्टर हेतु ली गई और जुलाई में जुलाई से दिसम्बर सेमेस्टर हेतु फीस ली गई। इसके अतिरिक्त जनवरी में प्राप्त फीस को चालू वित्तीय वर्ष और अगले वित्तीय वर्ष की फीस के रूप में वर्गीकृत किया गया। अग्रिम रूप में प्राप्त फीस को ''छात्रों से प्राप्त अग्रिम फीस'' में माना गया।

3. सरकारी अनुदान जो प्लान फण्डों हेतु प्राप्त एवं उपयोग किए गए हैं को तुलन पत्र में ''अनुसूची–2 सरकारी अनुदान'' के तौर पर दिखाया गया है और इससे सम्बन्धित खरीदी गई सम्पत्तियों को कम किया गया है। यद्यपि समानुपात में मूल्यह्रास के बराबर राशि का सरकारी अनुदान से आय एवं व्यय खाते में हस्तांतरण नहीं किया गया और उसको आईसीएआई के द्वारा जारी एएस–12 के तहत प्रमोटर का अंशदान माना गया। इस पर सी एण्ड एजी द्वारा अलग ऑडिट रिपोर्ट (पैरा–बी.1) वर्ष 2012–13 एवं 2013–14 में अपत्ति उठाई गई। चालू वर्ष में वस्त्र मंत्रालय को पत्र लिखकर उनमें ऐसे परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास चार्ज लगाने की अनुमति माँगी गई है और ऐसा समानुपातिक राशि के आय एवं व्यय लेखा में स्थानांतरीत के बिना पूछा गया है। वस्त्र मंत्रालय से जब तक प्रत्युत्तर आए तब तक मौजूद परम्परा जारी रखी गई है।

4. ईयर मार्कड/इंडोमेण्ट फण्ड में निवेश पर मिलने वाली ब्याज आय को संबंधित खाते में अंतरित किया गया है।

5. समानरूप से सरकारी अनुदान के मामले में निवेश पर होने वाली ब्याज आय को सरकारी अनुदान लेखों में अंतरित किया गया।

6. प्रबंधन की राय में चालू परिसम्पत्तियों एवं ऋणों तथा अग्रिम को जो 31.3.2016 तक सामान्य कार्य के दौरान मान नकदीकरण किया जाए और यह कम से कम अब तक तुलन पत्र में बताई गई राशि के बराबर के हों।

7. 31.03.2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष से संबंधित सभी ज्ञात और निश्चित देयताओं और सभी आय व व्यय का संस्थान द्वारा अपनाई जा रही लेखांकन नीति के अनुसार लेखों में प्रावधान/लेखांकन किया गया है।

8. वित्तीय वर्ष के लिए आयकर हेतु कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि संस्थान की आय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और कथित अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के अंतर्गत छूट प्राप्त है।

9. सामान्य तौर पर अंशदान/स्थानांतरण विभिन्न ईयर मार्कड फण्डों जैसे डीडीएफ/सीडीएफ एनडीएफ इत्यादि को सीधे ही फण्ड में किया जाए बिना इसे आय एवं व्यय खाते में डाले। यद्यपि डीडीएफ/सीडीएफ मामलों में कुछ कैम्पसों ने डीडीएफ/सीडीएफ अतंरण को आय एवं व्यय खाते के माध्यम से किया है जो कि पिछले वर्ष के 372.56 लाख की तुलना में रु. 381.55 लाख है।

10. संस्थान ने राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त निधियों में उपयोगित अनुदान के संबंध में वित्तीय वर्ष 2014–15 के रु. 7685.65 लाख की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान रु. 6655.89लाख पूंजीकृत किए हैं। कैम्पसवार पूंजीकृत अनुदान निम्नानुसार हैः

कैम्पस	वित्तीय वर्ष 2015–16	वित्तीय वर्ष 2014–15
निफ्ट भोपाल	21.04	151.24
निफ्ट भुवनेश्वर	269.05	696.64
निफ्ट चैन्नई	990.32	834.11
निफ्ट कांगड़ा	143.68	148.28
निफ्ट गांधी नगर	-	81.75
निफ्ट मुख्यालय	98.51	-
निफ्ट कुन्नूर	120.91	427.22
निफ्ट मुम्बई	937.29	1246.86
निफ्ट दिल्ली	1461.00	1300.00
निफ्ट पटना	701.79	917.72
निफ्ट रायबरेली	267.58	123.22

निफ्ट शिलांग	1618.87	1519.14
निफ्ट कोलकाता	-	203.83
निफ्ट हैदराबाद	-	1.98
निफ्ट श्रीनगर	25.85	33.56
कुल	**6655.89**	**7685.65**

11. चालू परिसंपत्तियों और ऋण व अग्रिम (अनुसूची–7) में रु. 1000 लाख की राशि, ब्लॉक अनुदान योजना में उल्लिखित अप्रत्याशित घटना के अनुसार छठे केन्द्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन के कारण वसूलनीय ब्लॉक अनुदान के संबंध में, वस्त्र मंत्रालय से वसूलनीय है जो वर्ष 2009–10 से बकाया है। निफ्ट प्रबंधन का विश्वास है कि अनुदान शीघ्र मिल जाएगी। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के निर्देशानुसार वस्त्र मंत्रालय ने मामला उठाया है।

12. वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015–16 में विभिन्न कैम्पसों के संबंध में विभिन्न कोर्टों/प्राधिकरणों में 60 विधि मामले लंबित हैं जिनके लिए अनुमानित आकस्मिक देयताएँ रु. 38.03 लाख है। पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 45 विधि मामले थे जिनकी अनुमानित आकस्मिक देयताएँ रु. 99.93 लाख थीं। हालांकि इस संबंध में निफ्ट कोई देयता प्रत्याशित नहीं करता अतः कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

13. पुनर्वर्गीकरण/पुर्नसमूहन/एकत्रीकरण को कई मदों हेतु चालू वर्ष अथवा पिछले वर्ष के लिए जब आवश्यकता हुई, बनाया गया है अर्थात् चालू देयताओं एवं उपबंधो, चालू परिसम्पत्तियाँ एवं ऋणों तथा अग्रिमों, व्यय एवं आय, नियत परिसम्पत्ति एवं कैपीटल फण्ड इत्यादि हेतु।

14. चालू परिसम्पत्तियों एवं ऋणों तथा अग्रिमों विविध लेनदारों एवं देयताओं को पुष्टि और मिलान के अधीन किया जाएगा। यदि इसका कोई प्रभाव होगा तो उसे बाद के पुष्टि और मिलान के दौरान उसे लेखा में सम्मिलित किया जाएगा।

15. तुलन–पत्र, आय व व्यय, प्राप्तियां और भुगतान लेखों और अनुसूचियों में आंकड़े लाख रुपये में दर्शाए गए हैं। इस प्रयोजन के लिए आंकड़ों को दो दशमलव बिंदु सहित पूणांकित किया गया है। कुछ स्थानों पर आंकड़ों को बराबर/मिलान करने के लिए रुपये 0.01 लाख का समायोजन (वृद्धि/कटौती) की गई है।

16. मार्गस्थ आस्तियों के लिए रुपये 261.10 लाख तथा पूंजीगत वस्तुओं के शीर्ष के अंतर्गत देयताओं के संबंध में दिए गए आपूर्ति आदेश के आधार पर वास्तविक रसीद के बिना लेखा बहियों में दर्ज किया गया है।

17. निफ्ट ने कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विकसित करने के लिए पेशेवरों को कार्य में संलग्न किया गया है। 31 मार्च 2016 तक सॉफ्टवेयर विकसित करने वाले पेशेवरों का पारिश्रमिक रु. 19.35 लाख और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए रु. 475.64 लाख (कुल 494.99 लाख) तक की राशि को प्रगति में पूंजीगत कार्य (अन्य) शीर्ष के तहत दर्शाया गया है और परियोजना के पूरा होने पर, इसे अमूर्त आस्तियों के तहत पूंजीगत किया जाएगा।

कृते ज्ञानेन्द्र एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण संख्या 004661 एन)

ह./–	**ह./–**	**ह./–**	**ह./–**
सीए रमेश कौल	**(एस.पी. सिंह)**	**(सीएमए बी.के. पांडे)**	**(सुधीर त्रिपाठी)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले)**	**निदेशक (वि.व.ले)**	**महानिदेशक**
(सदस्यता संख्या 077804)			

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22, जून, 2016

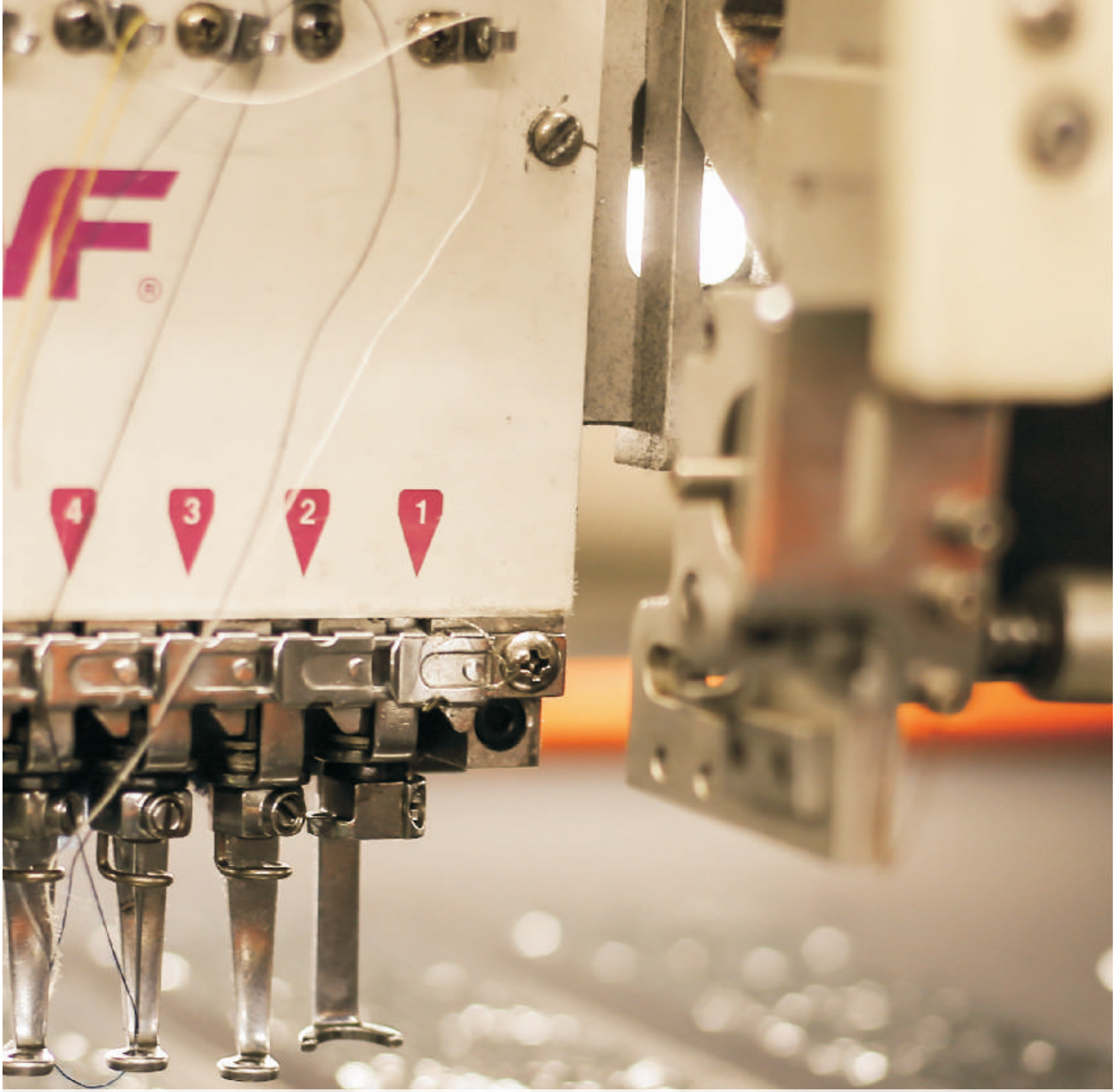
4
3
2
1